

ICAR INITIATIVES DURING COVID-19 PANDEMIC



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन, नई दिल्ली

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH Krishi Bhawan, New Delhi



When lockdown was announced none of us rushed to buy gold, land, cars or expensive phones. But, all of us rushed to buy fruits, vegetables, bread and milk.

Farmers are the soul of our planet.
THANK YOU FARMERS



हर कदम हर डगर किसानों का हमसफर



ICAR INITIATIVES DURING COVID-19 PANDEMIC



भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि भवन, नई दिल्ली INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH Krishi Bhawan, New Delhi

ICAR Initiatives during COVID-19 pandemic

April 2020, New Delhi

Guldance

Dr Trilochan Mohapatra, Secretary (DARE) & DG (ICAR)

Coordination

Dr A K Singh, DDG (AE), ICAR

Compilation

Dr Y G Prasad, Director, ATARI, Hyderabad

Source

Directors & Scientists of ATARI

Design & Production

Anil K Sharma, CP&PRO, ICAR

ePublished by

Dr. S.K. Singh, Project Director Incharge (DKMA), ICAR, New Delhi, Laser typeset by: M/s. Royal Offset Printers, A-89/1, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110028

CONTENT

S. No.	Particulars	Page No.
	Foreword	5
1	Introduction	7
2	2.1 National advisory for farmers (Hindi)	9
	2.2 English	13
	2.3 Regional translations	17
3	3.1 State Advisory for farmers (Hindi)	81
	3.2 State Advisory (English)	105
	3.3 Regional translations of State Advisory	125
4	Activities undertaken by ICAR- Research Institutes	155
5	Press coverage	167



FOREWORD

I CAR has responded to the challenges posed by COVID 19 to farmers and farming sector across the country in tune with the policy directions and guidelines issued by the Government of India to all the States and UTs. Taking note of the coincidence of the pandemic with critical farm operations in agriculture and allied sectors, ICAR alerted the farmers and stakeholders across the country on the pre-cautions, safety measures and need for social distancing while carrying out the time bound field operations such as harvesting, post-harvest processing, storage and marketing of grains, fruits, vegetables, eggs, meat and fish. ICAR issued an agro-advisory at the National level, which has been translated into 15 regional languages, widely circulated and has received prime coverage in print, electronic and social media across the country.

ICAR has prepared state-wise agro-advisories for farmers in all the 29 states depending on prevailing crop stage and safety measures to be followed in various farm operations related to standing crops and those crops getting ready for harvest. The advisories will be used for dissemination after translation in local languages through various print and electronic media and digital platforms by all stakeholders. Earlier, ICAR offered its facilities at its 100 institutes across the country for quarantine purpose to accommodate emergency cases, which are now being put to use by local authorities.

This e-book captures the ICAR initiatives for supporting farmers and farming sector across the country in our endeavor to fight this pandemic of COVID 19. Our collective resolve is strong as ever to fight this dreaded disease by dovetailing safety measures with the time bound agricultural operations to ensure health and wellbeing of our farming community and ensure food security through stability in our production systems.

(Trilochan Mohapatra) Secretary (DARE) & Director General (ICAR)

Mugnt-



INTRODUCTION

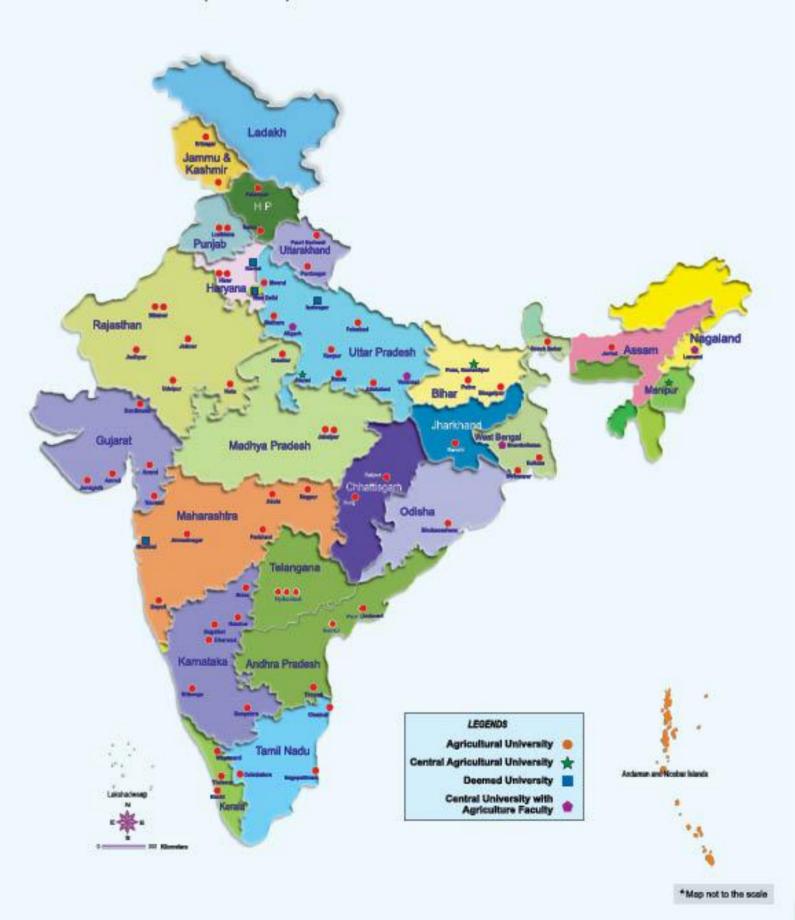
letter from ICAR addressed to farmers on farming issues of immediate interest and attention has been issued and widely circulated to all states. As a follow up to this letter, the National level agro-advisory was prepared by ICAR and has been issued to farmers to cope during the lockdown period due to COVID 19 mainly dovetailing the safety measures with current farming operations such as harvesting, post-harvest, storage and marketing along with timely measures in standing field and horticultural crops. The advisory has been translated into Hindi and other regional languages such as Punabi, Gujarati, Bengali, Assamese, Manipuri, Mizo, Khasi, Marathi, Oriya, Telugu, Tamil, Kannada & Malayalam. The national advisory has received wide coverage in the print and electronic media at the national and regional levels (press dippings enclosed) and social media. All KVKs at district level across the country have circulated the contents of the advisory in local languages through farmers whatsapp groups, mKisan ICT platform, telephone, SMS, radio and TV coverage. The advisory has been broadcast through DD Kisan and other TV channels. One important message is that wheat harvesting is delayed till 15th to 20th April as maturity has been slow due to prevalence of low temperatures in the wheat growing areas thus giving scope for adherence to much required social distancing and also preparedness to cope with the anticipated peak machine harvesting and associated safety measures to be followed. ICAR institutes and KVKs across the states have increasingly adopted digital communication of scientific advisories for the benefit of farmers during the lockdown period.

The government of India guidelines gave directions for several exemptions during lockdown period to facilitate unhindered activities related to agriculture and farming so as to ensure essential supplies without facing much difficulty during the lockdown. Based on the policy directions of GoI, various Ministriesè Departments of State Governments issued implementation guidelines to facilitate continuation of activities related to agriculture and allied sectors. In the light of these guidelines, ICAR has prepared state-wise advisories for all 29 states depending on prevailing crop stage and safety measures to be followed in various farm operations such as harvesting, post-harvest, storage and marketing activities (enclosed) for wider communication and dissemination to farmers in local languages through KVKs, ICAR Research Institutes and SAUs.

In addition, ICAR offered its facilities at its 100 institutes across the country to be used as quarantine units.

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

Institutes, Bureaux, National Research Centres and Directorates



2.1 NATIONAL AGRO-ADVISORY FOR FARMERS (HINDI)

कोविद-19 के कारण लॉकडाउन (बंदी) अवधि के दौरान किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए कृषि सलाह

भारत सरकार ने दिशानिर्देश' जारी किये है जिससे कि कृषि और इससे संबन्धित क्षेत्रों की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निर्धारित सावधानियों का पालन करते हुए जारी रह सके। किसानों की सुविधा के लिए इन्हें निष्कर्ष रूप में यहाँ सूचीबद्ध किया गया है

कृषि और संबन्धित गतिविधियाँ जिनको लॉकडाउन (बंदी) छूट प्राप्त हैं

- 1. पशु चिकित्सालय
- कृषि उत्पादों की सरकारी खरीद में लगे अभिकरण, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद भी सम्मिलित है
- 3. 'मंडियां' जो कृषि उत्पाद विपणन समितियों हारा संचालित है या जैसे राज्य सरकार हारा अधिसूचित है
- 4. किसानों एवं कृषि श्रमिकों हारा खेती-बाढ़ी की गतिविधियाँ
- कृषि मशीनों / यन्त्रों से संबन्धित यंत्र सुलिमकरण केंद्र (सी एच सी)
- 6. उर्वरक, पीइकनाशी (पेस्टीसाइड्स) और बीज का विनिर्माण / उत्पादन और पैकेजिंग करने वाली इकाइयाँ
- फसल कटाई और बुवाई से संबन्धित मशीनों जैसे कि कम्बाइन हार्वेस्टर और अन्य कृषि और बागवानी औजार आदि का अन्तः और अंतर राज्य आवागमन
- कृषि मशीनों / उपकरणों / औजारों, इनके अतिरिक्त पुर्जों (इनकी आपूर्ति शृंखला भी सम्मिलित) और मरम्मत की दुकाने खुली रहेगी
- 9. राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रक मरम्मत की दुकानें, ईंधन/पेट्रोल पम्प पर स्थित को प्राथमिकता/वरीयता
- 10. चाय उद्योग, जिसमें बागान भी सम्मिलित अधिकतम 50% श्रमिकों के साथ
- * बिन्दु (i से vii) गृह मंत्रालय, भारत सरकार देखे आदेश सं 40-3/2020-DM-I(1) दिनोंक 24, 25 and 27 मार्च 2020, उपधारा 2,4, 5 के अतिरिक्त एवं 6 के अपवाद के दिशा-निर्देश अनुसारय और बिन्दु (viii से x) एमएचए के आदेश सं 40-3/2020-DM&I(1) दिनोंक 24.03.2020 के चौथे परिशिष्ठ अनुसार जो की समेकित दिशानिर्देशों के संलग्नक के रूप में था

यह छूटें कृषि और किसानी से जुड़ी गतिविधियों को अबाध रूप में जारी रखने में मदद करेगी ताकि अनिवार्य आपूर्ति सुनिश्चित हो और किसानों को लॉकडाउन अविध में किसी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। भारत सरकार के नीति निर्देशों के आधार पर विभिन्न मंत्रालयों / राज्य सरकार के विभागों ने कृषि और इससे संबन्धित क्षेत्रों की गतिविधियों को जारी रखने के लिए अमल में लाने के लिए दिशा—निर्देश जारी किए है।





किसानों के लिए सलाह

फसलों की कटाई और मडाई

कोबिट—19 के फैलने के खतरे के बीच, रबी फसलों के पकाब का समय आ रहा है। फसल कटाई और उत्पाद को संभालना जिसमें शामिल है इसको विपणन के लिए ले जाना इन्हें टाला नहीं जा सकता क्योंकि कृषि कार्य समयबद्ध होते है। परंतु, किसानों को बीमारी के फैलाब को रोकने के लिए साक्धानियों और सुरक्षा उपायों को अपनाना पढ़ेगा।

साधारण उपायों में सम्मिलित है सामाजिक दूरी, हाथों को साबुन से धोकर अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, चेहरे पर मास्क पहनना, सुरक्षा परिधान और औजारों और मशीनों की सफाई। श्रमिकों को कृषि कार्यों की पूरी प्रक्रियाओं के दौरान प्रत्येक कदम पर सामाजिक दूरी और सुरक्षा उपायों को अपनाना चाहिए।

- उत्तर राज्यों में गेहूँ की कटाई नजदीक आ रही है और कम्बाइन हार्बेस्टर के राज्यों के अन्दर और एक से दूसरे राज्य में आवागमन की अनुमित दी गई है। मरम्मत, रख—रखाव और कटाई संबंधी कार्यों में लगे सभी श्रमिकों के सावधानियों और सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- सरसों रबी दूसरी महत्वपूर्ण फसल है, हाथ से कटाई चल रही है और जहां भी फसल कट गई है वहाँ महाई वाकी है।
- मसूर, मक्का, और मिर्ची की कटाई चल रही है और चना की जल्दी शुरू होने वाली है।
- 🔹 गन्ने की कटाई अपने चरम पर है और उत्तर भारत में हाथ से बुवाई का भी समय है।
- जो भी फसलों, फलों, सिक्जियों, अंडो और मछली की कटाई में लगे है उनके हारा, कृषि कार्यों के दौरान और बाद में, व्यक्तिगत स्वच्छता उपाय और सामाजिक दूरी को अपना जाना चाहिए।
- जहां कटाई/चुनाई कर कार्य हाथों से हो रहा हो, वहाँ कार्य को 4-5 फीट चौड़ाई की पिट्टियों में किया जाना चाहिए और एक पट्टी में एक व्यक्ति को कार्य करना चाहिए। इससे कार्यरत श्रमिकों में समुचित दूरी सुनिश्चित होगी।
- कार्यरत सभी व्यक्तियों को मास्क का उपयोग करना चाहिए और समुचित अंतराल पर साबुन से हाथ धोना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- आराम के दौरान, खाना खाते समय, उत्पाद का संग्रहण केन्द्र पर परिवहन के समय, उतारते / चढ़ते समय
 3-4 फीट की सुरक्षित दूरी बनाए रखे।
- जहां तक संभव हो कृषि कार्य समय अंतराल से करे और एक ही दिन में बहुत सारे लोगों को काम में लगाने से बच्चे।
- जहाँ तक संभव हों परिचित व्यक्तियों को ही कार्य में लगाए और आवश्यक पूछताछ के बाद ही लगाए ताकि कृषि कार्यों के दौरान किसी भी संदिग्ध या विषाण वाहक के प्रवेश से बचा जा सके।
- जहाँ भी व्यवहार्य हो वहाँ मशीनों से कटाई को प्राथमिकता देवें। मशीन के साथ केवल जरूरी संख्या में आवश्यक व्यक्तियों को ही अनुमति दे।
- सभी मशीनों को प्रवेश हार और नियमित अंतराल पर सेनीटाइज (अच्छी तरह से साफ सफाई) करते रहे। सभी परिवहन वाहनों, जूट बोरों या अन्य पैकेजिंग सामान को भी सेनीटाइज किया जाना चाहिए।



- उत्पाद का संग्रहण 3—4 फीट की दूरी पर छोटी ढेरियों में किया जा सकता है और खेत स्तर के प्रसंस्करण को प्रति ढेरी 1—2 व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए जिससे भीड़ से बचा जा सके।
- मक्का और मूँगफली के लिए उपयोग में लाये जाने वाले श्रेशर की उच्चित स्वच्छता और सफाई रखी जानी चाहिए, विशेषकर यदि मशीनें कृषक समूह हारा सहभागिता/साझेदारी में उपयोग लाई जा रही हो। मशीनों के उन भागों की प्रचूरता से साबुन के पानी से धुलाई करने की सलाह दी जाती है जिन्हें उपयोग के समय बार—बार छुआ जाता है।

फसल कटाई उपरान्त, भंडारण और कृषि उत्पाद का विपणन

- जब सुखाने, मढ़ाई, ओसाई, सफाई, श्रेणीकरण, छंटाई और पैकेजिंग आदि कार्य खेत पर करे तब, मुँह
 पर सुरक्षा मास्क जरूर पहने इससे धूल मिट्टी के कणों और ऐरोसोल के खिलाफ सुरक्षा मिल सकती है
 जिससे साँस संबंधी परेशानियों से बचा जा सके।
- भंडारण से पूर्व अनाजों, दलहनों और मोटे अनाजों को खेत / घर पर पूरी तरह से सुखाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए और गत वर्ष उपयोग में लाये जूट बोरों का फिर से उपयोग करने से बचना चाहिए ताकि कीड़ों के प्रकोप से बचाव हों। जूट के बोरों का 5% नीम के घोल में डूबाने और सुखाने के बाद प्रयोग करें।
- उत्पाद को खेत पर या नजदिकी शीत भंडार गृह, गोदाम, आदि में भंडारण करें, यदि बेहतर भाव एक लिए जरूरी हो तो, भंडारण के लिए जूट बोरों का उपयोग पर्याप्त सावधानी के साथ करना चाहिए जो कि किसानों को पर्याप्त संख्या में उपलब्ध करवाए गए है।
- कृषि उत्पाद को लिए चढ़ाने और परिवहन करने तथा मंडी में बेचान के लिए नीलामी में भाग लेते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए।
- बीज उत्पादक किसानों को आवश्यक जरूरी कागजात के साथ बीज कंपनियों को बीज परिवहन करने की अनुमित होगी और भुगतान प्राप्ति के समय सावधानी अपनानी होगी।
- बीज प्रसंस्करण / पैकेजिंग संयंत्र और बीज उत्पादक राज्यों से बीजों का फसल उगाने वाले राज्यों (दक्षिण से उत्तर) तक परिवहन अत्यंत आवश्यक है ताकि खरीफ फसलों के लिए बीज उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।
- सिक्जियों जैसे टमाटर, फूलगोमी, हरी पत्तेदार सिक्जियों, कहूबर्गीय और अन्य सिक्जियों के खेत से सीधा बेचने (विपणन)/आपूर्ति करने में सावधानी बरती जानी चाहिए।

खेत में खडी फसलें

- ज्यादातर गेहूं उगाने वाले क्षेत्रों में तापमान अभी भी दीर्घ—अविध औसत तापमान से नीचे चल रहा है
 जिससे गेहूं की कटाई में कम से कम 10—15 दिनों की देरी होगी यानि 10 अप्रैल से आगे तक, इसलिए,
 किसान गेहूं की कटाई 20 अप्रैल तक कर सकते है उपज में बिना किसी महत्वपूर्ण नुकसान के, इससे
 उनको पर्याप्त समय मिल जाएगा, खरीद के लिए सहायक उपायों का प्रबंध करने और तिथि घोषित
 करने में।
- दक्षिणी राज्यों में धान की फसल दाना भरने की अवस्था में है और ये ग्रीवा झुलसा के प्रकोप से बड़े स्तर पर प्रभावित होती है, जब अनुमोदित फर्फूंदनाशक का संविदा पर छिद्धकने वाले/किसान छिद्धकाव करे तब पर्याप्त सावधानी बरती जानी चाहिए।





- धान की कटाई की अवस्था में यदि कहीं पर बेमौसम बारिश हो जाए तो दानों को अंकुरित होने से बचाने के लिए 5% नमक के घोल का छिड़काव करें।
- बागवानी फसलों में फलन अवस्था है, जैसे कि आम, पौषक तत्व छिद्धकाव व पौध संरक्षण जैसी कृषि क्रियाएँ करते समय आदानों को संभालने, मिलाने, पहुंचाने और उपकरणों को धोने आदि में सावधानी बरती जानी चाहिए।
- धान के बाद में ग्रीष्मकालीन दलहनों में, सफेद मक्खी के प्रबंधन पूरे सुरक्षा उपायों के साथ किया जाना चाहिए जिससे पीला मौजेक विषाणु के प्रकोप से बचा जा सके।





2.2 NATIONAL AGRO-ADVISORY FOR FARMERS (ENGLISH)

Agro-advisory for farmers and farming sector during lockdown period due to COVID-19

Government of India has brought out guidelines* so that important agricultural and allied sector activities continue with the prescribed precautions in place. For the benefits of the farmers, these are extracted and listed here.

AGRICULTURALAND ALLIED ACTIVITIES EXEMPTED FROM LOCKDOWN*

- 1. Veterinary hospitals
- 2. Agencies engaged in procurement of agriculture products, including MSP operations
- 'Mandis' operated by the Agriculture Produce Market Committee or as notified by the State Government
- 4. Farming operations by farmers and farm workers in the field
- 5. Custom hiring centres (CHC) related to farm machinery
- 6. Manufacturing and packaging units of Fertilizers, Pesticides and Seeds
- Intra and inter-state movement of harvesting and sowing related machines like combined harvester and other agriculture/ horticulture implements
- Shops of agriculture machinery, its spare parts (including its supply chain) and repairs to remain open
- Shops for truck repairs on highways, preferably at fuel pumps
- Tea Industry, including plantation with maximum of 50% workers

*points (i to vii) as per guidelines of Ministry of Home Affairs, GoI vide Order No.40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions; and points (viii to x) as per 4th addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24.03.2020.

These exemptions will facilitate unhindered activities related to agriculture and farming so as to ensure essential supplies and farmers do not face any difficulty during the lockdown.

Based on the policy directions of GoI, various ministries/ departments of State Governments issued implementation guidelines to facilitate continuation of activities related to agriculture and allied sectors.

ADVISORY FOR FARMERS

Harvesting & threshing of crops

Amidst the threat of COVID-19 spread, the rabi crops are approaching maturity. Harvesting and handling of the produce including its movement to the market are inevitable as the agricultural operations are time bound. However, famers are to follow precautions and safety measures to be taken to prevent the disease spread. Simple measures include social distancing, maintaining personal hygiene by washing of hands with soap, wearing of face mask, protective clothing and



cleaning of implements and machinery. Workers to follow safety measures and social distancing at each and every step in the entire process of field operations.

- Harvesting of wheat is approaching in several northern states through combine harvesters and their movement within state and between states has been permitted. Precautions and safety measures of workers engaged in repair, maintenance and harvesting operation is to be ensured.
- Mustard is the second important rabi crop, manual harvesting is in progress and threshing is due wherever already harvested
- Harvesting of lentil, maize and chillies is in progress and gram is fast approaching.
- Sugarcane harvesting is at peak and is also time for manual planting in the north
- Measures of personal hygiene and social distancing to be followed by those engaged in harvesting of all field crops, fruits, vegetables, eggs and fishes before, during and after executing the field operation.
- In case of manual field operations of harvesting/ picking, accomplish the operation in 4-5 feet spaced strips assigning one strip to one person. This will ensure adequate spacing between the engaged labour.
- All the persons engaged should use masks and ensure hand washing with shop at reasonable intervals.
- Maintain safe distance of 3-4 feet during rest, taking of meals, transfer of produce at collection point, loading/unloading.
- Stagger the field operations wherever possible and avoid engaging greater number of persons on the same day.
- Engage only familiar persons to the extent possible and after reasonable enquiry as to avoid the entry of any suspect or likely carrier during field activity.
- Prefer mechanized operations over the manual wherever feasible. Only the essential numbers
 of persons should be allowed to accompany the machine.
- All machines should be sanitized at the entry point and at regular intervals. All transport vehicles, gunny bags or other packaging material should also be sanitized
- The collection of the produce may be done in small heaps spaced at 3-4 feet and field level processing should be assigned to 1-2 persons/heap to avoid crowding.
- Proper sanitation and cleanliness of threshers for harvested maize and groundnut is to be maintained especially when machines are shared and used by farmer groups. Copious washing of machine parts frequently touched with soap is advised.

POST-HARVEST, STORAGE AND MARKETING OF FARM PRODUCE

- While performing drying, threshing, winnowing, cleaning, grading, sorting and packaging operations at the farm level, wearing of protective face mask may help against aerosols and dust particles to prevent respiratory difficulties.
- Ensure proper drying prior to storage of harvested grains, millets, pulses at farm/home and
 do not use reuse previous seasons jute bags to prevent pest infestation. Use treated and dried
 gunnies after soaking in 5% neem solution.
- Adequate pre-cautions to be taken for storage of produce at the farm in jute bags that are made



available in sufficient numbers to farmers or in nearby cold storages/ godowns / warehouses, if needed for better price realization

- Adequate personal safety measures to be taken for loading and transporting of farm produce and while participating in sale at market yards/ auction platforms
- Seed producer farmers are permitted to transport to seed companies with supporting documents and to follow precautions while receiving payments
- Seed processing/packaging plants and transportation of seed from seed producing states to growing states (South to north) is essential to make available seed for ensuing kharif crops eg., SSG seed for green fodder for sowing in April in north comes from southern states
- Precautions to be followed for direct marketing/ supply of vegetables such as tomato, cauliflower, green leafy vegetables, cucumbers and other cucurbits from farms

STANDING FIELD CROPS

- The temperature in most of the wheat growing areas is still below long-term average and likely
 to delay wheat harvesting by at least 10-15 days beyond April 10, therefore, farmers can delay
 wheat harvesting till April 20 without incurring any significant loss, which gives enough time
 to manage logistics for procurement and announcement of dates
- Rabi Paddy in grain filling stage in southern states is widely affected due to neck blast incidence, adequate pre-cautions to be taken while spraying of recommended fungicide by contract sprayers/ farmers
- In case of any unseasonal rain at harvesting stage in paddy, spray 5% salt solution to prevent seed germination
- In horticultural crops at fruiting stage such as mango, while carrying out field operations related to nutrient sprays and crop protection adequate precautions in handling of inputs, mixing, delivery and washing of equipment is to be undertaken
- In summer pulses in rice fallows, whitefly management with proper safety measures may be taken up to prevent yellow mosaic virus incidence





ASSAM



2.3 REGIONAL TRANSLATIONS OF NATIONAL ADVISORY FOR FARMERS

ASSAMESE

ক'ভিড ১৯ নামৰ ভাইৰাচৰ বিস্তাৰ প্ৰতিৰোধৰ বাবে আহ্বান জনোৱা ল'ক ডাউন সময়ছোৱাত কৃষকবন্ধ আৰু কৃষি খণ্ডৰ বাবে কৃষি সম্পৰ্কীয় গৰামৰ্শৱলী

ভাৰত চৰকাৰে দেশৰ কৃষি আৰু ইয়াৰ সহযোগী ছেত্ৰসমূহত সভৰ্কভাৰে কৰিবলগীয়া বিভিন্ন কাৰ্যসমূহৰ বাবে কিছু নিৰ্দেশাৱলী প্ৰস্তুত কৰিছে। কৃষকৰ সুবিধাৰ্যে আৰু সহায়ৰ বাবে এই সমূহ ভলত উল্লেখ কৰা হ'ল

তলাবন্ধৰপৰা অব্যাহতি প্ৰদানকৰা কৃষি আৰু কৃষিসম্বন্ধীয় কামকাজসমূহ

- (i) পশুচিকিৎসালয়
- নৃন্যতম সম্থন মৃল্যৰ লগত জড়িত সকলোকোসামৰিকৃষিজাতসামগ্ৰীসমূহৰক্ষ (procurement)ৰ
 লগত জড়িতসংক্ষাসমূহ।
- (iii) কৃষিউৎপাদিতসামগ্ৰীৰবজাৰসমিতিৰদ্বাৰাপৰিচালিতঅথবাৰাজ্যচৰকাৰৰদ্বাৰাবিজ্ঞাপিত বজাৰসমূহ।
- (iv) কৃষক আৰু কৃষিৰলগতজড়িতমহিলাসকলেকৃষিক্ষেত্ৰতকৰাকৃষিকৰ্মসমূহ।
- কৃষিসজুলিসম্বন্ধীয় Custom Hiring Centres (CHC) সমূহ।
- (vi) সাৰ, কীটনাশক আৰু বীজউৎপাদন আৰু পেকেটকৰাএকক (unit)সমূহ।
- (vii) শস্যচপোৱা আৰু ভটিসিচাঁৰ লগত জড়িত কৃষি সজুঁলি সমূহ যেনে Combine Harvester ৰ লগতেঅন্যান্যকৃষি আৰু উদ্যান শস্যসম্বনীয় কৃষিসজুঁলিসমূহ ৰাজ্যৰ ভিতৰতে অথবা আন্তঃৰাজ্যিক আদান-প্ৰদান।
- viii) কৃষি ক্ষেত্ৰত ব্যৱহৃত বিভিন্ন সা-সঁজুলি, যন্ত্ৰ পাতি আৰু ইয়াৰ বিভিন্ন অংশ সমূহ,
 এইবোৰৰ মেৰামতি কৰা দোকান (লগতে এইবোৰৰ যোগান) সমূহ
 (ix)ৰাষ্ট্ৰয় ঘাইপথ আৰু প্ৰধানকৈ তেল ডিগো সমূহত উক্ত মেৰামতি কৰা দোকান।
- (x) চাহ উদ্যোগ লগতে এইবোৰৰ ইয়াৰ বাগিছা সমূহ শতকৰা ৫০ ভাগ শ্ৰমিকৰ সৈতে। ওপৰত উল্লেখিভ (i) পৰা(vii) নিয়মাৱলী ভাৰত চৰকাৰৰ গৃহ বিভাগৰ vide memo No. 40-3/2020-DM-1(A) dated 24th , 25th and 27th March 2020, additions to clauses2, 4, 5 and 6 in exceptions আৰু নিয়মাৱলী (viii) ৰ পৰা (x) লৈ as per 4th addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA order No. 40-3/2020-DM-1(A) dated 24.03.2020.





ভাৰত চৰকাৰৰ নিৰ্দেশনা অনুযায়ী ওপৰত উল্লেখিত অব্যাহতি সমূহ কৃষি আৰু কৃষি ক্ষেত্ৰত কৰিব লগীয়া বিভিন্ন কাৰ্যাৱলী সুচাৰু ৰুপে কৰাত সহায় কৰাৰ লগতে প্ৰয়োজনীয় সামগ্ৰী সমূহ ল'ক ডাউনৰ সময়ত পোৱাটো নিশ্চিত কৰিব।

এইঅব্যাহতিসমূহেকৃষিসম্বন্ধীয়কামকাজবোৰস্চলকৰাৰফলতঅত্যাৱশ্যকীয়কৃষিজাতসামগ্ৰীৰযোগাননিচি তকৰণসম্বহ'ব আৰু লগতেকৃষকসকলেতলাবন্ধৰসময়ছোৱাতকৃষিসম্বন্ধীয়কোনোঅসুবিধাৰসল্বীননহব। তলাবন্ধৰএইসময়ছোৱাতএইসেৱাসমূহকাৃৰ্য্যকাৰীকৰিবাধিবলৈমন্ত্ৰালয়সমূহলৈ আৰু ৰাজ্যসমূহলৈ প্ৰয়োজনীয় নিৰ্দেশনা জাৰি কৰাহৈছে। (কৃষি আৰু কৃষককল্যাণ মন্ত্ৰালয়ৰ অনুৰোধ মৰ্মে গৃহ মন্ত্ৰালয়ৰ নিৰ্দেশনাঅনুযায়ীভাৰতচৰকাৰৰVide No-40-3/2020-DM-1(A) dated-24th, 25th and 27th March, 2020 additions to clauses 2,4,5 and 6অব্যাহতিপ্ৰদানকৰিছে)।

ভাৰত চৰকাৰৰ নীতি নিৰ্দেশনাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি বিভিন্ন মন্ত্ৰালয় তথা ৰাজ্য চৰকাৰৰ বিভাগসমূহে কৃষি আৰু কৃষি সম্বন্ধীয় কাম কাজ সমূহ নিয়মীয়াকৈ চলি থকাত সুবিধাহ'বৰ বাবে কাৰ্য্যকাৰী নিদেশনা উলিয়াইছে।

কৃষকৰ বাবে পৰামৰ্শৱলীঃ

শস্যচপোৱা আৰু মৰণামৰাঃ

এইCOVID-19 ৰ সংক্ৰমণৰ সময়তে ৰবি শস্য চপোৱাৰ সময় আহি পৰিছে। যিহেতু কৃষি কাৰ্য্য সময়ৰ ওপৰত নিৰ্ভৰশীল সেয়ে শস্য চপোৱা আৰু কৃষি উৎপাদন সামগ্ৰীৰ আদান-প্ৰদান অনিবাৰ্য। যিকিনহওক, কৃষকসকলে প্ৰতিৰোধমূলক ব্যৱস্থা লোৱা উচিত যাতে এই মহামাৰী সংক্ৰমণৰ পৰা নিজক নিৰাপদে ৰাখে। সাধাৰণভাৱে ল'বলগা প্ৰতিৰোধমূল কব্যৱস্থা সমূহৰ ভিতৰত হৈছেঃ সামাজিক দূৰত্ব বজাই ৰখা, চাবোনেৰে হাত ধুই থাকি ব্যক্তিগত পৰিস্কাৰ পৰিজ্ঞ্মতা ৰক্ষা কৰা, মূখত 'মান্ধ' পৰিধান কৰা, সুৰক্ষিত আৰু কৃষি সজুঁলিসমূহ চাফা কৰি বীজানু মুক্ত কৰি ৰখা। কৃষি ক্ষেত্ৰত প্ৰতিটো খোজতে নিৰাপদ ব্যৱস্থা আৰু সামাজিক ব্যৱধান কৰ্ম্মী সকলে মানি চলাটো অভিজ ৰুৰী।

- কেইবাখনো উত্তৰাঞ্চল ৰাজ্যত যেই চপোৱাৰ সময় ওচৰ চাপিছে আৰু সেইৰাজ্যসমূহত
 Combine Harvester ৰ বাৰা শস্য চপোৱা আৰু আন্তঃ আৰু ৰাজ্যৰ ভিতৰতেই য়াৰ
 আদান-প্ৰদানৰ অনুমতি প্ৰদান কৰা হৈছে। মেৰামতি, শস্য চপোৱা আদি কাৰ্য্যৰ লগত
 জড়িতসকলে প্ৰতিৰোধ ব্যৱস্থা সমূহ মানি চলাটো বাঞ্চনীয়।
- সৰিয়হ হৈছে দ্বিতীয় অভ্যাৱশ্যকীয় ৰবি শস্য যাৰ শস্য চপোৱা কাম চলি আছে আৰু য়'ত
 শস্য চপোৱা ইতিমধ্যে হৈ গৈছে তাত মৰণা মৰা হৈ আছে।
- মচুৰ, গোমধান আৰু জলকীয়া শস্য চপোৱা চলি আছে আৰু বুটমাহৰ শস্য চপোৱা
 কীপ্ৰতাৰে ওচৰ চাপিছে।





- কুঁহিয়াৰশস্যচপোৱাৰএতিয়াভৰপুকসময় আৰু উত্তৰাঞ্চলতহাতেৰেশস্যবোপনৰসময়।
- শস্যচপোৱাকার্য্যতবিশেষকৈশস্য, ফলমূল, শাক-পাচলি, গাখীৰ, কণী,
 মীনআদিতজড়িতসকলেপ্রতিবোধমূলকসারধানতালোরাউচিত। লগতেব্যক্তিগতপৰিস্কাৰপৰিচ্ছনতাত্ত্বলম্থনকৰিসামাজিকদূৰত্বজাইৰখাটোবাঞ্চনীয়।
- হাতেৰেশস্যচপাওতেবাচিঙোতে, ৪-৫ ফুটদূৰত্বতশাৰীশাৰীকৈল'বলাগে আৰু
 এটাশাৰীতএজনএজনহ'বযাতেজড়িতকৰ্মীসকলেকামকৰোতেএটাপ্ৰয়োজনীয়দূৰত্বজাইৰাখিবপা
 ৰে।
- কৃষিকর্মতজড়িতসকলোরেমুখত 'মাস্ক' পৰিধানকৰিব আৰু এটানির্দিষ্টসময়য়য়য়ৄরেমূরেচারোনেরেয়াতধোরাতোনিশ্চিতকৰিব।
- জিৰণিলোৱাসময়ত, আহাৰখোৱাৰসময়ত,
 উৎপাদিতসামগ্রীসমূহসংগ্রহক্লীলৈকানাভৰকৰাৰসময়ত, সামগ্রীথোৱা আৰু
 নিয়াকার্য্যক্রোতেএজনৰপ্রাআনজন্বমাজত ৩-৪ ফুটব্যরধানবদ্বত্বজাইবাখিব।
- কৃষিক্ষেত্রতএকেদিনাইবছতমানুহজড়িতনাথাকিব।
- পৰিচিতলোককজড়িতকৰিবযদিসম্বরহয়,
 পাৰিলেসন্দেহযুক্তবাবাহকহোৱাৰসন্দেহথকালোকককামতনলগাব।
- যিমানদ্ৰসম্বর, যন্ত্রবদ্বাবাকৃষিকর্মকরাটোভাল আৰু একেবারেপ্রয়োজনীয়সংখ্যককর্মীহেনিয়োগকরাউচিত।
- সকলোবোৰযন্ত্ৰসঞ্জুলিআৰম্ভণিতে আৰু
 কৃষিকৰ্মৰএটানিৰ্দিষ্টসময়ৰব্যৱধানতবিজ্ঞাণুমুক্তকৰিথাকিবলাগে। যাতায়তৰ বাবে
 প্রয়োজনীয়সকলোবোৰযানবাহন আৰু ব্যৱহাৰযুক্তবেগ (gunny bag)
 অথবাপেকেটথকাবন্ত্বিজ্ঞাণুমুক্তকৰিৰাখিবলাগে।
- উৎপাদিতসামগ্ৰীৰসংগ্ৰহ ৩-৪ ফুটব্যৱধানতখুবকমসংখ্যকৰদ্বাৰাকৰাউচিত আৰু কৃষিক্ষেত্ৰপ্ৰস্তুতকৰণতএজনবাদুজনকজড়িতকৰাউচিত্যাতেতাতজনসমাগ্যকমহয়।
- গোমধান আৰু বাদামশস্যচপোৱাৰ বাবে ব্যৱহৃতকৃষিসজুঁলিসমূহ,
 বিশেষকৈযেতিয়াকৃষিসজুঁলিসমূহভাগবতৰাকৰিলোৱাহয়বা কৃষকৰ
 গোটেব্যৱহাৰকৰেতেনেক্বেতসেইসমূহভালদৰেচাফচিকুণকৰিবিজাণুমুক্তকৰিল'বলাগে।কৃষিসজুঁলিসমূহৰপ্ৰতিটোঅংশইযিবোৰকৃষকসকলসঘনেচুইথ
 কাসেইঅংশসমূহচাবোনেৰেধুবলাগে।

পামৰপৰাউৎপাদিতশস্যৰচপোৱাৰপিছৰব্যৱস্হাপনা, সংৰক্ষণ আৰু বিপননঃ





- খাদ্যশস্তকুরা, মৰণামৰা, বাঁদিয়া, চাফাকৰা,
 পেকেটকৰাসময়তকৃষকসকলেম্খমওলতপ্রতিৰক্ষামূলকম্খা (মান্ধ)
 পিন্ধিবয়াতেধুলিমাকতিসমূহনাক আৰু মূখৰজভিয়তেসোমাবনোরাবে।
- চপোৱাৰপিছতখাদ্য-শস্যসমূহৰ'দতভালদৰেওকুৱাইসংৰক্ষণৰব্যৱস্থাকৰাটোনিন্ঠিতকৰিব।
 পোক-
 - পতংগৰআক্ৰমণৰপৰাবীজখিনিবচাবলৈআগতেব্যৱহাৰকৰামৰাপাট্ৰবস্তাসমূহ্বীজসংৰক্ষণৰ বাবে পুণ্ৰব্যৱহাৰকৰিবনালাগে। পুৰণাবস্তাসমূহ ও শতাংশনিমৰমিশ্ৰণতভুবাইৰাখৰপাছতহেবীজসংৰক্ষণৰকাৰণেব্যৱহাৰকৰিবলাগে।
- উৎপাদিতসামগ্রীসমূহকৃষকসকলৰলগতমজুতথকাবাপর্যাপ্তপৰিমাণেযোগানধৰামৰাপাটৰবস্তাসমূ
 হতভৰাইস্বস্থানত/স্বগৃহতঅথবানিকটতমশীতলীকৰণকক্ষত,
 গুদামতসংৰক্ষণৰকাৰণেকৃষকসকলেআগতীয়াকৈযথোচিতসর্তকতাঅবলম্বনকৰিব।
- খাদ্যসামগ্রীসমূহবাহনতউঠোরা, পৰিবহনকরাআৰু
 বজারতনমোরালৈকেবাতারপিছতবিপননতভাগলওতেব্যক্তিগতসুরক্ষারব্যরস্থাকরিবতথাসাবধান
 তালব।
- বীজউৎপাদনকাৰীকৃষকসকলকউপযুক্তনথিপত্ৰৰব্যৱস্হাকৰিবীজসমূহবীজক্ৰয়কাৰীকোম্পানীসমূ
 হলৈলৈয়াবলৈঅনুমতিপ্ৰদানকৰাহৈছে আৰু
 লগতেটকাপইছালেনদেনৰসময়তসৰ্তকভাঅবলম্বনৰ বাবে প্ৰামৰ্শদিয়াহৈছে।
- বীজউৎপাদনপ্রক্রিয়া
 (Processing)
 আৰুপেকেজিংব্যরস্থাবলগতেবীজউৎপাদনকাবীবাজ্যবপরাবীজক্রয়কাবীশস্যউৎপাদকবাজ্যলৈবী
 জরুসববরাহ্মতিপ্রয়োজনীয়।
- শাক-পাচলিযেনে- বিলাহী, ফুলকবি, সেউজীয়াশাক-পাচলি,
 তিয়ঁহআদিববিপননৰক্ষেত্ৰতবিশেষসর্তকতাঅবলম্বনকরাউচিত।

পথাৰশস্যৰক্ষেত্ৰতলবলগীয়াসাবধানতাঃ

- দেখাগৈছেযেবেছিভাগঘেঁহুউৎপাদনকাৰীঅঞ্চলৰতাপমাত্ৰাএতিয়াওদীর্ঘম্যাদীগড়উষ্ণতাৰতলতআ
 ছে আৰু ঠাৱৰকৰাহৈছেযেঘেঁহুচপোৱাৰসময় ১০-১৫ দিনবিলয়্বহবপাৰে (১০ এপিল্বপিছত),
 সেয়েহেকৃষকসকলেঅর্থনৈতিকক্ষতিনোহোৱাকৈষেঁহুচপোৱাৰকাম ২০ এপিল্লৈকেকৰিবপাৰিব।
- দক্ষিণভাৰতৰৰাজ্যসমূহতশীতকালীনধানত neck blast
 ৰোগৰকাৰণেবীজপৈনতহোৱাপ্ৰক্ৰিয়াক্ষতিগ্ৰস্থহোৱাদেখাগৈছে।

 অনুমোদিতভেঁকুৰনাশকস্থেকৰাৰক্ষেত্ৰতবিশেষসৰ্তকভাত্ৰবলম্বকৰাত্ৰতান্তজকৰী।
- ধানচপোৱাসময়তঅনাকাংক্ষিতবৃষ্টিপাতৰ বাবে হবপৰাবীজঅংকুৰণৰােধকৰিবৰকাৰণে ৫
 শতাংশনিমখৰমিশ্ৰণস্থেকৰিবলাগে।

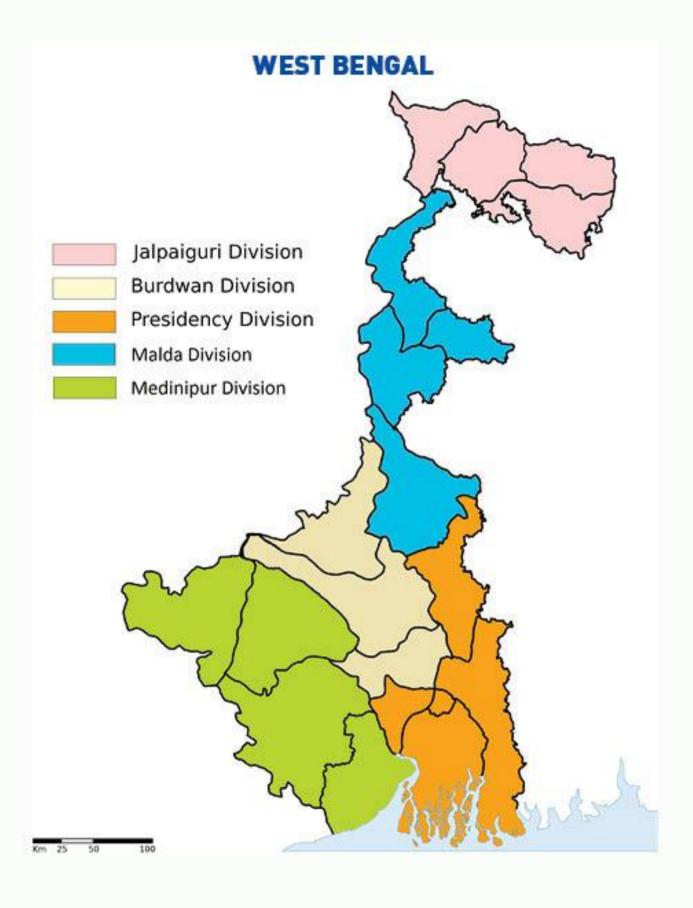


- To the state of th
- উদ্যানশস্যৰ (যেনে- আম) ফললগাসময়তকৰাপৰিচর্যায়েনে- পোষকমৌলস্পেকৰা আৰু
 শস্যৰক্ষাৰক্ষেত্ৰতসাৱধানতালোৱাঅত্যন্তজৰুৰীয়েনেৰাসায়নিককীটনাশকৰব্যৱহাৰ, প্রয়োগ
 আৰু ইয়াৰলগতজড়িতসামগ্রীসমূহৰধোৱাপঁথলাইত্যাদি।
- শালিধানচপোৱাৰপিছতকৰাগ্ৰীস্মকালিনমাহজাতীয়শস্যপ্ৰধানব্যাধি
 'হালধীয়ামোজাইকভাইৰাছ্ৰোগ'
 ক্ষেত্ৰতলবলগীয়াশস্যৰক্ষাৰক্ষেত্ৰত্যথাযথসুৰক্ষাব্যৱস্হালবলাগে।











BENGALI

ভারত সরকারের সুপারিশ কৃত করোনা ভাইরাস (কোভিড- ১৯) সংক্রমণের জন্য দেশব্যাপী লকডাউন এর সময়ে কৃষকদের জন্য কৃষিকার্যের নির্দেশাবলী :

দেশব্যাপী লকডাউনের সময় কৃষি ও কৃষি সংক্রান্ত কার্যকলাপ যাতে নির্বিয়ে ও নিয়মিতভাবে করা যায় সেইজন্য ভারত সরকার কয়েকটি নির্দেশ জারী করেছে৷ কৃষকদের সুবিধার জন্য সেই সমস্ত নির্দেশাবলী এখানে দেওয়া হল -

দেশব্যাপী লকডাউনের আওতার বাইরে থাকা কৃষি ও কৃষি সম্পর্কিত কাজকর্ম:

- ১. পশু হাসপাতালের কাজকর্মা
- ২. কৃষিপণ্য ক্রয় ও ন্যুনতম সমর্থন মূপ্যে সংশ্লিষ্ট কাজে যুক্ত সংস্থার কাজকর্মা
- ত. কৃষিজাত পণ্যের বাজার কমিটি (এপিএমসি) বা রাজ্য সরকার অনুমোদিত কৃষিবাজার বা মাণ্ডিসমূহা
- কৃষক বা কৃষি শ্রমিক দ্বারা জমিতে বিভিন্ন কৃষিকাজা
- কৃষিযন্ত্রপাতি ভাড়া দেওয়ার সংস্থার (কাস্টম হায়ারিং সেন্টার) কাজকর্মা
- ৬. সার/কীটনাশকবীজ উৎপাদনকারী সংস্থার উৎপাদন ও প্যাকেজিং এর কাজকর্মা
- শস্য বোনা বা ফসল কাটার কাজে নিযুক্ত যন্ত্রসামন্ত্রী যেমন কমাইন্ড হারভেস্টার এবং অন্য যন্ত্রপাতির আন্তঃরাজ্য ও রাজ্যের মধ্যে বিভিন্ন জায়গায় যাতায়াত।
- কৃষিকার্যের যন্ত্রপাতির দোকান, প্রয়োজনীয় মেশিনপত্তের আদান প্রদান বা সারানোর দোকান অবশ্যই খোলা
 রাখা যাবে।
- হাইওয়েতে পেট্রোল পাম্প বা তৎসংলগ্ন গাড়ি সারানোর দোকান খোলা রাখা যাবে৷
- ১০. চা বাগানে (পাতা তোলা বা গাছ বসানো) কাজ নিয়মিতভাবে করা যাবে, তবে কখনোই সর্বাধিক ৫০ শতাংশের বেশি শ্রমিক কাজ করতে পারবে না।

লকডাউনের আওতার বাইরে থাকা এই সমস্ত বিভাগ দেশের কৃষিকার্যের দৈনন্দিন কাজকর্মকে বাধাহীনভাবে এগিয়ে নিয়ে যেতে সাহায্য করবে যা নিত্য প্রয়োজনীয় কৃষিপণ্যের যোগানকে মসৃণ রাখবে এবং লকডাউনের সময়ে কৃষকরা কৃষিকাজে কোনরকম অসুবিধার সম্মুখীন হবে না৷ এই নির্দেশ যাতে সঠিকভাবে কার্যকরী হয় তার জন্য প্রয়োজনীয় নির্দেশ ইতিমধ্যেই সমস্ত রাজ্য সরকার বা কেন্দ্র শাসিত অঞ্চলের সংগ্লিষ্ট মন্ত্রক বা দপ্তরকে জানানো হয়েছে৷

(*হরট্র মহ্রক, ভারত সরকারের নির্দেশনামা: 40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 & 6 in exceptions এবং ৮থেকে ১০ নং পরেন্ট গুলি ভারত সরকারের হরট্র মহ্রকের নির্দেশনামার(40-3/2020-DM-I (A) dated 24.03.2020) চতুর্থ সংশোধনী অনুযায়ী লিপিবছা)।

ভারত সরকারের নীতি নির্দেশিকা অনুযায়ী রাজ্য সরকারগুলির বিভিন্ন মন্ত্রক/দপ্তর খেকে কিছু নির্দেশাবলী জারী করা হয়েছে যাতে কৃষি ও সংশ্লিষ্ট কাজকর্ম বাধাহীন ও নিরবন্দ্রিয়ভাবে হয়৷

কৃষকদের জন্য পরামর্শ ফসল কাটা, মাড়াই, ঝাড়াই ও সংগ্রহ

করোনা ভাইরাস (কোভিড-১৯) নামক মহামারীর ব্যাপক সংক্রমণ এমন সময়ে দেখা দিয়েছে যখন রবি মরগুমের বিভিন্ন ফসল ঘরে তোলার সময়। মাঠ থেকে এই রবিশস্য সংগ্রহ ও তা ঝাড়াই মাড়াই করে বাজারজাত করার কাজ ইত্যাদি পুরোপুরি সময় নির্ধারিত ব্যাপার এই বিপর্যয়ের সময়ে দাঁড়িয়ে কৃষকদেরকে সবরকমের সতর্কতা ও সাবধানতা নিতেই হবে যাতে করে এই মহামারী ছড়িয়ে না পড়ে। এর জন্য কিছু সাধারণ ও সহজ ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে যেমন





যে কোন সাবান দিয়ে অন্তত ২০ সেকেন্ড ধরে হাত ধোয়া, ৬০-৭০ শতাংশ অ্যালকোহল দ্রবণ দিয়ে হাত ও যন্ত্রপাতি মুছে নেওয়া, মুখে মাস্ক পরা, সুরক্ষা মূলক পোশাক পরা, একে অপরের থেকে নির্ধারিত নিরাপদ দূরত্ব (১- ২ মিটার) বজায় রাখা এবং সঠিকভাবে কৃষি যন্ত্রপাতি পরিষ্কার ও পরিচ্ছন্ন রাখা। কৃষকরা ও কৃষি শ্রমিকগণ সমস্তরকম কৃষিকাজের প্রতিটি ধাপেই এই সতর্কতামূলক আচরণবিধি ও নিরাপদ দূরত্ব অতি অবশ্যই মেনে চলবেন।

- দেশের উত্তরভাগের রাজ্যগুলিতে এখন গম কাটার সময় আসছে এবং এরজন্য কয়াইত হারতেস্টারের রাজ্যের মধ্যে ও রাজ্যের বাইরে য়াতায়াতকে লকডাউনের আওতা থেকে বাদ রাখা হয়েছে ও এর জন্য প্রয়োজনীয় অনুমতিও দেওয়া হয়েছো কিন্তু এই য়য়পাতির রক্ষণাবেক্ষণ, সায়ানো বা কসল কাটার কাজে নিযুক্ত কর্মীদের জন্য আবশ্যিক সতর্কতামূলক সুরক্ষাব্যবস্থা সুনিশ্চিত করতে হবে।
- রবি মরশুমে সরিষা হল দ্বিতীয় ভরুত্বপূর্ণ কসল যা কৃষকরা এখন হয় মাঠ থেকে কসল তুলছেন বা ঝাড়াইয়ের কাজে ব্যস্ত আছেন।
- জমি থেকে মুসুর, ভূট্টা এবং লক্ষা তোলার কাজ চলছে এবং ছোলাও খুব শীঘ্রই সংগ্রহ করা হবে।
- মাঠ খেকে আখ কাটা এই মুহূর্তে পুরোদমে চলছে এবং উত্তরের রাজ্যগুলিতে আখ লাগানোর কাজও শুরু হয়ে গেছে।
- ফসল তোলার সময় এবং তার আগে ও পরে যথোপযুক্তভাবে ব্যক্তিগত পরিচ্ছয়তা এবং সামাজিক দূরত্বের বিষয়গুলি পালন করতে হবে!
- 6. যেসব জায়গায় হাত দিয়ে মাঠের ফসল তোলা ইত্যাদি কাজগুলি করতে হবে সেখানে এইসমন্ত কাজগুলি এমনভাবে করতে হবে যাতে কর্মরত প্রতিটি মানুষের মাঝখানে ৪ - ৫ ফুটের নিরাপদ দূরত্ব বজায় থাকে। এক্ষেত্রে ৪ - ৫ ফুট দূরে দূরে কয়েকটি সারির ফসল কাটার দায়িত্ব এক একজনকে দেওয়া যেতে পারে যাতে কৃষক বা কৃষি প্রমিকদের মধ্যে যথেষ্ট দূরত্ব বজায় থাকে।
- মাঠে কর্মরত প্রতিটি মানুষের উচিত জীবাণুপ্রতিরোধী মুখোশ পরে কাজ করা এবং বারেবারে সাবান দিয়ে
 নিজেদের হাত ধুয়ে নেওয়া!
- মাঠে কাজের ফাঁকে বিশ্রাম নেওয়া, খাবার খাওয়া এবং তারপরে ফসল নিয়ে যাওয়ার সময়-সবক্ষেত্রেই উচিৎ
 পারস্পরিক দূরত্ব নিরাপদ সীমার মধ্যে (৪ ৫ ফুট) রাখা।
- মাঠে কাজ করার সময় যতটা সম্ভব ছড়িয়ে ছিটিয়ে কাজ করতে হবে। একই দিনে অধিক সংখ্যক লোককে
 কাজে নিযুক্ত না করাই ভালো।
- 10. এই সময়ে বথাসম্ভব পরিচিত মানুষজনকেই মাঠের কাজে নিযুক্ত করা ভালো, এতে করে সম্ভাব্য করোনা ভাইরাস জীবাণু বহনকারী কোন মানুষের থেকে মাঠে নিযুক্ত অন্যান্য লোকের মধ্যে এই রোগ ছড়িয়ে পড়ার সম্ভাবনা এড়ানো যাবে!
- হাতে করে ফসল কাটার চাইতে যন্ত্রের সাহায্যে ফসলকাটাকে অগ্রাধিকার দিতে হবে! যন্ত্র চালানোর জন্য যেকজন লোকের প্রয়োজন কেবলমাত্র সেঁকজনকেই এই কাজে লাগাতে হবে!
- 12. ফসল কাটার যন্ত্রগুলিকে প্রবেশপথে নিয়মিতভাবে জীবাণুমুক্ত করতে হবে। ফসল বা উৎপাদন সামগ্রী বহন করার গাড়ি এবং বস্তাবদী করার যন্ত্র, বস্তা ও অন্যান্য প্যাকেজিং সামগ্রীও জীবাণুমুক্ত করতে হবেফিসল ভোলার সময় তা ৪ - ৫ দ্রে দ্রে ছোট ছোট স্থূপে করে এক একটি স্থূপের দায়িত্ব ১ - ২ জনকে দেওয়া যেতে পারে।
- 13. ভূটা ও চীনাবাদাম ঝাড়নের যন্ত্রগুলিকে বিশেষ করে যেগুলি বিভিন্ন কৃষকগোষ্ঠী দ্বারা ব্যবহৃত হয় সেগুলিকে উপযুক্তভাবে পরিষার ও জীবাণুমুক্ত করতে হবে। মেশিনের যেসমন্ত যন্ত্রাংশ বারেবারে হাতদিয়ে ব্যবহার করা হয় সেগুলিকে সাবানজ্বল দিয়ে পরিষ্কার করতে হবে।





ফসলতোলা, গুদামজাতকরণ এবংবাজারজাত করার সময়ে সতর্কতা

- কৃষিখামারে ফসল শুকানো, ঝাড়াই, মাড়াই, পরিষ্কার করা এবং প্যাকেজিং এর বিভিন্ন স্তরে যাতে করে শ্বাসনালীতে ধূলো এবং এরোসল প্রবেশ করে শ্বাসকট ঘটাতে না পারে সেজন্য মুখে মান্ধ ব্যবহার করতে হবে!
- শস্যের গুদামজাত করার আগে সেগুলিকে ভালোভাবে শুকিয়ে নেওয়া দরকার। গুদামের পোকা যাতে
 আক্রমণ না করে সেজন্য পুরানো বস্তা ব্যবহার করা উচিৎ নয়। চটের বস্তাকে ৫ শতাংশ নিম দ্রবণে ভুবিয়ে
 শুকিয়ে নিয়ে ব্যবহার করলে ভালো হয়।
- ভবিষ্যতে ফসলের ভালো দাম পাবার সম্ভাবনাকে সুনিশ্চিত করতে এবং খামারে উৎপাদিত শস্যকে যাতে
 পূর্ণমারায় গুদামজাত করা যায় সেজন্য পর্যাপ্ত সংখ্যায় চটের বস্তা মজুত আছে কিনা তা আগেভাগেই দেখতে
 হবে।
- বাজার/মান্ডিতে বিক্রি করার সময় যখন ফসল গাড়িতে তোলা হবে এবং নিয়ে যাওয়া হবে, তখন উপযুক্তভাবে
 ব্যক্তিগতন্তরে জীবাণুপ্রতিরেখী নিরাপত্তা ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।
- যে সমস্ত কৃষকরা বীজ উৎপাদন করছেন তারা বীজ বিক্রয়ের জন্য উপযুক্ত নিথেপরসহ বীজ বিক্রেতা
 কোম্পানিতে নিয়ে যেতে পারবেনা বিক্রয়মূল্য গ্রহণের সময়ও তাদের উপযুক্ত সতর্কতামূলক ব্যবস্থা গ্রহণ
 করতে হবে।
- 6. বীজ উৎপাদনকারী রাজ্যগুলি থেকে বীজ প্রক্রিয়াকরণ এবং প্যাকেজিং করে বীজব্যবহারকারী রাজ্যগুলিতে পরিবহন হওয়া অত্যন্ত প্রয়োজনীয় যাতে করে পরবর্তী খরিক মরশুমে বীজের যোগান অকুয় থাকে, যেমন সবুজ গোখাদ্যের বীজ যা উত্তরের রাজ্যগুলিতে এপ্রিল মাসে বোনা হয় তা দক্ষিণের রাজ্যগুলি থেকেই আসে।
- মাঠ থেকে বিভিন্ন শাকসবজি যেমন টম্যাটো, ফুলকপি, বিভিন্ন ধরণের শাক, শসা, লাউ, কুমড়া ইত্যাদি সরাসরি বাজারজাত করার জন্য ব্যবস্থাগ্রহণ ও সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।

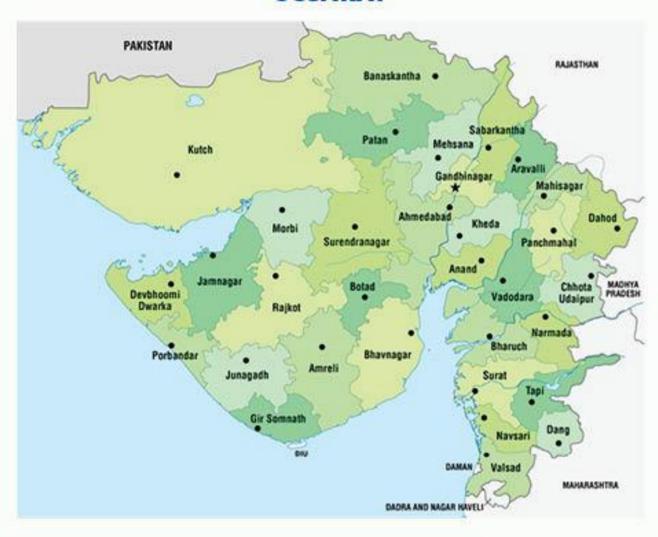
বর্তমানে মাঠে থাকা ফসলসমূহ

- যে সমস্ত এলাকায় গম চাষ হয় সেখানকার তাপমাত্রা দীর্ঘমেয়াদী গড় তাপমাত্রার থেকে এখনও বেশ অনেকটা
 নিচে। যার ফলে গম কাটা ১০-১৫ দিন পিছিয়ে এপ্রিল মাসের ২০ তারিখ পর্যন্ত করলেও ফসলের উৎপাদন খুব
 বেশি ক্ষতিগ্রন্থ হবে না। এতে কৃষকরা ঝাড়াই-মাড়াই করে বাছারজাত করার জন্য বাড়তি অনেকটা সময়
 পাবেন।
- দক্ষিণ ভারতের বিভিন্ন রাজ্যে মাঠের বোরো ধান এখন দানার পৃষ্টি দশায় আছে। এইসময় ঝলসা (নেক রাস্ট)
 রোগের আক্রমণের সম্ভাবনা দেখা দিতে পারে। এরজন্য বিশেষজ্ঞদের সুপারিশ করা নির্দিষ্ট ছ্রাকনাশক যেমন
 ট্রায়াজ্যেল বা স্ট্রবিলিউরিন স্প্রে করা যেতে পারে।
- পাকা ধান মাঠে থাকা অবস্থায় যদি অসময়ে বৃষ্টি হয় তাহলে গাছেই দানায় অমুরোদগম (কল হওয়া) আটকাতে

 ৫ শতাংশ লবগদল স্প্রে করা যেতে পারে।
- 4. আম গাছে এখন মুকুল থেকে গুট ধরছে। এই অবস্থায় স্প্রে করে সার বা শস্য সুরক্ষার জন্য কীটনাশক ও ছ্রাকনাশক প্রয়োগ করার সময় বিভিন্ন সামগ্রী বহন করা, মেশানো এবং মন্ত্রপাতি ধুয়ে পরিয়ার করার সময় প্রয়োজনীয় সাবধানতা অবলম্বন করতে হবে।
- গ্রীক্ষকালীন ডালশস্য যেমন মুগ ইত্যাদিতে সাদা মাছির আক্রমণ ও তার ফলে হলুদ মোজেয়িক ভাইরাস রোগ
 হতে পারে। এক্টেরেও নিজেদের সুরক্ষা সাবধানতা অবলম্বন করে প্রয়োজনীয় ব্যবস্থা গ্রহণ করতে হবে।



GUJARAT





GUJARATI

COVID-19 ને કારણે લોકડાઉન સમયગાળા દરમિયાન ખેડતો અને ખેતી ક્ષેત્ર માટે કૃષિ-સલાહ

ભારત સરકારે માર્ગદર્શિકા* બહાર પાડી છે જેથી કૃષિ અને તેનાથી જોડાયેલા ક્ષેત્રની મહત્વપૂર્ણ પ્રવૃતિઓ નિર્ધારિત સાવચેતીઓને ધ્યાનમાં રાખીને ચાલુ રહે. ખેડૂતોના ફાયદા માટે, અહીં તેનો સારાંશ સૂચિબદ્ધ કરવામાં આવેલ છે.

લોંકડાઉનમાંથી મુક્ત રાખવામાં આવેલ કૃષિ અને સંલગ્ન પ્રવૃત્તિઓ*

- 1. પશુ ચિકિત્સાલયો
- એમએસપી (મિનિમમ સપોર્ટ પ્રાઇઝ) કામગીરી સહિતની કૃષિ ઉત્પાદનોની ખરીદીમાં રોકાયેલ એજન્સીઓ
- 3. ખેતીવાડી ઉત્પન્ન બજાર સમિતિ દ્વારા સંચાલિત અથવા રાજ્ય સરકાર દ્વારા સૂચિત 'મંડીઓ'
- 4. ખેતરમાં ખેડુતો અને ખેત કામદારો / મજૂરો દ્વારા થતી ખેત કામગીરી
- 5. ફાર્મ મશીનરી સંબંધિત કસ્ટમ હાયરિંગ સેન્ટર્સ (સીએચસી)
- 6. ખાતર, જંતુનાશકો અને બીજના ઉત્પાદન અને પેકેજિંગ એકમો
- કૃષિ અને બાગાયતના કાપણી અને વાવણી સંબંધિત કમ્બાઇંડ હાર્વેસ્ટર તથા અન્ય મશીનો / સાધનોની રાજ્ય તથા આંતર રાજ્ય અવર-જવર
- કૃષિ મશીનરી, તેના સ્પેરપાર્ટ્સ (તેની સપ્લાય ચેઇન સહિત) અને મરામત / રિપેરિંગ ની દુકાનો ખુલ્લી રહેશે
- 9. હાઇવે પર ટ્રક સમારકામ માટેની દુકાનો, ખાસ કરીને પેટ્રોલ/ ડીઝલ પંપ પર
- 10. ચા ઉદ્યોગ, વાવેતર સહિત વધુમાં વધુ 50% કામદારો સાથે

*ક્રમ (૧ થી ૭) ભારત સરકારના ગૃહ મંત્રાલયની માર્ગદર્શિકા No.40-3/2020-DM-I(A) તારીખ ૨૪, ૨૫ અને ૨૭ માર્ચ ૨૦૨૦ની કલમ ૨, ૪, ૫ અને ૬ ના અપવાદ ના ઉમેરા સાથે તથા ક્રમ (૮ થી ૧૦) તારીખ ૨૪.૩.૨૦૨૦ના એમ.એચ.એ.(ગૃહ મંત્રાલય) ઓર્ડર No.40-3/2020-DM-I(A) સાથે જોડાયેલી માર્ગદર્શિકાના પરિશિસ્ટ ક્રમાંક ૪ મુજબ.

આ છૂટ આવશ્યક પુરવઠો સુનિશ્ચિત થાય તે હેતુથી કૃષિ અને ખેતીને લગતી પ્રવૃત્તિઓ કોઈ પણ અવરોધ વિના ચાલુ રહે અને ખેડુતોને તાળાબંધી (લોક ડાઉન) દરમ્યાન મુશ્કેલી ન પડે તે માટે મદદરૂપ થશે.

ભારત સરકારના નીતિ નિર્દેશોના આધારે વિવિધ મંત્રાલયો / રાજ્ય સરકારોના વિભાગોએ કૃષિ અને સંલગ્ન ક્ષેત્રોને લગતી પ્રવૃત્તિઓ ચાલુ રાખવા માટે અમલીકરણ માર્ગદર્શિકા જારી કરેલ છે.





ખેડુતો માટે સલાહ

પાકની કાપણી અને લણણી

COVID-19 ફેલાવાના ભય વચ્ચે, રવી પાકો પરિપક્વતાની નજીક આવી રહ્યા છે. કૃષિ કાર્યો ની સમય સીમા જાળવવી જરૂરી હોવાથી પાકોની કાપણી તથા તે ઉત્પાદનોને બજારમાં પહોચાડવા સુધીના તમામ કાર્યો સમયસર થાય તે અનિવાર્ય છે. આમ છતાં, ખેડુતોએ આ રોગના ફેલાવાને રોકવા માટે લેવામાં આવતી સાવચેતી અને સલામતીનાં પગલાઓનું પાલન કરવું જરૂરી છે .સરળ પગલાંમાં સામાજિક અંતર, સાબુથી હાથ ધોવા, વ્યક્તિગત સ્વચ્છતા જાળવવી, ચહેરા પર માસ્ક પહેરવો, રક્ષણાત્મક વસ્ત્રો પહેરવા તથા સાધનો અને મશીનરીની સફાઇ અગત્યના છે. ખેત કામગીરીની સંપૂર્ણ પ્રક્રિયામાં પ્રત્યેક પળે કાર્યકરો સલામતીનાં પગલાં અને સામાજિક અંતરનું પાલન કરે તે ખૂબ જરૂરી છે.

- ઉત્તરના ઘણા રાજ્યોમાં ઘઉંની લણણી કંબાઈન્ડ હાર્વેસ્ટર (સંયુક્ત લણણી કરનાર મશીન) દ્વારા થઈ રહી છે અને તેમની રાજ્યની અંદર અને આંતર રાજ્ય અવર-જવરને મંજૂરી આપવામાં આવી છે. સમારકામ, જાળવણી અને લણણી કામગીરીમાં રોકાયેલા કામદારોની સલામતી અને સાવચેતીનાં પગલાં લેવાની તકેદારી અવશ્ય રાખવી.
- રાઈ (રાયડો / સરસવ) બીજો મહત્વનો રવિ પાક છે. તેની ખેત મજૂરો દ્વારા કાપણીચાલી રહી છે તથા જ્યાં કાપણી થઈ ગઈ છે ત્યાં લણણી / ब्રેશિંગ થવાનું છે.
- મસૂર, મકાઇ અને મરચાંની ખેતી ચાલુ છે અને ચણાનો પાક ઝડપથી પરિપક્વ થઈ રહ્યો છે.
- શેરડીની કાપણી ટોચ પર છે અને ઉત્તરના રાજ્યોમાં ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે વાવેતર માટેનો પણ આ સમય છે.
- ખેતી પાકો, ફળો, શાકભાજી ની કાપણી/ લણણી તથા મરઘાં પાલન (ઇંડા) અને માછલી પાલન (માછીમારી) જેવા કાર્યોમાં રોકાયેલ તમામ કાર્યકરો કામની શરૂઆત, કામ દરમ્યાન તથા કાર્ય પુર્ણ થયા બાદ વ્યક્તિગત સ્વચ્છતા અને સામાજિક અંતરની તકેદારી અવશ્ય લે તે જરૂરી છે.
- ખેત મજૂરો દ્વારા જાતે કરવામાં આવતા કાપણી અને લણણી જેવા કર્યો માટે ૪ થી ૫ ફૂટનું અંતર રહે તેવી રીતે રેખાઓ દોરીને દરેક કાર્યકર / ખેત મજૂરને વ્યક્તિગત રેખાઓમાં રહી કાર્ય કરવું. આવી રીતે કાર્ય કરનાર મજુરો / કાર્યકરો વચ્ચે યોગ્ય વ્યક્તિગત અંતર સુનિશ્ચિત કરી શકાશે.
- કાર્યમાં રોકાયેલા તમામ વ્યક્તિઓએ માસ્કનો ઉપયોગ કરવો જોઈએ અને યોગ્ય સમયાંતરે સાબુથી હાથ ધોવાનું સુનિશ્ચિત કરવું જોઈએ.
- કાર્ય દરમ્યાન આરામ કરતાં, ભોજન કરતાં, ખેત ઉત્પાદનના સ્થળાંતર તથા તે માટે ભરતા / ઉતારતા (લોડીંગ / અનલોડીંગ) સમયે વ્યક્તિગત ત્રણ (૩) થી ચાર (૪) ફૂટનું અંતર જાળવવું જરૂરી છે.
- જો શક્ય હોય તો ખેત કાર્યોને નાના નાના સમયાંતરે કરવા અને એક જ દિવસે વધુ સંખ્યામાં વ્યક્તિઓને રોકવાનું ટાળવું.
- ખેત કાર્યો દરમિયાન કોઈ શંકાસ્પદ અથવા સંભવિત વાહકના પ્રવેશને ટાળવા માટે શક્ય ત્યાં સુધી વાજબી તપાસ પછી ફક્ત પરિચિત વ્યક્તિઓને જ કાર્યો માટે રોકવા.
- જ્યાં શક્ય હોય ત્યાં મેન્યુઅલ કરતાં યાંત્રિક કામગીરીને વધુ પસંદ કરો. ફક્ત જરૂરી સંખ્યામાં જ વ્યક્તિઓને મશીનથી કામ કરવા માટે મંજૂરી આપો.





- મશીનને ખેતર પર લાવતા સાથે જ ઉપયોગમાં લેતા પહેલા તથા નિયમિત સમયાંતરે સફાઈ કરી જંતુરહિત કરવા જોઈએ. તમામ પરિવહન વાહનો, શણના કોથળા અથવા અન્ય પેકેજિંગ સામગ્રીને પણ સ્વચ્છ / જંતુરહિત કરવી જોઈએ.
- લણણી કરેલ ખેત ઉત્પાદનોને 3 4 ફૂટના અંતરે નાના ઢગલાઓમાં ભેગું કરવું અને ભીડને ટાળવા ખેત કક્ષાએ તેના પ્રોસેસિંગ માટે 1 થી 2 વ્યક્તિ/ ઢગલા પ્રમાણે કાર્ય સોંપવું.
- ખાસ કરીને જ્યારે ખેડૂત જૂથો દ્વારા મશીનો આપ-લે કરવામાં આવે છે અને તેનો ઉપયોગ કરવામાં આવે છે ત્યારે લણણી કરેલ મકાઈ અને મગફળી માટે વપરાતા થ્રેશર્સની યોગ્ય સ્વચ્છતા અને સફાઇ જાળવી રાખવી. મશીનના દરેક ભાગોને વારંવાર સાબુથી સ્વચ્છ કરવા સલાહભર્યું છે.

લણણી બાદ, ખેત ઉત્પાદન સંગ્રહ અને ખેત પેદાશોનું માર્કેટિંગ

- ખેત કક્ષાએ સૂકવણી, થ્રેશિંગ, સફાઈ, ગ્રેડિંગ અને પેકેજીંગ જેવી તમામ કામગીરી કરતી વખતે, રક્ષણાત્મક માસ્ક ચહેરા પર પહેરવાથી એરોસોલ્સ અને ધૂળના કણો દ્વારા થતી શ્વસનની મુશ્કેલીઓને રોકવા માટે મદદ મળી શકે છે.
- ખેતરમાં / ઘરમાં લણાયેલા અનાજ, બાજરી, કઠોળનો સંગ્રહ કરતા પહેલા યોગ્ય સૂકવણીની ખાતરી કરો અને જંતુના ઉપદ્રવને રોકવા માટે પાછલી ઋતુમાં વપરાયેલ શણના કોથળાંનો ફરીથી ઉપયોગ ન કરો. લીમડાના 5 % દ્રાવણમાં પલાળીને સુકાવેલ શણના કોથળાંનો ઉપયોગ કરો.
- ખેત પેદાશોના વધુ સારા ભાવ મેળવવા માટે ખેડુતોએ ખેતર પર પેદાશોને સંગ્રહવા માટે શણના કોથળાંનો ઉપયોગ કરવામાં પૂરતી કાળજી લેવી. પૂરતી સંખ્યામાં શણના કોથળાં નજીકના કોલ્ડ સ્ટોરેજ / ગોડાઉન / વેરહાઉસોમાં ઉપલબ્ધ છે.
- ખેત પેદાશોના લોડિંગ અને પરિવહન માટે અને માર્કેટ યાર્ડ્સ / હરાજી પ્લેટફોર્મ પર વેચાણમાં ભાગ લેતી વખતે વ્યક્તિગત સલામતીના પુરતા પગલા લેવા.
- બીજ ઉત્પાદક ખેડૂતોને સહાયક દસ્તાવેજો સાથે બીજ કંપનીઓમાં પરિવહન કરવાની મંજૂરી છે. ચુકવણી પ્રાપ્ત કરતી વખતે સાવચેતીનું પાલન કરવું.
- બીજ પ્રોસેસિંગ / પેકેજિંગ અને બીજ ઉત્પાદક રાજ્યોથી બીજ ઉગાડતા રાજ્યો (દક્ષિણથી ઉત્તર) સુધી બીજનું પરિવહન ખરીફ ઋતુના પાકોનું વાવેતર સુનિશ્ચિત કરવા માટે ખૂબ જરૂરી છે.
 દા.ત. ઉત્તરના રાજ્યોમાં એપ્રિલમાં વાવણી માટે લીલા ઘાસચારાનું એસએસજી બીજ દક્ષિણના રાજ્યોમાંથી આવે છે
- ટામેટાં, કોબીજ, લીલા પાંદડાવાળા શાકભાજી, કાકડીઓ અને ખેતરોના અન્ય કાકડી જેવા શાકભાજીના સીધા માર્કેટિંગ / સપ્લાય માટે સાવચેતી રાખવી.

ખેતરમાં ઉભેલા (સ્થાયી) ક્ષેત્ર પાક

 ઘઉં ઉગાડનારા મોટાભાગના વિસ્તારોમાં તાપમાન હજી પણ લાંબા ગાળાના સરેરાશથી નીચુ છે અને ઘઉંના પાકની કાપણીને 10 એપ્રિલ પછી પણ ઓછામાં ઓછા 10-15 દિવસ વિલંબ થવાની સંભાવના છે, તેથી, ખેડુતો કોઈ નોંધપાત્ર નુકસાન કર્યા વિના ઘઉના પાકની કાપણી 20 એપ્રિલ સુધી લંબાવી શકે છે. આથી, ખરીદી અને તારીખોની ઘોષણા માટે તથા લોજિસ્ટિક્સ મેનેજ કરવા માટે પૂરતો સમય મળી રહેશે.





- દક્ષિણના રાજ્યોમાં રિવ ઋતુના ડાંગરના પાકમાં દાણા ભરાવાના પાકના તબક્કે ડાંગરમાં નેક બ્લાસ્ટના રોગને કારણે વ્યાપક અસર થયેલ છે. કરાર દ્વારા છંટકાવ કરનાર / ખેડુતો દ્વારા ભલામણ કરવામાં આવતા કુગનાશક દવાના છંટકાવ વખતે પુરતી સાવચેતી રાખવી જોઇએ.
- ડાંગરની લણણીના તબક્કે કોઈ વાતાવરણીય વરસાદની સ્થિતિમાં, બીજ અંકુરણને રોકવા માટે 5% મીઠાના દ્રાવણનો છંટકાવ કરવો
- બાગાયતી પાકોમાં ફળ બેસવાના સમયે, દા. ત. કેરી, પોષક તત્ત્વોના સ્પ્રે અને પાક સંરક્ષણને લગતી ખેત કામગીરી હાથ ધરવામાં આવે ત્યારે ઇનપુટ્સના મિશ્રણ અને વપરાશ વખતે તથા વપરાશમાં લેવાતા ઉપકરણો ધોવા માટે પૂરતી સાવચેતી લેવી.
- ઉનાળુ કઠોળમાં, પીળા મોઝેક વાયરસના રોગને રોકવા માટે સફેદમાખીના વ્યવસ્થાપન સહિત સલામતીનાં યોગ્ય પગલાં લેવા.







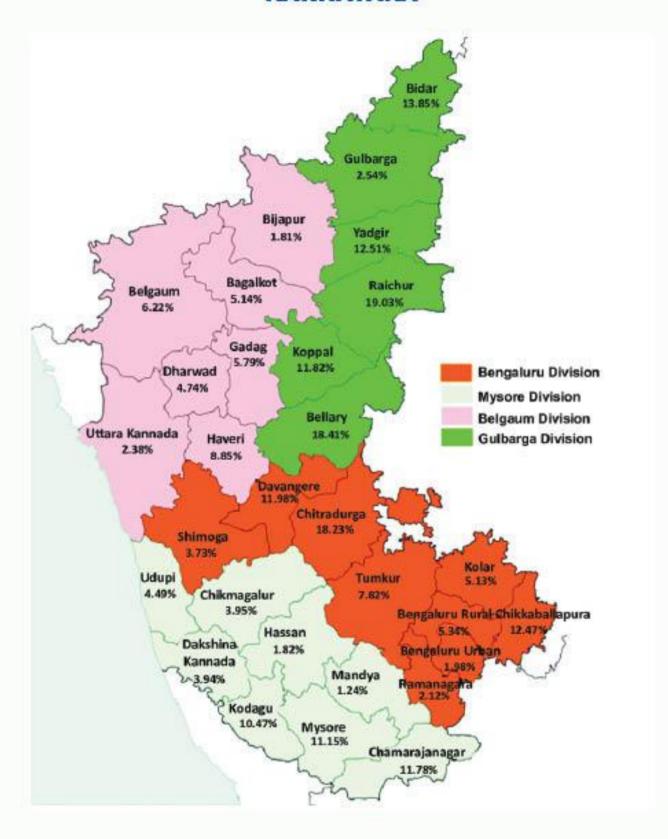








KARNATAKA





KANNADA

ಕೋವಿಡ್-19 ಸಂಧಿಗ್ಧ ಸಂದರ್ಭದ ಲಾಕ್ಡೌನ್ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದ ರೈತರಿಗೆ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳು ಹಾಗೂ ಸಲಹೆಗಳು

ಕೊರೋನಾ ವೈರಾಸ್ ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕ ರೋಗವನ್ನು ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳ ಮೂಲಕ ಹರಡದಿರಲು ಪಾಲಿಸಬೇಕಾದ ಮುನೈಚ್ಛರಿಕಾ ಕ್ರಮಗಳು

- ಕಾರ್ಮಿಕರೇ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ, ಒಂದು ಸಾಲಿನಿಂದ ಇನ್ನೊಂದು ಸಾಲಿಗೆ 4-5 ಅಡಿ ಅಂತರ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಕೆಲಸಗಾರರಿಗೆ ಸೂಚಿಸಬೇಕು, ಇದರಿಂದ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಅಂತರವನ್ನು ಇಬ್ಬರು ಕಾರ್ಮಿಕರ ನಡುವೆ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ.
- ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿರತವಾಗಿರುವ ಎಲ್ಲಾ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ಮುಖಗವಸನ್ನು ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ಧರಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಸೋಮ ನೀರಿಂದ ಕೈಗಳನ್ನು ಶುದ್ದಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
- ವ್ಯಕ್ತಿಯಿಂದ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ 3-4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ವಿಶ್ರಾಂತಿ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಆಹಾರ ಸೇವನೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವಾಗ, ಇಳಿಸುವಾಗ/ಹೊತ್ತೊಯ್ದು ಅಡಕಿಸುವಾಗ ಹೀಗೆ ಪ್ರತಿ ಹಂತದಲ್ಲೂ ಸುರಕ್ಷಿತಾ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಸಾಧ್ಯವಾದ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಪರಿಚಯಸ್ಥ ಕೆಲಸಗಾರರನ್ನಷ್ಟೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಪೂರ್ಣ ವಿಚಾರಿಸಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ.
 ಏಕೆಂದರೆ, ಅಪರಿಚಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ರೋಗಾಣು ವಾಹಕರಾಗಿರಬಹುದಾದ ಸಾಧ್ಯತೆಗಳಿರುತ್ತವೆ. ಆರೋಗ್ಯವಂತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳನ್ನಷ್ಟೆ ನಿಯೋಜಿಸಿ.
- ಎಲ್ಲಾ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳು ಕಾರ್ಯಾರಂಭಕ್ಕೆ ಮುನ್ನು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಶುದ್ಧಗೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಾಗಾಣ ವಾಹನಗಳು, ಗೋಣಿ ಚೀಲಗಳು ಅಥವಾ ಇನ್ನಾವುದೇ ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಅಡಕಗೊಳಿಸುವ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳಿಂದ ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ ಮತ್ತು ಶೇಖರಣಾ ಕೇಂದ್ರಗಳಲ್ಲಿ 5 ವ್ಯಕ್ತಿಗಳಿಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಜನರು ಒಂದೆಡೆ ಇರಬಾರದು. ಎಲ್ಲಾ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ಶುಚಿತ್ರವನ್ನು ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
- ಅಗತ್ಯವಿರುವಷ್ಟು ಮುಖಗವುಸುಗಳು/ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳು/ಕೈತೋಳೆಯುವ ಸೋಮ ಮತ್ತು ನೀರು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಎಲ್ಲಾ ಕೃಷಿ ಪರಿಕರಗಳ ಅಂಗಡಿಗಳು ತೆರೆದಿರಬೇಕು, ಕೃಷಿಕರು ಈ ಅಂಗಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಬೀಜ, ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಳ್ಳುವಾಗ ಪರಸ್ಪರ 4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಹಣ ಪಾವತಿಯನ್ನು POS ಯಂತ್ರದ ಮೂಲಕ ಮಾಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಪ್ರತಿ ಬಾರಿ ಬಳಕೆಯ ನಂತರ ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕದಿಂದ ಯಂತ್ರವನ್ನು ಹಾಗೂ ಬಳಕೆದಾರರ ಕೈ ಅಥವಾ ಬೆರಳುಗಳನ್ನು ಶುದ್ದಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
- ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳಾದ ಹಣ್ಣು ಮತ್ತು ತರಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸ್ಥಳಿಯ ಅಥವಾ ಹೊರ ಜಿಲ್ಲೆಗಳ/ರಾಜ್ಯಗಳ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗಾಗಿ ಕೊಂಡೊಯ್ನಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- ಕೃಷಿಕರು ತಮ್ಮ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳಿಗೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿಯೇ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- 12. ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳು ಮುಖಗವಸುಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಕಾರ್ಮಿಕರಿಗೆ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಂಗ್ರಹ, ಅಡಕಗೊಳಿಸುವಾಗ ಹಾಗೂ ಸಾಗಾಟ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ವಹಿಸುವಾಗ ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ನೀಡಿ ಅವರ ಸುರಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಕಾಪಾಡಬೇಕು.
- ಸರ್ಕಾರದ ಆದೇಶದಂತೆ ತರಕಾರಿ ಮತ್ತು ಆಹಾರ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಾಗಾಟ ಅನಿರ್ಬಂಧಿತವಾಗಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಪೂರಕ ಸಹಾಯ ಮತ್ತು ಪರವಾನಗಿ ಪತ್ರಕ್ಷೆ ಜಿಲ್ಲಾಡಳಿತವನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
- 14. ರೈತ ಪರ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಶೇಖರಣೆ ಮತ್ತು ಮಾರಾಟಕ್ಕೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ.





ಬೆಳಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಸಲಹೆಗಳು:

- ಹೈದರಾಬಾದ್ ಕರ್ನಾಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಭಕ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ಭತ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಒಕ್ಕಣೆಗೆ ಬೇಕಾದ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಾಡಿಗೆ ನೀಡುವ ಕೇಂದ್ರಗಳು ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಅವುಗಳು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಒಳ/ಹೊರ ರಾಜ್ಯಗಳಿಗೆ ಸಾಗಾಟ ಮತ್ತು ಕಳುಹಿಸಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- ಬೇಸಿಗೆ ಭತ್ತವನ್ನು ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ನಾಟಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ನಂತರ ಸೂಕ್ತ ಕಳೆ ನಾಶಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬಹುದು. ಪರ್ಯಾಯವಾಗಿ ಕೃಷಿಕರು ನೇರ ಭತ್ತ ಬಿತ್ತನೆಯನ್ನು ಡ್ರಮ್ ಸೀಡರ್ ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ಇದರಿಂದ ಕೂಲಿಕಾರರ ಸಮಸ್ಯೆ ಹಾಗೂ ಖರ್ಚನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯ
- ಇನ್ನು ಮುಂಬರುವ ಕೆಲವೇ ವಾರಗಳಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಶೇಂಗಾ ಕೊಯ್ಲು ಆರಂಭಗೊಳ್ಳಲಿದೆ.
 ಕೃಷಿಕರು ಎಷ್ಟು ಸಾಧ್ಯವೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಯಂತ್ರದ ಕೊಯಲನ್ನು ಅವಲಂಬಸಬೇಕು. ಕೂಲಿಕಾರರೇ ಕೊಯ್ಲು
 ಮಾಡಬೇಕಾದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಈಗಾಗಲೇ ಸರ್ಕಾರ ನಿಗಧಿಮಾಡಿರುವ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳಾದ ವೈಯಕ್ತಿಕ ಅಂತರ
 ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸುವುದು ಇತ್ಯಾದಿ ಸುರಕ್ಷಿತಾ
 ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ತಪ್ಪದೇ ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
- ಕೃಷಿಕರು ಈಗಾಗಲೇ ಕೊಯ್ದಿಗೆ ತಯಾರಿರುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ನೇರ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಆಯೋಜನೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು. ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ದೊರಕುವ ಶೀತಲಗೃಹಗಳನ್ನು ಶೇಖರಣೆಗಾಗಿ ಬಳಸಿ ಗತ್ಯಂತರವಿಲ್ಲದ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಮಾಡುವ ಅಪಾಯದಿಂದ ರಕ್ಷಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಶೋಟಗಾರಿಕೆ ಬೆಳೆಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರಜನಕ ಗೊಬ್ಬರ ಹಾಗೂ ನೀರನ್ನು ಬಳಸಿ ಕೊಯ್ಲನ ಹಂತವನ್ನು ಮುಂದೂಡಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಬೇಕು. ದಾಳಿಂಬೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಯಿ ಬಲಿಯುವ ಹಂತವನ್ನು ಸೂಕ್ತ ಪ್ರಮಾಣದ NAA ಬಳಸಿ ಮುಂದೂಡಬಹುದು.
- ದಾಕ್ಷಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲದಾಗ ಒಣಗಿಸಿ ಒಣದ್ರಾಕ್ಷಿಯನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಉತ್ತಮ. ದ್ರಾಕ್ಷಿ ಬಳಿಗಳ ಸವರುವ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆ ಹಂತವನ್ನು ಒಂದು ತಿಂಗಳ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಮುಂದೂಡುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು.
- ಮಾವು ಬೆಳೆಗೆ ಮ್ಯಾಂಗೋ ಸ್ಪೆಷಲ್ ಪೋಷಕಾಂಶ ಮಿಶ್ರಣವನ್ನು ಸಿಂಪರಣೆ ಮಾಡಿ ಕಾಯಿಗಳ ಗಾತ್ರ ಮತ್ತು ಬೆಳವಣಿಗೆಯನ್ನು ಉತ್ತಮಗೊಳಿಸಬಹುದು. ಹಣ್ಣು ನೊಣದ ಹಾವಳಿಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಹಣ್ಣುನೊಣದ ತಡೆಬಲೆಗಳನ್ನು ನಿಯೋಜಿಸಬೇಕು.
- ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ತಾಂತ್ರಿಕ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನಕ್ಕಾಗಿ ಹತ್ತಿರದ ಕೃಷಿ ವಿಜ್ಞಾನ ಕೇಂದ್ರವನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಬೇಕು.
- ಕೊಯ್ಲು ಹಂತಕ್ಕೆ ಬಂದಿರುವ ತರಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಯಾವುದೇ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಮುನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಬಾರದು. ಕ್ರಿಮಿನಾಶಕ ಅಂಶರಹಿತ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ಕಳುಹಿಸುವುದು ನಮ್ಮ ಧೈಯವಾಗಬೇಕು.









MEGHALAYA





KHASI

KI KYNDON NA KA BYNTA KI NONGREP BAD KI BYNTA JONG KA REP KA RIANG HA KANE KA POR BA KHANG NA KA DAW JONG U KHNIANG JINGPANG CORONA VIRUS (COVID-19)

Ki jingbthah ba lah pynmih da ka sorkar India khnang ba ka rep ka riang bad kiwei kiwei ki jait kam ba iadei bad ka rep ka riang kin iaid beit ryngkat bad jingbud ia ki kyndon ban iada na u khniang.

Ki kam hapoh ka rep ka riang kiba lait naka jing pakhang shnong

- i. Ki Veterinary Hospital
- Ki agency kiba thied ia ki tiar kiba donkam ha ka rep ka riang kaba kynthup lang ia ki ophis ba pyntrei ia ka MSP
- iii. Ki Mandis ne ki iew kiba die ia ki mar rep kum ki jhur, ki soh bad kiwei kiwei de kiba lah pyniaid da ka Agriculture Produce Market Committee ne kaba la ai jingbit ne jingbthah da ka sorkar Meghalaya.
- iv. Ki jingtrei jong ki nongrep ha ki hali ne lynkha jong ki
- Ki jaka buh ia ki tiar kum ka power tiller, ki pump bad kiwei kiwei de kiba ki nongrep ki ju pyndonkam ha ka por ba ki rep
- vi. Ki jaka kiba shna bad kiba pynmih ia ki sboh dawai, ki dawai pyniap khniang bad ki symbai
- vii. Ka jingkit ia ki tiar ne machine na kawei ka jaka sha kawei pat hapoh ka jylla kiba pyndonkam ha ka por ot bad thung kum ka combined harvester bad kiwei kiwei de ki tiar kiba ju donkam ha ka por rep.
- viii. Ki dukan kiba de ia ki kor rep bad ka jaka shna ia ki.
- Ki dukan chna kali ba don ha surok bah khamtam ia kiba don hajan petrol pump.
- x. ki kharkhana sla sha kynthup lang bad ki jaka rep sla sha ba don haduh 50% ki nongtrei.

*ki kyndon naduh i haduh Vii ki long katkum ka jingbthah jong ka ministry ka kam poh iing, Goi vide No. 40-3/2020-DM-I (A) tarik 24th ,25th bad 27th Lber, 2020 bad ki Clause 2,4,5 bad 6. bad ki kyndon Viii haduh X katkum ka jingbthah lyngba ka 4th addendum jong ka Ministry ka koit ka khiah order no 40-3/2020-DM-I(A) tarik 24th lber 2020.

Ia kine ki kyndon kiba lah kdew haneng yn ym khang kum ha kane ka por, khnang ba ki nongrep jong ngi kin nym shem jingeh.

Kat kum ka jingbthah ka sorkar India, ki minister bad ki department bapher bapher jong ka jylla Meghalaya ki lah ioh jingtip ban pyntreikam ia kine ki kyndon ba lah kdew haneng bad ba ki kam baroh kiba ia snoh bad ka rep ka riang kin ym sangeh kum ha kane ka por.





Ka jingbthah na ka bynta ki nongrep

Ka por ot ia ki jingthung

Kum ha kane ka por ba khang na ka daw jong u khniang jingpang corona, don ki jingthung kiba lah dei ka por ban kheit ne ot. Ka jingkheit ne ot ia kum kine ki jingthung kaba kynthup ruh ia ka jingleit die sha ki iew ka long kaba eh namar ka rep ka riang ka iaid ryngkat bad ka por. Hynrei ki nongrep ki dei ban phikir bha khnang ba une u khniang un ym saphriang. Ki nongrep ki lah ban iada ialade na une u khniang da kaba ieng jngai iwei na iwei bad pyrshang ban nym ialum lang ha kajuh ka jaka, ki dei ruh ban lehkhuid da kaba sait bha ia ki kti da ka sabon, deng mask, phong ki jain kiba lah ban iada na une u khniang bad da kaba sait khuid bha ia ki tiar kiba pyndonkam ha ka por rep. Baroh ki nongrep ki dei ban bud ia kine ki lad ban iaid na une u khniang jingpang bad pyrshang ban nym ialum lang ha ka juh ka jaka bad ban ieng jngai iwei na iwei kumba shi metre (1m) eiei ha man la ki por.

- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u kew ha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India da kaba pyndonkam da ki machine kum ka combine harvester bad lah shah ban kit ia kine machine na kawei ka jylla shawei ka jylla. Dei ban phikir bha bad bud ia ki lad ban iada na kane ka jingpang khamtam ia kito ki briew ki ba shna bad pyndonkam ia kine ki machine.
- Ka jingot ia u tyrso umphniang ka dang iaid hynrei ia ka jingshoh ia u ka dang sah teng ha ki jaka ba lah dep ot.
- Ka jingot ia u dai, u riewhadem bad u sohmynken ka dang iaid shaphrang bad ka lah jan dei ka por ban ot ia u shana.
- Ka lah dei ruh ka por ban ot ia u pai bad ka lah dei ka por thung sha ka thain shatei lam mihngi jong ka ri India.
- Baroh ki nong ot bad kiba lum ia ki mar rep, jhur, soh, pylleng bad dohkha ki dei ban bud ia ka jinglehkhuid shimet bad ka jing jngai iwei na iwei ha ka por ba leh bad hadien ba dep ka ki kam na lyngkha.
- Ha ka por ba trei kam ha lyngkha, dei ban shna ki nur kiba jngai 4-5 phut bad ban trei iwei i briew ha kawei ka nur. Kane kan pyntikna ban biang ka jingjngai iwei na iwei.
- Baroh ki dei ban deng ia ki mask bad ban thed ia ki kti bunsien.
- Pyntikna ban pynjngai iwei na iwei kumba 3-4 phut ha ka por shongthait, por bam bad por rah ki mar.
- Ia bynta ki kam ha lyngkha katba lah khnang ban pynduna ka jing bun briew ha lyngkha.
- Pyntrei da ki brew ba ithuh lane ki briew ba biang hadien ba lah dep kylli bniah ban kiar na ka jingrung ki briew ki ba rah ia u khniang jingpang.
- Pyn donkam da ki tiar machine ha ki jaka ba lah. Tang ki briew ba donkam kidei ban don hajan ka machine.
- Baroh ki machine ki dei shah pyn khuid ha baroh ki jaka rung bad man lah ka kato katne sngi.
 Baroh ki kali kit mar, borni bad kiwei kiwei ki tiar ba pyndonkam ban kit mar ki dei ban long kiba khuid.

Ki mat ban phikir hadien ba lah dep kheit lane ot bad ha kaba die ia ki mar rep:



- Haba thad, shoh lane dung, tai ne peh, pynkhuid, pynbynta lane pyniakhlad bad haba song ia
 ki mar rep ha ki lum ne ki jaka rep jong phi da kynmaw ban iada ialade da kaba sop bha
 khamtam ia ka khmut bad shyntur da kaba deng da ki mask. Kane kan pyllait na ka jingrung
 jong ki pui pui bad kiwei kiwei ki phngit kiba lah ban ktah ia ka rukom ring bad pynhiar
 mynsiem jong ngi ki briew.
- Dei ban thad rkhiang bha ia ki shyieng, u krai ne ki kynja dai shua bad kiar ia kaba buh ia ki
 ha ki byrni ne song ba lah ju pyndonkam khnang ban pynduna ia ka jinglyngshop jong ki
 khniang ne jingpang. Donkam ruh ban pynkhuid ia ki byrni ne pla song da kaba pyndonkam
 da ka dawai neem bal ah khleh lang bad ka um.
- Dei ban da phikir bha shua ban song ia ki mar rep ha ki byrni khamtam ia kito kiba donkam ban buh ha ki iing daithah (cold storage)/ kudam.
- Dei ban bud pyrkhing ia ki jingbthah ha kaba iadei bad ka khuid ka suba ban iada na kino kino ki jait jingpang ha ka por ba kyntiew ne pynhap ia ki mar rep ha iew ha hat ne ha kano kano ka rynsan ia die ia thied.
- Uno uno u nongrep u don ka hok khlem kano kano ka jingpyrkhing da ka ain ha kaba iadei bad ka jingshalan ia ki symbai sha kino kino ki kompani, hynrei dei ban pynbiang ia ki kot ki sla ba pura na ka bynta kane. Dei ban husiar bad phikir bha ruh ha ka por ba pyndep ia ka jingsiew ia ki pisa ki pilain.
- Kam don ka jingkhang ia ka jingshalan ia ki symbai da ki jaka pynmih symbai (seed processing/ packaging plants). Kane kan iarap shibun ia ki nongrep ha kaba ki lah ban ioh ia u symbai ha ka aiom kaba biang bad dei por.
- Dei ban phikir bad bud pyrkhing ia ki jingbthah jong ki bor pyniaid ain ha kaba ia dei bad ka jingdie marmet ia ki mar rep kyrpang ia ki jhur kum u sohsaw, phul kubi, sla jyrngam, sohkhia bad kiwei kiwei.

Ia ki Jingthung ba don ha lyngkha

- Ka jing syaid ha ki jaka ba rep ia u kew ki dang kham duna ban ia kaba ju long mynshuwa, te ki nongrep ki lah ban ot ia u kew hadien 10-15 sngi palat ka 10 tarik u bnai Iaiong. Ki nongrep ki lah ban ot haduh ka 20 tarik u Iaiong ban lait na jing duhnong, bad kan ai por ban pyn beit ban pyn iad iew ia u mar.
- Ban lait naka jing julor ka jingpang thoh rew ha u kba, donkam ban husiar ha ka por synriet dawai.
- Lada ja ba ka slap ha ka por ot kba, synreit 5% ka um-mluh ban lait naka sbeh.
- Ia ki jhur lane soh ba dei por seisoh kum u soh pieng, ha ka por ba synreit dawai dei ban peit bniah por ba khleh dawai, ba ber bad pynpoi ia ki dawai bad kumjuh ruh ban sait bniah ia ki tiar ba pyndonkam.
- Ha ka por lyiur, ia ki kynja dai ha lyngkha, dei ban phikir bad bud ia ki kyndon ki ban iarap ban iada na u khniang skain lieh ba pynioh iaka jingpang thoh stem ha ki sla.



KERALA





MALAYALAM

<u>കോവിഡ് - 19 ലോക്ഡൗൺ പശ്ചാത്തലത്തിൽ കർഷകർക്കും</u> കാർഷികമേഖലക്കുമുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ

നിർദ്ദേശിക്കപ്പെട്ട മുൻകരുതലുകൾ എടുത്തു കൊണ്ടു തന്നെ കൃഷി അനുബന്ധ മേഖലകളിലെ പ്രധാനപ്പെട്ട പ്രവർത്തനങ്ങൾ തുടരുവാനായി കേന്ദ്ര സർക്കാർ മാർഗ്ഗ നിർദ്ദേശങ്ങൾ* പുറപ്പെടുവിച്ചിരിക്കുന്നു. കർഷകരുടെ പ്രയോജനത്തിനായി അവ ഇവിടെ കൊടുത്തിരിക്കുന്നു.

ലോക്ഡൗണിൽ നിന്നും ഒഴിവാക്കപ്പെട്ട കൃഷിയും അനുബന്ധ മേഖലകളും*

i) മ്യഗാശുപത്രികൾ

ii) കാർഷിക് ഉൽപ്പന്നങ്ങളുടെ സംഭരണത്തിലും തറവില നിശ്ചയിക്കുന്നതിലും എർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന എജൻസികൾ

iii) സ്ർക്കാർ അധീനതയിലുള്ള കാർഷിക ഉൽപ്പന്ന വിപണന കമ്മിറ്റിയുടെ നിയന്ത്രണത്തിലുള്ള കാർഷിക ചന്തകൾ

സ) കർഷകരും കർഷകത്തൊഴിലാളികളും കൃഷിയിടത്തിൽ ചെയ്യുന്ന കൃഷിപ്പണികൾ
 ഗ) കാർഷിക ഉപകരണങ്ങൾ വാടകയ്ക്ക് കൊടുക്കുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ

vi) വിത്ത്, വളം, കീടനാശിനികൾ എന്നിവയുടെ ഉത്പാദനവും പാക്കേജിങും ചെയ്യുന്ന സ്ഥാപനങ്ങൾ

vii) കൊയ്ത്ത്മെതിയന്ത്രം പോലുള്ള വിളവെടുപ്പ്, നടിൽ അനുബന്ധ കാർഷിക ഉപകരണങ്ങളുടെയും യന്ത്രങ്ങളുടെയും കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും അവയുടെ ഉപയോഗവും

viii) കാർഷികയന്ത്രങ്ങളുടെയും, യന്ത്ര ഭാഗങ്ങളുടെയും , അവ നന്നാക്കുകയും ചെയ്യുന്ന കടകൾ തുറന്നു പ്രവർത്തിക്കാവുന്നതാണ്.

കാ ഹൈവേകളിലെ ഭ്രക്കുകൾ നന്നാക്കുവാനുള്ള കടകൾ, കഴിവതും അവ ഇന്ധനം നിറയ്ക്കുന്ന പമ്പുകളോട് അനുബന്ധിച്ചുള്ളവയാണെങ്കിൽ കൂടുതൽ അഭികാമ്യം.

x) അങ്ങേയറ്റം 50% തൊഴിലാളികളെ ഉൾപ്പെടുത്തിക്കൊണ്ട് തേയില വ്യവസായവും മറ്റു തോട്ടങ്ങളിലെ ജോലികളും.

സൂചികകൾ (i-vii) വരെ ആഭ്യന്തര വകുപ്പ് നിർദ്ദേശപ്രകാരം ഓർഡർ നമ്പർ 40-3/2020-DM-I(A) തിയതി 24th, 25th and 27th മാർച്ച്, കൂടാതെ കൃഷി കർഷകക്ഷേമ മന്ത്രാലയം അപേക്ഷപ്രകാരം ഇന്ത്യാ ഗവൺമെൻറ് ഒഴിവാക്കിക്കൊണ്ടുള്ള ക്ലോസ് 2,4,5 & 6; സൂചികകൾ (viii-x) വരെ ഏകീകൃത മാനദണ്ഡങ്ങളോട് 4-ാം അനുബന്ധം 24.03.2020 തിയതിയിലെ MHA ഓർഡർ നമ്പർ 40-3/2020-DM-I(A) പ്രകാരം കൂട്ടി ചേർക്കപ്പെട്ടതുമാണ്.

മേൽസൂചിപ്പിച്ച പട്ടികയിലുള്ള സംവിധാനങ്ങൾ, കർഷകർക്ക് കാർഷികവൃത്തിയിൽ വേണ്ട അവശ്യസാധനങ്ങൾ ലഭ്യമാകുന്നു എന്നും ഈ ലോക്ഡൗൺ സമയത്ത് കർഷകർക്ക് യാതൊരുവിധ ബുദ്ധിമുട്ടും ഉണ്ടാകരുത് എന്നും ഉറപ്പുവരുത്തുന്നു.

കേന്ദ്രസർക്കാർ പോളിസി നിർദേശപ്രകാരം സംസ്ഥാന സർക്കാരുടെ വിവിധ മിനിസ്ട്രി വകുപ്പുകൾക്ക് കാർഷിക മേഖലയിലെ ഈവിധ ജോലികൾ നടത്തി കൊണ്ടുപോകുവാൻ വേണ്ട നിർദ്ദേശങ്ങൾ നൽകിയിട്ടുണ്ട്.





കർഷകർക്കായുള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾ

വിളവെടുപ്പും വിള പരിപാലനവും

വ്യാപനത്തിനിടയിൽ വിളകളുടെ കോവിഡ് കിക്കാരക വിളവെടുപ്പ് വിളവെടുപ്പും വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതും, സമയമടുത്തിരിക്കുന്നു. തക്കസമയത്ത് വിപണിയിലെത്തിക്കുന്നതും കാർഷിക മേഖലക്ക് സമയബന്ധിതമായി അനിവാര്യമാണ്. എന്നിരുന്നാലും കർഷകർ രോഗവ്യാപനത്തിന് എതിരെ സുരക്ഷിത മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്. സാമൂഹിക് അകലം പാലിക്കുക, സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈകൾ കഴുകുക, മുഖാവരണം ധരിക്കുക, സുരക്ഷാ വസ്ത്രങ്ങൾ ധരിക്കുക എന്നീ വ്യക്തി ശുചിത്വം പാലിക്കേണ്ട മാർഗ്ഗങ്ങളും, കാർഷിക യന്ത്രങ്ങളും, ഉപകരണങ്ങളും മറ്റും വ്യത്തിയായി സൂക്ഷിക്കുക തൂടങ്ങിയ ലളിതമായ അവലംബിക്കേണ്ടതാണ്. മാർഗ്ഗങ്ങളും അതുപോലെതന്നെ തൊഴിലാളികളും സുരക്ഷിത മാർഗങ്ങൾ സ്വീകരിക്കുകയും സാമുഹിക അകലം പാലിച്ച് കാർഷികവൃത്തിയിൽ ഏർപ്പെടുകയും ചെയ്യേണ്ടതാണ്.

- കായ്ത്ത്-മെതിയന്ത്രം ഉപയോഗിച്ചുള്ള ഗോതമ്പു വിളവെടുപ്പ് വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ അടുത്തുവരുന്നുണ്ട്. സംസ്ഥാനത്തിനകത്തും പുറത്തുമുള്ള യന്ത്രങ്ങളുടെ കയറ്റി കൊണ്ടുപോകലും, അവയുടെ ഉപയോഗവും അനുവദിക്കപ്പെട്ടിരിക്കുന്നു . യന്ത്രങ്ങളുടെ പ്രവർത്തനവും, നന്നാക്കലും -പരിപാലനവും നടത്തുന്ന തൊഴിലാളികളും എല്ലാവിധ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങളും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.
- കടുക് വിളവെടുപ്പും നടന്നുകൊണ്ടിരിക്കുന്നു. വിളവെടുപ്പ് കഴിഞ്ഞ സ്ഥലങ്ങളിൽ അവയുടെ മെതിക്കൽ പ്രക്രിയ നടത്തേണ്ടതുണ്ട്.
- പയറുവർഗ്ഗവിളകൾ, ചോളം, പച്ചമുളക് എന്നിവയുടെ വിളവെടുപ്പും
 ആഗതമായിരിക്കുന്നു.
- കരിമ്പ് വിളവെടുപ്പ് ഇപ്പോൾ ഉച്ചസ്ഥായിയിൽ ആണ്. അതൂപോലെതന്നെ വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ കരിമ്പ് നടേണ്ട സമയവുമാണ്.
- വയൽ വിളകൾ, പഴം-പച്ചക്കറി, മുട്ട, മത്സ്യം എന്നിവ വിളവെടുക്കുമ്പോഴും, വിളവെടുപ്പിനു ശേഷവും, വിള കൈകാര്യം ചെയ്യുമ്പോഴും വ്യക്തിശുചിത്വ മാനദണ്ഡങ്ങളും സാമൂഹിക അകലവും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.
- * തൊഴിലാളികൾ നേരിട്ടു നടത്തുന്ന വിളവെടുപ്പുപോലെയുള്ള കാർഷിക പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ 4-5 അടി അകലത്തിൽ ഓരോ ആൾക്കും ഓരോ വരി വെച്ച് നിയോഗിക്കാവുന്നതാണ്. ഇങ്ങനെ, ഓരോ കാർഷിക തൊഴിലാളിക്കുമിടയിൽ ആവശ്യത്തിനുള്ള അകലം ഉറപ്പാക്കാം.
- കാർഷിക ജോലികളിൽ ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന എല്ലാവരും മുഖാവരണം ധരിക്കുകയും,
 ഇടവേളകളിൽ സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈ കഴുകുകയും ചെയ്യണം.
- വിശ്രമിക്കുമ്പോഴും, ഭക്ഷണം കഴിക്കുമ്പോഴും, വിള കൈമാറ്റം ചെയ്യുമ്പോഴും, കയറ്റിറക്ക് നടത്തുമ്പോഴും 4-5 അടി എന്ന സുരക്ഷിത അകലം പാലിക്കേണ്ടതാണ്.





- ഒരേ ദിവസം തന്നെ കൂടുതൽ ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കാതിരിക്കുവാനായി ശ്രദ്ധിക്കുക.
- നല്ല ആരോഗ്യം ഉള്ളവരെയും, രോഗവാഹകരല്ല എന്ന് ന്യായമായി ഉറപ്പുള്ളവരെയും മാത്രം കൃഷി പണിക്കായി നിയോഗിക്കുക.
- സാധ്യമായിടഞ്ഞെല്ലാം യന്ത്രവത്കരണം നടപ്പാക്കുക. യന്ത്രങ്ങൾ പ്രവർത്തിക്കാൻ വേണ്ടി അത്യാവശ്യത്തിനു മാത്രമുള്ള ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കുക.
- എല്ലാ യന്തങ്ങളും പ്രവർത്തനാരംഭത്തിലും, കൃത്യമായ ഇടവേളകളിലും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്. എല്ലാ ചരക്കു വാഹനങ്ങളും, ചാക്കുകൾ മുതലായ മറ്റു പാക്കേജിംഗ് സാമഗ്രികളും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്.
- *. ഉൽപന്നങ്ങളുടെ ശേഖരം ചെറിയ കൂനകളായി 3-4 അടി അകലത്തിൽ ക്രമീകരിക്കേണ്ടതും, ഓരോ കുനയും കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതിനായി 1-2 ആൾക്കാരെ മാത്രം ചുമതലപ്പെടുത്തി തിരക്ക് ഒഴിവാക്കേണ്ടതുമാണ്.
- ചോളം, നിലകടല എന്നി വയ്ക്കുള്ള മെതിയന്ത്രങ്ങൾ കർഷകരും, കർഷക ഗ്രൂപ്പുകളും സഹകരിച്ച് ഉപയോഗിക്കുമ്പോൾ, അവ വൃത്തിയാക്കിയതും, അണുവിമുക്തമാക്കിയതുമാണെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തേണ്ടതാണ്. യന്ത്രഭാഗങ്ങൾ കൂടെക്കൂടെ സോപ്പുപയോഗിച്ച് യഥേഷ്ഠം കഴുകേണ്ടതുമാണ്.

കാർഷിക ഉൽപന്നങ്ങളുടെ വിളവെടുപ്പിനു ശേഷമുള്ള പ്രവർത്തനങ്ങളും സംഭരണവും, വിപണനവും

- കൃഷിയിടത്തിൽ വച്ച് ഉൽപന്നങ്ങൾ ഉണക്കി, മെതിച്ച്, പാറ്റി, ശുദ്ധീകരിച്ച്, തരം തിരിച്ച്, കെട്ടുകളാക്കുന്ന സമയം, പൊടിയുടെയും മറ്റു ദ്രാവക കണികകളുടെയും ഉപദ്രവം ഹേതുവായി ശ്വാസതടസ്സം ഉണ്ടാകാതിരിക്കുവാൻ മുഖാവരണം ധരിക്കുക.
- സംഭരണത്തിനു മുമ്പായി, വിളവെടുത്ത ധാനൃങ്ങൾ, ചെറു ധാനൃങ്ങൾ, പയർ വർഗ്ഗങ്ങൾ എന്നിവ കൃഷിയിടത്തിൽ / വീട്ടിൽ വച്ചു തന്നെ നന്നായി ഉണങ്ങിയിട്ടുണ്ടന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തുക. കീടശലൃം ഒഴിവാക്കുന്നതിനായി മുൻ മുമ്പ് ഉപയോഗിച്ച ചണചാക്കുകൾ ഉപയോഗിക്കാതിരിക്കുക. 5% വിര്യമുള്ള വേപ്പിൻസത്ത് ലായനിയിൽ മുക്കി ശുദ്ധീകരിച്ച്, ഉണക്കിയ ചണ ചാക്കുകൾ മാത്രം ഉപയോഗിക്കുക.
- കൂടുതൽ വില കിട്ടുന്നതിനായി ഉൽപന്നം സ്വന്തം കൃഷിസ്ഥലത്തോ അടുത്തുള്ള ശീതീകരണികളിലോ, ഗോഡൗണുകളിലോ, വെയർഹൗസുകളിലോ സൂക്ഷിക്കേണ്ടതായി വന്നാൽ, ആവശ്യത്തിന് ചണചാക്കുകൾ കർഷകർക്ക് ലഭ്യമാക്കുകയും, മറ്റ് മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടിയതുമാണ്.
- ഉൽപന്നത്തിൻ കയറ്റിറക്കു സമയങ്ങളിലും, ഗതാഗതത്തിലും, വിൽപ്പനയിലും ലേലത്തിലും പങ്കെടുക്കുമ്പോഴും ആവശ്യത്തിനുള്ള വ്യക്തി സൂരക്ഷിതത്വ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.





- * വിത്തുൽപാദനത്തിൽ ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന കർഷകർക്ക് അവരുടെ ഉൽപന്നം വിത്ത് കമ്പനികളിലേക്ക് സാക്ഷ്യപത്രം സഹിതം എത്തിക്കുവാൻ അനുമതി ഉണ്ടായിരിക്കുന്നതാണ്. തുക സ്വീകരിക്കുമ്പോഴും വേണ്ടിയ സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ പാലിക്കേണ്ടതാണ്.
- * എപ്രിൽ മാസത്തിൽ വടക്കേ ഇന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ തീറ്റപ്പുൽ കൃഷിക്കുള്ള വിത്തു സംഭരണവും, കയറ്റി അയയ്ക്കലും ദ്രക്ഷിണേന്ത്യയിൽ നിന്നും ഉത്തരേന്ത്യയിലേയ്ക്ക്) ഈ കാലയളവിൽ അനിവാര്യമാണ്.
- കൃഷിയിടത്തിൽ നിന്നും തക്കാളി, കോളിപ്ലവർ, ഇലവർഗ്ഗങ്ങൾ, വെള്ളരി വർഗ്ഗങ്ങൾ തുടങ്ങിയവ ഉപഭോക്താക്കളിലേയ്ക്ക് നേരിട്ട് എത്തിക്കുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ള സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

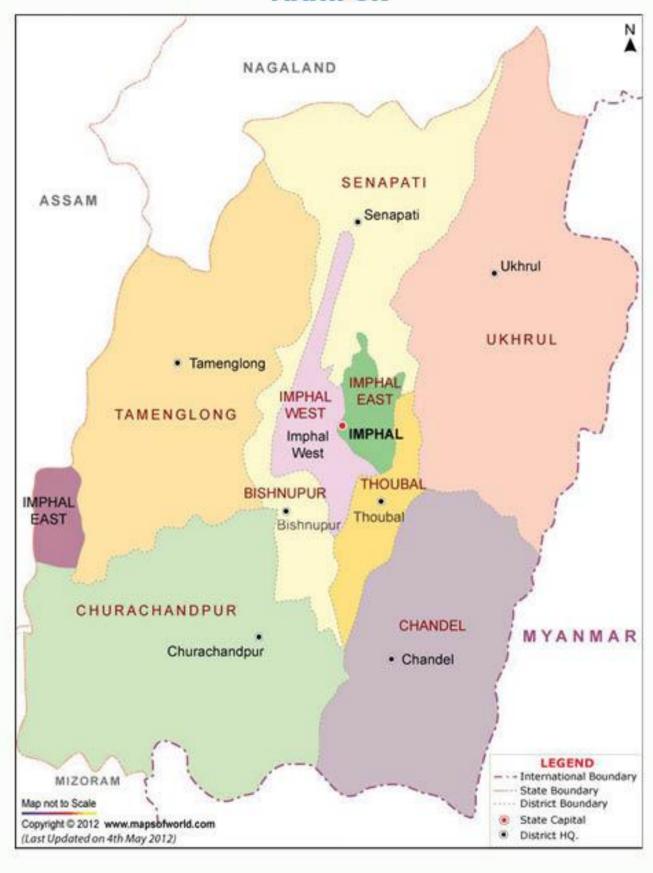
നിലവിലുള്ള വയൽവിളകൾ

- ഗോതമ്പ് വിളയിക്കുന്ന സ്ഥലങ്ങളിൽ താപനില ഇപ്പോഴും അനുയോജ്യമായതിലും താഴെയാണ്. അതിനാൽ വിളവെടുപ്പ് എപ്രിൽ മാസം 10-ന് ശേഷം, ഉദ്ദേശം 10-15 ദിവസത്തോളം വൈകാൻ സാധ്യതയുണ്ട്. ആയതിനാൽ, ഗോതമ്പ് കർഷകർക്ക് അധികം നഷ്ടമുണ്ടാകാതെതന്നെ ഏപ്രിൽ 20 വരെ വിളവെടുപ്പ് നീട്ടിവയ്ക്കാവുന്നതാണ്. ഈ സമയത്തിനുള്ളിൽ തീയതി നിശ്ചയിക്കുകയും ഗതാഗത സംവിധാനങ്ങൾ ഒരുക്കുകയും ചെയ്യാവുന്നതാണ്.
- ഭക്ഷിണേന്ത്യൻ സംസ്ഥാനങ്ങളിൽ നെല്ലിൽ ധാന്യംനിറയുന്ന ഘട്ടത്തിൽ കരിച്ചിൽ രോഗം കാണപ്പെട്ടു വരുന്നു. കർഷകരോ, കരാർ അഭിസ്ഥാനത്തിൽ തൊഴിലാളികളോ മരുന്നു തളിക്കുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ള മുൻകരുതലുകൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.
- നേല്ലിൻ വിളവെടുപ്പ് സമയങ്ങളിൽ ഒറ്റപ്പെട്ട മഴയുടെ സാഹചര്യം ഉണ്ടായാൽ, നെല്ല് മുളയ്ക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കാനായി 5% ഉപ്പ് ലായനി തളിക്കുക.
- മാവ് പോലുള്ള തോട്ടവിളകളിൽ ചെടിക്ക് ആവശ്യമായ മൂലകങ്ങളും മറ്റു മരുന്നുകൾ കൂട്ടുമ്പോഴും, തളിക്കുമ്പോഴും, ഉപകരണങ്ങൾ കഴുകി വയ്ക്കുമ്പോഴും വേണ്ടുന്ന സുരക്ഷാ ക്രമീകരങ്ങൾ ചെയ്യേണ്ടതാണ്.
- * നെൽകൃഷിക്കു ശേഷം തരിശു ഭൂമിയിൽ നടത്തുന്ന പയർ വർഗ്ഗകൃഷിയെ ബാധിക്കാവുന്ന വൈറസ് നിയന്ത്രിക്കാൻ വെള്ളച്ചകൾക്കെതിരെ മരുന്നു തളിക്കുമ്പോൾ തൊഴിലാളികൾ എല്ലാ സുരക്ഷാ മുൻ കരുതലുകളും എടുത്തുവെന്ന് ഉറപ്പു വരുത്തണം.





MANIPUR





MANIPURI

COVID-19 Lockdown মতমসিদা লৌমীশিং অমসুং লৌউ-শিংউ তৌরিবশিংদা লোউ-শিংউবগী পাউতাক

তারত সরকারনা মরু ওইবা লোউ-শিংউ অমদি মসিগা মরী লৈনবা থবক খোরমশিংদা চেকশিন খোরাং কয়া লোনবগীদমক অমদি লোমীশিংগী কাব্রনবা চৎন-পথাপ/থবক খোরম কয়াসু মখাদা থক্লি।

लोड-निश्डेवा व्यमि यमिशा यान्चवा श्वकनिश Lockdown ना काननिरहादिमवनिश

- भा-मन्त्री लाखस्थर।
- ২। পৌউ-শিংউবদী পোথথাক পুথোকদৌরিব। Agency শিং অমনি MSP Operations।
- ত। মনা-মশিং মোনজম Agriculture Produce Market Committee লা চলাইবা নত্ৰগা State Government লা অধাৱা গীলা মধ্যমন্তি।
- ৪। লৌমী দাচিন-দ্বনাঞ্জিংনা লৌনুজন লৌটেশিংউনগী থকক খৌৱমশিং ভৌনা।
- a | Farm Machinery গী রাইখোক রাইশিন ভৌক্তমশিং।
- ও। তিলহাক হিলাক, হার, মরু মরুং শাক্ষমনিং যোলকমনিং।
- ৭। লৌউনিটেরলা হংলা বুংও বুংলাইনিং পুলোক পুনিন ভৌবা।
- ৮। এপ্রীকলচরদ্বী বৃৎশু বৃৎলায় য়োনবা অমদি শেনফমশিং হাংবীগদবনি।
- ৯। লৈবাকী নমজাও অটোবদা লৈবা গাড়ী অটোবা শেক্ষ্মশিং মক ওইনা পেব্ৰোল পম্প মনাক্তা লৈবা মফমশিং হাংবীগদবনি।
- ১০। চা বগান অমদি চা পুথোক্লিবা করখানাশিংদা শিশ্মীশিং য়াম্লবদা চাদা ৫০দগী হেনা থবক শৃহনলোইদবনি।

পোইন্ট (১-৭) Ministry of Home Affars ভারত সরকারগী ওদর 40-3/2020-DM-I (A) তাং ২৪, ২৫ অমদি ২৭ মার্চ ২০২০ মদিদা clauses ২, ৪, ৫ অমদি ৬তা হাপচিন্দুনা অমদি পোইন্ট (৮-১০) 4th Addendum to consolidated guidelines Annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24-3-2020.

মসিগী কোমথোকপসিনা লোঁউ-শিংউবা অমদি মসিগা মরী লৈনবা থবকশিং পায়ধংপদা থিছহলোই অমসুং চঙদবা য়াদ্রবা পোংলমশিং ফংহনবদা মতেং ওইবতা নন্তনা লোঁমীশিংনা COVID-19 শ্বী লোকদাউন মতমসিদা অবাবা মাণ্ডোক্রহলোই।

লৌড-শিংট লৌমী ফটিন্-ফনাওশিংলা পীবা পাউতাক্ ঃ মহী-মরোং খাওবা অমদি হৈবা-

দিংসমণী মহী-মবাং বাজৰা অমদি যোৱা মতমলা ভন্নাইকদৰা পাইক্ৰিণালবা COVID-19 শনদোকণা বীনেবা চেকশিন গৌৱাহশিং। Social Distancing মীতই অমগা-অমণা লাগনা লৈনবা। শংগাল্ল সুং-শা শেহনা হামনোকপীবা, Mask উপশিনবীগনবনি। Protective ফিলোন শেংগীবা, বৃৎত - খুলোইণিং খোনো চামধোকপিবা।





- আহা ভারত্রা গেছ খাওবলী মতম ওইসিল্লকলবনিনা Combine Harvester State মনুংলা অমনি State
 অমণা-অমণনী চহপোক্-চহশিন্ তৌবলী অয়াবা পীজয়ে। Repair, Maintenance অমতং খাওবলা
 হক্ষেনেনা থবক তরীবশিলো চেকশিন যৌরাগিং লৌখংপীগদবনি।
- হংগাম অসি নিংগম্ মইছ-মরোংগী অনিজবা মর- এইবা মহী-মরোংনি। গুলা গাওবা মতমনি অমদি হৈনবক

 যাওগরে।
- মতরি, চুজাক, মোরোক হৌজিক খাখনবি, চনাত কাওবা মতম্ ওইনিল্লকলে।
- ছত খাওনরি অমতং আলাং ভারতদি ছু খাওনণী মতম ওইনিল্লকলে।
- ইশাগী চেকশিল্লা গু-নাল্ল Social Distancing হায়বিবা ধ্যাঞ্জ অসি মহৈ-মরোং, মনা-মশিং খাওবীরিবা, ব্যেক্ত মোনবিবিবা, গৌশিনবীরিবা, গু ফাবনাচিংবা মতমদা পাইবর্থপিপদবনি।
- করিগ্রমবা খুল্না থাওবা য়ৈবা ফেবারা মত্রমদা ৪-৫ ফাঁট লাপনা গবক গবিগনি। মসিনা গবক গবিরিবাশিংনা লাপননা গবক তবা ভ্রমহনগনি।
- থবক ভবীরিবা খুদিংমক্স Mask উপদিনবীগদবনি অমতং মরক-মরকতা শাপেন্তা খুৎ-শা শেহনা হামদোকশীগণি।
- শোধানা মতম, চাৰা-থকপা মতম, পোৎ হাপতোক্-হাপচিন্ তৌবাম মতমদা ভতাইফদনা ৪-৫ ফীট লাপননা
 তৌবিগদি।
- তভাইফদবা থবক ঘকতমক প্রবিশনি অম্বর্গ মতম অম্বন্দা মী য়ায়া থবক্ ক্রীরৌইদবনি।
- থবক্ তমিরবা মতমদা লাপ্লা-লাপ্লা তবিগদবনি অমদি মী পূরা-পূরা তবোইদবনি। শক্ খংনদবা মীগা পূরা
 থবক তমিরবোইদবনি।
- যারিবামথে Machine শিজিলুবীয় । তয়য় ফদবা মীতমক্ Machine শিজিলুবীয় ।
- চফেমলা শিজিলুরিরা Machine গুলিমেক্ হীলাক্ আপথোকশিয়ু, মরক্-য়রক্ত অলুয়য়ক্ হীলাক্ কাপথোকশিয়ু। গরিশিং, বোরানচিংবক হীদাক্ কাপথোকশিয়ু।
- শোং-তৈ যাত্রা পৈশিনবারেইদবনি অমতং মগৈ অমগা-অমগা ৩-৪ ফীটকগী তাদনা লাগথোকুর পৈশিনবাগনি

 অমদি লৌবুকা থবক কবদা খাঁওই ১-২ থকতমক্ শিক্তিপুরিগনি।
- চুজাক্ জৈবাক্ আই খাওবলা শিক্তিরা Machine শিং শোন্য হীদাক্ কাপগোকপিগনি অমনি শাপোন্র।
 Machine শিং অদু চামথোকপীয়ু।

পোৎ-চৈ লিবা অমদি য়োনপোক্-য়োনশিন তৌবা ঃ

কংহনবা, য়ৈবা, হ্মবা, চামগোকপা, খনদোকপা অমদি ছোমশিনবা মতমদা Mask শিজিনুবীয়ৄ। মসি
শিজিনুবনা খর ছোনবনা নুঃভাইতবা থোকহয়িবা উফুল জমদি ছণতা-হাওদি অমদি হক্থি কনবনা য়াওরকণা
মহীক-মতাউদদী ভাকপোকপা ভ্যাগদি।



ICAR INITIATIVES DURING COVID-19 PANDEMIC

- মর-মরাংশিং, হরাইনচিংবা লিডিভৈদা ফজনা কংহনবীগনি। হান্না শিজিননাথবা বোরা শিজিনুরোইদবনি। নিম
 মহি চাদা ৫ গাঁ মপাঙ্গল লৈবা ৫% দা তিংথোকপা, নিংখিজনা কংহলগা বোরাশিং শিজিনুবিগনি। পোৎ-চৈ
 লিবদা শিজিনগদবা বোরাশিং মারাং কাইনা Cold Storage/Godown, অমিদি Warehouse না চিংবা
 মনাজা ফংহননুবা হোৎনবিগনি মিদনা বোরাগাঁ মামন খংহনবদা মতেং পাংগনি।
- পোৎ-চৈ হাপতোপ্-হাপচিন্ তৌবা হোনদোক্-হোনজিন্ তৌবা, য়োনবা মফমশিং, কৈথেল্, auction
 তৌক্ষশিং personal safety measures লৌখর্থপিগদবনি।
- মর-মরাং পুথোরিবা লৌমীশিংনা মর-মরাংশিং Seed Company শিংদা পুথোক-পুশিন ভৌবগী অয়াবা পীরি

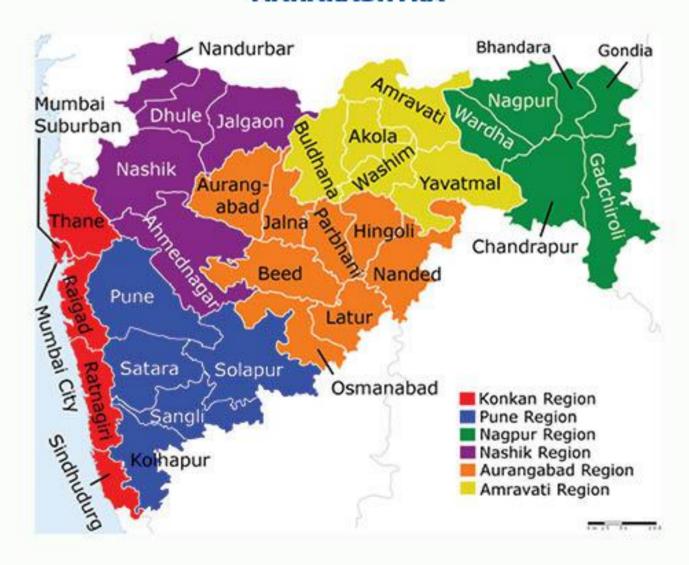
 অমদি পৈশা লৌথোক-লৌশিন ভৌবদা চেকশিন থৌরাং লৌখণপিগনি।
- Seed Processing, Packing plants অমদি Transportation seed পুথেকলিবা State শিংদণী
 Seed থাবীরিবা State শিং, South to North State শিংদা লাক্সীবা Kharif crop কীদমক
 ফংহনগদবনি। খুদম ওইনা SSG অশংবা শজিক অসি লাক্সীবা April থাদা থাগদৌরিবা অসি অরাং ভারতা
 বা ভারতেগী State শিংদণী লাক্সদৌরিবনি।
- অশংবা মনা-মশিং খুদম ওইনা খামেন অশিনবা, কোবী লৈ, মোরোক্, মানা মশিং, পবী, খেংদুম
 মাইরেনুচিংবা, য়োনপোক-য়োনশিন, গীথোক-পীশিন তৌরদা চেকশিনবীগনি।

मटेर-मद्ता१ ३

- গেছ হৌরিবা মকমশিংদা অইং-অশাগী চাং খরা নেয়ু লৈবনা গেছ খাওবগী মতম য়ামল্রবদা নুমিৎ ১০
 নিনগী ১৫ নি April ১০গী মতুং ফাওবা চোনখনবগী ওইংথাকপা লৈ। মরম অসিনা লৌমী উচিনস্কনাওশিংনা April ২০ ফাওবদা গেছ খাওবদা থোইদোকুা চাথোক্ হনথহললোই অমদি লৈথোক্-লৈশিন্
 তৌবগী মতম ফজনা ফংগনি।
- থা ভারত্তণী নিথেমণী ফৌ পামীশিং neck blast না পাক-শন্ন অমাং-অতা থোকংল্পি মরম অসিনা চারবা
 হীদাক্ মী নেরুগা নতগা লৌমী ঈহিন-ঈনাওশিংনা কাপথোকপীগনি।
- করিঙ্মা মতমদা মতম নত্তনা লৌ লোকপা মতমদা নেং ছুই। নোং চুরবুবদি পুম ৫% মহি কাপথোকপীয়ু
 মিদিনা ফৌ ময়েল চোংলকপদগী ভাকথোকপা ভ্রমগনি।
- Horticultural Crops মরু ওইনা হৈনৌ পাল্লকপা মতমদা হার কাগথোকপীবা, হীদাক্ চাইথোকপীবা
 অমদি য়ানথোক্-য়ানশিন্ গৃৎত-পুৎলাই চামথোকপা মতমদা মতাং-মতম্ চানা চেকশিন পৌরাং লৌকৎপীগনি।
- কালেনগী জ্বাই পাদীশিং, ফৌগা লোইননা থাবিরিবশিং Yellow mosaic virus তথা ভাকথেকুবা
 White fly শিং ভাকথোকুবণীনমক্ চেক্শিন থৌরাং পাইথর্থপিগনি।



MAHARASHTRA





MARATHI

कोविड-१९ च्या पार्श्वभूमीवर लॉकडाऊन कालावधी दरम्यान शेतकरी आणि शेती क्षेत्रासाठी कृषी सल्ला

शेती व त्यासंबंधित महत्त्वाच्या क्षेत्राची कामे विहित सावधगिरीसह सुरु राहावीत यासाठी भारत सरकारने काही मार्गदर्शक तत्त्वे* निश्चित केली आहेत. सदरील मार्गदर्शक तत्त्वे शेतकऱ्यांच्या हितासाठी येथे सारांशरूपात सूचीबद्ध केली आहेत.

लॉकडाउनच्या कालावधीत सुट दिलेली शेतीविषयक आणि शेतीसंलग्न कामे

- १. पश्वैदयकीय रुग्णालये
- २. कृषी उत्पादनांच्या खरेदीशी संबंधीत संस्था
- राज्य शासनाने अधिसूचित केल्याप्रमाणे कृषी उत्पन्न बाजार समितीद्वारे संचालित 'मंडी'
- ४. शेतकरी व शेतमजुरांमार्फत करण्यात येणारी शेतीची कामे
- शेतीच्या कामाशी संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी)
- ६. खते, कीटकनाशके व बियाण्याचे उत्पादन व पॅकेजिंग युनिट
- कंबाइन हार्वेस्टर आणि इतर शेती / बागायती उपकरणे यासारख्या कापणी आणि पेरणी संबंधित मशीन्सची राज्यांतर्गत आणि राज्याबाहेरील ने-आण
- ८. कृषी यंत्रांची दुकाने, त्याचे सुटे भाग (त्यातील पुरवठा साखळीसह) आणि दुरुस्तीची दुकाने
- ९. महामार्गावरील ट्रक दुरुस्तीची दुकाने विशेषतः इंधन पंपावरील
- १०. चहा उद्योग लागवडीसह व जास्तीत जास्त ५० % कामगारासह

या सवलतींमुळे शेती व शेतीशी संबंधित कामे सुलभ होतील जेणेकरून आवश्यक वस्तूंचा पुरवठा होईल आणि लॉकडाऊन दरम्यान शेतकऱ्यांना कोणतीही अडचण येणार नाही. लॉकडाऊन दरम्यान अंमलबजावणीसाठी संबंधित मंत्रालये/ राज्य शासन विभाग आणि केंद्रशासित प्रदेशांना आवश्यक दिशा निर्देश जारी केले आहेत.

*मुद्दा क्र. (१ ते ७) गृह मंत्रालय, भारत सरकारच्या पत्र नं.-४०/०३/२०२०-डीएम-आय (ए) दि. २४, २५ आणि २७ मार्च २०२०, अपवादांमधील कलम २,४,५ आणि ६ मधील सुधारणाः, आणि मुद्दा क्र. (८ ते १०) एमएचए आदेश क्र. ४०-३/२०२०-डीएम (ए) दि. २४.०३.२०२० ला सहपत्रीत केलेल्या एकत्रित मार्गदर्शक तत्वांच्या ४ थ्या परिशिष्टान्सारः

या सवलर्तीमुळे शेती आणि शेतीशी निगडित निबैधित उपक्रम सुरु राहण्यास मदत होईल ज्यामुळे आवश्यक वस्तूंचा पुरवठा सुनिश्चित होईल आणि लॉकडाऊन दरम्यान शेतकऱ्यांना कोणत्याही अडचणींना सामोरे जावे लागणार नाही.

भारत सरकारच्या धोरणात्मक निर्देशांच्या आधारे, राज्य सरकारच्या विविध मंत्रालये /विभागांनी कृषी आणि संबंधित क्षेत्राशी संबंधित उपक्रम सुरू ठेवण्यासाठी, सुलभतेसाठी अंमलबजावणी मार्गदर्शक तत्त्वे जारी केली आहेत.





शेतकऱ्यांसाठी सल्ला

अ. पिकांची काढणी व मळणी:

- कोविड-१९ च्या पार्श्वभूमीवर, सद्य परिस्थितिमधे रब्बी पिके पक्वता कालावधीमधे आहेत. सर्व शेतीची कामे वेळेवर झाली आहेत त्यामुळे काढणी व हाताळणी तसेच बाजारपेठेत माल पाठवणे अपरिहार्य आहे. तथापि, सदरील रोगाचा प्रसार रोखण्यासाठी खबरदारी आणि सुरक्षा उपायांचे पालन केले पाहिजे. साध्या उपायांमध्ये सामाजिक अंतर ठेवणे, साबणाने हात धुवून वैयक्तिक स्वच्छता राखणे, मास्क परिधान करणे, संरक्षक कपडे आणि उपकरणे व यंत्रसामग्री साफ करणे समाविष्ट आहे. शेतीच्या संपूर्ण कामात प्रत्येक ठिकाणी सुरक्षा उपाय आणि सामाजिक अंतरांचे अनुकरण करावे.
- विविध राज्यांमध्ये गह् कापणीचे काम चालु आहे त्यामुळे हार्वेस्टरला जिल्ह्याअन्तर्गत व जिल्ह्याबाहेर जाण्यासाठी परवानगी देण्यात आली आहे. दुरुस्ती, देखभाल आणि कापणीच्या कामात गुंतलेल्या कामगारांची खबरदारी व सुरक्षितता सुनिश्चित करणे आवश्यक आहे.
- रब्बी हंगामातील मोहरी हे दुसरे महत्त्वाचे पीक आहे. या पिकाची काढणी अंतिम टप्प्यात असून जिथे जिथे आधीच कापणी झाली आहे तेथे मळणी केली जात आहे. मसूर, मका आणि मिरचीची काढणी सुरू असून हरभरा पिकाची काढणी जवळ येत आहे.
- ऊस तोडणी चालु असून उत्तर भागात लागवडीची वेळ जवळ आली आहे
- शेतातील कामापुर्वी आणि कामे झल्यानंतर पिके, फळे, भाज्या तसेच अंडी आणि मासे या कामात गुंतलेल्या सर्व शेतकरी तसेच कामगार या सर्वानी वैयक्तिक स्वच्छता आणि सामाजिक अंतर ठेवण्याचे उपाय करणे आवश्यक आहे.
- शेतमाल कापणी किंवा तोडणीचे काम करत असतांना एका कामगाराला ४ ते ५ फुटाचा पट्टा वाटून दिल्यास काम पण योग्य होइल आणि योग्य सामाजिक अंतरही ठेवले जाईल.
- शेतकऱ्यांनी आराम करण्याच्या वेळेस, जेवण करताना तसेच मालाची ने-आण करताना शेतमाल गाडीत भरताना व उतरवताना किमान एकमेकांपासून तीन ते चार फुटाचे अंतर राखणे आवश्यक आहे.
- शक्यतो एकाच ठिकाणी गर्दी न करता शेतीमधील वेगवेगळी कामे कमीत कमी मजुरांमार्फत करणे आवश्यक आहे, त्यासाठी शक्यतो घरातील माणसांच्या मार्फतच शेतीकामे करावीत ज्यामुळे बाहेरील विषाणूचा प्रादुर्भाव कमी होण्यास मदत होईल.
- शेतीकामे शक्यतो मशिनच्या साहयाने करावीत, त्यामध्ये कमीत कमी मनुष्यबळाचा वापर करावा तसेच शेती कामासाठी वापरली जाणारी अवजारे, गोणी तसेच पॅकिंगच्या गोष्टी हया सुद्धा निजैतुकीकरण कराव्यात
- शेतमालाचे ढीग करण्यासाठी दोन ढिगामधील अंतर तीन ते चार फूट ठेवणे आवश्यक आहे
 त्यासाठी शक्यतो एक किंवा दोन कामगारच वापरावेत. मका आणि भुईमूग या पिकांच्या
 मळणीसाठी वापरले जाणाऱ्या यंत्रांचे निजैतुकीकरण करावे कारण ही यंत्रे शेतकरी वेगवेगळ्या
 गटांमध्ये वापरत असतात.





ब. शेतमालाचे काढणीपश्चात साठवण्क व विपणन व्यवस्थाच्या दरम्यान करावयाच्या उपाययोजना

- शेतकऱ्यांनी मालाची वाळवणी, मळणी, धान्य साफ करणे, प्रतवारी करणे इत्यादी कामे ही शेतावरच करणे आवश्यक असते. यासाठी शेतकऱ्यांनी ताँडावर मास्क वापरावा जेणेकरून धूळ ताँडावाटे आत जाणार नाही.
- अन्नधान्ये, कडधान्ये हे काढणीनंतर योग्य वेळेस सुकवावे. साठवणूक करताना किडींचा प्रादुर्भाव टाळण्यासाठी अगोदर वापरलेल्या गोण्या वापर नयेत यासाठी साठवणूकीच्या गोण्यांचे पाच दक्के निंबोळी अर्कात भिज् घालून निर्जंतुकीकरण करावे. शेतमालाची चांगली किंमत येण्यासाठी आवश्यकतेप्रमाणे यांचा वापर करावा.
- शेतक-यांनी शेतमाल गाडीमध्ये भरताना तसेच उतरावतांना, बाजारपेठेमध्ये नेतांना व लिलाव करते वेळेस प्रेसे वैयक्तिक स्रक्षिततेचे उपाय करणे आवश्यक आहे.
- बियाणे उत्पादक शेतकऱ्यांना तयार झालेले बियाणे कंपनीकडे पाठवण्यासाठी परवानगी देण्यात आलेली आहे. यासाठी विकलेल्या बियाण्याचे पैसे घेते वेळी आवश्यक ती काळजी घेणे महत्त्वाचे आहे. तसेच बियाणे वाहतूक करतांना आवश्यक कागदपत्रे बरोबर बाळगणे बंधनकारक आहे.
- येत्या खरीप हंगामाच्या दृष्टिकोनातून बियाणे उत्पादक कंपन्या पॅकेजिंग विभाग यांना सदरील बियाणे हे एका राज्यातून दुसऱ्या राज्यांमध्ये पाठवण्यासाठी मुभा देण्यात आलेली आहे, जेणेकरून येणारा खरीप हंगाम हा सुरळीत होईल.
- टोमॅटो, कोबी, फ्लॉवर, काकडी, पालेभाज्या व इतर भाजीपाला बाजारपेठेमध्ये पाठवताना शेतकऱ्यांनी वैयक्तिक स्रक्षिततेचे उपाय करणे गरजेचे आहे.

क. शेतात उभ्या असलेल्या पिकांबाबत करावयाच्या उपाययोजना

- गहू पिकविणाऱ्या बहुतांश भागांतील तापमान अद्यापही सरासरीपेक्षा कमी असून त्यामुळे गहू कापणीस दहा ते पंधरा दिवस उशीर होण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे शेतकरी कोणतीही नुकसान न होता २० एप्रिल पर्यंत गव्हाची काढणी करू शकतात, तसेच काढणीस उशीर जरी झाला तरी शेतकऱ्यांना विक्री संदर्भात आवश्यक ती उपाय योजना करणे शक्य आहे.
- फळिपकांमध्ये विशेषतः आंब्यामध्ये फळधारणा होत असून यासाठी आवश्यक त्या फवारण्या व पीक संरक्षणाच्या संदर्भात शेतीची कामे करत असताना उपकरणे हाताळतांना सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे
- भात पिकानंतर घेतल्या जाणाऱ्या उन्हाळी कडधान्य पिकांमध्ये पांढऱ्या माशीचे नियंत्रण करणे महत्त्वाचे असून यासाठी वैयक्तिक पातळीवर संरक्षित उपाय योजना कराव्यात जेणेकरून विषाणूंचा प्रादुर्भाव रोखता येईल.



MIZORAM





MIZO

Covid-19 vanga inkharkhip laia loneitu leh a kaihnawihte ina an zawm tur

Government of India in Agriculture leh a kaihhnawih a harsatna a awm loh nan leh kuthnathawktuten hna tluang taka an thawh chhunzawm zel theih nan inkaihruaina dan a siam a chungte chu a hnuaia mi te hi an ni

Inkharkhip na in a ahuam ve loh te:

- Ran enkawlna hmun (Veterinary Hospital)
- 2) Loneitute leh an thar chhuah lakhawmtute leh enkawltute
- 3) Nitin eichawp leh thlai thar zawrhna hmun sawkar in phalna a pek te
- 4) Loneitute leh an hnathawkte
- 5) Custom Hiring Centre Ioneitute tan a siam
- 6) Leitha, Hlo tur leh thlai chi siamna hmun leh pek chhuahna hmun
- 7) Loneihna hmuna khawl tangkai (eg tractor etc) state chhung leh pawn a kal thin te
- Agriculture kaihnawih khawl chi hrang hrang leh a part zawrhna dawr leh a siamthatna dawr te pawh in hawn tur a ni.
- Zin kawnga ni tin mamawh bungraw phur truck te a lo chhiat palhin a siamna hmun a awm tur a ni. Duhthusam ah chuan Petrol pump bul hnai ah.
- 10)Thingpui huan leh sawngbawlna hmunah hnathawktu 50% an awm thei/thawk thei.

*points (i to vii) as per guidelines of Ministry of Home Affairs, GoI vide Order No.40-3/2020-DM-I(A) dated 24th, 25th and 27th March 2020, additions to clauses 2, 4, 5 and 6 in exceptions; and points (viii to x) as per 4th addendum to the consolidated guidelines annexed to the MHA Order No. 40-3/2020-DM-I(A) dated 24.03.2020.

He inkharkhip hun chhung a Agriculture leh a kaihhnawih a kuthnathawktuten harsatna an tawh loh nan hriat tur pawimawh an siam a ni.

Heng dan Government of India in a a rawn siam zulzui hian. Ministry leh State Department te chuan loneitu te leh a kaihhnawih kawng a hnathawktu ten an hna tha tak a an thawh chhunzawm theih nan kaihhnuai nate a siam a.Chungte chu:-

Loneitu te tan a Thurawn

Thlaithar

Covid-19 darh zau zel boruak kar ah hian, thlasik thlai te chuan puitling lam an rawn pan zel a.Thlai thar leh sawngbawl te hi loh theih loh a ,a hun chhung a tih ngei ngei ngai an nih avangin , hemi lam ah leh a hralh chhuah na kawng ah loneituten fimkhur tak leh





uluk tak in he natna ti darh lo zawng in hma an la tur ani. Fimkhur dan then khat te chu, mihring in hlat a awm, kut fai tak a sil, hmaituam that, thawmhnaw fai leh loneihna hmanrua fai tak a sil. Hna thawk tute pawn huan a an hna thawh na ah in hnaih lo a hna thawh hram tum tur ani.

- Hmar lam State ah chuan wheat thar alo hun leh ta a, wheat sengna khawl (Combine Harvester) hman leh State hrang hrang ah veivah leh in kal pawh theih a ni. Hemi kawng a hna thawk tute, leh khawl siam tha tute an fimkhur ani tih enfiah tur ani.
- Tel antam hi thlasik thlai pawimawh tak ani a , tun ah hian thar mek ani a, chuvangin a her na khawl a her tir hi phal ani.
- Chhim lam ah chuan fu chu nasa tak a her chhuah ani tawh a , chin leh hun ani tawh.
- Thlai ching tute leh thei huan nei tute leh ran enkawl tu ten, an hna an tan hma leh thawh laite, thawh zawh tawh hnuah te, mahni in tihfai leh inkar hlat a awm an ngai pawimawh tur ani.
- Thlai thar na hmun ah mipakhat aia tam in hna an thawh chuan , 4 5 feet a in hlat a hna thawh theih a tha.
- Hnathawk tu ten hmai an tuam ang a, a khat tawkin kut an sil fai bawk tur ani.
- Thlaithar lakkhawm leh semchhuah leh chhun chaw fak hun ah te 3-4 feet a in hlat a awm tum tur ani.
- Thlai chi thlakin a theih hram chuan sir sawn a, a chi thlak tur leh mi a tam lo thei
 ang ber nikhat a thawh tur.
- Mi hriatchian chauh mahni huan a thawk tur a rawih tur
- Khawl hman theihna hmun ah chuan hman tum hram a , khawl Khawihtu tur bik chauh lo chu kal phal loh tur.
- Khawl reng reng huan a luh hma in damdawia tih thianghlim a a khat tawk a tihfai leh bawk tur ani, thlai thar phur tu tur motor te leh a phurhna ip leh a dang te pawh damdawia tih thianghlim hmasak phawt tur.
- Thlai thar te pawh hmun khat a chhep khawm teuh lo in tlem te te a 3 4 feet a in hlat a chhek khawm tur ani, heng ti tur hian mi 1-2 aia tam lo in chheh khat hi an buaipui tur ani.





Vaimim leh badam herna khawl , loneitu ten an in hman tawm anih chuan , fai
takin an vawng tur ani a , khawl Kuta an khawih lai bik te phei chu sahbawn nen
uluk takin an silfai zel tur ani.

Thlai thar dahthat leh hralh chhuah chungchang

- Thlai phoro, tihfai, thliathran leh fun hran lai a, hmaituam hian boruak thalo leh khu lak ah te a veng in thawk harsatna lam awm thei lakah te a veng thei.
- Be lam chi thlai te ro tha tak a pho a , kum hmasa lam a a dahna ip te hman nawn loh tur . 5% neem tui a chiah ip phoro hman tur ani.
- Thai that te a phurh chhuahna ah leh a hralh na ah fimkhur thei ang bera kalpui tur
- Thlai chi hralh chhuaktu ten an hralh chhuah na ah lehkha pawihmawh an neih chuan phurh chhuah phal sak an ni a , a man an dawnna ah an fimkhur tur a ni.
- Thlai chi siam chhuak tu ten thlai chi duh te hnena a, ahun dik tak a an pek chhuah theih hi a pawimawh ani.
- Tomato, zikhlum, parbawr leh thlai hnah hring ang chi te hralhchhuah kawng ah fimkhur tak a tih tur ani

Thlai dinglai enkawl dan

- Wheat chingtute tan a seng hun a la tlaichhe lova, chhiatna lutuk awm lovin ruahmanna felfai tak siam chungin April ni 20 thleng pawh hian a la seng theih a ni.
- Chhimlam state a thlasik buh chingtute tan tun ang hun hi buh natna chi khat (Neck blast) tam hun lai ani a, he buh natna venna atana damdawi (Fungicide) kah lai hian uluk leh fimkhur a ngai hle a ni.
- Buh seng hun laia ruahtui a tlak hun loh laia a tlak chuan, buh chi a tiah loh nan Chi tui (Salt Solution) 5% a kah tur a ni.
- Horticulture thlai thenkhat entir nan Theihai rah hunlai angah te hian chawtha pek leh thlai ven dawnin fimkhur a ngai in hmanrua kan hman te pawh fai taka sil thin tur a ni.
- Nipui laia Be lam chi kan chin in virus natna thehdarhtu rannung chikhat (Whitefly) in harsatna a thlen loh nan fimkhur tur a ni.

Issued for Public Interest by
Agriculture Technology Application Research Institute (ATARI)
Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Umiam, Barapani
Translated for circulation by
Krishi Vigyan Kendra, Kolasib District, Mizoram



ODISHA





ORIYA

କୋରୋନା ସଂକ୍ରମଣ (COVID-19) ହେତୁ ତାଲାବନ୍ଦ ଅବସ୍ଥାରେ କୃଷକ, କୃଷି ଓ <u>ଆନୁଷଙ୍ଗିକ କ୍ଷେତ୍ର ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ</u>

ଭାରତ ସରକାର ଜାରିକରିଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀଂ ଯାହା ଦ୍ୱାରା ନିର୍ଦ୍ଦିଷ ସତର୍କତା ସହିତ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ କୃଷି ଏବଂ ଆନୁଷଙ୍ଗିକ କ୍ଷେତ୍ର କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ ଜାରି ରହିବ। କୃଷକଙ୍କ ସୁବିଧା ପାଇଁ, ଏଗୁଡିକର ତାଲିକା ଏଠାରେ ପ୍ରଦତ୍ତ କରାଗଲା ।

ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଜାରି କରାଯାଇଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ

ଏହି ତାଲାବନ୍ଦରୁ ବାଦ ପଡିଥିବା ବା ପ୍ରଭାବିତ ହେଉନଥିବା ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଓ ଆନୁଷଙ୍ଗିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଗୁଡିକ ନିମ୍ନରେ ପ୍ରଦାନ କରାଗଲା

- (କ) ପ୍ରାଣୀ ଚିକିହା କେନ୍ଦ୍ର
- (ଖ) କୃଷି ଦ୍ରବ୍ୟର ସର୍ବନିମ୍ନ ସହାୟକ ମୂଲ୍ୟ ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ ଅନୁଯାଇ ବିପଣନ ସହ ଜଡିତ ଥିବା ସଂସ୍ଥା
- (ଗ) କୃଷିଜାତ ଦ୍ରବ୍ୟ ବିପଣନ କମିଟି କିୟା ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ସୂଚିତ 'ମଣ୍ଡି'
- (ଘ) କୃଷକ ଓ କୃଷି ଶ୍ରମିକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟ
- (ଙ) କୃଷି ଯନ୍ତପାତି ଗୁଡିଡୁ ଭଡା ସୂତ୍ରରେ ଦେଇଥିବା ସଂସ୍ଥା
- (ଚ) ରାସାୟନିକ ସାର, କୀଟନାଶକ ଓ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ଏବଂ ଏହାର ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ କରୁଥିବା ସଂସ୍ଥା
- (ଛ) କୃଷି ଓ ଭଦ୍ୟାନ କୃଷିରେ ବ୍ୟବହୃତ ଯନ୍ତ୍ରପାତି ରାଜ୍ୟ ଭିତରେ ଏବଂ ରାଜ୍ୟ ରାଜ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ଗମନା ଗମନ



- - (କ) କୃଷି ଯନ୍ତପାତି, ଏହାର ଅତିରିକ୍ତ ଯନ୍ତାଂଶ (ଏହାର ଯୋଗାଣ ଶୃଙ୍ଖଳା ଅନ୍ତର୍ଭୂକ୍ତ କରି) ଏବଂ ମରାମତି ଦୋକାନ ଖୋଲା ରହିବ ।
 - (ଝ) ରାଜପଥରେ ଟ୍ରକ୍ ମରାମତି ପାଇଁ ଥିବା ଦୋକାନଗୁଡ଼ିକ ବିଶେଷତ ପେଟ୍ରୋଲ ପମ୍ପରେ ଖୋଲା ରହିବ ।
 - (ଞ) ବୃକ୍ଷରୋପଣ ସହିତ ଚା' ଶିକ୍ଷରେ ସର୍ବାଧିକ ଶତକତା ୫୦ ଭାଗ ଶ୍ରମିକର ବ୍ୟବହାର ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ଗୃହ ମନ୍ତଣାଳୟର ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରସଙ୍ଗ (କ ରୁ ଛ), ଅର୍ତର ନୟର ୪୦-୩/୨୦୨୦-ଡିଏମ-ଆଇ(କ) ତା. ୨୪, ୨୫ ଏବଂ ୨୭ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୦୨୦ ରିଖ ସହ ଧାରା ୨, ୪, ୫ ଏବଂ ୬ ବ୍ୟତିରକେ; ଏବଂ ଏମ ଏଚ ଏ ଅର୍ତର ନୟର ୪୦-୩/୨୦୨୦-ଡିଏମ-ଆଇ(କ) ତା. ୨୪.୦୩. ୨୦୨୦ ରିଖ ସହ ସଂଯୁକ୍ତ ହୋଇଥିବା ୪ର୍ଥ ଯୋଗପତ୍ର ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରସଙ୍ଗ (କ ରୁ ଞ)ର ଏକୀଭୂତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ।

ଏହି ଛାଡଗୁଡିକ କୃଷି ଏବଂ କୃଷି ଆନୁଷଙ୍ଗିକ ସହ ଇଡିତ ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପକୁ ସହକ କରିବ ଯାହା ଦ୍ୱାରା ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ସାମଗ୍ରୀ ଏବଂ କୃଷକମାନେ ତାଲାବନ୍ଦ ସମୟରେ କୌଣସି ଅସୁବିଧାର ସମ୍ମୁଖୀନ ହେବେ ନାହିଁ।

ତାଲା ବନ୍ଦ ସମୟରେ କୃଷି ଓ କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯେପରି ବାଧା ନଆସିବ ଏବଂ କୃଷକ ମାନେ ଯେପରି ସେମାନଙ୍କର ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ଜିନିଷ ପାଇବାରେ କୌଣସି ଅସୁବିଧାର ସମ୍ପୂଖୀନ ନ ହୁଅନ୍ତି, ସେଥିପାଇଁ ଉପରୋକ୍ତ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମା ଗୁଡିକର ପାଳନ କରିବା ନିମନ୍ତେ ସମୟ ମନ୍ତଣାଳୟ / ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଅବଗତି ପାଇଁ ପ୍ରେରଣା କରାଯାଇଛି ।

<u>କୃଷକ ମାନଙ୍କ ପାଇଁ ପରାମର୍ଶ</u>

ଫସଲର ଅମଳ ସମ୍କମୟ ପରାମର୍ଶ

କୋରୋନା ସଂକ୍ରମଣରେ ସାରା ଦେଶ କବଳିତ ଥିବା ଅବୟାରେ ରବି ଫସଲ ଧୀରେ ଧୀରେ ଅମଳକ୍ଷମ ହେବାରେ ଲାଗିଛି । ଏଣୁ ଅଞ୍ଚ ଦିନରେ ଏହାର ଅମଳ ଓ ବିପଣନ ପାଇଁ ପରିବହନ ବ୍ୟବଥା କରୁରୀ ହୋଇ ପଡିବ । ଏହି ପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେ କୃଷକ ମାନଙ୍କୁ ସୂଚିତ



କରିଦିଆଯାଉଛି କି, ଏହି ସମୟରେ ସେମାନେ ଏହି ଭୁତାଣୁ ଜନିତ ରୋଗରୁ ନିଜକୁ ରକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ସାବଧାନତା ଓ ସତର୍କତା ଅବଲୟନ କରିବେ । ସାଧାରଣ ସତର୍କତା ବ୍ୟବଞା ଅନୁଯାଇ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ରକ୍ଷା କରିବା ତଥା ଶରୀର ପରିଚ୍ଛନ୍ତତାର ବିଭିନ୍ନ ଉପାୟ ଯେମିତିକି, ବାରୟାର ସାବୁନ ଦ୍ୱାରା ହାତ ଧୋଇବା, ମୁହଁରେ ମାଷ୍ଟ ପିନ୍ଧିବା, ସୁରକ୍ଷିତ ବସ୍ତ ପରିଧାନ କରିବା ଏବଂ ସର୍ବୋପରି ଯନ୍ତ୍ରପାତି ଓ ଉପକରଣ ଗୁଡିକ ବିଶୋଧନ କରି ରଖିବା ପ୍ରଭୃତିକୁ ଗୁରୁତର ଭାବେ ଧ୍ୟାନ ଦେବା ପାଇଁ ଉଚିତ । କୃଷିକୀବୀ ଶ୍ରମିକ ମାନଙ୍କୁ ସୂତେଇ ଦିଆଯାଉଛି କି ଉପରୋକ୍ତ କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟ ସମୟରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ସୋପାନରେ ସେମାନେ ସାମାଜିକ ଦୂରତ୍ୱକୁ ବଜାୟ ରଖି କାର୍ଯ୍ୟ କରିବେ ।

ଭରର ଭାରତର ଅନେକ ରାଜ୍ୟରେ ଯାନ୍ତିକ ଉପାୟରେ ଗହମ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଆରୟ ହୋଇଗଲାଣି । ଉତ୍ପାଦିତ ଗହମକୁ ମାଲବାହୀ ଗାଡି ମାଧ୍ୟମରେ ରାଜ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ଓ ଅନ୍ୟ ରାଜ୍ୟକୁ ଅନାୟସରେ ପରିବହନ କରାଯାଇ ପାରିବ । ଏହି ସମୟରେ ଯନ୍ତ ଗୁଡିକର ମରାମତି, ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣା ଓ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜିତ ସମନ୍ତ କୁଶଳୀ ଶ୍ରମିକ ମାନେ କୋରୋନା ରୋଗ ସଂକ୍ରମିତ ନହେବା ପାଇଁ ସବୁ ପ୍ରକାର ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବଥା ଗ୍ରହଣ କରିବା ପାଇଁ ଅନୁରୋଧ କରାଯାଇଛି

ଦେଶର ଦ୍ୱିତୀୟ ମୁଖ୍ୟ ରବି ଫସଲ ହେଉଛି ସୋରିଷ । ଏହାର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଯେପରି ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ ନହୁଏ

ମସୁର ଡାଲି , ମକା ଓ ଲଙ୍କା ଫସଲର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଚାକୁ ରହିଛି ଏବଂ ଡାଲି କାଚୀୟ ଫସଲର ଅମଳ ଆସନ୍ନ ପ୍ରାୟ ଏଣୁ ଏହି ଫସଲ ଗୁଡିକର ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟ ଯେପରି ସୁରୁଖୁରରେ ଚାଲୁରହିବ ସେଥିପାଇଁ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବା ଉଚିତ ।

ଆଖୁ ଉତ୍ପାଦନ ଚାଲୁ ରହିଥିବାବେଳେ କେତେକ ସ୍ଥାନରେ ଏହାର ଚାରା ରୋପଣ କାର୍ଯ୍ୟ ମଧ୍ୟ ଆରୟ ହୋଇଗଲାଣି|





ଯେଉଁ ବୃଷି ଶ୍ରମିକ ମାନେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଫସଇ, ମାଛ, ଅଣ୍ଡା ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସାମଗ୍ରୀ ଉତ୍ପାଦନ ଓ ଅମଳ କାର୍ଯ୍ୟରେ ନିୟୋଜିତ ଅଛତି, ସେମାନେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ସମୟରେ ସମଞ ପ୍ରକାର ଶରୀରର ପରିଚ୍ଛନ୍ନତା ଓ ସାମାଜିକ ଦୂରତ୍ୱ ବଢାୟ ରଖିବା ବିଧେୟ ଅଟେ।

ଶ୍ରମିକଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଫସଲ କାଟିବା ସମୟରେ ୪ ରୁ ୫ ଫୁଟ ବ୍ୟବଧାନରେ ପଟାଳୀ କରି ପ୍ରତି ପଟାଳୀରେ ଜଣେ ଲେଖାଏଁ ଶ୍ରମିକ ରହିବେ ଯେମିତିକି ଭଚିତ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ରହିପାରିବ।

ସମଞ୍ଚ ନିୟୋଜିତ ଶ୍ରମିକ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ସମୟରେ ମୁହଁରେ ମାଷ୍ଟ ପିନ୍ଧିବା ସହ ନିୟମିତ ଅନ୍ତରାଳରେ ସାବୁନରେ ଭଲଭାବେ ହାତ ଧୋଇବା ଉଚିତ |

ଶ୍ରମିକମାନେ ବିଶ୍ରାମ ନେବା ସମୟରେ, ଖାଦ୍ୟ ଖାଇବା ସମୟରେ, କୃଷିଜାତ ଦ୍ରବ୍ୟ ମୁଷ୍ତରେ ପରିବହନ କରିବା ସମୟରେ, ଗାଡ଼ିରେ ମାଇ ଉଠେଇବା ଏବଂ ଓଲ୍ଟେଇବା ସମୟରେ ୩ ରୁ ୪ ଫୁଟ ସାମାଜିକ ଦୂରତା ବଜାୟ ରଖିବା ଦରକାର ।

ଫସଲ କ୍ଷେତ କାମରେ ଆବଶ୍ୟକ ସ୍ଥଳେ ଦୈନିକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ଅଧିକ ସଂଖ୍ୟକ ଶ୍ରମିକ ନିୟୋଜିତ କରିବାକୁ ମନା କରାଯାଇଛି

ଜଣାଶୁଣା ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ କାର୍ଯ୍ୟ ରେ ଲଗାଇବା ସହ ସଂକ୍ରମିତ ଆଶଙ୍କା ଥିବା ଅବା ସହିଷ୍ପ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ କାମରେ ନଲଗାଇବା ଉଚିତ

କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟରେ ଯନ୍ତ୍ରପାତିର ବ୍ୟବହାର ଅଧିକ କରି ଏବଂ ଏହାକୁ ଚଳାଇବା ପାଇଁ ଅତି କମ ସଂଖ୍ୟକ ବ୍ୟାଙ୍କିଙ୍କୁ ନିୟୋଜିତ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ ।

ଫାର୍ମ ର ପ୍ରବେଶ ଦ୍ୱାରରେ କୃଷି ଯନ୍ତପାତିର ନିୟମିତ ବିଶୋଧନ କରାଯିବା ସହ ପରିବହନ ପାଇଁ ଉଦିଷ୍ଟ ଗାଡି ଓ ବଞା ଗୁଡିକୁ ମଧ୍ୟ ବିଶୋଧନ କରାଯିବା ଉଚିତ

ଅମଳ ହୋଇଥିବା କୃଷିକାତ ପବାର୍ଥକୁ ୩ ରୁ ୪ ଫୂଟ ବ୍ୟବଧାନରେ ଛୋଟ ଛୋଟ ଗଦା କରି ରଖିବା ସହ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ କରିବା ପାଇଁ ଗଦା ପିଛା କଣେ ରୁ ୨ ଜଣ ଶ୍ରମିକ ନିୟୋକିତ ହେବା ଆବଶ୍ୟକ |



ଅମଳ ହୋଇଥିବା ମକା, ଚିନାବାବାମ ପ୍ରଭୃତି ଫସଲରେ ମଞ୍ଜି ଛଡ଼ାଇବା ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ ଯନ୍ତପାତିର ହାତରେ ଲାଗୁଥିବା ଅଂଶକୁ ନିୟମିତ ସାବୁନରେ ଧୋଇବା ଆବଶ୍ୟକ । ଅମଳ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସଂରକ୍ଷଣ ଓ ବିପଣନ ବ୍ୟବସ୍ଥା

କୃଷିଜାତ ଉତ୍ପାଦ ଗୁଡିକୁ ଶୁଖେଇବା, ଉଡ଼ାଇବା, ସଫା କରିବା, ବାଛିବା ଏବଂ ସୁରକ୍ଷିତ ଭାବରେ ରଖିବା ସମୟରେ ମୁହଁରେ ଜଳୀୟ ବାଷ କଣା ଓ ଧୂଳି ନ ପଶିବା ପାଇଁ ମାୟ ବ୍ୟବହାର କରିବା ଉଚିତ ।

ଅମଳ କରାଯାଇଥିବା ଶସ୍ୟ, ମାଣିଆ, ଡାଲି ଜାତୀୟ ଫସଲକୁ ଟାଣ ଖରାରେ ଶୁଖାଇବା ଉଚିତ । ପୂର୍ବରୁ ବ୍ୟବହୃତ ଝୋଟ ବଞା ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ, ଏଥିରେ ପୋକ ଲାଗିବାର ସନ୍ଧାବନା ଅଧିକ ଥାଏ । ପ୍ରତ୍ୟେକ ଶୁଖିଲା ବଞାଗୁଡିକୁ 5 ପ୍ରତିଶତ ଲିୟ ତେଲ ଦ୍ରବଣରେ ଭିଜାଇ ଏବଂ ଶୁଖାଇ ଶସ୍ୟ ସଂରକ୍ଷିତ ରଖନ୍ତୁ ।

ଭବିଷ୍ୟତରେ ଅଧିକ ଦରରେ ବିକ୍ରି ପାଇଁ ଉତ୍ପାଦ କୁ ନିକଟସ୍ଥ ଶୀତଳ ଭଣାର, ସରକାରୀ ଗୋଦାମ କିୟା ଭଡା ସୂତ୍ରରେ ଦିଆଯାଉଥିବା ଗୋଦାମ ଗୁଡିକରେ ଗଛିତ ରଖନ୍ତୁ |

କୃଷି ଜାତ ଦ୍ରବ୍ୟର ପରିବହନ, ବିକ୍ରିବଟା ଓ ନିଲାମ ସମୟରେ ନିୟୋଜିତ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ପାଇଁ ସନ୍ତାବ୍ୟ ସଂକ୍ରମଣରୁ ସୁରକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ କରାଯିବ ଆବଶ୍ୟକ ।

ବିହନ ଉତ୍ପାଦନକାରୀ ନିଜର ଉତ୍ପାଦିତ ଦ୍ରବ୍ୟ ଗୁଡିକ ବିହନ ଉଦ୍ୟୋଗ ଗୁଡିକୁ ପରିବହନ କଲା ସମୟରେ ତଦସୟଧୀୟ ଅନୁମୋଦନ ପତ୍ର ଓ କାଗଢ଼ ଗୁଡିକୁ ନିଜ ପାଖରେ ରଖିବା ସହ ଟଙ୍କା କାରବାର ସମୟରେ ସଂକ୍ରମିତ ନ ହେବା ପାଇଁ ଯତ୍କଶୀଳ ହେବା ଉଚିତ ।

ବର୍ଦ୍ଧମାନ ସମୟରେ କ୍ଷେତରେ ଥିବା ଫସଲର ପରିଚାଳନା ପରାମର୍ଶ

ଗହମ ଉତ୍ପାଦିତ ହେଉଥିବା ଅଞ୍ଚଳଗୁଡିକରେ ଏଇ ବର୍ଷ ତାପମାତ୍ରା ହାରାହାରି ଠାରୁ କମ ରହୁଥିବାରୁ ଗହମ ଅମଳ ସମୟକୁ ଅନାୟସରେ ଏପ୍ରିଲ ୨ ୦ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଘୁଞ୍ଚାଯାଇପାରିବ । ଏହାଦ୍ୱାରା ଚାଷୀମାନେ କୌଣସି କ୍ଷତିର ସମ୍ମୁଖୀନ ନ ହେବା ସହ ଅମଳ ପରବର୍ତ୍ତୀ ବିକ୍ରିବଟା ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପରିଚାଳନା ବ୍ୟବଥା ପାଇଁ ଯଥେଷ୍ଟ ସମୟ ମିଳିବା





ଦକ୍ଷିଣ ଭାରତରେ ରବି ଧାନ ଫସଲର ଦାନା ପୂରଣ ଅବସ୍ଥାରେ ଏହି ସମୟରେ ଗଳା ମହିଷା ରୋଗ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇଅଛି । ତେଣୁ ଏହି ରୋଗ ନିୟନ୍ତଣ ପାଇଁ ଅନୁମୋଦିତ ଫିନ୍ସି ନାଶକ ପ୍ରୟୋଗ ସମୟରେ ନିୟୋଜିତ ଶ୍ରମିକ ନିଜର ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟଗତ ସୁରକ୍ଷା ଦିଗରେ ଧ୍ୟାନ ଦେବା ନିହାତି ଆବଶ୍ୟକ।

ଧାନ ପାତି ଯାଇଥିବା ଅବୟାରେ ଯଦି ଅଦିନିଆ ବର୍ଷା ହୋଇ ଧାନ ଗଜା ହେବାର ସକ୍ଷାବନା ଥାଏ, ତେବେ ଏହାର ନିରାକରଣ ପାଇଁ ୫ ପ୍ରତିଶତ ଲୁଣ ପାଣିର ଦ୍ରବଣ ଫସଲରେ ସିଞ୍ଚନ କରିବା ଆବଶ୍ୟକ |

ଆୟ ଭଳି ଉଦ୍ୟାନ ଭିଭିକ ଫସଲରେ ଫଳ ଧରିବା ସମୟରେ ଖାଦ୍ୟ ସାର ଓ କୀଟନାଶକ ପ୍ରୟୋଗ ବେଳେ ଯଥେଷ୍ଟ ସତର୍କତା ଅବଲୟନ ପୂର୍ବକ ବ୍ୟବହାର ପରେ ସ୍ତ୍ରେୟର କୁ ଭଲଭାବରେ ଡିଟରଜେଣ୍ଟରେ ଧୋଇବା ଆବଶ୍ୟକ |

ଖରାଟିଆ ଡାଲି କାତୀୟ ଫସଲରେ ଧଳାମାଛି କନିତ ସାହେବି ରୋଗ ପରିଚାଳନା କରାଯିବା ସମୟରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବଞ୍ଜା ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦେବା ଆବଶ୍ୟକ |







PUNJAB





PUNJABI

ਕੋਵਿਡ-19 ਦੇ ਕਾਰਨ ਲਾਕਡਾਊਨ ਅਵਧੀ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਖੇਤਰ ਲਈ ਸਲਾਹਾਂ ਤੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼

ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਖੇਤਰਾਂ ਦੀਆਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਸਹਿਤ ਨਿਰੰਤਰ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਕੁੱਝ ਅਹਿਮ ਦਿਸ਼ਾ– ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀ ਭਲਾਈ ਅਤੇ ਸੁਵਿਧਾ ਲਈ ਇਹ ਆਦੇਸ਼ ਨਿਮਨ ਦਿੱਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸੂਚੀਬੱਧ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ:-

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਜਾਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ *

ਹੇਠ ਲਿਖੀਆਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਛੂਟ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ:-

- ਵੈਟਰਨਰੀ / ਪਸ਼ੂ-ਚਿਕਿਤਸਾ ਹਸਪਤਾਲ।
- ਐਮਐਸਪੀ ਪਰਿਚਲਨਾਂ ਸਹਿਤ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਵਿੱਚ ਲਗੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ।
- ਜਿਹੜੀਆਂ ਮੰਡੀਆਂ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜ ਮੰਡੀ ਕਮੇਟੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੁਆਰਾ ਸੁਚੀਬੱਧ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।
- 4. ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸਾਨ ਅਤੇ ਖੇਤ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਖੇਤੀ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ।
- 5. ਖੇਤੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕਸਟਮ ਹਾਇਰਿੰਗ ਸੈੱਟਰ (CHC) ।
- ਖਾਦ, ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਅਤੇ ਬੀਜ ਨਿਰਮਾਣ ਦੀਆਂ ਪੈਕੇਜਿੰਗ ਇਕਾਈਆਂ।
- ਕੰਬਾਇਨ-ਹਾਰਵੈਸਟਰ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ/ਬਾਗਬਾਨੀ ਵਿੱਚ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਵਾਢੀ ਤੇ ਬਿਜਾਈ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਅੰਤਰਰਾਜੀ ਆਵਾਜਾਈ।
- ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਵਾਧੂ ਪੁਰਜੇ (ਸਪਲਾਈ ਚੇਨ) ਬਣਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਇਕਾਈਆਂ ਖੁੱਲੀਆਂ ਰਹਿਣਗੀਆਂ।
- ਟਰੱਕਾਂ ਆਦਿ ਦੀ ਰਿਪੇਅਰ ਸੰਬੰਧੀ ਦੁਕਾਨਾਂ (ਖਾਸ ਕਰ ਪੈਟਰੋਲ ਪੰਪਾਂ 'ਤੇ ਖੁੱਲੀਆਂ ਦੁਕਾਨਾਂ) ਖੁੱਲੀਆਂ ਰਹਿਣਗੀਆਂ ।
- 10. ਚਾਹ ਉਦਯੋਗ (ਵੱਧ ਤੋਂ' ਵੱਧ 50% ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨਾਲ) ਖੁੱਲੇ ਰਹਿਣਗੇ ।
- * ਪਆਇੰਟ (1 ਤੋਂ 8) ਗ੍ਰਹਿ ਮੰਤਰਾਲਾ, ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ, ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ, ਆਰਡਰ ਨੰਬਰ 40-3/2020-ਡੀਐਮ-ਆਈ(ਏ) ਮਿਤੀ 24, 25 ਅਤੇ 27 ਮਾਰਚ, 2020), ਛੂਟਾਂ ਵਿੱਚ ਧਾਰਾ 2,4,5 ਅਤੇ 6 ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ; ਅਤੇ ਪਆਇੰਟ (8 ਤੋਂ 10) ਮਿਤੀ 24.03.2020 ਨੂੰ ਐਮ.ਐਚ.ਏ. ਆਰਡਰ ਨੰਬਰ 40-3/2020- ਡੀ.ਐਮ.-ਆਈ.-(ਏ) ਨਾਲ ਜੁੜੇ ਏਕੀਕ੍ਰਿਤ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ 4ਵੇਂ ਜੋੜ ਅਨੁਸਾਰ।

ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੂਟਾਂ ਨਾਲ, ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰੇਸ਼ਾਨੀ ਦੇ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਜੋ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਪਲਾਈ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕੋਈ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਦਾ ਸਾਹਮਣਾ ਨਾ ਕਰਨਾ ਪਵੇ। ਲਾਕਡਾਊਨ ਦੌਰਾਨ ਕਾਰਜ-ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮੰਤਰੀ-ਮੰਡਲਾਂ / ਰਾਜਾਂ ਅਤੇ ਕੇਂਦਰ ਸ਼ਾਸਿਤ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨੀਤੀਗਤ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਖੇਤਰਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣ ਲਈ ਰਾਜ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੰਤਰਾਲਿਆਂ / ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਹਨ।





ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਸਲਾਹਾਂ

ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਬ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ

ਕਾਵਿਡ-19 ਦੇ ਫੈਲਣ ਦੇ ਖਤਰੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਰਬੀ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੇ ਪੱਕਣ ਦਾ ਸਮਾਂ ਨੇੜੇ ਆ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਖੇਤੀ ਕਾਰਜਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ ਸਿਰ ਹੋਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਮੰਡੀ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦੀ ਗਤੀਸ਼ੀਲਤਾ, ਉਪਜ ਦੀ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ, ਬਿਮਾਰੀ ਨੂੰ ਫੈਲਣ ਤੋਂ ਰੋਕਣ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਸਾਧਾਰਣ ਉਪਰਾਲਿਆ ਵਿੱਚ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ, ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਹੱਥ ਧੋਣੇ, ਚਿਹਰੇ 'ਤੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣੇ, ਕੱਪੜੇ, ਉਪਕਰਨਾਂ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਦੀ ਸਫ਼ਾਈ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣਾ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੈ।

ਖੇਤ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਆ ਵਿੱਚ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀਆਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰਨਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

- ਕਈ ਉੱਤਰੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਰਾਹੀਂ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ। ਰਾਜ ਦੇ ਅੰਦਰ ਅਤੇ ਰਾਜ ਦੇ ਬਾਹਰ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਦੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਮੁਰੰਮਤ, ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਅਤੇ ਵਾਢੀ ਸੰਚਾਲਨ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਰਾਲਿਆ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਸਰੋਂ ਦੂਸਰੀ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਰਬੀ ਫ਼ਸਲ ਹੈ, ਮੈਨੂਅਲ ਕਟਾਈ ਜ਼ੋਰਾਂ 'ਤੇ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿੱਥੇ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਕਟਾਈ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਉੱਥੇ ਬ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ ਕਰਨਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਮਸੂਰ, ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮਿਰਚ ਦੀ ਕਟਾਈ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੈ ਅਤੇ ਛੋਲੇ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਪੱਕ ਰਹੇ ਹਨ।
- ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਉੱਤਰੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਬਲਕਿ ਮਾਰਚ ਦਾ ਮਹੀਨਾ ਗੰਨੇ ਦੀ ਕਟਾਈ ਲਈ ਵਧੀਆ ਹੈ।
- ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ, ਫ਼ਲਾਂ ਤੇ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਤੁੜਾਈ ਅਤੇ ਅੰਡੇ ਤੇ ਮੱਛੀਆਂ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਜੋ ਵਿਅਕਤੀ ਲੱਗੇ ਹੋਏ ਹਨ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਕੰਮਕਾਰ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਾਂ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਸਾਫ਼-ਸਫ਼ਾਈ ਅਤੇ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਵਾਢੀ / ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਮੈਨੂਅਲ ਫੀਲਡ ਸੰਚਾਲਨ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਇੱਕ ਪੱਟੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ 4-5 ਫੁੱਟ ਦੂਰੀ ਵਾਲੀਆਂ ਸਟ੍ਰਿਪਸ ਵਿੱਚ ਕਾਰਵਾਈ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰਨ। ਕੰਮ ਵਿੱਚ ਲੱਗੇ ਕਾਮਿਆਂ ਵਿੱਚ ਢੁੱਕਵੀਂ ਦੂਰੀ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉ।
- ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਸਾਰੇ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਸਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਸਹੀ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਸਮੇਂ-ਸਮੇਂ 'ਤੇ ਹੱਥ ਧੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਆਰਾਮ ਕਰਨ, ਭੋਜਨ ਕਰਨ, ਸੰਗ੍ਰਹਿ ਪੁਆਇੰਟ 'ਤੇ, ਉਪਜ ਨੂੰ ਇੱਕ ਤੋਂ ਦੂਜੀ ਜਗ੍ਹਾ ਲੈ ਜਾਣ, ਲੋਡਿੰਗ/ਅਨਲੋਡਿੰਗ ਦੌਰਾਨ 3-4 ਫੁੱਟ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਦੂਰੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ, ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਰੋਕੋ ਅਤੇ ਇੱਕੋ ਦਿਨ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਆਦਾ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਇਕੱਠੇ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਚੋ।
- ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੌਰਾਨ ਕਿਸੇ ਸ਼ਾੱਕੀ ਜਾਂ ਸੰਭਾਵਿਤ ਕੈਰੀਅਰ/ਵਾਹਨ ਦੇ ਦਾਖਿਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਕੇਵਲ ਜਾਣੂ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਸਹੀ ਪੁੱਛ-ਪੜਤਾਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰੋ।
- ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਸੰਭਵ ਹੋਵੇ ਮਸ਼ੀਨੀਕ੍ਰਿਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੰਮਾਂ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿਉ। ਮਸ਼ੀਨ ਨਾਲ ਕੰਮ ਕਰਨ ਲਈ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਗਿਣਤੀ ਨੂੰ ਆਗਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰੋ।
- ਸਾਰੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਨੂੰ ਐਂਟਰੀ ਪੁਆਇੰਟ ਉੱਤੇ ਅਤੇ ਨਿਯਮਿਤ ਅੰਤਰਾਲਾਂ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
 ਸਾਰੇ ਯਾਤਰੀ ਵਾਹਨ, ਪੈਕਿੰਗ ਸਮੱਗਰੀ ਨੂੰ ਵੀ ਸਾਫ਼ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।



- ਉਪਜ ਦਾ ਸੰਗ੍ਰਹਿ 3-4 ਛੋਟੇ ਢੇਰਾਂ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਭੀੜ ਤੋਂ ਬਚਣ ਲਈ ਖੇਤਰ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ ਦਾ ਕੰਮ 1-2 ਵਿਅਕਤੀਆਂ / ਢੇਰ ਨੂੰ ਸੋੱਪਿਆ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
- ਜਦੋਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਅਤੇ ਕਿਸਾਨ ਸਮੂਹਾਂ ਦੁਆਰਾ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹੋਣ ਤਾਂ ਵੱਢੀ ਹੋਈ ਮੱਕੀ ਅਤੇ ਮੂੰਗਫਲੀ ਲਈ ਬ੍ਰੈਸ਼ਰਾਂ ਨੂੰ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਵੱਛਤਾ ਅਤੇ ਸਫ਼ਾਈ ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਬਣਾਈ ਰੱਖੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮਸ਼ੀਨ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਧੋਣ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਵੱਢੀ ਫ਼ਸਲ ਦੇ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰੋਸੈੈਸਿੰਗ, ਸਟੋਰੇਜ ਅਤੇ ਮਾਰਕਿਟਿੰਗ ਦੀ ਪ੍ਰਕ੍ਰਿਆ

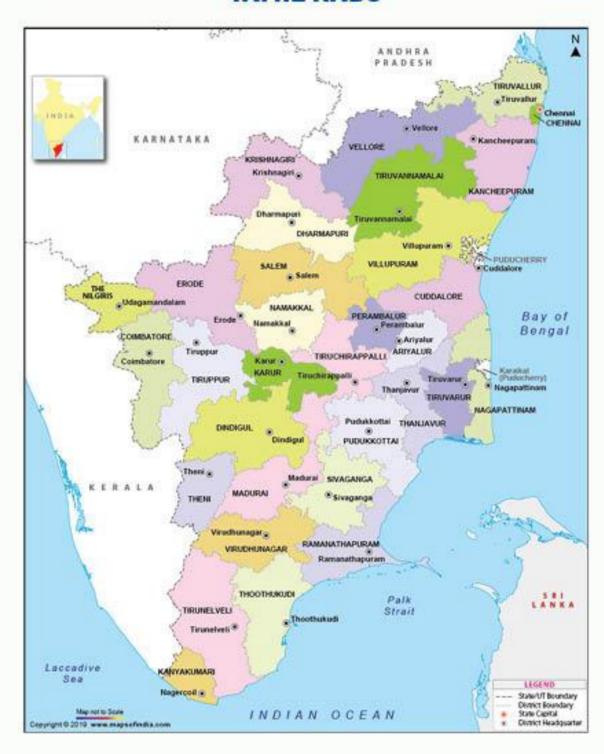
- ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਫ਼ਸਲਾਂ ਨੂੰ ਸੁਕਾਉਣ, ਥ੍ਰੈਸ਼ਿੰਗ, ਵਿਨੋਇੰਗ, ਸਫ਼ਾਈ, ਗਰੇਡਿੰਗ, ਸ਼੍ਰੈਣੀਬੱਧ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪੈਕਿੰਗ ਦੇ ਕੰਮ ਕਰਦਿਆਂ ਐਰੋਸੋਲ ਅਤੇ ਧੂੜ ਕਣਾਂ ਨਾਲ ਜੁੜੀਆਂ ਸਾਹ ਸੰਬੰਧੀ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਲਈ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਚਿਹਰੇ ਦੇ ਮਾਸਕ ਪਹਿਨਣ ਨਾਲ ਇਹਨਾਂ ਵਿਰੱਧ ਮਦਦ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਹੈ।
- ਘਰ ਵਿੱਚ ਕੱਢੇ ਹੋਏ ਅਨਾਜ, ਬਾਜਰਾ ਅਤੇ ਦਾਲਾਂ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁੱਕੇ ਹੋਣਾ ਯਕੀਨੀ ਕਰੋ ਅਤੇ ਕੀੜੇ ਦੇ ਰੋਗ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਪਿਛਲੇ ਸੀਜ਼ਨ ਦੇ ਜੂਟ ਬੈਗਾਂ ਦਾ ਦੁਆਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰੋ। 5% ਨਿੰਮ ਦੇ ਘੋਲ ਵਿੱਚ ਭਿੱਜਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਸੁੱਕੀਆਂ ਹੋਈਆਂ ਬੋਰੀਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ।
- ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਜਾਂ ਆਸ-ਪਾਸ ਦੇ ਕੋਲਡ ਸਟੋਰੇਜ / ਗੋਦਾਮਾਂ ਵਿੱਚ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਏ ਗਏ ਜੂਟ ਦੇ ਬੈਗਾਂ ਵਿੱਚ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਉਪਜ ਨੂੰ ਸਟੋਰ ਕਰਨ ਲਈ ਦੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਜੇਕਰ ਮੰਡੀ / ਸ਼ਾਪਿੰਗ ਪਲੇਟਫਾਰਮ 'ਤੇ ਵਿਕਰੀ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਉਪਜਾਂ ਦੀ ਲੋਡਿੰਗ ਅਤੇ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਨਿੱਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਅ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।
- ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦੇ ਦਸਤਾਵੇਜ਼ਾਂ ਨਾਲ ਬੀਜ ਕੰਪਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਲਿਜਾਣ ਅਤੇ ਭੁਗਤਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੀ ਆਗਿਆ ਹੈ, ਪਰ ਚੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰੋਸੈਸਿੰਗ / ਪੈਕਿੰਗ ਅਤੇ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਟਰਾਂਸਪੋਰਟੇਸ਼ਨ ਬੀਜ ਉਤਪਾਦਨ ਰਾਜਾਂ (ਦੱਖਣ ਤੋਂ ਉੱਤਰ) ਤੋਂ ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਮੇਂ ਵਿੱਚ ਬੀਜੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਾਉਣੀ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਬੀਜਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ।
- ਟਮਾਟਰ, ਗੋਭੀ, ਹਰੀਆਂ ਪੱਤੇਦਾਰ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਤੇ ਖੀਰੇ ਵਰਗੀਆਂ ਸਬਜ਼ੀਆਂ ਦੀ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਦੌਰਾਨ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।

ਖੜ੍ਹੀਆਂ ਫਸਲਾਂ

- ਕਣਕ ਉਗਾਉਣ ਵਾਲੇ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦਾ ਤਾਪਮਾਨ ਅਜੇ ਵੀ ਲੰਮੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਔਸਤ ਨਾਲੋਂ ਘੱਟ ਹੈ ਅਤੇ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ 'ਚ 10 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੋਂ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 10-15 ਦਿਨ ਹੋਰ ਦੇਰੀ ਹੋਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਕਿਸਾਨ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਕਿਸੇ ਘਾਟੇ ਦੇ 20 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੱਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜੋ ਖਰੀਦਦਾਰੀ ਅਤੇ ਤਰੀਕਾਂ ਦੀ ਘੋਸ਼ਣਾ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰਸਦ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਲੋੜੀ'ਦਾ ਸਮਾਂ ਦਿੰਦਾ ਹੈ।
- ਦੱਖਣੀ ਰਾਜਾਂ ਵਿਚ ਰਬੀ ਝੋਨੇ ਵਿੱਚ ਦਾਣਾ ਬਣਦੇ ਸਮੇਂ ਨੇਕ ਬਲਾਸਟ ਨਾਲ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਇਸਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਲਈ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਪ੍ਰੇ / ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੁਆਰਾ ਅਨੁਸ਼ਾਸਿਤ ਉੱਲੀਮਾਰ ਦੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਸਮੇਂ ਢੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਦੀ ਵਾਢੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਕਿਸੇ ਗੈਰ ਮੌਸਮੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਕਾਰਨ, ਦਾਣਿਆਂ ਦੇ ਉੱਗਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ 5% ਲੂਣ ਦੇ ਘੋਲ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।
- ਬਾਗਬਾਨੀ ਫਸਲਾਂ ਜਿਵੇਂ ਅੰਬਾਂ ਦੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਵਿੱਚ ਪੌਸ਼ਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਫ਼ਿੜਕਾਅ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਸੰਬੰਧੀ ਖੇਤਰੀ ਕੰਮਾਂ ਦੌਰਾਨ ਚੁੱਕਵੀਂ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
- ਝੋਨੇ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਗਰਮੀਆਂ ਦੀਆਂ ਦਾਲਾਂ ਵਿੱਚ, ਪੀਲੇ ਮੋਜ਼ੈਕ ਵਿਸ਼ਾਣੂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਲਈ ਢੁੱਕਵੇਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਵਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਵਇਟਫਿਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।



TAMIL NADU





TAMIL

கொரோனா (COVID-19) நோய்த்தொற்றின் காரணமாக ஏற்பட்டுள்ள தடை காலத்தில் விவசாயிகள் மற்றும் விவசாயத் துறைக்கான வேளாண் ஆலோசனை:

இந்திய அரசு வழிமுறைகளைக் கொண்டு வந்துள்ள காரணத்தினால்*.முக்கியமான விவசாயம் மற்றும் விவசாயம் சார்ந்த துறை செயல்பாடுகள் பரிந்துரைக்கப்பட்ட முன்னெச்சரிக்கைகளுடன் தொடர்ந்து நடைபெறுகின்றன. விவசாயிகளின் நலன்களுக்காக, இவை தனியாக பிரித்தெடுக்கப்பட்டு இங்கே பட்டியலிடப்பட்டுள்ளது.

தடை காலத்தில் விலக்களிக்கப்பட்ட விவசாயம் மற்றும் அதன் சார்பு துறைகள்/செயல்பாடுகள்:

- கால்நடை மருத்துவமனைகள்
- கறைந்த பட்ச ஆதார விலை நிர்ணயிக்கும் செயல்பாடுகள் உள்ளிட்ட வேளாண் பொருட்கள் கொள்முதல் செய்யும் நிறுவனங்கள்
- iii. வேளாண் உற்பத்தி சந்தைக் குழுவால் இயக்கப்படும் அல்லது மாநிலத்தால் அறிவிக்கப்பட்ட மண்டிகள்
- வயலில் விவசாயிகள் மற்றும் பண்ணைத் தொழிலாளர்கள்
 மேற்கொள்ளும் விவசாய நடவடிக்கைகள்
- பண்ணை இயந்திரங்கள் தொடர்பான இயந்திரங்கள் வாடகைக்கு விடும் மையங்கள் (CHC)
- உரங்கள், பூச்சிக்கொல்லிகள் மற்றும் விதைகளின் உற்பத்தி மற்றும் விற்பனை அலகுகள்/ கடைகள்
- மாநிலத்திற்கு உட்பட்ட மற்றும் மாநிலங்களுக்கிடையிலான அறுவடை விதைப்பு கருவிகள் வேளாண் தோட்டக்கலை இயந்திரங்கள்.
- viii. வேளாண் இயந்திரங்களின் கடைகள், அதன் உதிரி பாகங்கள் (அதன் விநியோகம் நிறுவனங்கள் உட்பட) மற்றும் பழுதுபார்ப்பு கடைகள் திறக்கப்பட்டுள்ளன.
- ix. நெடுஞ்சாலைகளில் லாரி பழுதுபார்க்கும் கடைகள், முக்கியமாக எரிபொருள் நிலையங்களுக்கு அருகாமையில் உள்ள கடைகள்.
- உதாள் தயாரிக்கும் நிறுவனங்கள் , மற்றும் 50 % வேலையாட்களுக்கு மிகாமல் தேயிலை தோட்டங்களில் செயல்பாடுகள்.
 - * (i முதல் vii புள்ளிகள் வரை)- இந்திய அரசின் உள்துறை அமைச்சகத்தின் மார்ச் 2020, 24, 25 மற்றும் 27 தேதியிட்ட ஆணை எண் 40-3 / 2020-DM-I (A), 2, 4, 5 மற்றும் 6 ஆகிய பிரிவுகளி சேர்த்தல் மற்றும் விதிவிலக்குகளின் படி; மற்றும் * (viii முதல் x புள்ளிகள் வரை)- 24.03.2020 தேதியிட்ட உள்துறை அமைச்சகத்தின் ஒருங்கிணைந்த வழிகாட்டுதல்களுக்கான 4 வது கூடுதல் படியின் ஆணை எண் 40-3 / 2020-DM-I (A) படி.

இந்த விலக்குகள் வேளாண்மை மற்றும் வேளாண்மை தொடர்பான தடையற்ற நடவடிக்கைகளுக்கு வழிவகுக்கும், இதனால் தடை காலத்தின் போது





விவசாயிகளுக்கு தேவையான அத்தியாவசிய பொருட்கள் கிடைப்பதில் எந்த சிரமத்தையும் சந்திக்க மாட்டார்கள்.

அரசாங்கத்தின் கொள்கை வழிமுறைகளின் அடிப்படையில், மாநில அரசுகளின் பல்வேறு அமைச்சகங்கள் / துறைகள் வேளாண்மை மற்றும் அதனுடன் தொடர்புடைய துறைகளில் தொடர்ந்து செயல்பாடுகள் நடை பெறுவதற்கு உரிய வழிமுறைகளை வழங்கியுள்ளது.

விவசாயிகளுக்கான அறிவுரைகள்

பயிர்கள் அறுவடை செய்தல் மற்றும் விதைத்தல்:

கொரோனா(covid-19) பரவலின் அச்சுறுத்தலுக்கு மத்தியில், ரபி பயிர்கள் முதிர்ச்சியை நெருங்குகின்றன. அறுவடை மற்றும் வேளாண் உற்பத்தி பொருட்களை கையாளுதல் விற்பனைக் கூடங்களுக்கு எடுத்துச் செல்லுதல் ஆகிய அனைத்து செயல்பாடுகளுமே குறித்த காலத்தில் நடைபெறுதல் அவசியமாகும். இருப்பினும், நோயைக் தடுக்க எடுக்க முன்னெச்சரிக்கைகள் மற்றும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளை அதாவது சமூக விலகல், தனிப்பட்ட சுகாதாரத்தை பேணுதல், சோப்பு கொண்டு கைகளை கழுவுதல் , முகக் கவசம் அணிதல், பாதுகாப்பு ஆடை அணிதல், கருவிகள் மற்றும் இயந்திரங்களை சுத்தம் செய்தல் கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும். ஆகவே வயலில் நடைபெறும் ஓவ்வொரு செயல்பாட்டிலும் விவசாயிகள் மற்றும் தொழிலாளர்கள் ஒவ்வொரு அடியிலும் பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் மற்றும் சமூக தூரத்தை பின்பற்ற வேண்டும்.

- பல வட மாநிலங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் மேற்கொள்ளும் கோதுமை நெருங்கு இறது. மாநிலத்திற்குள்ளும் காலம் அறுவடைக் மாநிலங்களுக்கு இடையிலும் அவர்களின் இயக்கம் அனுமதிக்கப்பட்டுள்ளது. பழுது, பராமரிப்பு வ்ழுற்வ அறுவடை நடவடிக்கைகளில் தொழிலாளர்களின் ஈடுபடும் பாதுகாப்ப நடவடிக்கைகள் உறுதி செய்யப்பட வேண்டும்.
- கடுகு இரண்டாவது முக்கியமான ரபி பயிர், தற்பொழுது அறுவடை நடந்து வருகிறது மற்றும் ஏற்கனவே அறுவடை செய்யப்பட்ட பயிர் கதிரடிக்கப்பட உள்ளது.
- மேலும் பயறு, மக்காச்சோளம் மற்றும் மிளகாய் அறுவடையும் நடந்து வருகிறது
- தற்பொழுது கரும்பு அறுவடை உச்சத்தில் உள்ளது, மேலும் இது வடக்கில் கரும்பு நடவு செய்வதற்கான நேரமாகும்.
- பயிர்கள், பழங்கள், காய்கறிகள், முட்டை மற்றும் மீன்கள் அறுவடையில் ஈடுபடுவோர் அறுவடைக்கு முன்பும் அறுவடையின்போது மற்றும் அறுவடை முடிந்த பிறகும் தனிப்பட்ட சுகாதாரம் மற்றும் சமூக தூரத்துக்கான அனைத்து நடவடிக்கைகளையும் பின்பற்ற வேண்டும்.
- அறுவடை / பறிக்கும் செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும் போது விவசாயிகள் / தொழிலாளர்கள் 4 முதல் 5 அடி இடைவெளிவிட்டு செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ள வேண்டும். இது செயல்பாடுகளை





- மேற்கொள்பவர்களுக்கு இடையில் போதுமான இடைவெளியை உறுதி செய்யும்.
- அனைவரும் முக கவசம் அணிவது மற்றும் குறித்த இடைவெளியில் கைகளை கழுவுவதை கட்டாயம் பின்பற்ற வேண்டும்.
- விவசாய செயல்பாடுகளுக்கு இடையில் ஓய்வு எடுக்கும்போதும் உணவு உட்கொள்ளும் போதும் வேளாண் பொருட்களை சேகரிக்கும் போதும் ஏற்றி இறக்கும் போதும் பாதுகாப்பான இடைவெளியாக 3 முதல் 4 அடி இடைவெளியினை பராமரிக்க வேண்டும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் கள செயல்பாடுகளை கால தாமதப்படுத்தி,
 அதிக எண்ணிக்கையிலான நபர்கள் அதே நாளில் ஈடுபடுவதைத் தவிர்க்க வேண்டும்.
- முடிந்தவரை குடும்பத்தில் உள்ளவர்கள் மற்றும் தெரிந்தவர்களை மட்டுமே ஈடுபடுத்த வேண்டும் அல்லது முறையான விசாரணைக்குப் பின் தொழிலாளர்களை ஈடுபடுத்தலாம் இதன்மூலம் நோய் தொற்று இருப்பவர்கள் அல்லது சந்தேகத்துக்கு உரியவர்களை தவிர்க்க முடியும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் இயந்திரங்கள் மூலம் வேளாண் செயல்பாடுகளை மேற்கொள்ளலாம். மேலும் குறைந்த எண்ணிக்கையில் மட்டுமே நபர்கள் இயந்திரத்துடன் செல்ல அனுமதிக்கப்பட வேண்டும்.
- அனைத்து இயந்திரங்களும் நுழைவு இடத்திலும் சரியான இடைவெளியிலும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும். அனைத்து போக்குவரத்து வாகனங்கள், கோனி சாக்கு பைகள் அல்லது பிற பேக்கேஜிங் பொருட்களும் சுத்தப்படுத்தப்பட வேண்டும்.
- விளைபொருட்களை சேகரிக்கும்போது 3-4 அடி இடைவெளியில் சிறிய குவியல்கள் ஆக்கவேண்டும். கூட்டத்தைத் தவிர்ப்பதற்கு 1-2 நபர்கள்/ குவியலுக்கு என ஒதுக்கப்பட வேண்டும்.
- மக்காச்சோளம் மற்றும் நிலக்கடலை அறுவடை செய்யும் இயந்திரங்களின் துப்புரவு மற்றும் தூய்மை முறையாக பராமரிக்கப்பட வேண்டும். உழவர் குழுக்களால் இயந்திரங்கள் பகிரப்பட்டு பயன்படுத்தப்படும்போது அடிக்கடி கைகள் படும் பாகங்களில் சோப்பை கொண்டு கழுவி தூய்மை செய்ய அறிவுறுத்தப்படுகிறது.

அறுவடைக்கு பிந்தைய, சேமிப்பு மற்றும் பண்ணை விளைபொருட்களின் விற்பனை:

- விளைபொருட்களை உலர்த்துதல் அடித்தல் தூற்றுதல் சுத்தம் செய்தல் தரம்பிரித்தல், அடுக்குதல் மற்றும் மூட்டை பிடித்தல் ஆகிய செயல்பாடுகள் மேற்கொள்ளும்போது, முக கவசம் அணிந்து செய்வதன் மூலம் காற்றின் வழியாக தூசு, மூச்சு குழலில் சென்று சுவாச கோளாறு ஏற்படுவதை தவிர்க்க முடியும்.
- அறுவடை செய்யப்பட்ட தானியங்கள், சிறுதானியங்கள், பருப்பு வகைகள் பண்ணை வீட்டில் சேமிப்பதற்கு முன் சரியான உலர்த்தலை உறுதிசெய்செய்ய வேண்டும். பூச்சி தொற்றுநோயைத் தடுக்க முந்தைய பருவங்களில் பயன்படுத்திய சணல் பைகளை மீண்டும் பயன்படுத்த வேண்டாம். 5% வேப்பம் கரைசலில் சிகிச்சையளிக்கப்பட்ட மற்றும் உலர்த்திய பைகளை பயன்படுத்தவும்.





- உற்பத்தி செய்யப்படும் விளைபொருட்கள் சிறந்த விலை கிடைப்பதற்கு சணல் பைகளில் சேமிக்க போதுமான முன் எச்சரிக்கைகள் எடுக்கப்பட வேண்டும். விவசாயிகளுக்கு பண்ணையில் அல்லது அருகிலுள்ள குளிர் சேமிப்பகங்கள் / கோடவுன்கள் / கிடங்குகளில் போதுமான எண்ணிக்கையில் சணல் பைகளில் சேமிக்க வேண்டும்.
- பண்ணை விளைபொருட்களை ஏற்றுவதற்கும் கொண்டு செல்வதற்கும்,
 சந்தைகள் / ஏல தளங்களில் விற்பனையில் பங்கேற்கும்போதும் போதுமான தனிப்பட்ட பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் எடுத்துக்கொள்ள வேண்டும்.
- விதை உற்பத்தியாளர் விவசாயிகளுக்கு விதைகளை துணை ஆவணங்களுடன் விதை நிறுவனங்களுக்கு கொண்டு செல்ல அனுமதி உண்டு. மேலும் அவர்கள் பணம் பெறும்போது முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.
- விதை பதப்படுத்துதல் / பேக்கேஜிங் ஆலைகள் மற்றும் விதை உற்பத்தி செய்யும் மாநிலங்களிலிருந்து (தெற்கிலிருந்து வடக்கு) கரீப் பருவ பயிர்களுக்கான விதை தேவைப்படும் மாநிலங்களுக்கு தேவையான அளவு விதை இருப்பு இருக்க வேண்டும். உதாரணமாக வடக்கில் ஏப்ரல் மாதத்தில் விதைப்பதற்கு பசுந்தீவனத்திற்கான எஸ்.எஸ்.ஜி விதை தென் மாநிலங்களிலிருந்து வருகிறது.
- தக்காளி, காலிஃபிளவர், பச்சை இலை காய்கறிகள், வெள்ளரிகள் மற்றும் பண்ணைகளிலிருந்து வரும் பிற கொடி வகை காய்கறிகள் போன்ற காய்கறிகளை நேரடியாக விற்பனை / வழங்குவதற்கு தேவையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.

வயலில் வளர் நிலையில் உள்ள பயிர்கள்:

- கோதுமை வளரும் பெரும்பாலான பகுதிகளின் வெப்பநிலை இன்னும் நீண்ட கால சராசரிக்குக் குறைவாகவே உள்ளது. ஏப்ரல் 10 க்கு அப்பால் குறைந்தது 10-15 நாட்களுக்கு கோதுமை அறுவடை தாமதப்படுத்தலாம், எனவே விவசாயிகள் கோதுமையை எந்தவொரு குறிப்பிடத்தக்க இழப்பும் ஏற்படாமல் ஏப்ரல் 20 வரை தாமதப்படுத்தலாம், இது கொள்முதல் தளவாடங்கள் மற்றும் தேதிகள் அறிவிப்பதற்கான போதுமான நேரத்தை அளிக்கிறது.
- தென்மாநிலங்களில் கதிர் பால் பிடிக்கும் பருவத்தில் உள்ள ரபி நெற்பயிரில் கழுத்து குலை நோய் பரவலாக காணப்படுகிறது. பரிந்துரைக்கப்பட்ட பூஞ்சைக் கொல்லி மருந்தினை தெளிக்கும் போது முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை பின்பற்ற வேண்டும்.
- நெல் அறுவடை கட்டத்தில் ஏதேனும் பருவ மழை பெய்தால், விதை முளைப்பதை தடுக்க 5% உப்பு கரைசலை தெளிக்கவும்.
- மாம்பழம் போன்ற பழம்தரும் கட்டத்தில் உள்ள தோட்டக்கலை பயிர்களில், நுண்ணூட்டச்சத்து அளித்தல் பயிர் பாதுகாப்பு போன்ற வயல் தொடர்பான நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ளும்போது அதற்கான இடுபொருட்களை கையாளுதல் தெளிப்பு செய்தல் மற்றும் அதற்கு





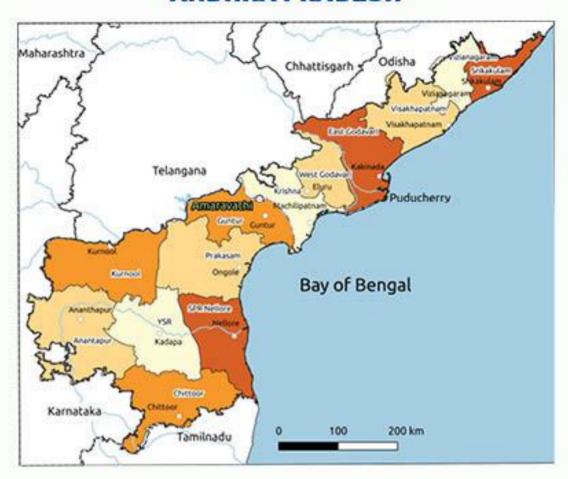
- தேவைப்படும் உபகரணங்களைத் கழுவுதல் போன்றவற்றின் முறையான முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளை மேற்கொள்ள வேண்டும்.
- கோடை பருவத்தில் நெல் தரிசு வயலில் உள்ள பயறுவகை பயிர்களில் மஞ்சள் தேமல் நோய் வராமல் தடுப்பதற்கு முறையான வெள்ளை ஈ மேலாண்மை முறைகளை பாதுகாப்புடன் மேற்கொள்ள வேண்டும்







ANDHRA PRADESH



TELANGANA





TELUGU

కోవిడ్-19 కారణంగా లాక్ డౌన్ సమయంలో రైతులకు మరియు వ్యవసాయ రంగానికి సంబంధించిన వ్యవసాయ మార్గదర్సకాలు

వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ రంగాలకు సంబంధించిన కార్యక్రమాలను యధావిధిగా కొనసాగించడానికి భారత ప్రభుత్వము కొన్ని ముఖ్యమైన మార్గదర్శకాలు» జారీ చేయడం జరిగింది. రైతుల ప్రయోజనాలను దృష్టిలో వుంచుకొని వాటిని క్రింద తెలియజేయడం జరిగింది.

వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్యక్రమాలు లాక్ డౌస్ నుండి మినహాయించబడినవి*

- i. పశుపైద్యశాలలు
- ii. వ్యవసాయ ఉత్పత్తులను సకరించే కేంద్రాలు, కనీస మద్దతు ధర కార్యకలాపాలతో సహా
- iv. రైతులు మరియు వ్యవసాయ కూలీల ద్వారా నిర్వహించే వ్యవసాయ పనులు
- v. వ్యవసాయ యంత్రాలను సరఫరా చేసే కస్టమ్ హైర్ సెంటర్లు
- vi. ఎరువులు, పురుగు మందులు మరియు విత్తనాల ఉత్పత్తి మరియు ప్యాకేజింగ్ యూనిట్లు
- vii. వ్యవసాయంలో కోతలు మరియు నాటుకు/ విత్తేందుకు అవసరమైన యంత్రాలను అనగా కంటైస్డ్ హార్వెస్టర్లు మరియు ఇతర వ్యవసాయ/ ఉద్యాన పరికరాలు రాష్ట్రాల లోపల మరియు అంతరాష్ట్ర రవాణా
- viii. వ్యవసాయ యంత్ర పరికరాలు మరియు యంత్రాల విడి భాగాలకు సంబంధించిన పాపులు (తయారు చేసే కంపెనీలతో సహా), అలాగే మరమ్మత్తు చేసే పాపులు తెరిచే వుంటాయి.
- ప్రక్కులు మరమ్మత్తు చేసే పాపులు జాతీయ రహదారులపై ముఖ్యంగా పెట్రోల్ మరియు డీజల్ పాపులు
 దగ్గరగా ఏర్పాటు
- x. తేయాకు పరిశ్రమ, నాటడంతో సహా, 50శాతం వరకు కూలీలను వుపయోగించి

ిమార్గదర్శకాలు (I నుండి vii) కేంద్ర హోమ్ మంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం ద్వారా విడుదలైన సెం. 40-3/2020-డిఎం-I(ఎ) తేది: 24, 25, మరియు 27 మార్చి, 2020 అదనంగా చేర్చిన క్లాజ్ లు 2,4,5 – మరియు 6 లలో ఇవ్వబడిన మినహాయింపులు , మార్గదర్శకాలు (viii నుండి x) కేంద్ర హోమ్ మంత్రిత్వ శాఖ, భారత ప్రభుత్వం ద్వారా విడుదలైన సెం. 40 -3/2020- డిఎం-I(ఎ) తేది: 24 మార్చి, 2020 ప్రకారం 4వ సంబంధిత సమాచారాన్ని క్లోడీకరించిన మార్గదర్శకాలు.



ఈ మీనహాయింపులు రైతులకు అవసరమైన అన్ని కారకాలు లభ్యమవ్వడం ద్వారా ఎటువంటి కష్టం లేకుండా వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ రంగాలకు సంబంధించిన కార్యక్రమాలు లాక్ డౌన్ సమయంలో నిరాబంకంగా నిర్వహించడానికి పెసులుబాటు కలిగిస్తుంది.

భారత ప్రభుత్వం వారి విధాన పరమైన మార్గ నిర్దేశకాలను అనుసరించి వివిధ మంత్రిత్వ శాఖలు మరియు రాష్ట్రాల శాఖలు అమలు చేయవలసిన మార్గదర్శకా లు వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ కార్యకలాపాలు కొనసాగేలా జారీ చేయబడినది.

రైతులకు సూచనలు:

పంట కోత మరియు నూర్పిడి:

కోవిడ్-19 ప్రబలిన ఈ సందర్భంలో, రబీ పంటలు కోత దశలో ఉన్నాయి. కోత మరియు కోత తరువాత మార్కెట్ కు తరలింపు అసేవి సమయానుకూలంగా జరుపవలసినవి కావున తప్పని సరి. కానీ, రైతులు తప్పని సరిగా వ్యాధి వ్యాప్తిని నివారించేలా తగు జాగ్రత్తలు మరియు రక్షణ చర్యలు తీసుకొవాలి. సులభమైన విధానాలైన సామాజిక దూరం పాటించడం, తరచు సబ్బుతో చేతులు కడుక్కొవడం, మాస్కులు ధరించడం, రక్షణ దుస్తులు ధరించడం, వ్యవసాయ పరికరాలు మరియు యంత్రాల శుభ్రత, పని చేసే వారి రక్షణ మరియు సామాజిక దూరం ప్రతీ కార్యక్రమంలో జేత్రాలలో పాటించడం తప్పనిసరి.

- కోత పరికరాలైన కంటైన్డ్ హార్వెస్టర్లు రాష్ట్రాలలో మరియు రాష్ట్రాల పెలుపల నుండి రవాణాకు
 అనుమతించబడినవి. తగు రకణ చర్యలు వాటి రిపేరు మరియు వినియోగం సమయంలో పాటిందాలి.
- మొక్కజొన్న, అపరాలు మరియు మీరప పంటల కోత సమయం ఆసన్నమైంది.
- అన్ని వ్యవసాయ ఉత్పత్తులు అనగా ధాన్యం, పండ్లు, కూరగాయలు, గ్రుడ్లు, చేపలు కోత/పట్టి సమయంలో పనిచేసే అందరూ తప్పని సరిగా వ్యక్తిగత శుభ్రత మరియు సామాజిక దూరం పాటిందాలి.
- కోత సమయంలో 4-5 అడుగుల దూరం ఒక భాగంగా గుర్తించి ఒక్కొక్కరు, ఒక్కెక్క భాగంలో పని చేసేలా చేయడం ద్వారా వ్యవసాయ కూలీల మధ్య సరియైన సామాజిక దూరం ఉండేలా చూడవచ్చు.
- పొలాలలో పనిచేసే ప్రతి ఒక్కరు తప్పని సరిగా మాస్కులు ధరంచడం మరియు నిర్దేశిక సమయంలో చేతులు సబ్బుతో కడుక్కొవడం తప్పనిసరిగా పాటించాలి.
- ఏశ్రాంతి తీసుకునే సమయంలో, భోజన సమయంలో, పంటను ఒక దగ్గరకు చేర్చే సమయంలో బండ్లలోనికి
 ఎత్తే సమయంలో మరియు దించే సమయంలో ఒకరికొకరు 3-4 అడుగుల దూరం తప్పని సరిగా పాటిందాలి.
- పాధ్యమైనంత వరకు వ్యవసాయ పనులను అవసరాన్ని బట్టి విభజించి చేయడం ద్వారా ఒకే రోజు ఎక్కువ మంది కూలీలను పెట్టకుండా నివారిందాలి.





- వ్యవసాయ పనులకు తెలిసిన వారిని మాత్రమే వినియోగించడంతో పాటు వారి ఆరోగ్య పరిస్థితిని విదారించి తగు జాగ్రత్తలు పాటించాలి.
- పీలైనంత వరకు యంత్రాలను వినియోగించాలి, అవసరం మేరకు మాత్రమే వ్యవసాయ కూలీలను యంత్రాలతో పాటు వినియోగించాలి.
- అన్ని రకాల యంత్ర పరికరాలను క్షేత్రంలో వాడకానికి ముందు వాడే సమయంలో పూర్తిగా శుభ్రపరదాలి.
 అన్ని రవాణా వాహనాలు, సంచులు మరియు ఇతర ప్యాకింగ్ సామాగ్రి శుభ్రపరదాలి.
- పంటను కోత అనంతరం చిన్న చిన్న కుప్పలుగా 3-5 అడుగుల దూరంలో పోగుచేయడం ద్వారా కుప్పకు
 ఒకరి చొప్పున నిలబడి ఇతర కార్యక్రమాలు నిర్వహించేలా చర్యలు చేపట్టాలి.
- పేరుశనగ మరియు మొక్కజొన్న శ్రెషర్లు వంటి యంత్రాలను ఒక రైతునుండి ఇంకొక రైతుకు మార్పిడి చేసుకునేటప్పుడు శుభ్రం చేసి వీనియోగించాలి, ముఖ్యంగా యంత్రంలో తరచూ ముట్టుకునే భాగాలను సబ్బులో వీధిగా శుభ్రం చేయాలి.

పంట కోత అనంతరం, నిల్వ మరియు మార్కెటింగ్:

- పంటను ఎండబెట్టేటప్పుడు, నూర్పిడి, తూర్పార పట్టడం, శుభ్రం చేయడం, గ్రేడింగ్, ప్యాకింగ్ వంటి కార్యక్రమాలు చేసే టప్పుడు మాస్కులు ధరించడం ద్వారా శ్వాస సంబంధమైన ఇబ్బందులు రాకుండా నియంత్రించవచ్చు.
- ధాన్యాలు, చిరుధాన్యాలు, అపరాల వంటివి గృహ/ కేత్రస్థాయిలో నిల్ప ఉంచేటప్పుడు సరిగా ఎండబెట్టాలి.
 నిల్పకొరకు పాత గోని సంచులను వాడడం వలన పురుగు వ్యాపిస్తుంది కనుక గోని సంచులను 5 % పేప బ్రావణంలో ముంచి ఎండటెట్టి వినియోగించాలి.
- పంటను కేత్రస్థాయిలో నిల్వకు తగినన్ని గోనె సంచులను వినియోగించాలి లేదా దగ్గరలోని కోల్డ్ స్టోరేజీలు/
 గోదాములు/ గిడ్డంగులు వినియోగించి సరియైన ధర వచ్చిన తరువాత అమ్మేట్లు చర్యలు చేపట్టాలి.
- రైతులు పంటను లోడింగ్ చేసేటప్పుడు, రవాణా సమయంలో, మార్కెట్లలో అమ్మేటప్పుడు మరియు ఆకన్ ప్లాట్ ఫారంల వద్ద తగు వ్యక్తిగత సంరక్షణ చర్యలు పాటించాలి.
- విత్తన ఉత్పత్తి చేసే రైతులు పంటను విత్తన కంపెనీలకు రవాణా చేయడానికి తగు పత్రాలు చూపి రవాణా చేసుకోవచ్చు. విధిగా తగు సంరక్షణ చర్యలు చేపట్టాలి మరియు వారినుండి నగదు పోందే విషయంలో జాగ్రత్తలు పాటెందాలి.
- విత్తన శుద్ధి/ప్యాకింగ్ ప్లాంట్లు మరియు రాష్ట్రాల మధ్య విత్తన రవాణాకు అనుమతించబడినది. దీని ద్వారా ఖరీఫ్ సాగుకు అవసరమైన విత్తనాల కొరత లేకుండా చూడడం అత్యంత ఆవశ్యం.
- కూరగాయలైన టమాట, కాలీఫ్లవర్, ఆకుకూరలు, తీగజాతి కూరగాయలు వంటివి నేరుగా మార్కెటింగ్ చేసే సమయంలో తగు జాగ్రత్తలు పాటించాలి.



ఎదుగుదల దశలో ఉన్న పంటలు:

- రబీ వరి గింజ పాలు పోసుకునే దశలో ఉన్న దక్షిణాది రాష్ట్రాలలో మెడ విరుపు తెగులు అధికంగా నష్టపరిచే అవకాశం ఉంది. కావున అవసరమైన శీలీంద్ర నాశినులను రైతులు పిచికారి చేయాలి.
- వరి కోతల సమయంలో అకాల వర్షం వస్తే 5 % ఉప్పు నీటి ద్రావణాన్ని పిచికారి చేయడం ద్వారా మొలక రాకుండా నీవారించాలి.
- మామిడి వంటి ఉద్యాన పంటలలో తోటలలో పోషకాల పిచికారి సస్యరక్షణ చర్యలు చేపట్టే సమయంలో కారకాల వినియోగం, కలపడం, పేయడంలో సంరక్షణ చర్యలను పాటించాలి మరియు పరికరాల కడగడం వంటివి పాటించాలి.
- వరి పొలాలలో పేసవి పంటగా అపరాలు సాగు చేసే ప్రాంతాలలో తెల్లదోమకు సరియైన యాజమాన్యం పాటించడం ద్వారా పల్లాకు తెగులును నివారించాలి.





3.1 STATE ADVISORY FOR FARMERS (HINDI)

कोविड-19 के कारण लॉकडाउन (बन्दी) अवधि के दौरान किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए राज्यवार दिशानिर्देश एवं सलाह

फसलों की कटाई, मड़ाई, कटाई उपरान्त भंडारण तथा विपणन के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां एवं सुरक्षा उपाय

- कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में कोरोना वायरस के प्रसार से बचने के लिए किसानों को निम्नलिखित सावधानियों का पालन करने की सलाह दी जाती है:
- फसलों की हाथ से कटाई/तुड़ाई के दौरान बेहतर होगा कि 4-5 फीट की पिट्टयों में काम को किया जाए तथा एक पट्टी की दूरी में एक ही अमिक को कार्यरत रखा जाए। इस प्रकार कार्यरत अमिकों के बीच उचित दूरी सुनिश्चित की जा सकेगी।
- कार्यरत सभी व्यक्तियाँ / अमिकों को सुनिश्चित करना चाहिए कि वे मास्क पहनकर ही काम करें तथा बीच—बीच में साबुन से हाथ धोते रहें।
- कृषि श्रमिक आराम करने, भोजन करने, संग्रह बिंदु पर उत्पादों के इस्तांतरण, उत्पादों को वाहनों में चढाने/उतारने के दौरान 3-4 फीट की सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- एक ही दिन अधिक श्रमिकों को कार्य में लगाने के बजाए उस कार्य को अवधि/दिनों में बांट दिया जाए तथा खेतों में काम अंतराल में किया जाए।
- जहां तक संभव हो परिचित एवं स्वस्थ व्यक्तियों को ही खेतों के कार्य में लगाएं। किसी अनजान श्रमिक को खेत में कार्य से रोकें ताकि वे इस महामारी का कारण न बन सके।
- जहां तक संभव हो कृषि कार्य उपकरणों व मशीनों से ही किया जाए न कि हाथों से तथा केवल उपयुक्त व्यक्ति को ही ऐसे संचंत्रों को चलाने दिया जाए।
- कृषि कार्यों में लगे संयंत्रों को कार्यों के पूर्व तथा कार्यों के दौरान साफ (sanitize) किया जाना चाहिए।
 साथ ही साथ बोरी तथा अन्य पैकेजिंग सामग्रियों को भी साफ (sanitize) किया जाना चाहिए।
- खिलहानों में तैयार उत्पादों को छोटे—छोटे ढेरों में इकट्ठा करें जिनकी आपस में दूरी 3—4 फीट हो। साथ ही प्रत्येक ढेर पर 1—2 व्यक्ति को ही कार्य पर लगाना चाहिए तथा भीड़ इकट्ठा करने से बचना चाहिए।
- यदि खेत पर भंडारण संभव है, तो बाजार में जाने से बचें।
- कृषि निवेशों के क्रय/उत्पादों को विक्रय के लिए बाजार जाने के दौरान मानक सुरक्षा उपाय अपनायें।

राज्य विशिष्ट दिशा–निर्देश और सलाह

१ आंध्र प्रदेश

दिशानिर्देशः फ.न. ACC02-12027(31)/8/2020-SEED SEC-ACRHOD (AP)

आंध्र प्रदेश राज्य में बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के उत्पादन, प्रसंस्करण और आपूर्ति शृंखला की





निरंतरता और परिवहन के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिये गये है।

- राज्य भर में संकर मक्का, चारा फसलों, बाजरा, कपास, दलहन, चाबल, मूंगफली एवं सब्जी के बीजों की कटाई व कटाई उपरांत क्रियाएं एवं पैकिंग जारी है।
- किसानों के खेतों पर तैयार बीजों का बीज कंपनियों के प्रसंस्करण संयंत्रों तक जरूरी दस्ताबेजों एवं उचित निरीक्षण के बाद परिवहन की अनुमित दी गई है।
- उर्वरक और कीटनाशक ढीलरों की दुकानें खुली रहेंगी और कामकाज जारी रखेंगी। किसान भाई इन दुकानों से कृषि निवेशत खरीदते समय 3-4 फीट की दूरी बनाए रखें।

सलाह

- राज्य में धान की फसल दाने पुष्ट होने की अवस्था में है तथा नेक ब्लास्ट, तना वेधक कीट और पैनकील माइट रोगों का प्रकोप देखा गया है। अधिक आर्दता के कारण नेक ब्लास्ट का अधिक प्रकोप हो सकता है अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि वे इसके प्रवंधन के लिए ट्राईसायक्लाज़ोल 0.6 ग्राम/ आइसोप्रोथिओलेन 1.5 मि.ली./कासुगएमचीन 2.5 मि.ली. का प्रति लीटर पानी में छिड़काव सावधानी पूर्वक करें।
- कम्बाइन से धान कटाई के समय मरम्मत, रखरखाव और कटाई क्रियाओं में लगे श्रमिकों को पूर्ण सावधानियां बरतनी चाहिए और सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए।
- आंध्र प्रदेश में किसानों हारा सीएचसी (कस्टम हायरिंग सेन्टर) फार्म मशीनरी ऐप के माध्यम से आस—पास के स्थानों पर हार्बेस्टर की उपलब्धता को जाना जा सकता है।
- धान के बाद की उर्द की फसल कटाई अवस्था में है तथा गर्मियों की मूंग की फसल वानस्पतिक अवस्था में है। इन पर होने वाले पीला मोजैक वायरस रोग के प्रबंधन के उपाय किये जाने चाहिए।
- मक्का की फसल फूलों से कटाई की अवस्था में है और फाल आर्मी वर्म (सैनिक कीट) का प्रकोप देखा
 गया है जिसका अनुशंसित कीटनाशक के छिड़काव या बाटींग से प्रबंधन किया जा सकता है। कोबों की
 कटाई के बाद श्रेसर संचालित करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।
- तिल में कैप्सूल/फलियां वनने की अवस्था में है, घुलनशील उर्वरक (19:19:19) या पोटैशियम (मल्टी) के
 2.5 किग्रा/हेक्टेयर का छिद्धकाव किया जाना चाहिए।
- मिर्च की फसल में तीसरी या चौथी तुढ़ाई की जा रही है, इसमें श्रिप्स और माइट के प्रकोप को देखा
 गया है। इसके प्रबंधन में लगे हुए श्रमिकों / किसानों को टवाईयों के छिद्धकाव में सुरक्षा संबंधी सावधानियों
 का पालन करना चाहिए।
- आम में फलों के गिरने की संभावना है, इसके प्रबंधन के लिए 1: यूरिया या प्लांटिफिक्स @ 1 मिलीलीटर प्रति 4.5 लीटर पानी के साथ पोषक तत्व छिड़काव की सलाह टी जाती है। श्रमिकों को इनपुट (निवेशों) के मिश्रण और प्रयोग के दौरान सावधानी बरतनी चाहिए।
- नींबू और संतरे में जड़ सड़न रोग का प्रबंधन किया जाना आवश्यक है। इसके प्रबंधन के लिए पेड़ों के तने पर छिड़काब तथा खाद और जैबिक संशोधन करते समय किसानों को पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए।
- नारियल, ताड़ और अमरूद किसानों के सामने स्पिरिलंग व्हाइटफ्लाई (सफेद मक्खी) का प्रकोप एक बड़ी समस्या है। किसानों को इसके प्रबंधन के लिए केवीके / एसएयू हारा दी गई सलाह का पालन करना चाहिए। इस कीट के प्रबंधन के लिए रासायनिक छिड़काब करने से बच्चना चाहिए।





2 अरुणाचल प्रदेश

दिशानिर्देश एवं सलाहः

- भारत सरकार हारा जारी दिशानिर्देशों का राज्य में पालन किया जा रहा है। सभी कृषि क्रियाओं में सुरक्षा उपायों और उचित सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा है।
- झूम खेती में धान और मक्का की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है।
- मक्का की बुवाई हेतु गहरी जुताई और इसकी उद्धद और मूंग के साथ खेती करने की सलाह दी जाती है। फाल अमीवार्म (सैनिक कीट) के प्रबंधन के लिए अंकुरण के तुरंत बाद फेरोमोन ट्रैप / 5/एकइ लगाने की सलाह दी जाती है।
- आलू को ठंडी, हवाटार बांस के दाचे (बिना खिड़िकियों वाले) में सूखी रेत पर 3 से 4 इंच परत पर भण्डारित करें। रसोईघर में बांस की छत बनाकर अतिरिक्त मंडारण बनाया जा सकता है।
- भिन्दी और करेले जैसी सिक्जियों की फसलों में पत्ती के धल्बे और उकठा रोग के प्रबंधन के लिए छिड़काब करना चाहिए। खेत में फफूंदनाशकों और कीटनाशकों के छिड़काब के दौरान हाथ के दस्ताने और मास्क हमेशा पहनने चाहिए और उपकरणों को उपयोग से पहले और बाद में अच्छी तरह से धोना चाहिए।
- सन्जी फसलों में फूलगोभी, पत्तागोभी, ककड़ी, हरा धनिया, पालक आदि पकने / तुड़ाई की अवस्था में हैं।
 इन्हें मांग के अनुसार (किसान उत्पादन संगठन) एफपीओ / एफपीसी और स्वयं सहायता समूह की मदद से बाजार में भेजे जा रहे है।
- कृषि कार्यों का संचालन जितना संभव हो मशीन चालित उपकरणों हारा किया जाना चाहिए। जब हाथ से बने उपकरणों का उपयोग किया जाता है, तो दिन में कम से कम 3 बार साबुन के पानी से उपकरणों को साफ करना चाहिए।

3 असम

दिशानिर्देश एव सलाहः

- भारत सरकार हारा जारी दिशानिर्देशों का राज्य में पालन किया जा रहा है। सभी कृषि क्रियाओं में सुरक्षा उपायों और उन्नित सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा है।
- राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में फसलों, सिब्जियों, फलों इत्यादि की कटाई की जा रही है। किसानों को कृषि क्रियाओं में सुरक्षा उपायों का पालन करने की सलाह दी जाती है।
- मसूर, अलसी, सरसों जैसी फसलें पकने की अवस्था में है और कटाई के बाद मंडारण से पूर्व इन्हें अच्छी तरह से सुखाने की आवश्यकता है।
- कटाई के लिए साझा/किराए के उपकरणों या मशीनरी का उपयोग करते समय उत्तित स्वच्छता रखनी चाहिए। श्रमिकों हारा कटाई करते समय उत्तित दूरी बनाए रखनी चाहिए।
- तोड़े गये टमाटरों की बिक्री में देरी होने पर भंडारण के पारंपरिक तरीको को अपनाकर खराब होने से बचाया जा सकता है।
- कोल्ड स्टोरेज (शीत भण्डारण गृह) सेवा को लॉकडाउन (बन्दी) से मुक्त कर दिया गया है, सभी सुरक्षा उपायों का उपयोग करते हुए, अनुमित प्राप्त करने के बाद आलू, टमाटर और मिर्च को निकटतम कोल्ड स्टोरेज में रखा जा सकता है।





- जहां तक संभव हो उत्पाद को कम कीमत पर बेचने के बजाय उसके खेत पर उचित भंडारण को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- किसान अपनी पैदा की गयी सब्जियों को कृषि विभाग हारा चिन्हित विक्रेताओं को बेच सकते हैं। सब्जियों के परिवहन के लिए स्वयं एवं वाहन के आवागमन हेतु अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।
- एफपीओ (किसान उत्पादन संगठन) जिला प्रशासन से अनुमित प्राप्त करने के बाद किसानों की उपज की बिक्री शुरू कर सकता है
- लॉकडाउन (बन्टी) के दौरान उर्वरक / बीजों वाली खुदरा दुकानों को सीमित समय के लिए संचालित करने की अनुमित है। बीज और उर्वरक खरीदते समय कम से कम 1 मीटर की सामाजिक दूरी बनाए रखी जानी है।

4 बिहार

दिशानिर्देश

- लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान उर्वरक/बीजों/कीटनाशकों वाली दुकानों को संचालित करने की अनुमित है। किसान आवश्यक सामाजिक दूरी का पालन करते हुए अपनी आवश्यकतानुसार उर्वरक/बीजों/ कीटनाशकों की खरीददारी कर सकता है।
- किसानों को लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान कृषि क्रियाओं जैसे फसल कटाई और श्रेशिंग की अनुमित है।
 परन्तु किसानों को सामाजिक दूरी बनाए रखनी होगी।
- किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कृषि क्रियाओं के संचालन के लिए जितना संभव हो उतना कृषि मशीनरी का उपयोग करें।
- श्रमिकों हारा कृषि कार्य के दौरान, भोजन और पानी का अलग—अलग सेवन करना चाहिए एवं एक दूसरे के साथ साझा नहीं करें।
- बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोएं। कृषि कार्य के टौरान ज्यादा पानी पिएं।
- मुंह और नाक को ढंकने के लिए मास्क का उपयोग करें। कटाई और श्रेसिंग के बाद कपड़ो को धो लेना चाहिए।
- संक्रमण से बचने के लिए बार—बार आंखों, नाक और मुंह को छूने से बचना चाहिए।
- खेत में फसल के अवशेषों को जलाने से बचाना चाहिए।
- कृषि संबंधी गतिविधियों में किसी भी समस्या के समाधान के लिए कृषि सलाहकार या कृषि समन्वयक से परामर्श करें।

सलाह

- मसूर कटाई की स्थिति में है जबिक चने और गेहूं को परिपक्व होने में 20–25 दिन का समय लग सकता है। कटाई उचित परिपक्वता पर होनी चाहिए। खेतों में सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कुछ दिन पूर्व अच्छी बारिश हुई थी।
- मसूर की कटाई के बाद खाली हुए खेतों में ग्रीष्मकालीन जुताई करना आवश्यक है।
- टमाटर, वैगन, मिर्च इत्यादि सिक्जियों में आवश्यकता के अनुसार गुढ़ाई, सिंचाई और कीटनाशकों का छिद्धकाब करते रहना चाहिए। नाइट्रोजन की आवश्यक मात्रा भी देते रहने चाहिए।





- पत्तेदार सिक्जियाँ जैसे कि पालक, चौलाई, बथुआ आदि को गर्मियों के मौसम में बोया जा सकता है।
- आम और लीची में मिली बग के प्रबंधन के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल / 1 मिली / 3 लीटर पानी का छिड़काब किया जा सकता है।
- लीची में माइट के प्रबंधन के लिए ईथोन 50 ईसी / 2 मिली/लीटर पानी का उपयोग किया जा सकता है।
- आम में सफेद बुकनी का प्रबंधन अनुशंसित फफूंदनाशक दवा के इस्तेमाल से किया जा सकता है

5 छतीसगढ

सलाह

- राज्य सरकार ने उच्चित स्वच्छता उपायों और निर्देशों के साथ कृषि और बागवानी का काम करने के लिए न्यूनतम श्रमिकों की अनुमति दी गई है।
- किसानों की फसल कटाई और कृषि निवेशों की उपलब्धता आदि समस्याओं को हल करने के लिए जिला स्तर पर टोल फ्री नंबर 07868—241550 शुरू किया गया।
- 🔹 खेत में काम के दौरान पानी, साबुन और मास्क की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है।
- फसलों और अन्य कृषि कार्यों के दौरान प्रत्येक श्रमिक के लिए अलग—अलग पानी की बोतल का उपयोग करें।
- किसानों को उनके खेतों में फल और सब्जी तोड़ने और बिना किसी प्रतिबंध के बाजार में ले जाने की अनुमित प्रदान की गई है।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि फसलों को काटने के दौरान ढिस्पोजेबल रबर के जूते, दस्ताने और ट्रिपल लेयर मास्क पहनें।
- यदि किसानों हारा बीज उत्पादन किया जा रहा है, तो बीज की शुद्धता को बनाए रखने के लिए खेत से खरपतवार हो निकाल देना चाहिए।
- फसल की कटाई से पूर्व भंडारण स्थल को तैयार रखें जो संरक्षित और सुरक्षित होना चाहिए।
- फसल के बाद फसल अवशेषों को जलाने से बचें। कटाई वाले खेत में, अपशिष्ट ढीकंपोजर का छिड़काव करें और खेत की जुताई करें। जुताई करने के 8-10 दिन बाद छिड़काव को दोहराएं।
- किसानों को खेत की गहरी जुताई करने की सलाह दी जाती है।
- आम, नींबू और अन्य फलों के पौधों में सिंचाई का प्रबंध करें।
- टमाटर, बैगन, मिर्च इत्यादि सिक्जियों में आवश्यकता के अनुसार गुड़ाई, सिंचाई और कीटनाशकों का छिड़काव करते रहना चाहिए। नाइट्रोजन की आवश्यक मात्रा भी देते रहने चाहिए।
- ग्रीष्मकालीन मूंग परिपक्वता अवस्था में है और फसल कटने के लिए तैयार है।
- गर्मियों के मौसम के लिए अमरेन्थस, इपोमिया एक्वाटिक, चौलाई, बथुआ, पालक जैसी पत्तेदार सब्जियों का बीज बोया ला सकता है।
- गर्मियों में वाष्पीकरण की दर को कम करने के लिए धान की पराली से ढककर (मल्च) अप्रैल के पहले सप्ताह में पत्तेदार धनिया बोया जाना चाहिए।





- लौकी, ककड़ी, कट्, लौकी और करेला, भिण्डी, खीरे की पौध तैयार करने के लिए नर्सरी में बुवाई करें।
- किसानों के खेत में कोलोकैसिया लीफ ब्लाइट (झुलसा) देखा गया है और फफूंटनाशक के साथ इस रोग का प्रबंधन करने की आवश्यकता है।
- प्याज की फसल परिपक्वता अवस्था में है, इसलिए फसल में सिंचाई की आवश्यकता नही है।
- वर्तमान का तापमान भिंडी और पपीते में व्हाइटफ्लाई (सफेट मक्खी) के प्रकोप के लिए अनुकूल है, इसलिए पीले चिपचिपा जाल का उपयोग करें और अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काब करना चाहिए।
- गर्मी के समय में पशुओं लिए आवास, पोषण और स्वास्थ्य प्रबंधन की उत्तित व्यवस्था करें।

6 गोवा

दिशानिर्देशः फ.न. 3/5/EXT/240/2019-20/D.Agri/802 dated on 28/03/2020

- कृषि निदेशक, गोवा सरकार किसानों और उनके वाहनों (फसलों की खेती और कटाई में लगे हुए हैं) के लिए यात्रा परिमट जारी करने के लिए अधिकृत है।
- सभी क्षेत्रीय कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित प्रारूप में यात्रा परिमट जारी करने के लिए वांछित किसानों / सेवा प्रदाताओं / खरीद एजेंसियों से आवेदन पत्र लें।
- संबंधित क्षेत्रीय कृषि अधिकारी या अधिकृत सहायक कृषि अधिकारी हारा विधिवत भरा हुआ और अनुशंसित आवेदन पत्र, यात्रा परिमेट जारी करने के लिए ईमेल हारा कृषि निदेशक को भेजा जाना चाहिए।
- यात्रा परिमट की सिफारिश करते समय, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि धारक हारा यात्रा पास का दुरुपयोग न किया जाए।
- आपातकालीन सेवाओं के लिए जिला कलेक्टर के अधीन जिला आपदा प्रबंधन विभाग में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों से परामर्श के लिए संपर्क किया जा सकता है।

7 गुजरात

दिशानिर्देशः फ.न. GG/20/2020/V-1/KAV/102020/482, dated 23.03.2020; Gujarat Information Bureau dt 27-03-2020; GoI MHA order dated 29.03.2020

- पशु आहार, चारा, दवा और उपचार संबंधी सेवाएं लॉकडाउन (बन्दी) अवधि के दौरान प्रतिबंध से मुक्त हैं।
- फलों, सब्जियों और दुग्ध उत्पादों की बिक्री को प्रतिबंध से छूट दी गई है।
- बीज, उर्वरक और कीटनाशक विक्रेता काम करना जारी रखेंगे और दुकाने खुली रहेंगी।
- खेत में किसानों और कृषि अमिकों हारा खेती के संचालन को प्रतिबंधों से मुक्त किया गया है।
- फार्म मशीनरी से संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) को प्रतिबंध से छूट दी गई है।
- किसानों और कृषि श्रमिकों को रबी फसलों की कटाई, तुड़ाई और अन्य कार्यों के लिए बिजली की उपलब्धता के अनुसार खेत में सिंचाई करने की अनुमित दी गई है।
- किसान, जिला स्तर पर सरकारी नियंत्रण कक्ष हेल्प लाइन नंबर 1077 पर संपर्क कर सकते हैं।





8 हरियाणा

दिशानिर्देश : फ.न. 3995-4016/JD(AC)

- किसानों को फसल कटाई और बुवाई के कृषि कार्यों के लिए किसानों और कृषि श्रमिकों की प्रतिबंध मुक्त आवाजाही की अनुमति प्रदान की गई है।
- कटाई मशीनरी, परिवहन बाहनों और अन्य मशीनरी के आवागमन की सुविधा की अनुमित दी गयी है।
- सहकारी और निजी क्षेत्र के कृषि मशीनरी के कस्टम हायरिंग केंद्रों के संचालन की अनुमित है।
- गेहूं की आवक और एमएसपी पर एजेंसियों हारा खरीदने के लिए शीधता से मार्केटिंग यार्ड तैयार करना।
 बीज, उर्वरक, कीटनाशक और कीटनाशक की बिक्री की अनुमित प्रदान की गयी है।

सलाइ

- किसानों का राज्य में खेती की जाने वाली प्रमुख फसलों गेहूं, सरसों, चना और सब्जी की कटाई, श्रेसिंग, भंडारण और विपणन के संबंध में कृषि क्रियाओं के दौरान सुरक्षा उपाय और सावधानियां रखने की सलाह दी गई हैं।
- 14 अप्रैल के बाद गेहूं कटाई के लिए लगभग तैयार हो जाएगा। मार्च के दौरान बेमौसम बारिश के कारण,
 गेहूं की कटाई में देरी हो रही है और 5 अप्रैल के बाद गेहूं की कटाई शुरू हो जाएगी। 15 से 30 अप्रैल
 के बीच अधिकांष कटाई हो जाएगी। यदि गेहूं की कटाई में कम्बाइन की अनुपलक्षता की कमी के कारण
 देरी हो जाती है तो अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है क्योंकि परिपक्ष्वता पर गेहूं की फसल में
 आग लगने की संमावना रहती है।
- दक्षिण—पश्चिम हरियाणा में जौ की कटाई लगभग 70% पूर्ण हो चुकी है और शेष भी शीघ ही हो जाएगी।
- सरसों दूसरी महत्वपूर्ण रबी फसल है जिसे बड़े पैमाने पर पारंपरिक तरीके से काटा जा चुका है परन्तु अभी भी बड़ै पैमाने पर काटना बाकी है।
- बारिश के कारण चना और मसूर की कटाई में देरी हो रही है और अप्रैल के पहले पखवाड़े में पककर तैया हो जायेगी कटाई करते समय उचित दूरी बनाये रखना व मास्क लगाना आवश्यक है।
- सब्जी की फसलों में टमाटर, फूलगोभी, ककड़ी, हरा धनिया, पालक इत्यादि फसल कटाई की अवस्था में हैं और इनकी बाजार में आपूर्ति की जा रही है।
- सिक्जियों की उचित देखमाल जरूरी है तथा कीटों के प्रकोप से बचाव हेतु प्रबंधन आवश्यक है।

9 हिमाचल प्रदेश

दिशानिदेश: फ.न. File no.DC\MAN\LA\2020-1636-95

- पूर्ववर्ती सह डेमो आर्चड (PCDO), नर्सरी, पोस्ट एंट्री क्वारेंटाइन (PEQ) साइटों को बेहतर पौध सामग्री के रोपण के लिए प्रक्षेत्र पर काम करने की अनुमित दी गयी है।
- पौधो से संबंधित सामग्री के लिए वातानुकुलीत बाहनों की आवाजाही और कोल्ड स्टोरेज (शीत भण्डारण गृहों) एवं गोदामों के रखरखाव के लिए दिशानिर्देश जारी किये गये है।
- शहट के लिए मधुमक्खी के बक्सों के परिवहन और मधुमक्खी—बक्सों से शहट निकालने, फूलों की कटाई और मशक्तम के परिवहन आदि की अनुमित प्रदान की गई है।
- किसानों और बागवानों को एंटी—हेल नेट के परिवहन और वितरण की अनुमित दी गई है।





सलाइ

- गेहूं की फसल अभी पकने की अवस्था में है और कटाई अप्रैल के अंत तक शुरू हो जाएगी और मध्य मई तक समाप्त होने की संभावना है। फसल की कटाई और श्रेसिंग के दौरान किसान/श्रमिक भाईयों को सामाजिक दूरी बनाए रखनी चाहिए।
- सरसों और दलहनी फसलों की कटाई अप्रैल के पहले सप्ताह से शुरू होगी और मई के दूसरे सप्ताह तक पूर्ण होगी। इस दौरान किसान/श्रमिक भाईयों को सामाजिक दूरी बनाए रखनी चाहिए।

10 जम्मू एवं कश्मीर

दिशानिर्देशः फ.न. Agri/Dev-185/2019-20/Camp-DMI

- खाद्य पदार्थों की आपूर्ति शृंखला को बनाए रखना जिसमें उपज का संग्रहण, संग्रहण, परिवहन, भंडारण और बिक्री शामिल है।
- घाटी में खरीफ 2020 के मौसम के लिए कृषि क्रियाओं की अनुमित और कृषि आदानों और मशीनरी की परेशानी मुक्त आवाजाही की अनुपति प्रदान की गई है।
- खेतों में उपयोग के लिए गुणवत्ता वाले बीज / उर्बरकों की आसानी से पहुँचाने को सुनिश्चित किया गया है।

सलाह

 गेहूं की कटाई अप्रैल के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी और 25 अप्रैल तक खत्म होने की संभावना है। जबिक सरसों की कटाई अप्रैल के पहले सप्ताह में शुरू होगी और और 20 अप्रैल तक पूर्ण होने की संभावना है। फसल की कटाई और श्रेसिंग करते समय सामाजिक दरी बनाए रखनी चाहिए।

11 झारखण्ड

दिशानिर्देश

- बीज/उर्वरक/कीटनाशक की सभी दुकानें खुली रहेंगी। किसान भीड़ से बच्चे और सामाजिक दूरी का पालन करते हुए अपनी कृषि निवेशों की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।
- किसानों को सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए फसल कटाई और श्रेशिंग जैसी कृषि गतिविधियां को लॉकडाउन में छूट प्रदान की गई है।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि कृषि क्रियाओं के संचालन में जितना संभव हो उतना कृषि मशीनरी का उपयोग करें।
- श्रमिकों हारा क्षेत्र के संचालन के दौरान, भोजन और पानी का अलग—अलग सेवन करना। एक दूसरे के साथ साझा न करें।
- 🔹 बार-बार साबुन और पानी से हाथ धोएं। कृषि कार्य के दौरान खूब पानी पिएं।
- मुंह और नाक को ढंकने के लिए मास्क का उपयोग करें। कटाई और थ्रेसिंग के बाद कपड़ो को थो लेना चाहिए।
- संक्रमण से बचने के लिए बार—बार आंखों, नाक और मुंह को छूने से बचना चाहिए।
- खेत में फसल के अवशेषों को जलाने से बचाना
- कृषि संबंधी गतिविधियों में किसी भी समस्या के समाधान लिए कृषि सलाहकार या कृषि समन्वयक से परामर्श करें।





सलाइ

- मसूर कटाई की स्थिति में है जबिक चने और गेहूं को परिपक्व होने में 20—25 दिन लगेंगे। कटाई उचित परिपक्वता पर होनी चाहिए। खेतों में सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि हाल के दिनों में अच्छी बारिश हुई थी।
- मसूर की कटाई के बाद खाली हुए खेतों में ग्रीष्मकालीन जुताई करना आवश्यक है।
- टमाटर, बैगन, मिर्च इत्यादि सिक्जियों में आवश्यकता के अनुसार गुड़ाई, सिंचाई और कीटनाशकों का छिड़काव करते रहना चाहिए। नाइट्रोजन की आवश्यक मात्रा भी देते रहने चाहिए।
- पत्तेदार सिक्जियाँ जैसे कि पालक, चौलाई, बथुआ, पालक आदि को गर्मियों के मौसम में बोया जा सकता
 है।
- आम और तीची में मिली बग के प्रबंधन के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8% मिली/1 मिली/3 लीटर पानी का छिडकाव किया जा सकता है।
- आम में पाउडरी मिल्डु (सफेट बुकनी) का प्रबंधन अनुशंसित कवकनाशी का प्रयोग करके किया जा सकता है।
- लीची में माइट के प्रबंधन के लिए ईथोन 50 ईसी / 2 मिली/लीटर पानी का उपयोग किया जा सकता है।

12 कर्नाटक

दिशानिर्देश: Q-n- (GO dt 26.03.2020) and Advisory

- किसी भी प्रसंस्करण और भंदारण इकाइयों में 4-5 से अधिक व्यक्ति एकत्र नहीं होंगे।
- सभी स्थानों पर उचित स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी।
- मास्क / सैनिटाइजर / हाथ धोने के साबुन और पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाये जायेंगे।
- सभी उर्वरकों की दुकानें खुली रहेंगी।
- किसान बीज, उर्वरक और रसायन खरीदते समय इन सभी दुकानों में न्यूनतम 4-5 फीट की दूरी बनाए रखेंगे।
- POS मशीनों का उपयोग करके यदि भुगतान किया जाता है तो हर उपयोग के बाद मशीन को साफ करना चाहिए और उपयोगकर्ता को अपने हाथों को अच्छी तरह से साफ करना चाहिए।
- बागवानी उत्पादों, फलों और सब्जियों के बाजारों में परिवहन के लिए स्थानीय और बाहरी जिलों / राज्यों के बाजारों में जाने की अनुमति है।
- किसानों को खेत के मुख्य हार पर थोक व्यापारियों को अपनी उपज बेचने की अनुमित है।
- बागवानी उपज के थोक व्यापारियों को और बागवानी उत्पादों के संग्रह और परिवहन में शामिल श्रमिकों को मास्क और सेनिटाइजर का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।

सलाइ

 हैदराबाद—कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों में धान की कटाई की जा रही है। कम्बाइन की आवश्यक संख्या उपलब्ध कराकर कटाई और थ्रेसिंग को आसान बनाया जा रहा है। कस्टम हायरिंग केंद्रों को आवश्यक





मशीनों की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। राज्यों में कंबाइनों के आवागमन की अनुमति है।

- खेतों में खरपतवारनाशी का प्रयोग करने के बाद मशीनों का उपयोग करके ग्रीष्मकालीन धान रोपाई की जा सकती है।
- किसानों को अमिकों की समस्या को दूर करने और खेती की लागत को कम करने के लिए ड्रम सीडर्स का उपयोग करके थान की सीथी बुवाई के लिए जाना चाहिए।
- कर्नाटक के कुछ हिस्सों में मूंगफली की कटाई आने वाले हफ्तों में शुरू होने वाली है। किसान मशीन से कटाई कर सकते हैं। सामाजिक दूरी के संबंध में सरकार के सभी दिशानिर्देशों का पालन करें और मैनुअल (हाथ हारा) कटाई आवश्यक हो तो सेनिटाइजर का उपयोग करें।
- जो फसल पूरी तरह से तैयार है उनके लिए किसानों को सीधे विपणन के लिए योजना बनाने की सलाह दी जाती है। तत्कालीन बिक्री से बच्चने के लिए किसान जिले के भीतर उपलब्ध कोल्ड स्टोरेज (शीत भण्डारण गृहों) का उपयोग करें।
- जहां भी संभव हो, नाइट्रोजन उर्वरकों का उपयोग करें और कटाई की अवस्थाओं की अवधि बढ़ाने के लिए सिंचाई करें। अनार में परिपक्वता अवधि बढ़ाने के लिए NAA (एन.ए.ए.) की उचित मात्रा का उपयोग करें।
- त्विरत विपणन से बचने के लिए अंगूर को सुखाया जा सकता है और किशमिश (सूखे—अंगूर) में परिवर्तित
 किया जा सकता है। अंगूर की छंटाई में एक महीने तक की देरी भी की जा सकती है।
- फलों की अच्छी वृद्धि और आकार सुनिश्चित करने के लिए आम की विशेष पोषक मिश्रण का आम की फसल पर छिड़काब किया जा सकता है। फ़ूटपलाई (फल मक्खी) की निगरानी के लिए जहाँ भी आवश्यक हो फोरेमेन ट्रैप्स लगावें और आवश्यक सलाह के लिए निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र से परामर्श करें।
- पकने की अवस्था में आने वाली सिक्जियों पर रसायनों का छिड़कना नहीं करना चाहिए। कृपया बाजारों में कीटनाशक—अवशेष मुक्त उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित करें।
- सरकार के आदेश के अनुसार सिजयों और खाद्य उत्पादों का परिवहन प्रतिबंधित नहीं है। कृपया आवश्यक सहायता और परिमट के लिए जिला प्रशासन से संपर्क करें। किसान संगठन उपज के एकत्रीकरण और विपणन में मदद कर सकते हैं।

13 केरल

दिशानिर्देश:

- केरल सरकार हारा जिला प्रवासन को लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान निम्नलिखित छूट प्रदान करने के दिशानिर्देश जारी किये गये है:
- न्यूनतम मजदूरों के साथ सभी कृषि गतिविधियों का संचालन।
- पशुपालन गतिविधियाँ।
- कस्टम—हायरिंग सेंटरों की गतिविधियाँ।
- ईको-शॉप्स और एफपीओ (किसान उत्पादन संगठन) गतिविधियों।
- फसलों की कटाई, खरीद और विपणन और उत्पादन।





- वेतन भुगतान के लिए कार्यालयों की आवश्यक सेवाएं।
- पंचायत स्तर पर सामुदायिक रसोई का कार्य।

सलाइ

- कोकोनट (नारियल) गैंडा बीटल का प्रबंधन करने के लिए, बीटल के प्रजनन को रोकने के लिए पूरे प्रक्षेत्र में स्वच्छता बनाये रखने की आवश्यकता है। दक्षिण—पश्चिम मानसून की शुरुआत से पहले अप्रैल से मई के दौरान 250 ग्राम नीम की खली या मुरेठी (हाइडनोकार्पस वाइटिना) की खली को समान मात्रा में रेत के साथ 2—3 पत्ती के साथ मिलाएं। मैटरहाइजम से घोधित करके खाद के गड्डों और अन्य संभावित प्रजनन स्थलों पर स्वच्छता बनाये रखें।
- सिक्जियों में त्रूसक कीटे (एफिड्स), घुन, सफेद मिख्यों, श्रिप्स, केटरिपलर आदि का प्रबंधन करें।
- कीटों को फंसाने के लिए पत्ती के स्तर के ठीक ऊपर नीला / पीला चिपचिपा जाल बिछाएं।
- हर हपते 2: नीम एवं लहसुन के तेल का छिडकाव करें। छिड़काव पत्तियों के दोनों किनारों पर अच्छी तरह से किया जाना चाहिए।
- लेक्नीसिलियम 20 ग्रा / लीटर का पाक्षिक अंतराल पर छिडकाब करें।
- यदि संक्रमण गंभीर है तो एफिड्स, व्हाइटपलाइज, जिसड्स के लिए थिएमेथोक्साम 25 डब्ल्यूजी, 2 जी / 10 एलटीआर स्प्रे करें और माइट्स के लिए, स्पिरोमिसिफेन 240 एससी, 0.8—1 मिली/लीटर का छिडकाव करें।
- कैटरपिलर कीट के लिए रोगनिरोधी उपाय के रूप में बेवेरिया 20 ग्राम ध्लीटर का छिद्धकाव करें।
- हरी सेना कस्टम हायरिंग केंद्रों के सहयोग से मशीनों का उपयोग करके धान की कटाई करें। सामाजिक दूरी और स्वच्छता के संबंध में सभी दिशा—निर्देशों का पालन करना चाहिए।
- जिन जिलों में धान की रोपाई हो रही है, 2.5 किलोग्राम स्यूडोमोनास/हेक्टेयर 50 किलोग्राम गोबर खाद/हेक्टेयर को साथ मिलाकर प्रयोग करे। ब्लास्ट और जड़ गलन रोगों के प्रबंधन के लिए नाइट्रोजन उर्वरकों के अधिक उपयोग से बर्चे।
- काली मिर्च की पौध सामग्री तैयार करने के लिए यह उचित समय है। पौधो पर मल्च का प्रयोग करें और पौधों को चिलचिलाती धूप से बचाएं।

14 मध्य प्रदेश

दिशानिदें शः

- गेहूं, मसूर, चना और सरसों की कटाई और श्रेसिंग को प्राथमिकता के आधार पर करें।
- किसान गेहूं और चना की फसल के बाद सिंचित क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन मूंग की तैयारी और बुवाई शुरू कर सकते हैं।
- खरीफ मौसम के लिए खेत को तैयार करना और बुवाई के लिए आवश्यक कृषि मशीनरी की उपलब्धता और रखरखाव सुनिश्चित करना।
- व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और मास्क पहनें और कृषि क्रियाओं के संचालन में सामाजिक दूरी बनाए रखें।
- कृषि उपकरणों को उपयोग मे लेने से पूर्व साफ करना आवश्यक है।





- ककड़ी और ग्रीष्मकालीन मक्का की बुवाई के लिए उपयुक्त समय है इसलिए आवश्यक कदम उठाए।
- वैगन, टमाटर, मिंढी और मिर्च जैसी सब्जियों की फसलों में समय—समय पर गुढ़ाई, तुढ़ाई, उर्वरक और सिंचाई प्रबंधन करना सुनिश्चित करें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सिक्जियों की फसलों जैसे —लौकी, तरबूज और खरबूजा की रोपाई सुनिश्चित करें।
- किसान जो बागवानी फसलें फलों के बगीचे में लगाना चाहते हैं, गड्ढे तैयार करें और उन्हें उपचार के लिए खुला रखे, साथ ही फलों के पेड़ों की किस्मों का चयन करके पौध रोपण की व्यवस्था करे।
- गर्मियों की सब्जियों जैसे कटू, करेला, लौकी, मिंडी आदि में इंटरकल्चरल ऑपरेशन और यूरिया के छिडकाव की सलाह टी जाती है।

15 महाराष्ट्र

दिशानिदेश: 11836I & QC/DisM dated 27/03/2020; G.O. No.14 of Dept of Fisheries dated 26.03.2020

- किसान अपने खेतों में दिन—प्रतिदिन के कार्यों को कर सकते हैं, किसानों को आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- उर्वरक और कीटनाशक की दुकानें खुली रहेंगी और कामकाज जारी रखेंगी। किसानों / खरीदारों को इनपुट खरीदते समय 3 फीट की दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती है।
- राज्य में लॉकडाउन की अवधि के दौरान उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले सभी माल वाहनों के परिवहन अनुमित होगी।
- डीलर्स से अनुरोध किया जाता है कि निवेशों को खरीदने से पहले और बाद में किसानों को हाथ की सफाई हेतु सैनिटाइजर प्रदान करें और किसानों के हाथों को सैनिटाइजेशन सुनिश्चित करें।
- उर्वरकों की आपूर्ति में शामिल सभी हितथारक, हमालिस, लोडिंग और अनलोडिंग के मजदूर आदि कोविद
 —19 से बचने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों के प्रयोग के बाद अपना कार्य जारी रखना चाहिए।
- किसी भी कृषि कार्य, प्रसंस्करण, भंडारण आदि कार्यों में 5 से अधिक व्यक्ति एकत्र नहीं होंगे।
- सभी एपीएमसी (APMC) खुले रहेंगें, इसलिए किसान अपनी उपज को नजदीकी एपीएमसी को भेज सकते हैं।
- किसानों के खेतों से प्रसंस्करण संयंत्रों और एक प्रसंस्करण संयंत्र से दूसरे प्रसंस्करण संयंत्रों और वितरण केन्द्रों और खुदरा विक्रेताओं तक बीज ले जाने वाले वाहनों को उच्चित निरीक्षण के बाद अनुमित प्रदान की जा रही है।
- किसानों के लिए आवश्यक उर्वरकों, कीटनाशकों और उनके कच्चे माल के एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं है।
- बाजार में सिक्जियों की बिक्री करते समय ग्राहकों को बिक्रेताओं के बीच 3 फीट की सामाजिक दूरी बनाए रखनी आवश्यक है।
- किसान जल्द खराब होने वाले उत्पादों को भण्डारित करने के लिए कोल्ड स्टोरेज (शीत भण्डारण गृहों) सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं।
- क्षेत्रीय कृषि अधिकारियों के माध्यम से कृषि विभाग की अनुमति के बाद किसानों को विभिन्न आबास समितियों को अपनी सब्जियां/व अन्य फसलें बेचने की अनुमति दी जा रही है।



- बीज प्रसंस्करण संयंत्र, पैकेजिंग, बीज विक्रय इकाई जैसे केंद्र खुले हैं और किसानों के लिए आवश्यक वस्तुओं के रूप में उनके परिवहन की अनुमति है।
- बीज, चर्वरक कीटनाशकों से संबंधित गतिविधियों को कोविड—19 से संबंधित सभी सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए राज्य में जारी रखने की अनुमति है।
- 🔹 मछली, भोजन और संबंधित बस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने और बेचने की अनुमति है।

सलाह

- ज्वार, चना और गेहूं की परिपक्व फसले ली जा सकती है। कटी हुई उपज की मझई की जानी चाहिए और सुरक्षित भंडारण ग्रहों में रखा जाना चाहिए।
- परिपक्व फसलों, बागवानी फसलों और सिक्जियों की फसलों को आंधी, तूफान, धूप, तेज हवाओं, बारिश, ओलावृष्टि से बचाने के लिए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर संग्रहीत करें।
- कटे हुए कुसुम, रबी सरसों और गेहूँ की फसल को प्लास्टिक से ढँक देना चाहिए। मंडाई की गई फसलों को सुरक्षित स्थानों पर सग्रंहित करें।
- हल्दी को यदि धूप में सूखाया गया है या उवालकर सुखाया गया है तो उसे इकहा कर लेना चाहिए और उसे प्लास्टिक से ढककर बेमौसम बारिश से बचाया जाना चाहिए।
- परिपक्व फसलों को जल्द से जल्द काटा लेना चाहिए। ओलों और बेमीसम बारिश के कारण टूटी हुई शाखाओं को हटा दिया जाना चाहिए।
- अनार में ओलों और बेमौसम वर्षा के कारण टूटी हुई शाखाओं को हटा दिया जाना चाहिए। कटिंग के
 तुरंत बाद 10 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति 10 लीटर पानी का एक छिद्धकाव करें। ऐसी स्थिति में फलों और
 फूलों भारी मात्रा में जमीन पर गिर जाते है क्षतिग्रस्त फलों को तुरंत नश्ट कर देना चाहिए।
- जून के महीने में लगाए गए केले के बाग में गुच्छों को सपोर्ट या गुच्छों को प्रौंपिंग करना आवश्यक है।
 केले के बाग में मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है।

16 मणिपुर

दिशानिदेश एवं सलाहः

- डेयरी उत्पादों, मांस, मछली, मांस, चारा, फल और सिक्जियों आदि से संबंधित प्रतिष्ठानों को अगले आदेश तक खोलने की अनुमति है।
- ऑनलाइन सब्जी विक्रेता (www-freshiesfresh-com) को इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम दोनों जिलों में ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से सिज्जियों की आपूर्ति करने की अनुमति है।
- इम्फाल—पूर्वी जिला प्रशासन और E-Keithen को इम्फाल शहरी क्षेत्रों में फलों, सिक्जियों और किराने की बस्तुओं की होम डिलीबरी शुरू करने की अनुमित दी गई है।
- इंफाल—पश्चिम जिला प्रशासन और TARE को इंफाल शहरी क्षेत्रों में फलों, सब्जियों और किराने की बस्तुओं की होम डिलीवरी शुरू करने की अनुमित दी गई है।
- मसूर और तोरिया जैसी फसलों की कटाई में 7-10 दिनों तक की देरी करें।
- किसानों को संक्रमण से बचाव के लिए फिनोल @ 1 मिली/लीटर पानी से नियमित रूप से पशुओं और मुर्गियों के घर की सफाई करने की सलाह दी जाती है। पोल्ट्री बईस को हरी पत्तियों के साथ मक्का/





चावल खिलाया जा सकता है। इन क्रियाओं के दौरान सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक है।

- जो किसान सुअर पालन के लिए चारा प्राप्त करने के लिए समस्या का सामना कर रहे हैं, वे मक्का/ चावल के दाने, मौसमी सिक्जियाँ, कोलोकैसिया जड़ें, सूखी मछली के साथ रसोई का कचरा आदि पकाकर अपना स्वयं का चारा बना सकते हैं।
- झूम खेती में किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विभिन्न फसलों के लिए खेतों की तैयारी करते समय सामाजिक दूरी बनाए रखें।

17 मेघालय

दिशानिर्देश एवं सलाहः

- किसानों, फल—सब्जी विक्रेताओं, कृषि यंत्रों के कस्टम हायरिंग केंद्रों, कृषि निवेश वितरण केन्द्रों को लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गई है।
- जिला प्रशासन के परामर्श से आवश्यक वस्तुओं वाली दुकानों के संचालन के लिए स्थानीय मुखिया को अधिकार दिया गया है।
- सिक्जियों, स्ट्रॉबेरी, अंढे, दूध आदि की वस्तुओं की बिक्री ITEAMS—1917 (एकीकृत प्रौद्योगिकी सक्षम कृषि प्रबंधन प्रणाली) हारा मेघालय सरकार ने सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक टोल फ्री नं 1917 से किसानों के घर से लेकर जाने से विपणन तक सुनिश्चित किया है।
- मक्का के बीज, चूना, जैब उर्वरक से संबंधित कृषि निवेशों की आपूर्ति किसानों के घर तक लाइन विभागों के माध्यम से की जाएगी।
- स्ट्राबेरी जैसे कृषि उत्पाद के विपणन में किठनाई का सामना करने वाले किसानों को शराब, जैम, जेली,
 स्ववैश जैसे मूल्य संवर्धित उत्पादों का उत्पादन करने की सलाह दी जाती है।
- अटरक, हल्दी, मक्का, ककड़ी की बुवाई का कार्य अमिकों हारा सामाजिक दूरी का पालन करते हुए किया जाना चाहिए।

18 मिजोरम

दिशानिर्देश एवं सलाहः

- आपूर्ति शृखंता को बनाए रखने के लिए खाद्य वस्तुओं, फलों, सिक्जियों, पषुओं की देखभाल में लगे अमिकों को ले जाने वाले वाहनों को लॉकडाउन से छूट प्रदान की गई है।
- बागवानी विभाग को वाणिज्य और उद्योग, नागरिक आपूर्ति और ग्राम स्तरीय टास्क फोर्स के परामर्श से उद्यित दर तय करके फलों और सब्जियों के संग्रह, परिवहन, भंडारण और वितरण की जिम्मेदारी दी गई है।
- झूम खेती में किसान को सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए अपने खेतों में झूम खेती करने की छूट प्रदान की गई है।
- गांवों में खराब होने वाली वस्तुओं की मात्रा की सूचना जिला प्रशासन/बागवानी विभाग, मिजोरम सरकार को दी जानी चाहिए।
- लॉकडाउन (बन्दी) के कारण आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि
 वे अपनी फसलों जैसे मौसमी सब्जियां, मक्का के बीज को अगले सीजन के लिए रखें।



- स्थानीय स्तर पर सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए कृषि वस्तुओं के विपणन की सुविधा के लिए जिला प्रशासन हारा ग्राम स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है।
- कृषक समुदाय की सहायता के लिए कोविड—19 की स्थिति उत्पन्न नहीं होने तक जंगल से पशुधन के लिए चारा संग्रह की अनुमति दी जा सकती है।
- अटरक, हल्दी, मक्का, खीरा की बुवाई उचित समय है इसलिए इनकी बुवाई परिवार के सदस्यों हारा या अन्य श्रमिकों की सहायता से उचित सामाजिक दूरी बनाते हुए की जा जानी चाहिए।

19 नागालैण्ड

दिशानिर्देश एवं सलाहः

- बीज/उर्वरक/कीटनाशक की कृषि उत्पादों के खरीदरारी में संलग्न सभी दुकानें लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान खुली रहेंगी।
- किसानों को सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए अपने खेतों की गतिविधियां के संचालन की छूट प्रदान की गई है।
- कृषि मशीनीकरण से संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटरों (सी.एच.सी.) को लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गर्द है।
- राज्य के अंदर या एक राज्य से दूसरे राज्य में कृषि मशीनरी को ले जाने वाले ट्रकों को लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गई है।
- काफी उत्पादकों, जिन्होंने पत्तियों की तुद्धाई कर ली है, उन्हें इनको 12-14% नमी की मात्रा तक सूखना चाहिए और पत्तियों को खराब होने से बचाने के लिए इन्हें एयर टाइट कंटेनर (हवा के संचार से बचाने हेतु) का प्रयोग करना चाहिए।
- फूल गोभी सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए गांवों में ही बेची जा सकती है तथा इसके पत्तों को सुअर, मुर्गी और अन्य पशुओं खिलाया जा सकता है।
- जो मशरूम पककर तैयार हो चुकी है और अगर उसे गाँव में नहीं बेचा जा सका है तो उसे चूल्हे के ऊपर वाली टोकरी में या अन्य जगह पर 5–8% नमी की मात्रा तक सुखाया जाना चाहिए।
- फलियों (ट्री बिन्स) को अत्तार बनाकर या सुखाकर संरक्षित किया जा सकता है।
- किसान सुअरों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध टैपिओका 35—40% को मक्के के आटे में मिलाकर सुअरों के लिए चारा तैयार कर सकते हैं।

20 ओडिशा

दिशानिर्देश

- उर्वरकों/खाद/बीजों की गोदाम, थोक विक्रय केन्द्रों और विभिन्न पंजीकृत विक्रय केन्द्रों की वाहनों से की दुलाई की जा सकेगी।
- पंजीकृत केन्द्रों से विक्रम केन्द्रों तक कीटनाशकों और उर्वरक का परिवहन लॉकडाउन (बन्टी) अवधि के दौरान किया जा सकेगा।
- बीजों का प्रसंस्करण विना किसी क्षकावट के किया जा सकेगा।





- किसानों के खेतों से अप्रस्कृति बीजों का परिवहन प्रसंस्करण इकाईयों तक किया जा सकेगा और प्रसंस्कृति बीजों का परिवहन प्रसंस्करण इकाईयों से विक्री केन्द्रों तक किया जा सकेगा।
- बीज, उर्वरक, कीटनाशक आदि के बिक्री केन्द्र सुबह 7 से 9 बजे तक खुले रहेंगे।
- डीलरों और किसानों को मास्क का उपयोग करना चाहिए और सामाजिक दूरी बनाए रखना चाहिए।
- बिक्री के समय POS मशीनों और किसानों के हाथों को हमेशा सेनेटाइज किया जाना चाहिए।

21 पंजाब

दिशानिर्देश: Endst No. Agri4/2020/SPL1-30

٠

- फसलों की कटाई, बुवाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए किसानों और कृषि श्रमिकों को आवाजाही की अनुमित होगी।
- कटाई मशीनरी, कृषि मशीनरी और खेत पर तैयार उपज के परिवहन से संबंधित वाहनों के आवागमन को लॉकडाउन से छूट प्रदान की गई है।
- सहकारी और निजी क्षेत्र में कृषि मशीनरी के कस्टम हायरिंग केंद्रों के संचालन को लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गई है।
- लॉकडाउन (बन्दी) के दौरान बीज, उर्वरक, कीटनाशकों के बिक्री को लॉकडाउन से छूट प्रदान की गई है।
- गेहूं की आवक के लिए मार्केटिंग यार्ड तैयार करना।
- एमएसपी खरीट केन्द्रो पर एजेंसियों को तैयार करना।
- उपरोक्त सभी गतिविधियों के दौरान किसानों / कृषि श्रिमकों को सामाजिक दूरी, मास्क और हाथ धोने संबंधी स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

सलाहः

- मार्च में बेमौसम बारिश के कारण गेहूं की कटाई में देरी हो रही है और 5—10 अप्रैल के बाद गेहूं की कटाई शुरू होगी और 15—30 अप्रैल तक खत्म होने की संभावना है।
- कम्बाइन से गेहूं की कटाई के लिए कम्बाइन का राज्य के भीतर और राज्य के बाहर परिवहन की अनुमित प्रदान की गई है। मरम्मत, रखरखाब और कटाई में लगे श्रिमकों को सावधानियां बरतनी होगी और सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करना होगा।
- आलू की फसल लगभग ली जा चूकी है केवल जनवरी में बोया गया आलू (5 प्रतिशत क्षेत्र) पकना बाकी है। सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए भंडारण, परिवहन और विपणन के कार्य किए जा सकते है।
- सरसों की लगभग 50 प्रतिशत कटाई हो चुकी है और शेष की अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूर्ण होने की संभावना है। कटाई के दौरान सामाजिक दूरी को सुनिश्चित करना आवश्यक है।
- दलहनी फसलों जैसे चना, मसूर आदि की कटाई में बारिश के कारण देरी हो रही है और अप्रैल के पहले सप्ताह से कटाई होने की संभावना है।





22 राजस्थान

सलाइ

- पककर तैयार फसलों की कटाई करना और सुरक्षित स्थानों पर भण्डारण करना आवश्यक है।
- पशुशाला को यथासंभव सूखा रखना चाहिए। बकरी और भेड़ को सूखे और छायादार स्थान में रखें और दिन में तीन बार हरा चारा, ताजा और साफ पानी दें। पशुओं और मुर्गीघर साफ और हवादार होना चाहिए और इनको एक दिन में 3-4 बार स्वच्छ पेयजल प्रदान करना आवश्यक है।
- कटाई के बाद धनिया की फसल को सुखाना आवश्यक है।
- हवा से गिरे हुए गेहूं की पारंपरिक तरीके (हाथ से) से कटाई करना आवश्यक है।
- लहसुन की फसल जिसमें 40 प्रतिशत से अधिक बल्ब बनना प्रारंभ हो चुके है उनमें सिंचाई करने की आवश्यकता नहीं है।
- बेहतर खरपतवार और कीट नियंत्रण के लिए सरसों की कटाई वाले खेतों में ग्रीष्मकालीन जुताई करनी चाहिए। कीट नियंत्रण के लिए अमरूद के बागों में जुताई करना उपयोगी होगी।
- फसलों की कटाई यथासंभव मशीन संचालित उपकरणों हारा की जानी चाहिए। यदि किसानों हारा हाथ के उपकरणों का उपयोग किया जाता है, तो उपकरणों को दिन में कम से कम 3 बार साबुन के पानी से साफ करना चाहिए।
- फसलों की कटाई करते समय सामाजिक दूरी का सख्ती से पालन करना चाहिए। फसल काटते समय, खाना खाते समय एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को कम से कम 5—6 फीट की दूरी बनाए रखना आवश्यक है।
- खाने के बर्तनों को अलग रखें और उपयोग के बाद साबुन के पानी से अच्छी तरह साफ करना चाहिए।
- एक व्यक्ति उपयोग किए गए उपकरणों का उपयोग दूसरे व्यक्ति हारा कभी नहीं करना चाहिए। सभी को अपने—अपने उपकरण का उपयोग करना चाहिए।
- कटाई के दौरान बीच—बीच में अपने हाथों को साबुन के पानी से अच्छी तरह साफ करते रहना चाहिए।
- कटाई के दौरान उपयोग किए जाने वाले कपढ़े हर रोज धोने चाहिए।
- कटाई के दौरान सभी व्यक्तियों को पानी की अपनी अलग—अलग बोतल रखनी चाहिए और सभी को मास्क का उपयोग करना चाहिए।
- यदि किसी व्यक्ति में खांसी, जुकाम, बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द आदि के लक्षण हैं, तो उसे कटाई के काम से दूर रखें और तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य कार्यकर्ता को सूचित करें। खेत में पर्याप्त मात्रा में पानी और साबून उपलब्ध रखें।

23 सिविकम

- दिशानिर्देश एंव सलाहः भारत सरकार हारा जारी दिशानिर्देशों का राज्य में पालन किया जा रहा है। सभी कृषि क्रियाओं में सुरक्षा उपायों और उचित सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा है।
- कृषि कार्यों में लगे संयंत्रों को कार्यों के पूर्व तथा कार्यों के दौरान साफ (samitize) किया जाना चाहिए।
 साथ ही साथ बोरी तथा अन्य पैकेजिंग सामग्रियों को भी साफ (samitize) किया जाना चाहिए।





- बाजार में जाते समय किसानों को फेस मास्क का उपयोग करना चाहिए और संक्रमण से बचने के लिए सामाजिक दूरी (1-1.5 मीटर) बनाकर रखनी चाहिए। बाजार से वापस आने के बाद कपढ़े बदले और साबून के पानी या सैनिटाइजर से हाथ थोने चाहिए।
- आलू, गोभी, मटर आदि के भंडारण, बाजारों में परिवहन करते समय सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए।
- किसान एफपीओ (किसान उत्पादन संगठनों) के माध्यम से कृषि उपज के विपणन के लिए अपने खेतों में कटाई से पहले SIMFED अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं जिन्हें परिवहन आदि की अनुमित दी गई है।
- किसान स्थानीय स्तर पर संचालित खाद की दुकान से जैविक खाद खरीद सकते हैं। खरीदारी करते समय सामाजिक दूरी बनाए रखना आवश्यक है।
- मक्का राज्य की प्रमुख फसल है और कुछ स्थानों पर अभी भी इसकी बुवाई की जा रही है। जैविक इनपुटो की अनुशंसित खुराक का उपयोग करते समय किसानों को सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक है।
- आलू की कटाई की जा रही है और किसानों को अनुशंसित कम लागत वाली भंडारण विधि का पालन करके बीज के लिए आवश्यक मात्रा में आलू के भंडारण की सलाह दी जाती है।
- किसान जल्द खराब होने वाले उत्पादों के भण्डारण के लिए कोल्ड स्टोरेज (शीत भण्डारण गृहों) सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं।
- किसानों को पशुओं के लिए चारा और मुर्गीयों के लिए दाना, दवाइयां आदि खरीदने की अनुमित गई उन्हें खरीददारी के दौरान सामाजिक दूरी, साबुन / सैनिटाइजर से हाथ धोने और फेस मास्क के उपयोग और व्यक्तिगत स्वच्छता उपायों का पालन करना आवश्यक रूप से करना चाहिए।
- किसानों को पशुधन की उत्पादकता को बनाए रखने के लिए खनिज मिश्रण / 50-60 ग्राम/दिन वयस्क गायों को और स्तनपान कराने वाली और गर्भवती गायों को 60-80 मिलीलीटर कैल्शियम/दिन/गाय नियमित से देना चाहिए।
- सिक्किम मिल्क यूनियन लिमिटेड फैट और एसएनएफ प्रतिशत के आधार पर दूध की कीमत तय कर रहा है और किसान सुबह दूध बेचने के लिए इस सुविधा का लाम उठा सकते हैं।
- डेयरी किसान शाम के दूध संग्रह से पनीर, मक्खन या घी बनाकर अच्छा मूल्य प्राप्त कर सकते है और भंडारण / विपणन में होने वाली कठिनाई से बच्च सकते है।
- पशुओं की दुग्ध उत्पादकता को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से चारे के साथ—साथ कटे हुए धान की पराली खिलाने की सलाह दी जाती है।
- पशुधन और मुर्गी घरों में उत्तित स्वच्छता रखना आवश्यक है।
- कोकिडायोसिस संक्रमण को रोकने के लिए मुर्गीघर के भूसे को बदलने की आवश्यकता है। यदि पक्षियों में लाल दस्त के लक्षण दिखाई देते हैं, तो तुरंत एंटीकोकसिडियल ड्रग्स (पीने के पानी में 3 -5 दिनों तक) दें।
- किसानों से अनुरोध किया जाता है कि वे फसल के प्रबंधन और पशुधन उत्पादन से संबंधित सलाह के लिए जिला स्तर और आईसीएआर—राश्ट्रीय जैविक अनुसंधान संस्थान, तडोंग में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र से संपर्क करें।





24 तमिलनाडु

दिशानिर्देशः D.O. Letter No.87/ APC&PS/2020 dated 24/03/2020; G.O No.232/ 27.03.2020 & G.O. No.152 of Dept of family welfare dated 23.03.2020.

- कृषक अपने सिक्जियों और फलों को स्थानीय और थोक बाजार और उझावर संधाइज में बेच सकेंगे जो बिना किसी रोक टोक के स्थानीय क्षेत्र में खुले है। कृषक कृषि विपणन और कृषि व्यापार विभाग से सहायता ले सकते है। मीड़ से बचना है और 3 फीट की सामाजिक दूरी का सख्ती से पालन करना है।
- कृषकों को अपने कृषि उत्पादों का बाजार तक बिना किसी रूकावट परिवहन करने के लिए अर्द्ध. शा.
 पत्र सं. 87/ APC-PS/2020 दिनॉक 24/03/2020 की प्रतिलिपि अपने साथ रखनी है।
- स्थानीय और थोक बाजार और उझावर संधाइज में अपने कृषि उपज को बेचने के लिए कृषकों पर राजकीय आदेश हारा व्यक्तियों के आवागमन पर लगे प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।
- तमिलनाडू आपूर्ति शृखंला प्रबंधन के तहत प्राथमिक प्रसंस्करण केन्द्र कृषकों के सुविधा के लिए सहायक कृषि अधिकारी की सहायता से चालू रहेंगे।
- कृषक खेती के निवेशों का क्रम एकीकृत कृषि प्रसार केन्द्र (आईएईसीज) और उप केन्द्रों का से कर सकते है।
- कृषकों के उपयोग के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की बीज भंडारण, परीक्षण, प्रसंस्करण, श्रेणीकरण और पैकेजिंग की सुविधाएँ ज्ञालू रहेगी।
- खरीफ 2020 के लिए कृषकों को सभी फसलों के बीज निजी बीज कम्पनियों से उपलब्ध कराये जायेंगे। बीज कम्पनियाँ यह सुनिश्चित करेगी की कृषकों को सभी बीज उपलब्ध रहे।
- कृषक स्थानीय क्षेत्र की दुकानों से उर्वरक क्रय / खरीद कर सकते है। कृषकों को सलाह दी जाती है की खरीददारी के समय कम से कम 3-4 फीट की दूरी बनाए रखे।
- कृषक अपनी उपज को 180 दिनों तक कृषि उपज मंडी के गोदाम में मंडारण कर रख सकेंगे। गोदाम के किराया भुगतान में 30 दिनों तक छुटध्माफी रहेगी।
- कृषक अपने उत्पाद के बाजार मूल्य का 75 प्रतिशत तक या 3 लाख (जो भी कम हो) का ऋण ले सकेंगे।
 ऋण अवधि 180 दिनों की होगी और ब्याज दर पहले 30 दिनों के लिए 5 प्रतिशत होगी।
- कृषक अपने खराब होने वाले उत्पाद के भंडारण के लिए शीत भंडार गृहों की सुविधा का भी उपयोग कर सकेंगे।
- पशुधन, मुर्गियों, मछितियों, अंडों, मौंस और पशुओं तथा मुर्गियों के आहार के साथ ही साथ इनके आहार अवयवों के आवागमन की अनुमति होगी।

सलाह

- रबी धान अभी दाना पकने और भरने की अवस्था में है इसकी कटाई के लिए कम्बाइन्स का उपयोग करे।
 कम्बाइन्स की मरम्मत, रख-रखाव और इससे फसल कटाई कर रहे कर्मचारियों की सावधानियाँ और सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- मूँगफली और तिल की फसलें पकाने और कटाई की अवस्था में है। मूँगफली की हाथ से कटाई के बाद फलियों को अलग करने के लिए उपयोग किए जाने सांझा यंत्र का प्रयोग करते समय व्यक्तिगत स्वच्छता और उच्चित सफाई का ध्यान रखा जाए।





- दलहनी फसलें भी पकाने और कटाई की अवस्था में है। सुरक्षा उपायों को अपनाते हुए इनकी हाथों और कम्बाइन्स से कटाई करनी है।
- मक्का अभी मुहे बनने की अवस्था है और फॉल आर्मीवर्म (सैनिक कीट) के प्रवंधन की आवश्यकता है क्योंकि इसका प्रकोप देखा गया है। आवश्यकतानुसार अनुमोदित प्रवंधन उपाय किए जाये।
- गन्ने वानस्पतिक वृद्धि की अवस्था है और अग्रिम प्ररोह छेटक की रोकथाम के लिए सुरक्षा छिद्धकाव/
 जैव कारकों के छिद्धकाव की आवश्यकता हो सकती है।
- आम में फलन अवस्था है (कंग्ने से नींबू आकार), फल झड़ना एक मुख्य समस्या है जिसके लिए पौषक तत्वों के पर्णीय छिड़काव की आवश्यकता होगी। अवयवों का मिश्रण बनाते समय सुरक्षा उपायों को अपनाया जाना चाहिए।
- केले में अभी वानस्पतिक वृद्धि से गुच्छन अवस्था, साबुदाना (कसावा) पकने की अवस्थाः नींबू, काजू, पपीता, हल्दी, तरबूज और सब्जियाँ (बैगन, भिण्डी और कहूवर्गीय) को हाथ से कटाई/तुड़ाई करे। कटाई/तुड़ाई, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और विपणन कार्यों के दौरान हर कदम पर सुरक्षा उपायों को अपनाया जाना चाहिए।
- सर्पिलन सफेट मक्खी एक मुख्य समस्या है जिसका सामना नारियल कृषकों को करना पड़ता है। कृषि विज्ञान केन्द्रों और कृषि विश्वविद्यालयों हारा अनुमोदित नियंत्रण उपायों को अपनाये। इस कीट के नियंत्रण हेतु रासायनिक छिड़काव से बच्चना चाहिए।
- कृषि क्रियाओं के लिए श्रमिकों की कमी एक नाजुक मामला है क्योंकि सभी फसलें एक साथ कटाई की अवस्था में पहुँच रही है। जहाँ भी संभाव हो कृषि यंत्र सुलिमकरण द्वारा मशीनों के उपयोग से, व्यक्तिगत स्वच्छता और सामाजिक दूरी के सभी सुरक्षा उपायों को अपनाते हुए, कटाई की सलाह दी जाती है।

25 तेलंगाना

दिशानिर्देश एवं सलाह

- धान अभी दाना पकने और दाना भरने की अवस्था में है। ग्रीवा ब्लास्ट, तना छेदक और बाली बरुथी का प्रकोप देखा जा सकता है। वर्तमान समय में उच्च सापेक्ष आर्दता की स्थिति ग्रीवा ब्लास्ट बीमारी के और अधिक फैलने के लिए अनुकूल है अतः ट्राईसाइक्लाजोल 0.6 ग्रा या आइसोग्रोथियोलेन 1.5 मि.ली. या कासुगामायसीन 2.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव की सलाह दी जाती है।
- रबी के दौरान मजबूती से बढ़े हुए धान के रकबे में फसल कटाई अपेक्षित है। कंबाइन मशीनों की मरम्मत,
 रख-रखाव और इससे फसल कटाई कर रहे कर्मचारियों की सावधानियाँ और सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- ग्रीष्मकालीन मूँग की फसल अभी बानस्पतिक वृद्धि की स्थिति में है। सफेट मक्खी के प्रकोप की संभावना को देखते हुए इसके प्रबंधन के उपाय करने की जरूरत है ताकि पीले मौजेक विषाणु बीमारी का नियंत्रण किया जा सके।
- मक्का की फसल अभी पुष्पन से कटाई की अवस्था में है और फॉल आर्मीवर्म का प्रकोप देखा गया है और इसका प्रबंधन अनुमोदित कीटनाशक के छिड़काव या प्रलोमन चारे, से किया जा सकता है। भुटों की कटाई के बाद इनसे दाना निकालने के लिए श्रेशर संचालन करते समय सावधानी रखने की जरूरत है।



- मिर्ची की फसल में अभी तीसरी से चौथी तुड़ाई चल रही है, श्रिप्स (रसाल) और बरुथी का प्रकोप देखा
 गया है और संविदा कार्मिकों अथवा कृषकों हारा छिड़काव यंत्रों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपायों
 का पालन किया जाना चाहिए।
- आम में फल झड़ने की संभावना है, इसके लिए पौषक तत्व 1 प्रतिशत यूरिया या 1 मि.ली. प्लेनोफिक्स प्रति 4.5 लीटर पानी की दर के साथ छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। कार्मिकों हारा आदान मिलातें समय और छिड़काव करते समय पूरी सावधानी वरतने की आवश्यकता है।

26 त्रिपुरा

दिशानिर्देश एवं सलाह

- सभी बाजार जो अनिवार्य वस्तुओं, जिसमे शामिल है—फल, सिक्जियों, माँस, मछली आदि, की विक्री और परिवहन करते है, वे लॉकडाउन (बन्दी) के दायरे से बाहर रहेंगे।
- सभी शोध और विकास से जुढ़े कार्यालयों के अध्यक्षों को सलाह दी जाती है की वे अपने पशुधन और अनुसंधान प्रक्षेत्रों के लिए आवश्यक व्यवस्था न्यूनतम संख्या के कर्मचारियों से सामाजिक दूरी को बनाए रखते हुए करना सुनिश्चित करें।
- मछली पालक मछलियों के लिए आहार सरसों की खली, धान पॉलिश को पकाए हुए धान के साथ मिलाकर घर पर ही बना सकते है।
- जो आलू उत्पादक आलू बेचने में कठिनाई महसूस कर रहे है उनको आलू को छाया में सुखाना चाहिए और राजकीय विभाग के परामर्श से अपने निकटतम शीतगृह में उनका भंडारण करना चाहिए।
- सभी कृषकों को सलाह दी जाती है की जब वे कृषि कार्य करे तो सामाजिक दूरी बनाए रखे।
- कृषक महिलाएँ कृषि विज्ञान केंद्र की सलाह के अनुसार अपनी पौषण बाटिका के लिए भूमि की तैयारी शुरू कर सकती है।
- जिन टमाटर उत्पादकों को टमाटर बेचने में कठिनाई हो रही है उनको सलाह दी जाती है कि या तो वे इन्हें शून्य ऊर्जा शीत कोष्ठ में भंडारित कर ले अथवा टमाटर का साँस/प्युरी (चटनी) बना ले।

27 उत्तर प्रदेश

दिशानिर्देशः

- अतिरिक्त मुख्य सिचव, उत्तर प्रदेश सरकार देखे पत्रांक सं. 679 / 5—5—2020 दिनाँक 22.03.2020 (मद 1 से 3); उत्तर प्रदेश सरकार देखे पत्र 438/PS/2019-20, दिनाँक 27 मार्च 2020 (द्वारा राज्य निदेशालय बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, मद 4 से 9)
- उर्वरक, बीज और पौध संरक्षण रसायनों की सभी थोक और खुदरा दुकानें सामान्य रूप से खुली रहेगी और उनका उत्पादन और आपूर्ति सद्धक और रेल से जारी रहेगी। रेल्वे के रेक में रासायनिक उर्वरकों को चढ़ाने और उतारने के लिए श्रमिकों को छूट रहेगी।
- कम्बाइन हार्वेस्टर के उपयोग और संबन्धित अमिकों को रबी गेंहूँ की कटाई के लिए अनुमित रहेगी।
- बीज प्रसंस्करण मशीनों के संचालन के लिए उपयोग में आने वाले श्रमिकों को छूट प्राप्त होगी।
- बागवानी फसलों से संबंधित क्षेत्रों में कोविद—19 के लॉकडाउन (बन्दी) लागू नहीं होंगे।





- शीत भंडारण के उद्देश्य से फलों, सब्जियों, मशरूम, शहद आदि का परिवहन, चढ़ाने और उतारने की अनुमित रहेगी।
- खेतों से फलों और सिक्जियों की तुढ़ाई, खुदाई, श्रेणीकरण और चढ़ाने और उतारने से संबन्धित श्रमिकों को छूट रहेगी।
- राजकीय फार्म (प्रक्षेत्रों), पौधशाला, बीज उत्पादन प्रक्षेत्रों, उत्कृष्टा केन्द्रों के दैनिक कर्मचारियों और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों को छूट रहेगी।
- इस अवधि के दौरान शहद पेटियों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रवास और शहद निकालने की अनुमित रहेगी।
- खेतों के साथ—साथ शीत भंडार गृहों के लिए अनिवार्य निवेशों जैसे उर्वरक, पौध संरक्षण रसायन, पैकिंग का सामान, शीतगृहों में काम आने वाली गैस, शीत गृहों में प्यूमीगेशन करना आदि की इस अविध में अनुमित रहेगी।

सलाह

- जहाँ गेंहूँ की फसल हवा के कारण गिर चुकी है, उसकी कटाई हाथों से की जाए। हाथ से कटाई के यंत्रों को उपयोग से पहले और पश्चात में स्वच्छ किया जाए।
- परिपक्व अवस्था की गेंहूँ फसल की कटाई के लिए कम्बाइन हार्वेस्टर का उपयोग किया जा सकता है। कटाई के दौरान सामाजिक दूरी को सख्ती के साथ लागू किया जाये और केवल अनिवार्य रूप से आवश्यक व्यक्तियों को इस कार्य के लिए अनुमित टी जाये।
- आम के बगीचों में श्रिप्स (रसाद) के प्रकोप का नियंत्रण करने के लिए थायोमेथोऑक्साम कीटनाशक का 0.30 ग्रा/ली की दर से छिड़काव करे।
- आम में चूर्णी फफूँद (पाउडरी मिल्डु) का नियंत्रण हेक्साकोनाजोल 0.1 मिली/ली या ट्राईफ्लोक्सीस्ट्रोबिन
 0.5 ग्रा/ली की दर से छिड़काव हारा किया जा सकता है।
- पत्तीदार शाक / सिज्जियों और मसालों को छाया में सुखाएँ।
- फसल कटाई के दौरान हाथों को साबुन के पानी से अच्छी तरह से साफ करें।
- जहाँ फसलों की कटाई हो गई हैं, वहाँ खेतों में गहरी जुताई की सलाह दी जाती है।
- हाथ से की जाने वाली कृषि क्रियाओं फसल कटाई/चुनाई के मामले में, कार्य को 4-5 फीट चौड़ी पिटियों में, एक पट्टी एक व्यक्ति को देते हुए करें। इससे कार्यरत लोगों के बीच आवश्यक दूरी बनाए रखना सुनिश्चित होगा।
- जहाँ भी संभव हो कृषि क्रियाओं को समय अंतराल से करें और एक दिन में ज्यादा संख्या में व्यक्तियों को कार्य में लगाने से बत्तें।
- जहाँ भी सम्भव/व्यवहारिक हो वहाँ कार्य हाथों से करने की बजाय मशीनों से करने को वरीयता देनी चाहिए। मशीनों के साथ केवल जरूरी संख्या में ही व्यक्तियों को अनुमित देनी चाहिए।
- सभी मशीनों को प्रवेश हार और नियमित अंतराल पर स्वच्छ (सेनिटाइज) किया जाना चाहिए। सभी
 परिवहन बाहनों, बोरों या अन्य पैकेजिंग सामान को भी स्वच्छ किया जाना चाहिए।
- उत्पाद का संग्रहण 3—4 फीट की दूरी पर छोटी ढेरियों में किया जा सकता है और खेत स्तर के प्रसंस्करण को प्रति ढेरी 1—2 व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए जिससे भीड़ से बचा जा सके।



- मक्का और मूँगफली के लिए उपयोग में लाये जाने वाले श्रेशर की उच्चित स्वच्छता और सफाई राखी जानी चाहिए, विशेषकर यदि मशीनें कृषक समूह हारा सहभागिता/साझेदारी में उपयोग लाई जा रही हो। मशीनों के उन भागों की प्रचूरता से साबुन के पानी से धुलाई करने की सलाह दी जाती है जिन्हें उपयोग के समय बार—बार छुआ जाता है।
- आलू बीज की कटाई, श्रेणीकरण और पैकेजिंग बहुत ध्यान से व्यक्तिगत सुरक्षा और सामाजिक दूरी का अनुसरण करते हुए करनी चाहिए। जब शीतभंडार गृह या गोदाम के लिए उनका परिवहन, चढ़ाना और उतारना आदि करना हो तो भरसक सावधानी बरती जाये कि उनका कोविद—19 से संक्रमण न हो जाये।
- मौसमी सिक्जियों और बेलों (कुकुरिबट्स) में अंतरसस्य क्रियाएँ और कटाई, सफाई आदि श्रमिकों हारा अकेले की जानी चाहिए और टुकड़ों में की जानी चाहिए।
- ग्रीष्मकालीन गन्ने की बुवाई राज्य में शीघ्र शुरू होने वाली है। जहाँ तक संभव हो सके गन्ने की बुवाई मशीनों के प्रयोग से करें।
- इसी तरह, ग्रीष्मकालीन मक्का, मूँगफली, संकर बाजरा और मूँग की बुवाई भी पूरी सावधानी से करनी है,
 जिससे यह जानलेवा बीमारी न फैले।
- राज्य में पुदीना (मेंथा) भी एक अन्य मुख्य फसल है। केवल उन्नत किस्म की कलम का उपयोग करें।
 पौषक तत्व प्रबंधन के साथ—साथ सिंचाई का भी आवश्यकतानुसार प्रबंधन करें।

28 उत्तराखंड

दिशानिर्देश: 288/XVI-1/20/05 (28)/2014 दिनांक 28 मार्च 2020

- बाहन और श्रमिक जो राज्य में मधुमक्खी पालकों और मधुमक्खी कॉलोनियों के प्रवास के लिए चढ़ाने और उतारने में और मशरूम बेचने में लगे है उन्हें लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गई है।
- वाहन और श्रमिक जो कीटनाशक—पीढ़कनाशक रसायनों और हल्दी और अदरक के परिवहन में शामिल है को लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गई है।
- राज्य में स्थापित सचल बागवानी केन्ट्रों और राज्य बागवानी गतिविधियों के अनिवार्य संचालनों में शामिल बाहन और अमिक / कर्मचारीयों को लॉकडाउन (बन्टी) से छुट प्रदान की गई है।
- राजकीय वगीचों के उत्पादों की नीलामी में शामिल बाहन, राजकीय अधिकारी और ठेकेदारों को लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गई है।

सलाह

 गेंहूँ की फसल अभी प्रजननीय अवस्था में है और इसकी कटाई अप्रैल के दूसरे सप्ताह में शुरू होकर अप्रैल के अंत तक जारी रहगी। फसल कटाई के समय सामाजिक दूरी और स्वास्थ्य तथा स्वच्छता संबंधी सावधानियों का पालन करना होगा।

29 पश्चिम बंगाल

दिशानिर्देश: 288/XVI-1/20/05 (28)/2014 दिनांक 28 मार्च 2020

सलाह

जो लोग वर्तमान कृषि कार्यों में लगे है उन्हें लॉकडाउन (बन्दी) से छूट प्रदान की गई है।





- मोज्य पटार्थों के पैक करने की सामग्री बनाने वाली इकाइयों को लॉकडाउन (बन्टी) से छूट प्रदान की गई है।
- बीज और कीटनाशकों की दुकानों को खुला रखा जा सकता है।
- वन क्षेत्र की गतिविधियों को आवश्यक / अनिवार्य सेवाएँ माना जाएगा।
- अनिवार्य खाद्य सामग्रियों का सड़क हारा चालन / परिवडन प्रतिबंध मुक्त रहेगा।
- कवारेंटाइन के लिए चिन्हित प्रतिष्ठान प्रतिबंधों से मुक्त रहेंगे।
- शीतागार/शीत गोदाम और गोदाम सेवाएँ चालू रहगी।
- सिक्जियों, फलों, माँस, मछली, दूध, अंडे, मुर्गी आहार, पशु आहार, आदि का परिवहन एवं भंडारण लॉकडाउन (बन्दी) अवधि के दौरान मुक्त रहेगा।
- सभी अनिवार्य त्रीजों जिसमें मछली, मछली बीज, और मछली उत्पाद और इन गतिविधियों से जुड़े व्यक्तियों के लिए बिना किसी रूकावट के आवागमन की अनुमित रहेगी।
- सभी मत्स्य उप निदेशक (डीडीएफ), मत्स्य सहायक निदेशक (एडीएफ) यह सुनिश्चित करेंगे की उनके क्षेत्र में मछली उत्पादन कार्य में तेजी लायी जाए और इस उद्देश्य के लिए वे सभी हितथारकों से संवाद करेंगे।
- मछली पालकों, सहकारी संस्थाओं, संगठनों के साथ दूरसंचार नेटवर्क को संचालित कराकर यह सुनिश्चित किया जाएगा की उनकी सभी समस्याओं का समाधान किया जा सके।





3.2 STATE ADVISORY FOR FARMERS DURING COVID-19 LOCKDOWN

General precautions and safety measures in harvesting, post-harvest operations, storage and marketing of produce

In order to avoid the field level contagious spread of Corona virus in agrarian activities, farmers are advised to follow the following precautions:

- In case of manual field operations of harvesting/ picking, accomplish the operation in 4-5feet spaced strips assigning one strip to one person. This will ensure adequate spacing between the engaged labour.
- All the persons engaged should use masks and ensure hand washing with shop at reasonable intervals.
- Maintain safe distance of 3-4 feet during rest, taking of meals, transfer of produce at collection point, loading/unloading.
- Stagger the field operations wherever possible and avoid engaging greater number of persons on the same day.
- Engage only the healthy persons to the extent possible and after reasonable enquiry as to avoid the entry of any suspect or likely carrier during field activity.
- Prefer mechanized operations over the manual ones wherever feasible. Only the essential numbers of persons should be allowed to accompany the machine.
- All machines should be sanitized at the entry point and at regular intervals. All transport vehicles, gunny bags or other packaging material should also be sanitized.
- The collection of the produce may be done in small heaps spaced at 3-4 feet and field level processing should be assigned to 1-2 persons/heap to avoid crowding.
- In case the farm level storage is possible, avoid immediate rush to the market.
- Follow the standard safety measures during the visit to market for the purchase of inputs/sale of produce.

STATE-SPECIFIC GUIDELINES AND ADVISORIES

1 ANDHRA PRADESH

Guidelines: File No.AGC02-12027(31)/8/2020-SEED SEC-AGRHOD (AP)

- Guidelines issued in support of continuation of production, processing and supply chain and transportation of seed, fertilizer and pesticides in the State of Andhra Pradesh.
- Harvesting, post harvesting, shipment of raw seeds and packing activities of all seed crops which Arunais in peak across the State to continue with respect to Hybrid Maize, Sorghum, Forage Crops, Pearl Millet, Cotton, Pulses, Rice, Groundnut, Vegetable Seeds etc
- Transport of seeds from farmers' fields to processing plants of seed companies permitted after due inspection based on accompanying supporting documents
- Fertilizer & Pesticides dealer shops shall remain open and continue functioning. The farmers to maintain 3 feet distance while purchasing the inputs





Advisory

- Paddy is in grain filling to grain hardening stage. Incidence of neck blast, stem borer and panicle
 mite is observed. Prevailing high relative humidity conditions are congenial for further spread
 of the neck blast disease and hence foliar spray of Tricyclazole @ 0.6 g or Isoprothiolane @ 1.5
 ml or Kasugamycin @ 2.5 ml per litre of water is advised.
- Precautions and safety measures of workers engaged in repair, maintenance and harvesting operation with combiners is to be ensured at the time of paddy harvesting
- Availability of harvesters at nearby locations can be known from CHC Farm Machinery App by farmers in Andhra Pradesh.
- Rice fallow black gram is at flowering to harvesting stage, summer green gram crop is at vegetative stage. Measures to manage whitefly incidence to be taken up to control yellow mosaic virus disease incidence
- Maize is at flowering to harvesting stage and incidence of fall army worm is noticed which is
 to be managed with recommended insecticidal sprays or baiting. Care to be exercised while
 operating threshers after harvesting of cobs.
- Sesame is at capsule formation stage, foliar nutrient spray with soluble fertilizer (19:19:19) or multi K @ 2.5 kg/ha
- Chillies crop is at third to fourth picking stage, incidence of thrips and mites is noticed and safety precautions to be followed in use of spraying equipment by contract workers/ farmers
- Fruit drop is likely in Mango, nutrient spray with 1% urea or Planofix @ 1 ml per 4.5 liters of water is advised. Care to be exercised by workers while mixing of inputs and application.
- Root rot disease incidence in citrus and oranges is noticed and safety precautions to be taken in applying foliar sprays and application of manures and organic ammendments at base of trees.
- Spiralling whitefly is a major problem faced by coconut, oil palm and guava farmers.
 Recommended control measures as advised by KVKs/ SAUs to be followed. Chemical sprays to be avoided against this pest.

2 ARUNACHAL PRADESH

Guidelines and Advisory:

- The guidelines of GoI are followed in the state. Safety measures and social distancing to followed in all agricultural operations.
- In Jhum farming, its right time for the sowing of rice and maize by engaging family labour
- In maize, deep ploughing and adoption of intercropping with black gram / green gram is advised and installation of pheromone trap @ 5/acre immediately after germination is advised for management of fall army worm
- Store potato in cool, ventilated bamboo structures with no windows on 3 to 4 inch layer of dry sand. Additional storage can be created in kitchens with false ceiling made of bamboo.
- Foliar sprays in vegetable crops such as bhendi and bitter gourd to be taken up against leaf spots and fusarium wilt. Hand glove and mask should always be worn during the spraying of fungicides and insecticides in the field and equipment should be washed properly before and after use.



- Among the vegetable crops, Cauliflower, Cabbage, beans and other cucurbits, green coriander, spinach etc. are in harvesting/picking stage and suppling to market with the help of FPO/FPC and SHGs as per the demands.
- Agricultural operations should be done with machine driven equipment as much as possible.
 Sanitize the equipment with soap water at least 3 times a day, when handmade cutting equipment is used.

3 ASSAM

Guidelines and Advisory:

- The guidelines of GoI are followed in the state. Safety measures and social distancing to followed
 in all agricultural operations.
- As the harvesting of different field crops, vegetables, fruits etc. are on-going, farmers' are advised to follow safety measures in farm operations
- Harvesting of field crops like lentil, linseed, mustard is due and after harvest, proper drying is
 essential for good storage.
- Proper sanitation is required while using shared/ hired implements or machineries for harvesting operation. Harvesting is to be done by maintaining proper isolation distance of personnel engaged.
- Shelf life of harvested tomato can be extended by adopting traditional method in case of delay in marketing.
- As the cold storage service is exempted from lock down, potato, tomato and chillies may be stored in nearest cold storage after obtaining passes with all safety restrictions.
- Prefer farm level storage wherever possible for better price rather than to avoid rushing to markets immediately after harvesting to sell at prevailing lower prices if any
- Farmers can sell their vegetable produce to identified vendors by the Department of Agriculture.
 Self and vehicle passes may be obtained prior to movement for transportation of vegetables.
- FPOs may also initiate selling of farmers produce after obtaining proper permission from the district administration
- Retail shops dealing with fertilizer/seeds are allowed to operate during lockdown for limited time window. Social distancing of at least 1 m is to be maintained while purchasing seeds and fertilizers.

4 BIHAR

Guidelines

- All shops of seed/ fertilizer/ pesticides will remain open. Farmers can meet their input needs
 and while purchasing to avoid crowding and to follow social distancing.
- Farmers are allowed free movement for farm activities like harvesting and threshing by maintaining social distancing
- As much as possible use farm machinery for operations.
- During field operations by labour, food and water to be consumed separately. Don't share with
 each other.





- Wash hand with soap and water repeatedly. Drink plenty of water during farm operations.
- Use mask to cover mouth and nose. Clothes must be washed after harvesting and threshing.
- Avoid touching eyes, nose and mouth frequently to avoid contamination.
- Burning of crop residue in the field to be avoided completely
- Appraise and consult Agriculture Advisor or Agriculture Coordinator for any emerging problem in farm related activities.

Advisory

- Lentil is at harvesting stage while gram and wheat will take will take another 20-25 days to mature. Harvesting should be at proper maturity. No need to irrigate the field as there was good rain in recent past.
- Summer ploughing in the vacant field after harvesting of Lentil is essential.
- In Vegetables like tomato, brinjal, chillies etc. apply hoeing and irrigation as per requirement.
 Also apply required amount of nitrogen.
- Leafy vegetables like palak, chaulai, bathua etc. can be sown for summer season.
- Mealy bug in mango and litchi can be controlled by spraying Imidacloprid 17.8%SL @ 1 ml/ 3 lit water.
- Mite in litchi can be controlled by using Ethion 50 EC @ 2 ml/ lit water.
- Powdery mildew in mango can be managed by applying recommended fungicide

5 CHHATTISGARH

- State government permitted minimum labour for work in agriculture and horticulture farm with proper sanitation measures and directions as issued by CG Govt.
- Toll free Number 07868-241550 started at district head quarter for solving problems of farmers regarding crop harvesting and input availability etc.
- Ensure availability of water, soap and mask during field operations
- Use of separate water bottle during cutting of crops and other agricultural operations.
- Advisory issued to farmers for plucking fruits and vegetable in their farms and transport to market without any restrictions
- Wear disposable rubber boots, gloves and triple layer mask during cutting and threshing of crops advised.
- If seed production is being taken then pick, roguing to be adopted to remove off type plants and thresh separately for maintenance of seed purity.
- Keep the storage place ready before crop harvest which should be protected and safe.
- Avoid crop residue burning after harvest. In harvested field, spray waste decomposer and plough
 the field and repeat the spray at 8 10 days after ploughing for proper in situ decomposition.
- Farmers are advised for summer deep ploughing of the field.
- Manage irrigation in mango, citrus and other fruit crops



- In tomato, brinjal, chillies, bhendi, and other vegetables, apply hoeing and irrigation as needed
 and give the required amount of nitrogen fertilizer.
- Summer green gram is at maturity stage and ready for harvest.
- Seed of leafy vegetables like Amaranthus, ipomoea aquatica, Chaulai and Bathua, spinach should be sown for summer season.
- Leafy coriander should be sown during the first week of April using paddy straw mulch to minimize the evaporation rate in summer.
- Cowpea, Okra and cucurbits like Ridge gourd, Sponge gourd, Cucumber, pumpkin, Bottle gourd and Bitter gourd should be sown in nursery for seedling purpose.
- Colocasia leaf blight is noticed in farmer's field and disease management with fungicide is recommended
- Onion is at maturity stage, hence crop should not be irrigated.
- Temperature is favourable for whitefly attack in okra and papaya, hence use yellow sticky trap & apply recommended foliar spray of insecticide
- Make proper arrangements for housing, nutrition and health management for young animals during summer time.

6 GOA

Guidelines: Letter No. 3/5/EXT/240/2019-20/D. Agri/802 dated on 28/03/2020

- The Director of Agriculture, Government of Goa is authorized to issue Travel Permit for the farmers and their vehicles; those are engaged in cultivation and harvesting of field crops.
- All the Zonal Agriculture Officers are instructed to seek application forms from the desired Farmers/ Service Providers/ Procurement Agencies for issue of travel permits in prescribed format.
- The application form duly filled-in and recommended by concerned Zonal Agriculture Officer
 or authorized Assistant Agriculture Officer, should be forwarded to Director of Agriculture by
 email for issuing travel permit.
- While recommending the travel permit, due care must be taken that the travel pass would not be misused by the holder.
- KVK staff at District Disaster Management Cell under the district collector for emergency services can be contacted for advisory.

7 GUJARAT

Guidelines Circular No.GG/20/2020/V-1/KAV/102020/482, dated 23.03.2020; Gujarat Information Bureau dt 27-03-2020; GoI MHA order dated 29.03.2020

- Animal feeds and fodder, medicine and treatment related services are exempted from restrictions during lockdown period.
- Selling of Fruits, Vegetables and Milk Products are exempted from restrictions.
- Seeds, Fertilizer and Pesticides (Regulates Shops) dealers shall continue functioning and shall remain open.
- 4. Farming Operations by farmers and farm workers in the field are exempted from restrictions





- Custom Hiring Centers (CHC) related to farm machinery are exempted.
- Farmers and Farm labours have been allowed to irrigate the field as per the availability of electricity as well as harvesting, picking and other works related to Rabi crops.
- Farmers can contact government control room help line no 1077 at district level.

8 HARYANA

Guidelines: 3995-4016/JD(AC)

- Permitting free movement of farmers and farm labour for farming operations of harvesting and sowing thereafter.
- Free movement of farm operation machinery including harvesting machinery and transport vehicles for carrying the farm produce.
- Permitting operation of Custom Hiring Centres to farm machinery in the cooperative and private sector.
- Preparing the marketing yards for wheat arrivals and readiness of the procurement agencies for MSP operations. Permitting sale of seeds, fertilizers, pesticides and insecticides

Advisory:

- Simple safety measures and precautions while performing farm operations have been issued to farmers with respect to harvesting, threshing, storage and marketing of major crops cultivated in the state: wheat, mustard, gram and vegetable crops
- Wheat in large area will be ready for harvest after 14th April for harvesting through combines.
 Due of untimely rain during March, the harvesting of wheat is delayed and wheat harvesting
 will start after 5th April and peak will be between 15 to 30th April. In case wheat harvesting is
 delayed due to the scarcity of combines or otherwise, wheat crop at maturity becomes prone to
 fire and therefore adequate care should be taken on this count.
- About 70% of barley harvesting is over mainly in south-west Haryana and remaining shortly.
- Mustard is the second important rabi crop which largely has been manually harvested but threshing is due in most of the cases.
- Harvesting of Gram and lentil is delayed due to rains and is approaching in first fortnight of April.
- Among the vegetable crops, tomato, cauliflower, cucumber and other cucurbits, green coriander, spinach etc. are in harvesting/picking stage and supplied to market.

9 HIMACHAL PRADESH

Guidelines: File no.DC\MAN\LA\2020-1636-95

- Permitting farm operation in progeny cum demo orchards (PCDOs), nurseries, Post Entry Quarantine (PEQ) sites for plantation of improved planting material
- Hassle free movement of refrigerated vans carrying live imported planting material and maintenance of cold storage and warehouses
- Permission of placement and transportation of honey bee colonies and extraction of honey from bee-boxes, harvesting and transportation of flowers (cut flowers), mushrooms etc.
- Permitting transportation and distribution of anti-hail nets to farmers and orchard growers





Advisory

- Wheat crop is still in reproductive phase and harvesting will start by end of April and likely to end by mid-May, social distancing should be maintained while harvesting and threshing of produce
- Harvesting of mustard and pulses will start during 1≠ week of April and over by 2nd week of May, social distancing and hygiene should be maintained

10 JAMMU & KASHMIR

Guidelines: File no. Agri/Dev-185/2019-20/Camp-DMI

- Hassle free maintenance of supply chain to be maintained from the source to the sink which include harvesting, collection, transportation, storage and sale of produce
- Permission of carry out the farm operations for ensuing Kharif 2020 season in valley and facilitate hassle free movement of inputs and machinery
- Easy access to quality seed/fertilizers for use in farms

Advisory

Wheat harvesting will start in 2nd week of April and likely to be over by 25th April whereas
mustard harvesting will start in the 1st week of April and over by 20th April. Social distancing
should be maintained while harvesting and threshing of produce.

11 JHARKHAND

Guidelines

- All shops of seed/ fertilizer/ pesticides will remain open. Farmers can meet their input needs
 and while purchasing to avoid crowding and to follow social distancing.
- Farmers are allowed free movement for farm activities like harvesting and threshing by maintaining social distancing
- As much as possible use farm machinery for operations.
- During field operations by labour, food and water to be consumed separately. Don't share with each other.
- Wash hand with soap and water repeatedly. Drink plenty of water during farm operations.
- Use mask to cover mouth and nose. Clothes must be washed after harvesting and threshing.
- Avoid touching eyes, nose and mouth frequently to avoid contamination.
- Burning of crop residue in the field to be avoided completely
- Appraise and consult Agriculture Advisor or Agriculture Coordinator for any emerging problem in farm related activities.

- Lentil is at harvesting stage while gram and wheat will take will take another 20-25 days to mature. Harvesting should be at proper maturity. No need to irrigate the field as there was good rain in recent past.
- Summer ploughing in the vacant field after harvesting of Lentil is essential.





- In Vegetables like tomato, brinjal, chillies etc. apply hoeing and irrigation as per requirement.
 Also apply required amount of nitrogen.
- Leafy vegetables like palak, chaulai, bathua etc. can be sown for summer season.
- Mealy bug in mango and litchi can be controlled by spraying Imidacloprid 17.8%SL @ 1 ml/3 lit water.
- Mite in litchi can be controlled by using Ethion 50 EC @ 2 ml/ lit water.
- Powdery mildew in mango can be managed by applying recommended fungicide

12 KARNATAKA

Guidelines (GO dt 26.03.2020) and Advisory

- 1. There shall be no congregation of more than 5 persons in any processing and storage units.
- Proper sanitation shall be ensured in all premises
- Sufficient provision of masks/sanitizers/hand washing soaps and water shall be made available
- All the fertilizer dealer shops shall remain open
- Farmers shall maintain minimum 4 ft distance in all these outlets while buying seeds, fertilizers and chemicals
- Payment to be done by using POS machines, sanitizing thoroughly after every use, both the machine as wells us user's hands/fingertips
- Transport the horticultural produce, fruits and vegetables to markets is permitted to markets in local and outside districts/ states
- Farmers are permitted to sell their produce to wholesale merchants at farm gate
- Wholesale merchants of horticultural produce must provide and ensure the use of masks and sanitizers to the labour involved in collection and transportation of horticultural produces.

- Paddy is being harvested in most parts of Hyderabad-Karnataka. Harvesting and threshing through Combine is being facilitated by making available the required number of Combines. Custom Hiring Centres are encouraged to facilitate the availability of required machines. Movement of Combines is permitted across the states.
- Summer paddy transplanting may be done using machines followed by broadcasting of appropriate weedicides.
- Alternatively, farmers should go for Paddy Direct Sowing using Drum Seeders to overcome labour problem and to minimize cost of cultivation.
- Groundnut harvesting in parts of Karnataka is about to start in coming weeks. Farmers may resort to machine harvesting to the extent possible. Please follow all the guidelines of the Govt regarding social distancing, and use of sanitizers if manual harvesting is necessary.
- Farmers are advised to plan for direct marketing of produce which is ready for harvest. Use cold-storage structures available within the district to avoid distress sale.
- Wherever possible, use N fertilizers and irrigate to postpone harvesting stages. In Pomegranate, also use NAA in appropriate dose to delay maturity.



- Grapes can be dried and converted to Raisins (dried-grapes) to avoid fresh marketing. Delay
 pruning of grapes by one month.
- Mango crop may be sprayed with Mango Special nutrient mixture to ensure good growth and size of fruits. Set up fruitfly-traps to monitor fruitfly incidence, and wherever required, consult the nearest KVK for necessary advise.
- Vegetables that are in the harvesting stage must not be sprayed with chemicals before harvest.
 Please ensure pesticide-residue-free products to markets.
- Transport of vegetables and food products is not restricted as per Govt Orders. Please contact
 District Administration for necessary support and permits. Farmers Organizations may help
 in aggregation of produce and marketing.

13 KERALA

Guideline: Kerala State Government has issued instructions to the district administration exempting the following during lockdown:

- All farming activities with minimum labourers
- 2. Animal husbandry activities
- Custom-hiring centres activities
- 4. Functioning of eco-shops and FPO activities
- Harvesting, procurement and marketing of crops and produces
- Essential services of offices for salary payment
- Functioning of community kitchen at Panchayat level

- To manage Coconut Rhinoceros beetle, provide field sanitation to prevent breeding of beetles.
 Apply 250g neem cake or marotti (Hydnocarpus wightina) cake mixed with equal volume of
 sand in the innermost 2-3 leaf axils during April-May before the onset of south-west monsoon.
 Treat manure pits and other possible breeding sites with Metarhizium
- In vegetables, manage sucking pests aphids, mites, white flies, thrips, caterpillars etc.
- Erect blue/yellow sticky traps just above the leaf level to trap insect pests.
- Spray 2% neem oil garlic emulsion every week. Care must be taken to cover both sides of the leaves during spraying.
- Spray Lecanicillium 20g/litre at fortnightly intervals.
- If infestation is severe, against Aphids, whiteflies, jassids- spray Thiamethoxam 25WG, 2g/ 10litre; and against Mites, spray Spiromesifen 240SC, 0.8-1ml/ litre.
- Spray Beauveria 20g/litre as a prophylactic measure against caterpillar pests
- Paddy harvesting using machines, with the support of green army custom hiring centres.
 Follow all guidelines regarding social distancing and sanitization.
- In districts where paddy is in tillering stage, apply 2.5 kg Pseudomonas/ha mixed with 50 kg cowdung for one hectare and avoid excess usage of nitrogen fertilizers as a prophylactic measure to control blast and sheath rot diseases.





It is the ideal time for planting material preparation in pepper crop. Apply mulch and protect
the plants from scorching sun.

14 MADHYA PRADESH

Advisory

- Harvesting and threshing of wheat, lentil, chickpea and mustard should be done, if not yet not done.
- Farmers may start the field preparation and sowing of summer mung in irrigated areas after harvest of wheat and chickpea
- Ensure availability and maintenance of farm machinery needed for field preparation and sowing in kharif season
- Wear personal protection equipment and mask and maintain social distance in farm operations
- Sanitize farm implements before use in agricultural operations
- Adopt suitable time for sowing of cucurbits and summer maize
- Timely intercultural operation of vegetable crops like brinjal, tomato, bhendi and chillies along with fertilizer and irrigation management as per need.
- Farmers are advised to decide the transplanting time of vegetables crops like sponge gourd, water melon and musk melon.
- Horticulture crops mainly farmers who want to plant fruit gardens, prepare pits and keep them
 open for treatment, as well as select varieties of fruit trees and arrange for planting.
- Intercultural operation and urea application are advised in summer vegetables like pumpkin, bitter gourd, bottle gourd, okra etc.

15 MAHARASHTRA

Guidelines D.O. Letter No. 11836I & QC/DisM dated 27/03/2020; G.O. No.14 of Dept of Fisheries dated 26.03.2020

- Farmers can move in their fields for day to day operations in farming, farmers have no restrictions for movement.
- Fertilizer & Pesticides dealer shops shall remain open and continue functioning. The farmers/ buyers are advised to maintain 3 feet distance while purchasing the inputs.
- All goods vehicles carrying the essential commodities like fertilizers and pesticides shall be allowed to ply during the lockdown period in the state.
- Dealers are requested to provide the hand sanitizers and ensure hand sanitization by the farmers before and after the purchase of inputs.
- All the stakeholders involved in fertilizers rake operation hamalis, labour hired, loading and unloading operations, etc. shall continue the operations following adequate safety measures to protect from Covid-19.
- There shall be no congregation of more than 5 persons in any farming operations, processing storage operations.
- All the APMCs remain open, so farmers can send their produce to nearby APMCs.



- The vehicles carrying the seeds from farmers fields to the processing plants and from one
 processing plant to other processing plants and to distribution points and to retailers are
 permitted after due inspection.
- No restriction on movement of fertilizers and pesticides and their raw materials required for farmers from one place to another place.
- While selling of vegetables in the market a social distance of 3 feet is to be maintained between the customers to sellers.
- 11. Farmers can also avail the cold storage facilities to store the perishables produce.
- Farmers permitted to sell their vegetables/ fresh farm produce to different housing societies
 after due permission of Department of Agriculture through Taluka Agricultural Officers.
- Centres like seed processing plant, packaging, seed selling units remains open and their transportation is permitted as essential commodities for farmers.
- Warehousing activities relating to seeds, fertilizers pesticides are permitted to continue in the state by following all safety measures related to COVID-19.
- Movement of fish, feed and related commodities including feed ingredients is permitted from one place to market and permitted to sell.

Advisory

- Matured crop of sorghum, gram and wheat can be harvested. The harvested produce should be threshed and kept at safe storage places.
- To save the crops from thunder storm, lighting, gusty winds rainfall as well as hail storm harvest
 mature crops, horticultural crops and vegetable crops as early as possible and store them at safe
 places.
- Harvested safflower, rabi sorghum and wheat crops should be collected and covered by plastic paper. Store threshed crops at safe places.
- If harvested and boiled turmeric crop was put for sun drying should be collected and covered by plastic paper. Protect the turmeric crop from unseasonal rains.
- Mature citrus crops should be harvested as early as possible. The broken branches or injured branches due to hail and unseasonal rainfall should be removed.
- In case of pomegranate, the broken branches or injured branches due to hail and unseasonal rainfall should be removed. Take a spray of 10 gm Carbendazim per 10 litre of water immediately after pruning. During such condition heavy dropping of fruits and flowers is observed; destroy the dropped and damaged fruits property.
- Bunch support or bunch propping is necessary in banana orchard planted in the month of June. Earthing up should be done in banana orchard.

16 MANIPUR

Guidelines and Advisory

- Shops/ establishments dealing with dairy products, meat, fish, meat, fodder/ feed, fruits and vegetables etc are allowed to open till further orders.
- Online vegetable vendor (<u>www.freshiesfresh.com</u>) is allowed to supply vegetables through online bookings in both Imphal East and Imphal West district.





- Imphal East district administration and E-keithen has been allowed to start home delivery of fruits, vegetables and grocery items across Imphal urban areas.
- Imphal West district administration and TARE has been allowed to start home delivery of fruits, vegetables and grocery items across Imphal urban areas.
- Delay in harvesting of crops like lentil and toria by 7-10 days.
- Farmers are advised to clean the house of animals and poultry birds regularly with phenol@1
 ml/ l of water to prevent infection. Poultry birds may be fed with green leaves along with
 grinded maize/ rice. Safety measures in handling to be followed.
- Farmers who are facing problems to get feed for piggery may produce their own feed by cooking maize/ rice grain, seasonal vegetables, colocasia roots, kitchen waste with dry fish etc.
- In jhum cultivation, farmers are advised to maintain social distancing while preparing fields for various crops.

17 MEGHALAYA

Guidelines and Advisory

- Farming operations by farmers, fruit-vegetable sellers, custom hiring centres of farm machineries, agriculture input distribution are exempted from the purview of lockdown.
- The local headmen are empowered to regulate the shops dealing with essential commodities in consultation with district administration.
- The sale of commodities like vegetables, strawberry, eggs, milk etc. by contacting iTEAMS-1917 (Integrated Technology Enabled Agri Management System), Govt. of Meghalaya from 7 am-7 pm through the toll free no. 1917 to pick up the commodities from the door step of farmers for onward marketing.
- Inputs like maize seeds, lime, biofertilizers will be supplied at the door step of farmers through line departments
- Farmers facing difficulty in marketing farm produce such as strawberry are advised to produce value added products like wine, jam, jellies, squash.
- The peak sowing operations in ginger, turmeric, maize, cucumber should be taken up by following social distancing by workers

18 MIZORAM

Guidelines and Advisory

- Vehicles carrying essential commodities like food items, fruits, vegetables, feed staff are exempted from the preview of statewide lockdown so as to continue the supply system.
- The Department of Horticulture has been given responsibilities to look into the collection, transportation, storage and distribution of fruits and vegetables by fixing an appropriate rate in consultation with the Department of Commerce& Industries, Civil Supplies and village level task force.
- In Jhum cultivation, farmers to work in their fields by maintaining social distancing and not in groups
- Surplus of perishable commodities in the villages need to be informed to district administration





/ Department of Horticulture, Govt. of Mizoram.

- Since supply chain is greatly disturbed, the farmers are advised to keep their own seeds of crops like seasonal vegetables, maize for next season
- Village level task force to be formed by district administration to facilitate marketing of agricultural commodities within the locality by maintaining social distancing.
- Collection of feeds for livestock from forest may be allowed till the situation arises out of COVID-19 is under control so as help the farming community
- The peak sowing time of ginger, turmeric, maize, cucumber should be taken up by family labour / maintain social distancing with hired labour

19 NAGALAND

Guidelines and Advisory

- Agencies engaged in procurement of Agriculture products, fertilizer shops are exempted from the purview of lockdown.
- Farming operations by farmers in their own field are exempted by maintaining social distancing.
- Custom hiring centres relate to farm machineries are exempted.
- Intra and interstate movement of trucks carrying farm machineries are exempted.
- Coffee growers who have harvested the beans should dry it up to 12-14 % moisture content and keep it in air tight containers to prevent spoilage of beans.
- Cabbage harvested may be sold in the villages itself by maintaining social distancing. Left over may be fed to pig, poultry and other livestock.
- Mushrooms which are ready for harvesting, if not sold in village may be sundried or place above chullah in appropriate drying basket till moisture content reduces to 5-8 %.
- Harvested tree beans may be preserved by making pickles or by drying the seeds along with the cover.
- Pig farmers may prepare the pig feed by using tapioca upto 35-40 % along with locally available maize floor.

20 ODISHA

- Transaction of fertilizers will be made with movement of vehicles for transportation of fertilizers from rake points to godown of MARKFED, PACS, wholesale point and different registered sell points.
- Movement of pesticide and fertilizer from registered point to sale point is allowed.
- Processing of seed is allowed without disruption.
- Transportation of unprocessed seeds from farmers point to the processing unit and processed seeds from plant to sale points will continue.
- Opening of seed, fertilizer, pesticide, sale points is from 7AM to 9AM.
- Use of mask, social distancing must be maintained by the dealers and farmers.





At sale points the POS device and the hands of farmers to be sanitized each time.

21 PUNJAB

Guidelines: Endst No. Agri4/2020/SPL1-30

- Permitting free movement of farmers and farm labour for farming operations of harvesting and sowing thereafter.
- Free movement of farm operation machinery including harvesting machinery and transport vehicles for carrying the farm produce.
- Permitting operation of Custom Hiring Centres to farm machinery in the cooperative and private sector.
- 4. Permitting sale of seeds, fertilizers, pesticides and insecticides.
- 5. Preparing the marketing yards for wheat arrivals.
- Readiness of the procurement agencies for MSP operations.

"Take necessary steps for the above-mentioned tasks keeping in mind the necessary restrictions relating to the health advisories of social distancing, use of masks, hand wash etc.

Advisory

- Due of untimely rain during March, the harvesting of wheat is delayed and wheat harvesting will start after 5-10th April and peak will be between 15-30th April.
- Harvesting of wheat is though combine harvesters and their movement within state and between states has been permitted. Precautions and safety measures of workers engaged in repair, maintenance and harvesting operation is to be ensured.
- Potato crop has been harvested (>95%), only January sown potato is to be harvested (5% area).
 Storage, transport and marketing operations to be taken up by following safety pre-cautions.
- About 50% mustard crop has been harvested till now which is in full swing and likely to be completed by first week of April. Social distancing is to ensured.
- Harvesting of pulses like gram, lentil etc is delayed due to rains and harvesting is likely between 1st week to mid of April.

22 RAJASTHAN

- Harvesting of the matured crops and shifting to safer places
 Cattle sheds should be kept dry as for as possible. Keep goat and sheep in dry and sheds and
 provide green fodder, fresh and clean water three times in a day. Cattle and poultry shed must
 be cleaned and ventilated and provide clean drinking water 3-4 times in a day
- Drying of coriander crop after harvesting and threshing
- Manual harvesting of lodged wheat
- No need to irrigate garlic crop in which 40% bulb lets are initiated.
- Summer plowing in the harvested field of mustard for better weed and insect control. Ploughing
 of guava orchards is useful for pest control.
- Harvesting should be done with machine operated equipment as much as possible. Sanitize the





- equipment with soapy water at least 3 times a day, if manual cutting equipment is used.
- Social distancing in harvesting should be strictly followed. While harvesting, eating food, keep
 a distance of at least 5-6 feet from one person to another.
- Keep food utensils separately and after use clean them thoroughly with soapy water.
- Never use equipment used by one person by another person. All harvesters take their own implements.
- During the harvesting, keep your hands thoroughly clean with soapy water in between
- Clothes used during harvesting should be washed everyday.
- During harvesting, all individuals keep their separate water bottles. All harvesters to use masks.
- If a person has symptoms of cough, cold, fever, headache, body ache etc. then keep him / her away from harvesting work and immediately inform your nearest health worker. Keep sufficient quantity of water and soap available in the field during field operations.

23 SIKKIM

Guidelines and Advisory:

- The guidelines of GoI are followed in the state. Safety measures and social distancing to followed
 in all agricultural operations.
- It is suggested to clean farm implements, equipment and machineries before and after use as per the safety instructions
- While going to the market area for valid reasons, farmers are asked to use face mask. Crowding
 to be avoided and maintenance of social distancing (1-1.5 metres) is a must. While coming
 back, need to change clothes and wash hands with soap water or sanitizers by following the
 proper method of washing.
- Safety measures to be followed while harvesting potato, cabbage, vegetable pea, their storage, transport to markets
- Farmers can contact SIMFED officials prior to harvesting in their farms for marketing of farm produce through FPOs which have been permitted to transport vegetables etc.
- Farmers can buy organic fertilizers from the fertilizer shop functioning in the local area.
 Farmers are advised to maintain social distancing while purchasing.
- Maize is the major crop and sowings are still continuing at some places. Farmers are advised to
 follow safety pre-cautions while applying organic inputs as per the recommended dose.
- Potato harvesting is in progress and farmers are advised to store required quantity standard size potato for seed purpose by following the recommended low-cost storage method.
- Farmers can also avail the cold storage facilities to store the perishables.
- Farmers are allowed to purchase livestock and poultry feeds, medicines etc. as and when required by following social distancing, personal hygiene measures of washing with soap, sanitizers and face mask.
- Livestock farmers are suggested for regular supplementation of mineral mixture @ 50-60 g/day/ adult cows and calcium to the lactating and pregnant cows @ 60-80 ml/day/cow to maintain productivity.





- Sikkim Milk Union Limited is offering milk price based on the Fat and SNF per cent and farmers can avail of this facility for selling morning milk.
- Dairy farmers are suggested to convert their evening collection of milk to Paneer, Butter or Ghee making for better price realization or faced with any difficulty in storage or marketing
- The livestock are needed to be fed edible tree fodders as well as chopped paddy straw regularly to sustain the milk productivity
- Maintenance of proper hygiene in livestock and poultry houses is essential.
- The litter materials in poultry shed need to be changed to prevent coccidiosis infestation. If red
 diarrhea symptoms are noticed in the birds, immediately administer anticoccidial drugs (in the
 drinking water for 3 -5 days.
- Farmers are requested to contact KVKs at district level and ICAR-NOFRI, Tadong for timely advisories related to crop management and livestock production.

24 TAMIL NADU

Guidelines: D.O. Letter No.87/ APC&PS/2020 dated 24/03/2020; G.O No.232/ 27.03.2020 & G.O. No.152 of Dept of family welfare dated 23.03.2020.

- Farmers can sell their vegetables and fruits in the local and wholesale markets and Uzhavar sandhais which is opened in the local area without restrictions. Farmers can avail the support from Dept of Agricultural marketing and Agri business. Crowding to be avoided and isolation distance of 3 feet to be strictly adhered to.
- Farmers to carry a copy of the D.O letter No.87/ APC&PS/2020 dated 24/03/2020 for unhindered transport of their agricultural produce to markets.
- Restriction of movement of persons under the G.O is not applicable for farmers for selling agricultural produce in the local and wholesale markets and Uzhavar sandhais.
- Primary processing centre under TN supply chain management will run with one AAO for farmers benefit.
- Farmers can use the Integrated Agricultural Extension centre (IAECs) and sub AECs for purchase of Inputs for farming.
- The seed storage, testing, processing, grading and packing facilities of government and private sectors will be running for the farmers use.
- The seeds of all crops will be available for farmers from private seed companies for kharif season 2020. Seed companies to ensure that all seeds are available to farmers.
- Farmers can buy the fertilizers from shops in the local area. Farmers are advised to maintain 3
 feet distance while purchasing.
- Farmers can store their produce up to 180 days in the godowns at regulated markets. Exemption towards paying rent for godowns given up to 30 days.
- Farmers can avail 75% of the market value of the produce or up to 3 lakhs (whichever is lesser).
 The loan tenure is 180 days @ 5% interest rate for first 30 days
- Farmers can also avail the cold storage facilities to store perishables
- Movement of cattle, poultry birds, fish, eggs, meat and feed for cattle and poultry as well as the feed ingredients is permitted





Advisory

- Rabi paddy is in grain filling to grain hardening stage which is to be harvested using combines.
 Pre-cautions and safety measures of workers engaged in repair, maintenance and harvesting operation with combiners is to be ensured.
- Groundnut and sesame crops are in maturity to harvesting stage. Manually harvesting followed
 by machine stripping of pods in groundnut is to be adopted by following safety measures of
 personal hygiene and proper cleaning of shared equipment
- Pulses in maturity to nearing harvesting stage. Manual and combine harvesting is to be done
 following safety measures
- Maize is in cob formation stage and measures for fall army worm management required as incidence is noticed. Need based recommended control measures to be taken up.
- Sugarcane is in vegetative stage and protection sprays/ release of bioagents against early shoot borer may be required.
- Mango in fruiting stage (marble to lemon size), fruit drop is a major issue which requires nutrient application through foliar sprays. Mixing of ingredients to be done by following safety precautions.
- Banana is in vegetative to bunching stage, tapioca at maturity stage; citrus, cashew, papaya, turmeric, water melon and vegetables (brinjal, bhendi and gourds) nearing harvest manually. Safety precautions to be followed at every step of harvesting, processing, storage, transport and marketing operations
- Spiralling whitefly is a major problem faced by coconut farmers. Recommended control
 measures as advised by KVKs/ SAUs to be followed. Chemical sprays to be avoided against this
 pest.
- Shortage of labour for farm operations is a critical concern as most of the crops are nearing harvesting stage. Use of machinery wherever feasible from custom hiring centres for harvesting is advised by following all safety measures of personal hygiene and social distancing.

25 TELANGANA

- Paddy is in grain filling to grain hardening stage. Incidence of neck blast, stem borer and panicle
 mite is observed. Prevailing high relative humidity conditions are congenial for further spread
 of the neck blast disease and hence foliar spray of Tricyclazole @ 0.6 g or Isoprothiolane @ 1.5
 ml or Kasugamycin @ 2.5 ml per litre of water is advised.
- Harvesting of paddy from substantially increased acreage during rabi is anticipated. Precautions
 and safety measures of workers engaged in repair, maintenance and harvesting operation with
 combiners is to be ensured.
- Summer green gram crop is at vegetative stage. Measures to manage whitefly incidence to be taken up to control yellow mosaic virus disease incidence
- Maize is at flowering to harvesting stage and incidence of fall army worm is noticed which is to be managed with recommended insecticidal sprays or baiting. Care to be exercised while operating threshers after harvesting of cobs.
- . Chillies crop is at third to fourth picking stage, incidence of thrips and mites is noticed and





safety precautions to be followed in use of spraying equipment by contract workers/ farmers

 Fruit drop is likely in Mango, nutrient spray with 1% urea or Planofix @ 1 ml per 4.5 liters of water is advised. Care to be exercised by workers while mixing of inputs and application.

26 TRIPURA

- Guidelines and Advisory
- All the markets selling essential commodities including fruits, vegetables, meat, fish and their transportation are exempted from the purview of lockdown.
- All concerned heads of offices related to R&D activities are advised to make all necessary arrangement for their livestock, research field with skeleton staff by maintaining social distancing.
- Fish growers may prepare fish feed in home by mixing mustard cake, rice polish with cooked rice.
- Potato growers finding difficulty in selling should shade dry their potatoes and store them in nearby cold storage in consultation with line department.
- All farmers are advised to maintain social distancing while doing their farm operations.
- Farm women may start preparing land for their nutritional garden as per the advice of the KVK.
- Tomato growers who are finding difficulty in selling are advised either to store them in zero
 energy cool chambers or prepare tomato puree/ sauce.

27 UTTAR PRADESH

Guidelines:

- Additional Chief Secretary, Govt. Of Uttar Pradesh vide letter no 679/5-5-2020, dated 22.03.2020 (items 1 to 3); Govt of UP vide letter 438/PS/2019-20, dated 27 March, 2020 (by State Directorate of Horticulture and Food Processing department, items 4 to 9),
- All the wholesale and retail shops of fertilizers, seeds and plant protection chemical shall remained open as usial and their production and supply shall continue through road and train. For loading and unloading of chemical fertilizers at railway reck, the concerned labourer shall be exempted.
- Use of combine harvester and the related laborer shall be permitted for harvesting of rabi wheat.
- Labour used in operation and handling of seed processing machines are exempted.
- Keeping in mind the COVID 19, the lockdown shall not be applicable to following with respect to horticultural crops.
- For coldstoring purpose, transportation, loading and unloading offruits, vegetable, mushrooms, honey etc are permitted.
- For plucking, digging, grading and loading and unloading of fruits and vegetables in feld, the related labourers are exempted.
- The daily workers and class IV staff of Govt. farm, nursery, seed production farm, center of excellence are exempted.



- The migration of honey box from one place to another and extraction of Honey is allowed during this period.
- The essential inputs required at the field as well as cold stores like fertilizer, plant protection chemicals, packaging materials, gas used in cold stores, fumigation in the cold storage etc are permitted during this period.

- Where wheat is lodged, harvesting should be done manually. The manual cutting equipment should be sanitized before and after use
- In case of normal crop, wheat harvesting may be done with the use of combine harvester.
 During harvesting social distancing should be strictly followed and only the essential person
 (s) may be allowed in this operation.
- In Mango orchards infestation of thrips can be controlled by application of insecticide thiomethoxam @0.30 g/l
- Powdery mildew in mango can be controlled with application of hexaconozol @0.1 mil/l or trifloxystrobin 0.5 g/l
- Follow shade drying of leafy vegetables and spices
- During harvesting keep hands thoroughly cleaned with soapy water
- Where harvesting is over, deep ploughing is advised
- In case of manual field operations of harvesting/ picking, accomplish the operation in 4-5 feet spaced strips assigning one strip to one person. This will ensure adequate spacing between the engaged labour
- Stagger the field operations wherever possible and avoid engaging more number of persons on the same day.
- Prefer mechanized operations over the manual wherever feasible. Only the essential numbers
 of persons should be allowed to accompany the machine.
- All machines should be sanitized at the entry point and at regular intervals. All transport vehicles, gunny bags or other packaging material should also be sanitized
- The collection of the produce may be done in small heaps spaced at 3-4 feets and field level processing should be assigned to 1-2 persons/heap to avoid crowding.
- Proper sanitation and cleanliness of threshers for harvested maize and groundnut is to be maintained especially when machines are shared and used by farmer groups. Copious washing of machine parts frequently touched with soap is advised.
- Harvesting, grading and packaging of seed potatoes to be done carefully following personal safety and social distancing. While doing their transportation, loading and unloading to col sores/ware houses, utmost care to be taken to avoid any chance of COVID 19 infection.
- While doing the cultural operations and harvesting, cleaning etc of seasonal vegetables and cucurbits, workers should do the operation singly and in staggered patches
- Summer planting of sugarcane shall start in the state shortly. To the maximum possible extent, machinery to be used for planting.
- Likewise, sowing of summer maize, summer groundnut, hybrid pearl millets and summer





mung bean to be done taking all care so that this deadly disease may not spread.

 Mentha is another promising crop in the state. Only the improved variety cuttings to be used and nutrient management as well as irrigation to be managed suitably.

28 UTTARAKHAND

Guidelines: No. 288/XVI-1/20/05 (28)/2014 dated 28th March 2020

- Vehicles and labours involved in loading and unloading of migration of beekeepers and bee colonies and sale of mushroom in the state.
- Vehicles and labours involved in transportation of all insecticides-pesticides chemicals and turmeric and ginger.
- Vehicles and labours/workers involved in mobile horticulture centre established in the state and essential operations of Government Horticultural activities.
- Vehicles, Government Officials and contractor involved in auction of produce of Government orchards.

Advisory

 Wheat crop is still in reproductive stage and harvesting will start by the 2nd week of April and continued till end by April. Precautions with respect to social distancing and hygiene should be followed at the time of harvesting.

29 WEST BENGAL

- People engaged in ongoing agriculture operations are exempted from restrictions.
- Manufacturing units for packaging materials of food items are exempted from restrictions.
- Shops of seeds and pesticides maybe opened.
- Movement of forest sector will be treated as essential services.
- Movement of essential food commodities via road is exempted.
- Establishments earmarked for quarantine facilities will be exempted.
- Cold storage and warehousing service will be operational.
- Transportation of vegetables, fruits, meat, fish, milk, eggs, poultry feed, cattle feed, storage are exempted during lockdown period
- Unrestricted movement of all essential commodities including fish, fish seed and fish products and personnel related to these activities has been allowed.
- All DDFs, ADFs to ensure that fishing activities in their area are stepped up and they may interact with all the stakeholders for this purpose
- Telephonic networks with fishermen, cooperatives, associations will be operationalized to ensure that their problems are addressed



3.3 REGIONAL TRANSLATIONS OF STATE ADVISORY

ASSAMESE

অসমৰ কৃষক বন্ধুসকলৰ বাবে পৰামৰ্শৱালী

ক'ভিড ১৯ নামৰ ভাইৰাছৰ বাবে সৃষ্টি হোৱা সোঁচৰা ৰোগৰ বিস্তাৰ প্ৰভিৰোধৰ বাবে ভাৰত চৰকাৰে সমগ্ৰ দেশতে আহান কৰা লক দাউন পৰিশ্বিভিৰ প্ৰেক্ষাগটত অসমৰ কৃষক বন্ধুসকলে লব লগা সৰ্ভকতা আৰু পৰামৰ্শাৱলী ভলত উল্লেখ কৰা হ'ল।

- বর্তমান সময়ত কৃষকসকলে বিভিন্ন প্রকাৰৰ শস্য খেনে ঘেঁহ, মাহজাতীয় শস্য, তৈলবীজ, শাক পাচলি,
 ফলমূল আদি চঁপোরা কার্যৰ লগত জড়িত হৈ আছে। এই ছেব্রত কৃষক বন্ধুসকলে ইজনে সিজনৰ পৰা এক
 নিদিষ্ট ব্যৱখান ৰাখি কাম কৰা দৰকাৰ। ইয়াৰ উপৰিও চাবোনেৰে ভালদৰে হাঁত ভৰি খোৱা অখবা
 এলক'হলযুক্ত বিজানুনাশকেৰে হাত মোহৰা আদি অভ্যন্ত জবুৰি।
- বিভিন্ন প্ৰকাৰৰ পথাৰ শস্য খেলে খেঁহ, মচুৰ মাহ, সৰিয়হ, খেচাৰি আদি চপোৱাৰ পিছত ভালদৰে শুকুৱাৰ ব্যবস্থা কৰা দৰকাৰ। এই ব্যৱস্থাই শস্য সমূহ ভালদৰে সংৰক্ষণ কৰাত সহায় কৰিব।
- শস্য চপোৱাৰ সময়তে হওঁক বা আন কৃষি কাৰ্যৰ সময়তে হওঁক, কৃষকসকলে বিভিন্ন সা-সঁজুলি আৰু
 যন্ত্ৰপাতি অন্য কৃষকৰ পৰা আনি ব্যৱহাৰ কৰা দেখা বায়। এই সা-সঁজুলি সমূহ ব্যৱহাৰৰ আগত বা পিছত
 ভালদৰে পৰিস্কাৰ কৰা অভ্যন্ত জৰুৰী।
- শস্য সংৰক্ষণৰ ক্ষেত্ৰত কৃষক সকলে সুবিধা অনুযায়ী পৰম্পৰাগত পছাতি অৱলম্বন কৰিব পাৰে।
- লক দাউনৰ সময়ছোৱাত শস্য সংৰক্ষণৰ বাবে ব্যৱহৃত শীতনীকৰণ কক্ষ সমূহ (Cold storage) খোলা ৰাখিবলৈ অনুমতি প্ৰদান কৰিছে। গতিকে অনুমতি সাপেক্ষে কৃষক বন্ধুসকলে আলু, বিলাহি আদি শস্য এইসমূহত সংৰক্ষণৰ ব্যৱহা কৰিব পাৰে।
- বর্তমান পৰিশ্বিতিত বজাৰ সমূহ খোলা নৰখাৰ বাবে কৃষক বন্ধু সকলে উৎপাদিত সামগ্রী সমূহ কম মূল্যতে বিক্রি কৰিব লগাত পৰিছে।সেবেহে সামগ্রী সমূহ ততাতৈয়াকৈ বিক্রিৰ ব্যৱস্থা নকৰি যদি পাৰি ঘৰতে অখবা কৃষি পামতে সংৰক্ষণৰ ব্যৱস্থা কৰক।
- প্রতিখন জিলাতে কিছু সংখ্যক বিক্রেভাক শাক পাচলি বিক্রি কৰিবলৈ প্রশাসনে অনুমতি প্রদান কৰিছে। এই ক্ষেত্রত কৃষক সকলে নিজৰ সামগ্রী বিক্রি কৰিবলৈ প্রয়োজনীয় অনুমতি সাপেক্ষে এই বিক্রেভা সকলৰ সৈতে যোগাযোগ কৰিব পারে।





BENGALI

দেশে করোনা ভাইরাস (কোভিড-১৯) মহামারী সংক্রমণ রোধে লকডাউনের সময় ভারত সরকারের নির্দেশিকা অনুযায়ী পশ্চিমবঙ্গের কৃষকদের জন্য নির্দেশিকা ও ভারতীয় কৃষি অনুসন্ধান পরিষদের পরামর্শ

ফসল কাটা, সংগ্রহ, গুদামজাতকরণ ও কৃষিপণ্যে বিক্রয়ের সময় সাধারণ সতর্কতা ও সাবধানতা নিয়মাবলী

মাঠের কাজের সময় যাতে করোনা ভাইরাসের সংক্রমণ ছড়িয়ে না পড়ে তার জন্য কৃষক ভাই-বোনেদের নিম্নলিখিত সাধারণ সতর্কতাগুলি আবশ্যিকভাবে মেনে চলতে হবে -

- মাঠ থেকে ফসল কাটা ও তোলার সময় নিজেদের মধ্যে অতি অবশ্যই ৪-৫
 ফুট দূরত্ব বজায় রাখতে হবে এবং কাজে নিযুক্ত কৃষি শ্রমিকদের মধ্যেও
 যাতে এই দূরত্ব বজায় থাকে তা সুনিশ্চিত করতে হবে।
- ২.কাজে নিযুক্ত সবাইকে অবশ্যই মাস্ক পরতে হবে এবং কিছু সময় পর পর সাবান দিয়ে হাত ধুতে হবে।
- ৩.বিশ্রাম নেওয়া, খাবার খাওয়া, ফসল সংগ্রহ, ফসল গাড়িতে তোলা বা নামানোর সময় নিজেদের মধ্যে নিরাপদ দূরত্ব (৪-৫ ফুট) অবশ্যই বজায় রাখতে হবে।
- ৪. মাঠের কাজকে যতটা সম্ভব ছড়িয়ে করতে হবে এবং চেষ্টা করতে হবে যাতে একই দিনে অনেক মানুষ মাঠে কাজ না করে।
- ৫.চেষ্টা করতে হবে মাঠের কাজে যতটা সম্ভব সুস্থ মানুষকে যাতে কাজে নিয়োগ করা হয় এবং নিয়োগ করার আগে সেই মানুষের শারীরিক অবস্থা সম্পর্কে খোঁজ নিতে হবে। এর ফলে মাঠের কাজের সময় শারীরিকভাবে অসুস্থ বা ভাইরাস দ্বারা সম্ভাব্য সংক্রমিত মানুষের থেকে রোগ ছড়ানো এড়ানো যাবে।
- ৬. যেখানে সম্ভব ও ততটা সম্ভব মাঠের কাজ নিজে হাতে করার পরিবর্তে মেশিনের সাহায্যে করতে হবে এবং শুধুমাত্র মেশিন চালানোর জন্য প্রয়োজনীয় মানুষ ছাড়া অযথা ভিড় করা এড়াতে হবে।
- ৭. মাঠের কাজে ব্যবহৃত সমস্ত মেশিন ও যন্ত্রপাতি কাজ শুরুর সময় ও শেষ হওয়ার পরে ভাল করে পরিষ্কার ও জীবাণুমুক্ত করতে হবে। সমস্ত মালবাহী গাড়ী/চটের ব্যাগ বা প্যাকেজিং সামগ্রীও ভাল করে পরিষ্কার ও জীবাণুমুক্ত করতে হবে।





- ৮.সমস্ত উৎপন্ন কৃষিজাত সামগ্রী ৪-৫ ফুট দূরে দূরে স্থূপ করে রাখতে হবে এবং প্রতিটি স্থূপের জন্য ১-২ জনের বেশি শ্রমিক কাজের জন্য রাখা যাবে না।
- ৯.খুব প্রয়োজন না পড়লে, মাঠ থেকে সংগৃহীত ফসল বাজারে না নিয়ে গিয়ে আপাতত নিজেদের খামারে গুদামজাত করাই ভালো।
- বাজার থেকে বিভিন্ন সামগ্রী কেনা বা বাজারে কৃষিজাত ফসল বিক্রির সময় সমস্ত ধরণের সতর্কতামূলক ব্যবস্থা মেনে চলতে হবে।

পশ্চিমবঙ্গের কৃষকদের জন্য নির্দেশিকা ও পরামর্শ

- কৃষিকাজ স্বাভাবিকভাবে চালু রাখার জন্য এই কাজে নিযুক্ত কৃষক ও সংশ্লিষ্ট ব্যক্তিদের জন্য লকডাউন কার্যকরী হবেনা।
- ২.বিভিন্ন খাদ্যসামগ্রীর প্যাকেজিং এর কাজে নিযুক্ত কারখানা বা ইউনিট এই লকডাউনের আগুতায় পড়বে না।
- ৩.কীটনাশক ও বীজের দোকান খোলা রাখা যেতে পারে।
- ৪.বন দপ্তরের কাজকর্ম প্রয়োজনীয় পরিষেবার আওতাভুক্ত হিসাবে গণ্য হবে এবং স্বাভাবিকভাবে চালু থাকবে।
- ৫.খাদ্য সামগ্রী পরিবহণ এই স্থগিতাদেশের আওতায় আসবে না।
- ৬. কোয়ারেন্টাইনের কাজের সঙ্গে যুক্ত সংস্থাগুলি এই লকডাউনের বাধানিষেধের আওতায় আসবে না।
- ৭. হিমঘর ও গুদাম সম্বন্ধীয় পরিষেবা সম্পূর্ণভাবে সচল থাকবে।
- ৮.শাকসবজি, ফল, মাংস, মাছ, দুধ, ডিম, পোলট্রির খাবার, গবাদি পশুর খাবার, গুদামজাত দ্রব্যের পরিবহণ লকডাউনের আওতায় পড়বে না।
- ৯.সব ধরণের নিত্য প্রয়োজনীয় দ্রব্য, মাছ, মাছের খাবার এবং মাছ থেকে তৈরি পণ্য সামগ্রী সরবরাহ ও সরবরাহের কাজে নিযুক্ত মানুষদের অবাধ যাতায়াতের অনুমতি থাকবে।
- ১০.মৎস্য দপ্তরের সমস্ত স্তরের আধিকারিকগণ (উপ-অধিকর্তা, সহ-অধিকর্তা) তাদের অধীন এলাকায় মাছ চাষের সঙ্গে সংশ্লিষ্ট সমস্ত ধরণের কাজকর্ম স্বাভাবিকভাবে চালু রাখার জন্য মাছ ব্যবসায়ী, মাছ চাষী ও সংশ্লিষ্ট সকলের সাথে যোগাযোগ রেখে প্রয়োজনীয় পদক্ষেপ গ্রহণ করবেন।
- ১১. অঞ্চলের মাছ চাষী, মৎস্য সমবায় বা বিভিন্ন গোষ্ঠীর সঙ্গে যুক্ত মানুষদের সঙ্গে ফোনের মাধ্যমে সবসময় যোগাযোগ রাখতে হবে যাতে তাদের সমস্যাগুলির দ্রুত সমাধানের ব্যবস্থা সুনিশ্চিত করা যায়।





GUJARATI

ગુજરાત

ગુજરાત સરકાર, ગુજરાતી પરિપત્ર નં.જી.જી. / 20 / 2020/V-1/KAV/102020/482, તા. 23.03.2020

- પશુ દાણ અને ઘાસચારો, દવા અને સારવાર સંબંધિત સેવાઓ પ્રતિબંધ મુક્ત છે.
- ફળો, શાકભાજી અને દૂધના ઉત્પાદનોનું વેચાણ પ્રતિબંધ મુક્ત છે.

ગુજરાત માહિતી બ્યુરો, ગુજરાત સરકાર, ગાંધીનગર, 27-03-2020

બીજ, ખાતર અને પેસ્ટિસાઇડ્સ (રેગ્યુલેટેડ દુકાન) ડીલરો કાર્યરત રહેશે અને ખુલ્લા રહેશે.

ટુડેઝ ન્યૂઝ (29-03-2020) ગૃહ મંત્રાલય, ભારત સરકારના નંબર 40-3 / 2020-ડીએમ-આઇ (એ)ની વિગતોના સંદર્ભમાં

- ખેતરમાં ખેડુતો અને ખેતમજૂરો દ્વારા ચાલતી ખેત કામગીરી.
- ફાર્મ મશીનરી સંબંધિત કસ્ટમ હાયરિંગ સેન્ટર્સ (સીએચસી).
- વીજળીની પ્રાપ્યતા મુજબ ખેડુતો અને ખેતમજૂરોને ખેતરમાં પિયત/સિંચાઇ કરવાની તેમજ પાકની કાપણી,
 વીણી અને રવી પાક સંબંધિત અન્ય કામો કરવાની મંજૂરી આપવામાં આવી છે
- ઉપરોક્ત તમામ (કાર્યો)ને નિયંત્રણોમાંથી મુક્તિ આપવામાં આવી છે.

અન્ય

- ગુજરાત સરકારે પણ જિલ્લા કક્ષાએ કંટ્રોલરૂમ હેલ્પ લાઇન નં. 1077 શરૂ કરેલ છે.
- કૃષિ વિજ્ઞાન કેન્દ્રો પણ કૃષિ સંબંધિત કોઈપણ પ્રશ્નો માટે ટેલિફોનિક હેલ્પલાઈન દ્વારા ખેડૂતોના સંપર્કમાં છે.
- બધા શાકભાજી ઉગાડનારા ખેડૂતોને નોવેલ ઓર્ગેનિક પ્રવાહી પોષકતત્વ 1 % નો ઉપયોગ કરીને ફૂલોનું ખરણ ઘટાડવા તથા વધુ ઉત્પાદન મેળવવા માટે ભલામણ કરવામાં આવે છે.





KANNADA

ಕೋವಿಡ್-19 ಸಂಧಿಗ್ಧ ಸಂದರ್ಭದ ಲಾಕ್ಡೌನ್ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ರಾಜ್ಯದ ರೈತರಿಗೆ ಹಾಗೂ ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರಕ್ಕೆ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳು ಹಾಗೂ ಸಲಹೆಗಳು

ಕೊರೋನಾ ವೈರಾಸ್ ಸಾಂಕ್ರಾಮಿಕ ರೋಗವನ್ನು ಕೃಷಿ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದ ಚಟುವಟಿಕೆಗಳ ಮೂಲಕ ಹರಡದಿರಲು ಪಾಲಿಸಬೇಕಾದ ಮುನೈಚ್ವರಿಕಾ ಕಮಗಳು

- ಕಾರ್ಮಿಕರೇ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ, ಒಂದು ಸಾಲಿನಿಂದ ಇನ್ನೊಂದು ಸಾಲಿಗೆ 4-5 ಅಡಿ ಅಂತರ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳುವಂತೆ ಕೆಲಸಗಾರರಿಗೆ ಸೂಚಿಸಬೇಕು, ಇದರಿಂದ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಅಂತರವನ್ನು ಇಬ್ಬರು ಕಾರ್ಮಿಕರ ನಡುವೆ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಲು ಸಾಧ್ಯವಾಗುತ್ತದೆ.
- ಕಾರ್ಯದಲ್ಲಿ ನಿರತವಾಗಿರುವ ಎಲ್ಲಾ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ಮುಖಗವಸನ್ನು ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ಧರಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಸೋಮ ನೀರಿಂದ ಕೈಗಳನ್ನು ಶುದ್ದಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
- ವ್ಯಕ್ತಿಯಿಂದ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ 3-4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ವಿಶ್ರಾಂತಿ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಆಹಾರ ಸೇವನೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಂಗ್ರಹಿಸುವಾಗ, ಇಳಿಸುವಾಗ/ಹೊತ್ತೊಯ್ದು ಅಡಕಿಸುವಾಗ ಹೀಗೆ ಪ್ರತಿ ಹಂತದಲ್ಲೂ ಸುರಕ್ಷಿತಾ ದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಸಾಧ್ಯವಾದ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಪರಿಚಯಸ್ಥ ಕೆಲಸಗಾರರನ್ನಷ್ಟೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಕಾರ್ಯಗಳಿಗೆ ಪೂರ್ಣ ವಿಚಾರಿಸಿ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ.
 ಏಕೆಂದರೆ, ಅಪರಿಚಿತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳು ರೋಗಾಣು ವಾಹಕರಾಗಿರಬಹುದಾದ ಸಾಧ್ಯತೆಗಳಿರುತ್ತವೆ. ಆರೋಗ್ಯವಂತ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳನ್ನಷ್ಟೆ ನಿಯೋಜಿಸಿ.
- ಎಲ್ಲಾ ಯಂತ್ರೋಪಕರಣಗಳು ಕಾರ್ಯಾರಂಭಕ್ಕೆ ಮುನ್ನು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ಶುದ್ಧಗೊಳ್ಳಬೇಕು. ಸಾಗಾಣ ವಾಹನಗಳು, ಗೋಣಿ ಚೀಲಗಳು ಆಥವಾ ಇನ್ನಾವುದೇ ಸಾಮಾಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಅಡಕಗೊಳಿಸುವ ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳಿಂದ ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ ಮತ್ತು ಶೇಖರಣಾ ಕೇಂದ್ರಗಳಲ್ಲಿ 5 ವ್ಯಕ್ತಿಗಳಿಗಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಜನರು ಒಂದೆಡೆ ಇರಬಾರದು. ಎಲ್ಲಾ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ಶುಚಿತ್ವವನ್ನು ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
- ಅಗತ್ಯವಿರುವಷ್ಟು ಮುಖಗವುಸುಗಳು/ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳು/ಕೈತೋಳೆಯುವ ಸೋಮ ಮತ್ತು ನೀರು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಎಲ್ಲಾ ಕೃಷಿ ಪರಿಕರಗಳ ಅಂಗಡಿಗಳು ತೆರೆದಿರಬೇಕು. ಕೃಷಿಕರು ಈ ಅಂಗಡಿಗಳಲ್ಲಿ ಬೀಜ, ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಳ್ಳುವಾಗ ಪರಸ್ಪರ 4 ಅಡಿಗಳ ಅಂತರವನ್ನು ಕಾಯ್ದುಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ಹಣ ಪಾವತಿಯನ್ನು POS ಯಂತ್ರದ ಮೂಲಕ ಮಾಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಪ್ರತಿ ಬಾರಿ ಬಳಕೆಯ ನಂತರ ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕದಿಂದ ಯಂತ್ರವನ್ನು ಹಾಗೂ ಬಳಕೆದಾರರ ಕೈ ಅಥವಾ ಬೆರಳುಗಳನ್ನು ಶುದ್ದಗೊಳಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.
- ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳಾದ ಹಣ್ಣು ಮತ್ತು ತರಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸ್ಥಳಿಯ ಅಥವಾ ಹೊರ ಜಿಲ್ಲೆಗಳ/ರಾಜ್ಯಗಳ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗಾಗಿ ಕೊಂಡೊಯ್ಯಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- ಕೃಷಿಕರು ತಮ್ಮ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳಿಗೆ ಕ್ಷೇತ್ರ ಮಟ್ಟದಲ್ಲಿಯೇ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- 12. ತೋಟಗಾರಿಕಾ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಗಟು ವ್ಯಾಪಾರಿಗಳು ಮುಖಗವಸುಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ತಮ್ಮ ಕಾರ್ಮಿಕರಿಗೆ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಂಗ್ರಹ, ಅಡಕಗೊಳಿಸುವಾಗ ಹಾಗೂ ಸಾಗಾಟ ಕಾರ್ಯ ನಿರ್ವಹಿಸುವಾಗ ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ನೀಡಿ ಅವರ ಸುರಕ್ಷತೆಯನ್ನು ಕಾಪಾಡಬೇಕು.
- ಸರ್ಕಾರದ ಆದೇಶದಂತೆ ತರಕಾರಿ ಮತ್ತು ಆಹಾರ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಸಾಗಾಟ ಅನಿರ್ಬಂಧಿತವಾಗಿದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಪೂರಕ ಸಹಾಯ ಮತ್ತು ಪರವಾನಗಿ ಪತ್ರಕ್ಕೆ ಜಿಲ್ಲಾಡಳಿತವನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
- 14. ರೈತ ಪರ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳ ಶೇಖರಣೆ ಮತ್ತು ಮಾರಾಟಕ್ಕೆ ಸಹಾಯ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ.





ಬೆಳಗಳಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಸಲಹೆಗಳು:

- ಹೈದರಾಬಾದ್ ಕರ್ನಾಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಭಕ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ನಡೆಯುತ್ತಿದೆ. ಭತ್ತದ ಕೊಯ್ಲು ಮತ್ತು ಒಕ್ಕಣೆಗೆ ಬೇಕಾದ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದೆ. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಾಡಿಗೆ ನೀಡುವ ಕೇಂದ್ರಗಳು ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಅವುಗಳು ದೊರೆಯುವಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಈ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಒಳ/ಹೊರ ರಾಜ್ಯಗಳಿಗೆ ಸಾಗಾಟ ಮತ್ತು ಕಳುಹಿಸಲು ಪರವಾನಗಿ ಇರುತ್ತದೆ.
- ಬೇಸಿಗೆ ಭತ್ತವನ್ನು ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ ನಾಟಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ನಂತರ ಸೂಕ್ತ ಕಳೆ ನಾಶಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬಹುದು. ಪರ್ಯಾಯವಾಗಿ ಕೃಷಿಕರು ನೇರ ಭತ್ತ ಬಿತ್ತನೆಯನ್ನು ಡ್ರಮ್ ಸೀಡರ್ ಬಳಸಿ ಮಾಡಬಹುದಾಗಿದ್ದು ಇದರಿಂದ ಕೂಲಿಕಾರರ ಸಮಸ್ಯೆ ಹಾಗೂ ಖರ್ಚನ್ನು ಕಡಿಮೆ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯ
- ಇನ್ನು ಮುಂಬರುವ ಕೆಲವೇ ವಾರಗಳಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕದ ಕೆಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಶೇಂಗಾ ಕೊಯ್ಲು ಆರಂಭಗೊಳ್ಳಲಿದೆ.
 ಕೃಷಿಕರು ಎಷ್ಟು ಸಾಧ್ಯವೋ ಅಷ್ಟರ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಯಂತ್ರದ ಕೊಯಲನ್ನು ಅವಲಂಬಸಬೇಕು. ಕೂಲಿಕಾರರೇ ಕೊಯ್ಲು
 ಮಾಡಬೇಕಾದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಈಗಾಗಲೇ ಸರ್ಕಾರ ನಿಗಧಿಮಾಡಿರುವ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳಾದ ವೈಯಕ್ತಿಕ ಅಂತರ
 ಕಾಪಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಮತ್ತು ಸೋಂಕು ನಿವಾರಕ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸುವುದು ಇತ್ಯಾದಿ ಸುರಕ್ಷಿತಾ
 ಕ್ರಮಗಳನ್ನು ದಯವಿಟ್ಟು ತಪ್ಪದೇ ಪಾಲಿಸಬೇಕು.
- ಕೃಷಿಕರು ಈಗಾಗಲೇ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ತಯಾರಿರುವ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ನೇರ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಆಯೋಜನೆ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು. ಜಿಲ್ಲೆಯಲ್ಲಿ ದೊರಕುವ ಶೀತಲಗೃಹಗಳನ್ನು ಶೇಖರಣೆಗಾಗಿ ಬಳಸಿ ಗತ್ಯಂತರವಿಲ್ಲದ ಮಾರಾಟವನ್ನು ಮಾಡುವ ಅಪಾಯದಿಂದ ರಕ್ಷಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು.
- ತೋಟಗಾರಿಕೆ ಬೆಳೆಗಳಲ್ಲಿ ಸಾರಜನಕ ಗೊಬ್ಬರ ಹಾಗೂ ನೀರನ್ನು ಬಳಸಿ ಕೊಯ್ಲಿನ ಹಂತವನ್ನು ಮುಂದೂಡಲು ಪ್ರಯತ್ನಿಸಬೇಕು. ದಾಳಿಂಬೆಯಲ್ಲಿ ಕಾಯಿ ಬಲಿಯುವ ಹಂತವನ್ನು ಸೂಕ್ತ ಪ್ರಮಾಣದ NAA ಬಳಸಿ ಮುಂದೂಡಬಹುದು.
- ದಾಕ್ಷಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಮಾರಾಟ ಮಾಡಲು ಸಾಧ್ಯವಿಲ್ಲದಾಗ ಒಣಗಿಸಿ ಒಣದ್ರಾಕ್ಷಿಯನ್ನಾಗಿ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವುದು ಉತ್ತಮ. ದ್ರಾಕ್ಷಿ ಬಳಿಗಳ ಸವರುವ ಪ್ರಕ್ರಿಯೆ ಹಂತವನ್ನು ಒಂದು ತಿಂಗಳ ಮಟ್ಟಿಗೆ ಮುಂದೂಡುವುದು ಒಳ್ಳೆಯದು.
- ಮಾವು ಬೆಳೆಗೆ ಮ್ಯಾಂಗೋ ಸ್ಪೆಷಲ್ ಪೋಷಕಾಂಶ ಮಿಶ್ರಣವನ್ನು ಸಿಂಪರಣೆ ಮಾಡಿ ಕಾಯಿಗಳ ಗಾತ್ರ ಮತ್ತು ಬೆಳವಣಿಗೆಯನ್ನು ಉತ್ತಮಗೊಳಿಸಬಹುದು. ಹಣ್ಣು ನೊಣದ ಹಾವಳಿಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಹಣ್ಣುನೊಣದ ತಡೆಬಲೆಗಳನ್ನು ನಿಯೋಜಿಸಬೇಕು.
- ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತ ತಾಂತ್ರಿಕ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನಕ್ಕಾಗಿ ಹತ್ತಿರದ ಕೃಷಿ ವಿಜ್ಞಾನ ಕೇಂದ್ರವನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಬೇಕು.
- ಕೊಯ್ಲು ಹಂತಕ್ಕೆ ಬಂದಿರುವ ತರಕಾರಿಗಳಿಗೆ ಯಾವುದೇ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಮುನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಬಾರದು. ಕ್ರಿಮಿನಾಶಕ ಅಂಶರಹಿತ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ಕಳುಹಿಸುವುದು ನಮ್ಮ ಧೈಯವಾಗಬೇಕು.





MEGHALAYA

- Ki kam rep da ki nongrep, ki nongdie soh, jhur, jaka ai wai ki tiar rep lane ki Custom Hiring Centres, ka jingsam lane ioh ia ki Symbai bad kiwei kiwei ki mar ba pyndonkam haba rep jingrep, ki ym hap hapoh ki kyndon jong ka Lockdown.
- La pynkup bor ia ki Dorbar Shnong lane bor pyniaid shnong ban kin khmih ia ki dukan dei marbam mardih ryngkat bad ka jingiatrei lang bad ki bor pyniaid district.
- Ka jingpyniaid iew ia ki marbam kum ki jhur, soh, pylleng, dud etc. da kaba wad jingtip lane contact ia ka iteams 1917 lyngba u toll free nombar 1917 ban lum ia ki mar rep na ki ïing jong ki nongrep ban pyniaid iew shakhmat.
- Ym sam ia ki Symbai, kum u riewhadem, shun, sboh mariang ha la ki iing jong ki nongrep lyngba ki line department.
- La kyntu ia ki nongrep ba shem jingeh ban pyniaid iew ia ki mar rep kum u strawberry ban shna bad pynkylla value added products kum sha ki wine, jam, jelly bad umsoh (squash)
- Ka jingthung noh ia u sying, shynrai, riewhadem, sohkhia dei ban pyndep da kaba bud ia kyndon jong ka social distancing da ki nongtrei.







MALAYALAM

കോവിഡ് - 19 ലോക്ഡൗൺ പശ്ചാത്തലത്തിൽ കേരളത്തിലുള്ള കർഷകർക്കും കാർഷികമേഖലക്കുമുള്ള മാർഗ്ഗനിർദ്ദേശങ്ങളും ഉപദേശങ്ങളും

കർഷകർ തങ്ങളുടെ കൃഷിയിടത്തിൽ വിവിധ കൃഷിപണികളിൽ ഏർപ്പെടുമ്പോൾ കൊറോണ വൈറസിൻ വ്യാപനം തടയുന്നതിനായി താഴെ പ്രതിപാദിക്കുന്ന മുൻകരുതലുകൾ കൈകൊള്ളണമെന്ന് നിർദ്ദേശിക്കുന്നു.

- തൊഴിലാളികൾ നേരിട്ടു നടത്തുന്ന വിളവെടുപ്പുപോലെയുള്ള കാർഷിക പ്രവർത്തനങ്ങളിൽ ഏർപ്പെടുമ്പോൾ ഏറ്റവും കുറഞ്ഞത് 4-5 അടി വിട്ട് നിൽക്കേണ്ടതാണ്. ഇങ്ങനെ, ഓരോ തൊഴിലാളിക്കുമിടയിൽ ആവശ്യത്തിനുള്ള അകലം ഉറപ്പാക്കാം.
- കാർഷിക ജോലികളിൽ ഏർപ്പെട്ടിരിക്കുന്ന എല്ലാവരും മുഖാവരണം ധരിക്കുകയും, ഇടവേളകളിൽ സോപ്പ് ഉപയോഗിച്ച് കൈ കഴുകുകയും ചെയ്യണം.
- വിശ്രമിക്കുമ്പോഴും, ഭക്ഷണം കഴിക്കുമ്പോഴും മാത്രമല്ല, സംഭരിക്കുമ്പോഴും കയറ്റിറക്ക് നടത്തുമ്പോഴും 3-4 അടി എന്ന സുരക്ഷിത അകലം പാലിക്കേണ്ടതാണ്.
- ഒരേ ദിവസം തന്നെ കൂടുതൽ ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കാതിരിക്കുവാനായി ശ്രദ്ധിക്കുക.
- നല്ല ആരോഗ്യം ഉള്ളവരെയും, രോഗവാഹകരല്ല എന്ന് ന്യായമായി ഉറപ്പുള്ളവരെയും മാത്രം കൃഷി പണിക്കായി നിയോഗിക്കുക.
- സാധ്യമായിടത്തെല്ലാം യന്ത്രവത്കരണം നടപ്പാക്കുക. യന്ത്രങ്ങൾ പ്രവർത്തിക്കാൻ വേണ്ടി അത്യാവശ്യത്തിനു മാത്രമുള്ള ആൾക്കാരെ നിയോഗിക്കുക.
- എല്ലാ യന്തങ്ങളും പ്രവർത്തനാരംഭത്തിലും, കൃത്യമായ ഇടവേളകളിലും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്. എല്ലാ ചരക്കു വാഹനങ്ങളും, ചാക്കുകൾ മുതലായ മറ്റു പാക്കേജിംഗ് സാമഗ്രികളും അണുവിമുക്തമാക്കേണ്ടതാണ്.
- ഉൽപന്നങ്ങളുടെ ശേഖരം ചെറിയ കൂനകളായി 3-4 അടി അകലത്തിൽ ക്രമീകരിക്കേണ്ടതും, ഓരോ കുനയും കൈകാര്യം ചെയ്യുന്നതിനായി 1-2 ആൾക്കാരെ മാത്രം ചുമതലപ്പെടുത്തി തിരക്ക് ഒഴിവാക്കേണ്ടതുമാണ്.





- കൃഷിയിടത്തിൽ തന്നെ ഉൽപന്നം സംഭരിക്കാൻ സാഹചര്യമുണ്ടെങ്കിൽ തിരക്കുപിടിച്ചുള്ള വിപണനം ഒഴിവാക്കാവുന്നതാണ്.
- ഉൽപാദനോപാധികൾ വാങ്ങുവാനും ഉൽപന്നം വിറ്റഴിക്കുവാനും വിപണകേന്ദ്രത്തിൽ പോകുമ്പോൾ ആവശ്യമുള്ള സുരക്ഷാ മാനദണ്ഡങ്ങൾ സ്വീകരിക്കേണ്ടതാണ്.

സംസ്ഥാന സർക്കാർ മാർഗ്ഗനിർദ്ദേശങ്ങൾ

ലോക്ഡൗൺ നിയന്ത്രണങ്ങളിൽനിന്ന് താഴെ പറയുന്ന പ്രവർത്തനങ്ങൾ ഒഴിവാക്കിയതായി സംസ്ഥാന സർക്കാർ ജില്ലാ ഭരണകൂടത്തിന് നിർദ്ദേശം നൽകിയിരിക്കുന്നു.

- തൊഴിലാളികളുടെ എണ്ണം കുറച്ചു കൊണ്ടുള്ള എല്ലാ കാർഷിക പ്രവർത്തനങ്ങളും.
- 2. മ്യഗസംരക്ഷണ പ്രവർത്തനങ്ങൾ
- കാർഷികയന്ത്ര സേവന കേന്ദ്രങ്ങൾ
- ഇക്കോ ഷോപ്പുകളുടെയും കർഷക ഉൽപാദക സംഘങ്ങളുടേയും പ്രവർത്തനങ്ങൾ
- 5. വിളവെടുപ്പും, ഉൽപന്നങ്ങളുടെ സംഭരണവും വിപണനവും

വിളകളെ അടിസ്ഥാനമാക്കിയുള്ള ഉപദേശങ്ങൾ

 കൃഷിയിടത്തിൽ ശുചിത്വം പാലിക്കുന്നതുവഴി തെങ്ങിലെ കൊമ്പൻ ചെല്ലിയുടെ പ്രജനനം തടഞ്ഞ് അവയെ നിയന്ത്രിക്കാവുന്നതാണ്. കാലവർഷം വരുന്നതിനു മുമ്പായി ഏപ്രിൽ - മെയ് മാസങ്ങളിൽ 250 ഗ്രാം വേപ്പിൻ പിണ്ണാക്കോ, മരോട്ടി പിണ്ണാക്കോ തുല്യ അളവിൽ മണലുമായി ചേർത്തിളക്കി മണ്ടയുടെ ഉൾഭാഗത്തുള്ള 2 - 3 മടലിൻ കവിൾ ഭാഗത്ത് ഇട്ടു കൊടുക്കേണ്ടതാണ്. ചാണകകുഴികളിലും, കൊമ്പൻചെല്ലിയുടെ മറ്റു പ്രജനന സ്ഥലങ്ങളും മെറ്റാറൈസിയം ഉപയോഗിച്ച് പുഴുക്കളെ നിയന്ത്രിക്കേണ്ടതാണ്.





- പച്ചക്കറി വിളകളിൽ നീരൂറ്റി കുടിക്കുന്ന മുഞ്ഞ, ചാഴി, വെള്ളിച്ച, ഇലപ്പേൻ എന്നിവയെയും, പുഴുക്കളെയും നിയന്ത്രിക്കേണ്ടതാണ്.
 - ഇലകളുടെ പ്രതലത്തിനു തൊട്ടു മുകളിലായി നീല / മഞ്ഞ കെണികൾ സ്ഥാപിച്ച് ഈ കീടങ്ങളെ കുടുക്കാവുന്നതാണ്.
 - എല്ലാ ആഴ്ച്ചയും 2% വേപ്പെണ്ണ വെളുത്തുള്ളി മിശ്രിതം തളിക്കേണ്ടതാണ്. ഇത് ഇലയുടെ ഇരുവശങ്ങളിലും വീഴത്തക്കവണ്ണം തളിച്ചു കൊടുക്കേണ്ടതാണ്.
 - രണ്ടാഴ്ച്ചയിലൊരിക്കൽ ലിക്കാനീസീലിയം 20 ഗ്രാം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ എന്ന തോതിൽ തളിക്കേണ്ടതാണ്.
 - മുഞ്ഞ, വെള്ളിച്ച, തുള്ളൻ എന്നിവയുടെ ഉപദ്രവം കൂടുതലാണെങ്കിൽ തൈയാമെതോക്സാം 25 wg, 2 ഗ്രാം 10 ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ എന്ന തോതിലൂം, പേനുകൾക്കെതിരായി സ്പൈറോമെസിഫെൻ 240 sc, 0.8 - 1.0 മില്ലി, ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ എന്ന തോതിലും ചേർത്ത് തളിക്കേണ്ടതാണ്.
 - പുഴുക്കൾക്ക് എതിരെ പ്രതിരോധകം എന്ന നിലയിൽ ബിവേറിയ 20 ഗ്രാം ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ ലയിപ്പിച്ച് തളിക്കുക.
- ഹരിതസേനയുടെ പിന്തുണയോടുകൂടെ യന്ത്രവൽകൃത നെല്ല് കൊയ്ത്ത് നടത്തുമ്പോൾ സാമൂഹിക അകലവും, ശുചീകരണവും സംബന്ധിച്ചുള്ള എല്ലാ മാർഗ്ഗ നിർദ്ദേശങ്ങളും പാലിക്കേണ്ടതാണ്.
- നെൽചെടികൾ ചിനപ്പ് പൊട്ടുന്ന ഘട്ടത്തിൽ, സ്യൂഡോമോണാസ് 2.5 കിലോ ഒരു ഹെക്ടറിന് എന്ന കണക്കിൽ 50 കിലോ ചാണകപ്പൊടിയിൽ ചേർത്ത് കൊടുക്കേണ്ടതാണ്. നെല്ലിൽ കുലവാട്ടം, പോള അഴുകൽ രോഗങ്ങൾക്ക് പ്രതിരോധകമായി നൈട്രജൻ (പാകൃജനകം) അടങ്ങിയ വളങ്ങൾ അധികമായി നൽകുന്നത് ഒഴിവാക്കുക.
- കുരുമുളകിൽ നടീൽ വസ്തുക്കൾ ഒരുക്കാനുള്ള ഏറ്റവും നല്ല സമയമാണിത്. നല്ലരീതിയിൽ പുതയിട്ട് അമിതചൂടിൽ നിന്നും വള്ളികളെ പരിരക്ഷിക്കേണ്ടതുമാണ്.





MANIPURI

16. Manipur

চৎনা পথাপ অমদি পাওতাকশিং ঃ

- শঙ্গোমগী পোৎথোক্ শা-ঙা, শা-শণগী শজীক্ মচিঞ্জাক্, হৈরা অমদি মনা-মশিং
 প্থোককম্ অমদি য়োনকমশিং মখা তাবা Order অমা থোকত্রি কাওবা হাংবা
 য়াগনি।
- Imphal East অমদি Imphal West তা ওনলাইন বুকিং তৌখিবা
 www.freshiesfresh.com শিংদা ওনলাইন তেনদর শিংনা মনা-মশিং য়োনবা
 য়াগনি।
- Imphal East District Administration অমতং e-kitchen ত হৈরা, মনামিশিং অমিদি চানা-অকুরা পোৎ-চৈ Imphal urban area দা home delivery
 তৌরা য়াগনি।
- Imphal West District Administration অমতং TARE ত হৈরা, মনা-মশিং
 অমদি চানা-থকুবা পোৎ-চৈ Imphal urban area দা home delivery ভৌবা
 য়াগনি।
- মাতরি অমদি হঙ্গাম য়েলা চাওরাক্লা নুমিৎ ৭ নিদগী ১০ নি ফাওবা খাওবা মতম য়ৈথবা য়াগনি
- লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা শঙ্গোল, য়েঙ্গোনবু চাং নাইনা Phenol @ 1ml বু ঈশিং
 লিতর অমদা য়ানশিনবিরগা শেংদোকপীগনি। মসিনা লায়না-তিল্লা ভাকথোকপদা
 মতেং পাংগনি। য়ুমদা য়োকপিরিবা য়েনশিং অশংবা মনা-মশিং অমদি তকখাইরবা
 চূজাক্ নত্রগা চেংকুপকা য়ালুরগা শেমা মচিঞ্জাক্ পিজবীগনি অমদি চেকশিন্ খৌরাং
 পাইখৎপীগনি।
- ওক্ লোইবীরিবশিংনা মচিঞ্জাকী জ্ঞাৎপা মাইরোক্সবীরবদি চেংকুপ্, চুজাক্ মকুপ্,
 মতম মতমগী মনা-মশিং, পান, চাবুমগী অরেম-অপা অমদি গু মকুপনিচংবা
 রানশিরবগা শেমা মচিঞ্জাক্ পীজবীগনি।
- পামলৌ ভৌবীরিবা লৌমী ঈচিন-ঈনাওশিংনা তগ্ধাই ফদনা Social Distancing
 গ্রাক্রা লৌবুকতা থবক্ গুবীগনি।





MARATHI

राज्य सरकारे / विभागांनी जारी केलेल्या मार्गदर्शक सूचना महाराष्ट्र

महाराष्ट्र शासन अधिस्चना क डीएमय् / 2020 / सीआर.92 / डिस्एम -1 दिनांक 24 मार्च 2020

- कोविड -१ च्या हष्टीने आवश्यक त्या वस्तू व सेवा पुरवणाऱ्या खालील दुकाने व आस्थापनांना लॉकडाउनच्या निर्वधात्न वगळण्यात येईल.
 - अ. खाद्यपदार्थ, िकराणा सामान, दुध व दुधाचे पदार्थ, ब्रेड, फळे, आज्या, अंडी, मांस, मासे आणि त्यांची वाहतूक तसेच कच्या माल म्हणून प्रक्रियेसाठी आवश्यक वस्तू आणि गोदाम उपक्रमांसाठी आवश्यक वस्तूंची विक्री.
 - ब. साखर, दुग्धशाळा, जनावरांचे खाद्य आणि चारा युनिट इत्यादींसह आवश्यक वस्तूंचे उत्पादन व उत्पादन युनिट.
 - क. मानसूनपूर्व संबंधित सर्व कामे

महाराष्ट्र शासन अधिसूचना क्र डीएमय् / 2020 / सीआर.92 / डिस्एम -1 दिनांक 25 मार्च 2020

- सर्व दुकाने व आस्थापना बंद राहतील परंतु आवश्यक वस्तू व सेवा पुरवणाऱ्या खालील दुकाने / प्रतिष्ठाने वरील बाबींमधून वगळण्यात येतीलः (अधिसूचनेच्या परिच्छेद 6 नुसार)
 - अ. खाद्यपदार्थ आणि गोदाम सेवा
 - ब. पुरवठा साखळी आणि जीवनावश्यक वस्तूंची वाहतूक
 - क. कृषी वस्तू आणि उत्पादने आणि सर्व वस्तूंची निर्यात आणि आयात
 - इ. अन्न, औषध व वैद्यकीय उपकरणासह आवश्यक वस्तूंची ई-कॉमर्स वितरण सेवा ई. रेशन दुकाने (पीडीएस अंतर्गत), अन्न, किराणा सामान, फळे आणि भाज्या, बेकरी, दुग्धशाळा आणि दुधाचे बूथ, दुधाचे पदार्थ, अंडी, मांस आणि मासे, जनावरांचा चारा आणि त्यांच्या वाहतुकीसह कच्च्या मालासाठी प्रक्रियेसाठी लागणाऱ्या वस्तूंसह इतर सामानाची दुकाने आणि गोदाम उपक्रम.
 - फ. पशुवैद्यकीय रुग्णालये / पशु देखभाल केंद्र आणि पाळीव प्राण्यांची दुकाने

कृषी आयुक्त, GOM परिपत्रक. I & QC / DisM / 11838/2020 दिनांक 27 मार्च 2020

- महाराष्ट्र राज्यात उत्पादन, प्रक्रिया व पुरवठा साखळी व बियाणे, खते व कीटकनाशके यांची वाहतूक
- दैनंदिन कामांसाठी शेतकरी आपल्या शेतात फिरू शकतात, शेतकऱ्यांना हालचाली करण्यास कोणतेही बंधन नाही.
- खते व कीटकनाशके विक्रेत्यांची दुकाने खुली राहतील व कार्य सुरू ठेवतील. शेतकऱ्यांना / खरेदीदारांना
 निविष्ट खरेदी करताना 3 फूट अंतर राखण्याचा सल्ला देण्यात येईल.





- राज्यात लॉकडाऊन कालावधीत खते व कीटकनाशकांसारख्या जीवनावश्यक वस्तू वाह्न सर्व वस्तू वाहनांना परवानगी देण्यात येईल.
- व्यापान्यांना विनंती आहे कि त्यांनी शेतकऱ्यांना sanitizer पुरवावे व माल खरेदी करण्यापूर्वी व खरेदी केल्यानंतर हात स्वच्छ धुतल्याची खात्री करून घ्यावी.
- खतांच्या रेकशी संबंधित सर्व हमाल, भाडोत्री मजूर, इत्यादी माल चढविण्याचे आणि उतरविण्याचे
 काम कोविद-१९ च्या पुरेशा सुरक्षा उपायासह चालू ठेवतील.
- कोणत्याही शेतीच्या कामात, साठवण प्रक्रियेत 5 पेक्षा जास्त लोकांची कोणतीही मंडळी असणार नाही.
- सर्व एपीएमसी खुल्या राहतील, त्यामुळे शेतकरी आपले उत्पादन जवळच्या एपीएमसीला पाठव् शकतात.
- शेतक-यांच्या शेतापास्न प्रक्रिया केंद्रापर्यंत आणि एका प्रक्रिया केंद्रापास्न दुसऱ्या प्रक्रिया केंद्रावर तसेच वितरण केंद्रापास्न किरकोळ विक्रेत्यांपर्यंत बियाणे वाह्न नेणाऱ्या वाहनास योग्य तपासणीनंत परवानगी देण्यात येईल.
- शेतकऱ्यांना लागणाऱ्या खते आणि कीटकनाशके आणि त्याच्या कच्च्या मालाच्या वाहतुकीस कसलेही बंधन असणार नाही.
- बाजारात भाजीपाला विक्री करतांना ग्राहक आणि विक्रेत्यांमध्ये ३ फुटांचे सामाजिक अंतर ठेवणे बंधनकारक राहील.
- शेतकरी आपल्या नाशिवंत मालाची साठवण करण्यासाठी शीतगृह सुविधेचा लाभ धेऊ शकेल.
- शेतकऱ्यांना आपला भाजीपाला सोसायट्यांमध्ये विकण्यासाठी कृषी विभागाद्वारे तालुका कृषी अधिकाऱ्यांमार्फत परवानगी देण्यात येईल.
- बियाणे प्रक्रिया केंद्र, पॅकेजिंग युनिट, बियाणे विक्री केंद्र यासारख्या युनिट्सना उघडे ठेवण्यास आणि त्यांची वाहत्क करण्यास अत्यावश्यक सेवा म्हणून परवानगी असेल.
- लॉकडाऊन कालावधीत सुरक्षिततेच्या उपाययोजनांचे पालन करून सर्व वेअर हाऊसिंग कॉपॅरिशनना राज्यात सुरू ठेवण्याची परवानगी देण्यात येत आहे.

आयुक्त कृषी परिपत्रक /Acsec/ सीओ -१ / कृषी उत्पादन पुरवठा / 95 नियम / 2020 दि. 27.03.2020

 उत्पादक घटकांचे प्रमाणित प्रमाण (उदा. २ किलो बटाटे, २ किलो कांदे, २ किलो टोमॅटो, 3 किलो भाज्या इत्यादी) तयार करुन त्यांची विक्री केली पाहिजे जेणेकरून जास्तीत जास्त नागरिक कमीतकमी वापरता येतील. वेळ कालावधीसाठी वस्तूंचा पुरवठा होईल. दररोज मागणी कमी होईल आणि यामुळे एकमेकांशी संपर्क कमी होईल.





 स्थानिक प्रशासनाची मदत मिळविण्यासाठी वाहन चालकांना ऑनलाईन बुकिंग सेवा, परिवहन वाहनांसाठी डिझेल पास इत्यादी सुविधा प्रविणे आवश्यक आहे.

G.O. No.14 of Dept of Fisheries dated 26.03.2020

मासे, खाद्य आणि खाद्य उत्पादनांसह संबंधित वस्तूंच्या वाहतुकीस एका ठिकाणाहून दुसऱ्या ठिकाणी
 बाजारात आणण्यास आणि विक्रीस परवानगी आहे.

कुषी हवामानशास्त्र सल्लासेवा, कृषी हवामान विभाग, कृषी महाविद्यालय, पुणे दि. 27.03.2020

- ज्वारी, हरझरा, गह इत्यादी परिपक्व पिके कापणी करावी.
- काढणी केलेले धान्य मळणी करून स्रक्षित साठवणीच्या ठिकाणी ठेवावे.

Agromet Advisory Bulletin issued by VNMKV, Parbhani No.: 104/ 2019-20 dated 27.03.2020 and No.: 105/ 2019-20 dated 31.03.2020

- वादळी वारा, विजांचा कडकडाट आणि पाऊस यापासून संरक्षण करण्यासाठी काढणीस तयार असलेल्या पिकांची, फळांची व भाजीपाला पिकांची काढणी लवकरात लवकर करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी.
- रब्बी ज्वारी, गह् आणि करडई पिकाची ढीग तयार करून ती ताडपत्रीने झाकावीत. मळणी केलेल्या शेतमालाची सुरक्षित ठिकाणी साठवण करावी.
- हळद काढणीनंत ती उकळून वाळत टाकली असल्यास, ढीग तयार करून ती ताडपत्रीने झाकावी.
 हळदीच्या पिकाचे यावेळी पावसापासून संरक्षण करावे.
- पुढील काळात वादळी वारा पाऊस व गारिपेटीची शक्यता असल्यामुळे काढणीस तयार असलेल्या संत्रा / मोसंबी / लिंबू फळांची काढणी लवकरात लवकर करून घ्यावी. अवकाळी पाऊस, गारिपेट यामुळे काही ठिकाणी बागेमध्ये झाडांच्या फांद्या मोडल्या असल्यास त्या सिकेटरच्या सहाय्याने कापून टाकाव्यात.
- डाळिंबाच्या बाबतीत, गारपीट व अवकाळी पावसामुळे पडलेल्या तुटलेल्या फांद्या किंवा जखमी फांद्या कादून घ्याव्यात. छाटणीनंतर ताबडतोब 10 लिटर पाण्यात 10 ग्रॅम काबॅन्डाझिमचा फवारा घ्यावा.
 अशा स्थितीत फळे आणि फुलांचे मोठ्या प्रमाणात थैंब दिसून येते; पडलेली आणि खराब झालेली फळे व्यवस्थित नष्ट करावीत.
- जूनमध्ये लागवड केलेल्या केळीच्या बागेस घडांच्या वजनामुळे केळीचे झाड कोलमडू नये म्हणून झाडास आधार द्यावा तसेच झाडास माती लावावी.





MIZO

18. Mizoram

Inkaihhruaina leh thurawn pawimawh te (Guidelines and Advisory)

- Nitina inchhungkhur mamawh (eg. ei leh in tur, thei,thlai leh ran chaw) phur tu motor te chu, state pumpui inkharkhipna (lockdown) thuchhuah hian, heng nitin mamawh te kan chatlak loh na turin, a huam tel ve lo ang.
- Horticulture department chu heng nitin mamawh eitur (buhfai etc.), thlai leh thei-te, lakkhawm, mamawhna hmuna dah leh vawn that chungchangah mawh a phur anga, Commerce and Industries Department bakah Food Civil Supplies & Consumer Affairs Department leh Village Level Task Force te be rawn chungin heng nitin mamawh a lak khawm te hi a hralhchhuah na tur rate mumal takin a bithliah (fix) ang.
- Thingtlang lo neih a eizawng, loneitu te chu, a huho in hna an thawk tur a ni lo a. Mahni lo a
 hna tul thawk tura an kal a nih pawhin, midang te hnaih lo thei ang ber leh, meter khat tal
 inkarhlat in hna an thawk tur a ni.
- Khawi khua pawhin, tawih chhe mai thei chi, thlai thar chuangliam kan nei a nih chuan district administration (DC-ah) emaw Horticulture Department, Mizoram Sawrkar, hnenah hriattir tur a ni.
- Kan thil mamawh lamna kawngah harsatna/rokhawlhna nasa tak kan tawh tak avangin, loneitu te chu mahni chin tur thlai chi te dah tha a, thlai chin hun lo inher chhuak leh tur atana thlai chi intodelh thei tura inbuatsaih turin rawn an ni.
- District Administration kengkawhtu te chuan Village Level Task Force-te siam in, veng tin ah agriculture thlai lam hralhchhuah dan tur te, a lei tu tur mipui te him zawk nana, in hnaih lutuk lo a hralhchhuah dan thlengin ruahmanna an siam tur ani.
- Ran vulh tu ten harsatna an tawh lutuk loh nan, ramhnuai atanga ran chaw lak leh vai chu,
 COVID-19 hrileng in ziaawm lam a pan a, a kian hma loh chuan, phalsak tur a ni.
- Thlai chin tlanglawn eg. Sawhthing, Aieng, Vaimim, fanghma etc. te chin a lo hun chho mek a.
 Heng thlai te kan chin lai hian, hrileng mek laka kan him zawk nan, hnathawk tu ten, mumal taka inkarhlat chung in heng thlai te hi chin tur a ni.





NEPALI

कोभिड19-को प्रकोपको कारण लकडाउन अवधिमा सिक्किमका कृषकहरूका लागि आवश्यक परामर्श

भारत सरकार र सिक्किम सरकारद्वारा जारी अधिसूचनाको आधारमा कृषि विज्ञान केन्द्र (के.भी.के) सिक्किमलेकृषकहरूको निम्ति केही आवश्यक कृषि परामर्श तयार गरेको छ। सम्पूर्ण बन्द अर्थात सम्पूर्ण लकडाउनको समयमा कृषकहरूलाई कुनै प्रकारको समस्या नहोस् भनेर परामर्श तयार गरिएको कारण यो परामर्श सिक्किमका कृषकहरूको निम्ति अति नै आवश्यक अनि महत्वपूर्ण छ। यसर्थ कृषकहरूको हितलाई ध्यानमा राखेर निम्न परामर्श जारी गरिन्छ:-

- कृषकहरूले व्यक्तिगत स्वच्छता (सरसफाई)मा ध्यानदिनुहोस्, पटक- पटक (20 देखि 40 सेकेन्डसम्म) हात धुनुहोस्।हात धुँदासाबुन अथवा सेनिटाइजर प्रयोग गर्नुहोस्। कोरोना वा कोभिड-19 भाइरस फैलिन नदिन 1 देखि डेड़ (1.5) मीटरले सामाजिक दूरी कायम राखु अति आवश्यक छ।
- साबुन अथवा सेनिटाइजरले हात सफा नगरी हातले मुख, आँखा, नाक र कान नछुनुहोस्।
- सुरक्षा निर्देशकाअनुसार प्रयोग गर्नअघि र प्रयोग गरिसकेपछि, खेतिमा प्रयोग गरिने हतियार, उपकरण र मिशन आदि सफागर्न आवश्यक छ।
- अति आवश्यक काम परेर बजार जानुपरेको खण्डमा मास्क लगाएर जानुपर्छ। अत्याधिक भिड़-भाड़मा नगएकै राम्रो र सामाजिक दूरी बनाउनुपर्छ। घर फर्किएपछिबाहिर जाँदा लगाएको कपड़ा फेर्नुपर्छ अनि घर आइपुगेपछि हात राम्रोसँग साबुन पानी र सेनिटाइजरले सफा गर्नुपर्छ। हात धुँदा विधिअनुसार धुनुपर्छ।
- यदिखेतबारीमाअझैपनि आलु,कोपी,मटर र अन्य सब्जी आदिको फसल काट्नु अथवा उठाउनु छ भने, त्यसलाई परिपक्व हुन अथवा राम्री पाक्न वा छिप्पिन दिनुहोस् किनभने आउने दिनमा अझै विकट स्थिति आउन सक्छ।
- कृषकहरूलाई बाली राम्ररी सुकाएर वा ओबानो बनाएर भण्डार गर्ने सल्लाह छ।
- खेत-बारी या फार्ममा काम गर्दा काम गर्नेले पनि सामाजिक दूरी बनाउनु पर्छ। यो दूरी कम्तीमा 5 मीटरको हुनुपर्छ। खेत बारीमा काम गर्दा पनि फेस मास्क लगाउनु पर्छ।
- खेत बारीमा खाना वा खाजा खाँदा आफ्नो थाल-बोटुका पिन एक-अर्कासित साटेर चलाउनु हुँदैन।





- साग-सब्जी बिक्रीको लागि विभिन्न एफ.पी.ओ.को केही गाड़ीलाई राज्यभित्र कुट्रे अनुमित प्रदान गरिएको छ,यसर्थ कृषकहरूलाई यो सुझाउ छ,आफ्नो साग-सब्जी टिपेर बेच्चुअघि सिम्फेडका अधिकारीसित सम्पर्क गर्ने अनि बेच्चको लागि के कित छ त्यो भन्ने सल्लाह छ। यहाँ पिन अधिक भिड़-भाड़ गर्न मनाही छ अनि अनिवार्य रूपमा 1 देखि 1.5 मीटरको सामाजिक दूरी बनाउनु अति आवश्यक छ।
- आफ्नो क्षेत्रमा भएको जैविक मल पाउने स्थानबाट कृषकहरूले मल किन्न सक्छन्।मल किन्दा पनि अनिवार्य रूपमा 1 देखि 1.5 मीटरको सामाजिक दूरी बनाउने सल्लाह छ।
- सिक्किममा मकै एक प्रमुख फसल हो, अझै पिन कतिपय स्थानमा मकै खेति गर्ने काम हुँदैछ, यसर्थ कृषकहरूलाई मकैमा आवश्यक पर्ने मलको खुराक प्रयोग गर्ने सल्लाह छ।
- आउने दिनमा यदि फसलमा कुनै प्रकारको रोग लागेको देखिए यसको फोटो खिचेर हाम्रो कृषि वैज्ञानिकहरूलाई वाट्सएपमार्फत पठाउनुहोस्। यसो गर्नसके वैज्ञानिकले रोगको उपचार गर्नलाई सही मार्गदर्शन गर्न सक्नेछन्। मकैमालाग्ने किरा (Fall Army Worm) को रोग भएसंक्रमित पौधामा नीमको तेल (1500 पौपीएम) @ 5 एम.एल प्रति लीटर पानीको हिसाबले लगाउन सिकन्छ।
- आलु फसल अहिले पाकेको छ, यसर्थ कृषकहरूलाई बिउँको लागि सही साइजको आलु छानेर न्यून शुल्कमा तयार हुनसक्ने भण्डारण प्रविधिमा राख्ने सल्लाह छ।
- कृषकहरूले कुहिने फसललाई राख्नका लागि कृषकहरूले कोल्ड स्टोरेजको सुविधा लिन सक्छन्।

पशुधन पालन परामर्श :

- कृषकहरूलाई पशुधन र पोल्ट्रीमा प्रयोग हुने चारो, औषधी आदि चाहिएको बेलामा किन्ने अनुमित छ। तर यो सब किन्दा पिन अनिवार्य रूपमा 1 देखि 1.5 मीटरको सामाजिक दूरी बनाउने सल्लाह छ।यसको लागि पिन मास्क लगाएर जानुपर्छ। नियमितरूपमा हात साबुन पानी र सेनिटाइजरले सफा गर्नुपर्छ।
- पशुधनमा संलग्न कृषकहरूलेनियमित रूपमा खनिज मिश्रण @ 50-60 ग्राम प्रतिदिन वयस्क गाईलाई अनि स्तनपान र गर्भवती गाईलाई प्रतिदिन केल्सियम 60-80 मिलीलीटर प्रतिदिन अतिरिक्त खुराक दिने सल्लाह छ।





- सबै डेरी कृषकहरूलाई बिहान गाईको दूध सिक्किम मिल्क यूनियन लिमिटेडमा बिक्री गर्ने सल्लाह छ।यहाँ दूध बेच्दा कृषकहरूले दूधको फ्याट र एस.एन.एफ.को आधारमा मूल्य पाउछन्।
- साँझको दूधबाट पनीर घिउँ बनाएर अझ धेरै आय आर्जन गर्न सक्नेछन्। यसो गरेमा तरल दूध बेचेर पाउने मूल्यभन्दा पनि अधिक आमदानी गर्न सक्छन्।
- पशुधनलाईरुख-घाँस साथ-साथै भूइँ-घाँस र पराल दिने गरेमा पशु आहारको कमी हुँदैन अनि दिगो हुनेछ। यसले पशुधनको दिगो उत्पादन गर्न सहयोग पुग्छ।

पोल्ट्री पालनका लागि परामर्शः

- कृषकहरूलाई धेरै भन्दा धेरै वनराजा प्रजातिको पोल्ट्री कुखुरा पालन गर्ने सल्लाह छ। यसो गरेमा(सही उच्च तौलको), कुखुरा स्थानीय मागअनुसार बिक्री गर्न सिकन्छ।
- कृषकहरूलाई वनराजा प्रजातिको कुखुरा केवल अण्डाकोलागि मात्र राख्ने सल्लाह छ। यसो गरेमा अण्डाको स्थानीय मागलाई पूर्तीगर्न सिकन्छ।
- पोल्ट्री पालन गर्दा आवश्यक सरसफाईमा ध्यान दिनुपर्छ। कुखुराको खोर सफा हुन अति नै आवश्यक छ।
- पशुधन र पोल्ट्री कुखुरालाई चोबिसै घण्टा स्वच्छ पानी दिनुपर्छ।
- कुखुराको खोरमा फोहोर सामाग्रीले कोकिडायोसिस्संक्रमण हुनसक्छ। यसकारण खोर सफा
 गर्न आवश्यक छ। यदि कुखुरामा रातो सुलीकोलक्षण देखिएमा तत्काल पानीमाएंटीकोसीडियल
 औषधी (एम्प्रोलियम) मिसाएर तीन-चार दिनसम्म दिनुपर्छ।
- अण्डादिने कुखुरालाई नियमित भिटामिन र क्यालिसयम दिनुपर्छ।

सबै कृषकहरूलाई थप जानकारीको लागि जिल्ला स्तरमा कृषि विज्ञान केन्द्र (के.भी.के) र राज्यस्तरमा भारतीय जैविक कृषि अनुसंधान केन्द्र (आइ.सी.ए.आर-नोफ्री) तादोङमा सम्पर्क गर्ने सल्लाह छ।





ORIYA

କରୋନା ଭୂତାଣୁ ସଂକ୍ରମଣ ଯୋଗୁଁ ତାଲାବନ୍ଦ ସମୟରେ କୃଷକ ମାନଙ୍କ ନିମନ୍ତେ ପରାମର୍ଶ

- ୧. ବିପଣନ ସଂଘ, ପ୍ରାଥମିକ କୃଷି ରଣ ସୋସାଇଟି, ମୋଟା ବେପାର ସ୍ଥଳ ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ପଞ୍ଜିକୃତ ବିକ୍ରୟ ସ୍ଥଳକୁ ଗାଡ଼ି ମାଧ୍ୟମରେ ସାର ପରିବହନ କରାଯିବ।
- ୨. ପଞ୍ଜିକୃତ ସ୍ଥଳ ରୁ ବିକ୍ରୟ ସ୍ଥଳ କୁ କୀଟନାଶକ ଏବଂ ସାର ପରିବହନ କରାଯାଇପାରିବ।୩. ବିହନ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ ର ସମୟ କାର୍ଯ୍ୟ କରାଯାଇପାରିବ।
- ୪. କୃଷକ ମାନଙ୍କଠାରୁ ଅଣ ପ୍ରକ୍ରିୟା କୃତ ବିହନ, ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ କେନ୍ଦ୍ରକୂ ଏବଂ ପ୍ରକ୍ରିୟା କୃତ ବିହନ, ପ୍ଲାଣ୍ଟ ରୁ ବିକ୍ରୟ କେନ୍ଦ୍ରକୁ ପରିବହନ ଚାଲୁ ରହିବା।
- ୫. ବିହନ, ସାର, କୀଟନାଶକ ବିକ୍ରୟ କେନ୍ଦ୍ରଗୁଡିକ ସକାଳ ୭ ଟା ରୁ ୯ ଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଖୋଲା ରହିବା।
- ୬. ସମୟ ଡିଲର ଏବଂ କୃଷକ ମାନେ ମାୟ ପିନ୍ଧିବା ସହିତ ସାମାଜିକ ଦୁରତ୍ୱ ବଜାୟ ରଖିବା ଜରୁରୀ।
- ୭. ବିକ୍ରୟ କେନ୍ଦ୍ର ଗୁଡିକରେ ବ୍ୟବହୃତ ଉପକରଣ ଗୁଡିକର ନିୟମିତ ବିଶୋଧନ କରାଯିବା ସହ କୃଷକ ମାନଙ୍କର ହାତ ପରିଷାର ରଖିବା ପାଇଁ ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯିବା ଅପରିହାର୍ଯ୍ୟ।





PUNJABI

21. ਪੰਜਾਬ

ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼: ਸੂਚੀ ਨੰ. Agri4/2020/SPL1-30

- ਕਿਸਾਨਾਂ ਅਤੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਮਜ਼ਦੂਰਾਂ ਨੂੰ ਖੇਤੀ ਦੇ ਵਾਢੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸੰਬੰਧਿਤ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਆਉਣ-ਜਾਣ ਲਈ ਮਨਜੂਰੀ।
- ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਵਾਢੀ ਦੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਅਤੇ ਖੇਤੀ ਸੰਬੰਧੀ ਵਸਤਾਂ / ਉਤਪਾਦਾਂ ਨੂੰ ਲਿਆਉਣ - ਲੈ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਆਵਾਜਾਈ ਦੇ ਵਾਹਨਾਂ ਨੂੰ ਬਿਨਾਂ ਰੋਕ-ਟੋਕ ਦੇ ਆਉਣ-ਜਾਣ ਦੀ ਮਨਜੂਰੀ
- ਕਸਟਮ ਹਾਇਰਿੰਗ ਸੈਂਟਰਾ ਦੁਆਰਾ ਨਿੱਜੀ ਖੇਤਰਾਂ ਤੇ ਸਹਿਕਾਰੀ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਨੂੰ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਸੰਬੰਧਿਤ ਮਸ਼ੀਨਰੀ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਾਉਣ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕੰਮਾਂ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ ਦੀ ਆਗਿਆ।
- 4. ਬੀਜ, ਖਾਦ, ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਅਤੇ ਕੀੜੇਮਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਵਿਕਰੀ ਨੂੰ ਮਨਜੂਰੀ।
- ਕਣਕ ਦੀ ਆਮਦ ਲਈ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਵਿਹੜੇ /ਮੰਡੀਆਂ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਨੂੰ ਮਨਜੂਰੀ।
- ਐਮ.ਐਸ.ਪੀ. ਦੇ ਕੰਮਕਾਜਾਂ ਲਈ ਖਰੀਦ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਨੂੰ ਮਨਜੂਰੀ।
- ਉਪਰੋਕਤ ਕੰਮਾਂ ਲਈ ਦੌਰਾਨ ਸਿਹਤ ਸਲਾਹਾਂ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ, ਮਾਸਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਹੱਥ ਧੋਣਾ ਆਦਿ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨ ਲਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕਦਮ ਚੁੱਕੋ।

ਸਲਾਹਕਾਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਸਲਾਹ

- ਮਾਰਚ ਮਹੀਨੇ ਦੌਰਾਨ ਬੇਮੈਸਮੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਕਾਰਨ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਵਿੱਚ ਦੇਰੀ ਹੋ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ 5-10 ਅਪ੍ਰੈਲ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ 15-30 ਅਪ੍ਰੈਲ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਇਹ ਵਾਢੀ ਜੋਰਾਂ ਉੱਤੇ ਰਹੇਗੀ।
- ਕਣਕ ਦੀ ਵਾਢੀ ਹਾਲਾਂਕਿ ਵਾਢੀ ਵਾਲੇ ਕੰਬਾਇਨ ਹਾਰਵੈਸਟਰਾਂ ਨਾਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਇਸ ਲਈ ਰਾਜ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਰਾਜਾਂ ਦਰਮਿਆਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਲਿਆਉਣ/ਲੈ ਜਾਣ ਦੀ ਆਗਿਆ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ ਪਰੰਤੂ ਇਹਨਾਂ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ, ਰੱਖ-ਰਖਾਵ ਅਤੇ ਵਾਢੀ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲੱਗੇ ਕਾਮਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਉਪਾਅ ਸੁਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕੀਤੇ ਜਾਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ



- ਆਲੂ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ (>95%), ਸਿਰਫ਼ ਜਨਵਰੀ ਵਿੱਚ ਬੀਜੀ ਗਈ ਆਲੂ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ ਕਰਨੀ ਬਾਕੀ ਹੈ (5% ਰਕਬਾ)। ਸਟੋਰੇਜ, ਟ੍ਰਾਂਸਪੋਰਟ ਅਤੇ ਮਾਰਕੀਟਿੰਗ ਦੇ ਕੰਮ-ਕਾਜ ਸੁਰੱਖਿਆ ਦੀਆਂ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰਨਾ ਲਾਜ਼ਮੀ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ।
- ਹੁਣ ਤੱਕ ਤਕਰੀਬਨ 50% ਸਰ੍ਹੋਂ ਤੇ ਤੇਲ ਵਾਲੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਪੂਰੇ ਜੋਰਾਂ-ਸ਼ੋਰਾਂ 'ਤੇ ਹੈ ਅਤੇ ਸੰਭਾਵਿਤ ਹੈ ਕਿ ਬਾਕੀ ਕਟਾਈ ਅਪ੍ਰੈਲ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਹਫ਼ਤੇ ਤੱਕ ਪੂਰੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਸਮਾਜਿਕ ਦੂਰੀ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
- ਬਾਰਿਸ਼ ਕਾਰਨ ਦਾਲਾਂ ਆਦਿ ਦੀ ਵਾਢੀ ਵਿੱਚ ਦੇਰੀ ਹੋ ਚੁੱਕੀ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਅਪ੍ਰੈਲ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਹਫ਼ਤੇ ਤੋਂ ਮਹੀਨੇ ਅੱਧ ਵਿਚਕਾਰ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।









TAMIL

கோவிட் 19 தடை காலத்தில் விவசாயிகளுக்கான ஆலோசனை அறுவடை, அறுவடைக்கு பிந்தைய செயல்பாடுகள், சேமிப்பு மற்றும் விற்பனையின்போது கடைபிடிக்கவேண்டிய பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகள் மற்றும் பொதுவான முன்னெச்சரிக்கைகள்:

வேளாண் பணிகளின்பொழுது கொரோனா வைரஸ் தொற்று பரவுவதை தவிர்க்க விவசாயிகள் பின்வரும் முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகளைப் பின்பற்ற அறிவுறுத்தப்படுகிறார்கள்:

- ஆட்களைக் கொண்டு அறுவடை செய்யும்பொழுது நபருக்கு 4-5 அடி இடைவெளியில் வரிசைகளை ஒதுக்கி அறுவடை செய்ய வேண்டும்.
- வேளாண் பணிகளில் ஈடுபடுவோர் அனைவரும் முகக்கவசம் அணிய வேண்டும். அவ்வப்பொழுது சோப்பை உபயோகித்து கை கழுவ வேண்டும்.
- ஓய்வு, உணவருந்துதல், விளைபொருட்களை இடம் மாற்றுதல்,
 சுமை ஏற்றி இறக்குதல் போன்ற நேரங்களில் நபருக்கு நபர் 3-4 அடி பாதுகாப்பான இடைவெளியை பின்பற்ற வேண்டும்.
- ஒரு இடத்தில் ஒரே நாளில் அதிக தொழிலாளர்களை பணியில் ஈடுபடுத்துவதை தவிர்க்க வேண்டும். அதற்காக பல வேளாண் பணிகளை ஒரே நேரத்தில் திட்டமிடாமல் பிரித்து செய்ய வேண்டும்.
- கொரோனா நோய் தொற்று அறிகுறி உள்ள தொழிலாளர்களை வேலைக்கு அமர்த்துவதை தவிர்க்கவும். தீர விசாரித்தபின் முடிந்தவரை ஆரோக்கியமான தொழிலாளர்களை மட்டுமே வேலைக்கு அமர்த்தவும்.
- சாத்தியமான இடங்களில் இயந்திரங்களை பயன்படுத்தவும்.
 குறைந்தபட்ச நபர்களை மட்டுமே இயந்திரங்களை இயக்க அனுமதிக்க வேண்டும்.
- இயந்திரங்களை பயன்படுத்த துவங்கும் முன்பும், பணியிடையில் அவ்வப்பொழுதும் சுத்தப்படுத்த வேண்டும். அனைத்து போக்குவரத்து





- விளைபொருட்களை 3-4 அடி இடைவெளியில் சிறிய குவியல்களாக சேகரிக்க வேண்டும். கூட்டத்தைத் தவிர்க்க குவியலுக்கு 1-2 நபர்களை மட்டுமே சுத்திகரித்தல் மற்றும் பிற பணிகளில் ஈடுபடுத்த வேண்டும்.
- பண்ணையில் சேமிக்க முடியுமானால், விளைபொருட்களை
 உடனடியாக சந்தைக்கு எடுத்து செல்வதைத் தவிர்க்கவும்.
- வேளாண் இடுபொருட்களை வாங்கும்பொழுதும் விளைபொருட்களை சந்தையில் விற்கும்பொழுதும் முறையான பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளை பின்பற்றவும்.

தமிழ்நாட்டிற்கான வழிகாட்டுதல்களும் ஆலோசனைகளும் வழிகாட்டுதல்கள் - D.O. கடித எண் 87 / APC&PS/ 2020 நாள் 24/03/2020; குடும்ப நலத்துறையின் அரசாணை எண். 232 / 27.03.2020 & அரசாணை எண். 152/23.03.2020

- காய்கறிகள், பழங்களை விவசாயிகள் உள்ளூர், மொத்த சந்தை மற்றும் உழவர் சந்தைகளில் விற்பனை செய்யலாம். இதற்காக, வேளாண் விற்பனை மற்றும் வணிகத் துறையின் உதவியை விவசாயிகள் பெறலாம். கூட்டத்தைத் தவிர்ப்பது மற்றும் 3 அடி இடைவெளியில் தனிமைப்படுத்தும் தூரத்தை கண்டிப்பாக கடைபிடிக்கப்பட வேண்டும்.
- விவசாயிகள் விளைபொருட்களை சந்தைகளுக்கு தடையின்றி கொண்டு செல்வதற்காக p.o. கடித எண் 87 / APC&PS/ 2020 நாள் 24/03/2020ன் நகலை எடுத்துச் செல்ல வேண்டும்.
- விவசாய விளைபொருட்களை உள்ளூர், மொத்த சந்தைகள் மற்றும் உழவர் சந்தைகளில் விற்பனை செய்வதற்கு அரசாணையில் விதிக்கப்பட்ட போக்குவரத்து கட்டுப்பாடுகள் பொருந்தாது.





- 4. விவசாயிகள் நலனுக்காக ஒரு உதவி வேளாண்மை அலுவலர் மூலம் தமிழ்நாடு விநியோக சங்கிலி மேலாண்மை திட்டத்தின் கீழ் உள்ள முதல்நிலை பதன்செய் மையம் இயங்கும்.
- விவசாயிகள் ஒருங்கிணைந்த வேளாண் விரிவாக்க மையம் மற்றும் துணை வேளாண் விரிவாக்க மையங்களில் விவசாய இடுபொருட்களை வாங்கலாம்.
- 6. விவசாயிகளின் பயன்பாட்டிற்காக அரசு மற்றும் தனியார் துறைகளின் விதை சேமிப்பு, சோதனை, பதப்படுத்துதல், தரம் பிரித்தல் மற்றும் பொதியிடும் வசதிகள் இயங்கும்.
- 7. காரீப் 2020 பருவத்திற்கான அனைத்து பயிர் விதைகளும் தனியார் விதை நிறுவனங்களின் மூலம் விவசாயிகளுக்கு கிடைக்கும். விதை நிறுவனங்கள் விவசாயிகளுக்கு அனைத்து விதைகளும் கிடைப்பதை உறுதி செய்ய வேண்டும்.
- விவசாயிகள் உள்ளூர் கடைகளில் உரங்களை வாங்கலாம்.
 விவசாயிகள் வாங்கும் போது 3 அடி சமூக விலகல் தூரத்தை கடைபிடிக்க அறிவுறுத்தப்படுகிறார்கள்.
- விவசாயிகள் தங்கள் விளைபொருட்களை 180 நாட்கள் வரை ஒழுங்குமுறை விற்பனை கூடங்களில் உள்ள சேமிப்பு கிடங்குகளில் சேமிக்கலாம். இதற்கு 30 நாட்கள் வரை வாடகை விலக்கு அளிக்கப்பட்டுள்ளது.
- 10. விவசாயிகள் விளைபொருட்களின் சந்தை மதிப்பில் 75% அல்லது ரூபாய் 3 லட்சம் வரை (எது குறைவானதோ) கடனாக பெறலாம். கடனை திருப்பிச்செலுத்தும் காலம் 180 நாட்கள், அதில் முதல் 30 நாட்களுக்கு 5% வட்டி மட்டுமே வதுலிக்கப்படும்.
- அழுகும் பொருட்களை சேமிக்க விவசாயிகள் குளிர் சேமிப்பு கிடங்கு வசதிகளை பயன்படுத்திக்கொள்ளலாம்.
- 12. கால்நடைகள், கோழி, மீன், முட்டை, இறைச்சி மற்றும் கால்நடை/கோழி தீவனம் ஆகியவற்றின் போக்குவரத்து அனுமதிக்கப்படுகிறது





பயிர் சாகுபடிக்கான ஆலோசனைகள்

- நெல் பால் பிடிக்கும் பருவம் முதல் முதிர்ச்சி பருவம் வரை நெல்லை உள்ளது. விளைந்த ஒருங்கிணைந்த அறுவடை இயந்திரங்கள் மூலம் அறுவடை செய்ய வேண்டும். பழுதுபார்ப்பு, பராமரிப்பு அறுவடை நடவடிக்கைகளில் ப்புள்ள ஈடுபடும் எச்சரிக்கை தொழிலாளர்களின் பாதுகாப்பு மற்றம் (மன் ஏற்பாடுகளை உறுதி செய்யவேண்டும்.
- நிலக்கடலை மற்றும் எள் பயிர்கள் முதிர்ச்சி பருவத்திலிருந்து அறுவடை பருவம் வரை உள்ளது. நிலக்கடலையை ஆட்கள் மூலம் அறுவடை செய்தபின் இயந்திரம் கொண்டு காய்களை பிரித்தெடுக்க வேண்டும். அவ்வாறு செய்யும்பொழுது தனிநபர் சுகாதார பாதுகாப்பு மற்றும் உபகரணங்களை முறையாக சுத்தம் செய்வதை உறுதிசெய்ய வேண்டும்.
- பயறு வகை பயிர்கள் முதிர்ச்சி பருவத்திலிருந்து அறுவடை பருவம் வரை உள்ளது. ஆட்கள் மற்றும் ஒருங்கிணைந்த அறுவடை இயந்திரங்கள் மூலம் சுகாதார பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளை பின்பற்றி அறுவடை மேற்கொள்ளப்பட வேண்டும்.
- மக்காச்சோள பயிர் கதிர் உருவாகும் பருவத்தில் உள்ளது.
 இப்பயிரில் படைப்புழு தாக்கம் தென்படுவதால் அதற்குரிய பரிந்துரைக்கப்பட்ட மேலாண்மை நடவடிக்கைகளை தேவையின் அடிப்படையில் மேற்கொள்ளவேண்டும்.
- கரும்பு பயிர் வளர்ச்சி பருவத்தில் உள்ளது. குருத்துப் பூச்சி தாக்கம் இருக்கும் பட்சத்தில் முட்டை ஒட்டுண்ணி விடுதல் அல்லது பரிந்துரைக்கப்பட்ட பூச்சிக்கொல்லிகளை பயன்படுத்த வேண்டும்.
- மா தற்போது காய்க்கும் பருவத்தில் உள்ளது (கோலிக்குண்டு அளவிலுருந்து எலுமிச்சை அளவு வரை). மாவில் பிஞ்சு உதிர்தல் ஒரு முக்கிய பிரச்சனையாகும். இதனை நிவர்த்திசெய்ய இலைவழி ஊட்டச்சத்து தெளிப்பு தேவைப்படுகிறது. ஊட்டச்சத்து கலவையை





- கலக்கும் போது சுகாதார பாதுகாப்பு முறைகளை கடைபிடிக்க வேண்டும்.
- வாழை வளர்ச்சி பருவத்திலிருந்து குலை தள்ளும் பருவத்தில் உள்ளது. மரவள்ளி முதிர்ச்சி பருவத்தில் உள்ளது; எலுமிச்சை, முந்திரி, பப்பாளி, மஞ்சள், தர்பூசணி மற்றும் காய்கறிகள் (கத்திரி, வெண்டை மற்றும் பூசணி வகைகள்) அறுவடைக்கு தயாராகியுள்ளது. அறுவடை, பதப்படுத்துதல், சேமிப்பு, போக்குவரத்து மற்றும் சந்தைப்படுத்துதல் ஆகிய ஒவ்வொரு கட்டத்திலும் சுகாதார பாதுகாப்பு முறைகளை முழுமையாக கடைபிடிக்க வேண்டும்.
- தென்னை விவசாயிகள் சந்திக்கும் பிரச்சனைகளில் சுருள் வெள்ளை

 ஈ முக்கியமானதாகும். வேளாண்மை பல்கலை கழகங்கள் /
 வேளாண் அறிவியல் மையங்களால் பரிந்துரைக்கப்பட்ட
 மேலாண்மை முறைகளை பின்பற்றவும். இப் பூச்சியை கட்டுப்படுத்த
 இராசயன பூச்சி கொல்லிகளின் பயன்பாட்டை தவிர்க்கவேண்டும்.
- பெரும்பாலான பயிர்கள் அறுவடைப் பருவத்தை நெருங்கி வருவதால் பண்ணை நடவடிக்கைகளுக்கான தொழிலாளர் பற்றாக்குறை ஒரு முக்கியமான பிரச்சனையாக உள்ளது. வாய்ப்பு உள்ள இடங்களில் அறுவடை இயந்திரங்களை, பண்ணை இயந்திர வாடகை மையத்திலிருந்து பெற்று பயன்படுத்திக்கொள்ள வேண்டும். அவ்வாறு செய்யும்போது தனிநபர் சுகாதாரம் மற்றும் சமூக விலகல் போன்ற அனைத்து பாதுகாப்பு நடவடிக்கைகளையும் முறையாக பின்பற்ற வேண்டும்.





TELUGU

కోవిడ్-19 కారణంగా లాక్ డౌన్ సమయంలో రైతులకు మరియు వ్యవసాయ రంగానికి సంబంధించిన మార్గదర్శకాలు సాధారణ మార్గదర్శకాలు:

- కోత సమయంలో కూలీలందరూ 4-5 అడుగుల దూరంలో వుండేటట్ను చూసి ఒక్కొక్కరు, ఒక్కొక్క భాగంలో పని చేసేలా చేయడం ద్వారా వ్యవసాయ కూలీల మధ్య సరియైన సామాజిక దూరం ఉండేలా చూడవచ్చు, తద్వారాకరోనా వైరస్ ను నివారించడం వీలవుతుంది.
- పాలాలలో పనిచేసే ప్రతి ఒక్కరు తప్పని సరిగా మాస్కులు ధరంచడం మరియు
 నిర్దేశిక సమయంలో చేతులు సబ్బుతో కడుక్కొవడం తప్పనిసరిగా పాటించాలి.
- ఎక్రాంతి తీసుకునే సమయంలో, భోజన సమయంలో, పంటను ఒక దగ్గరకు చేర్చే సమయంలో బండ్లలోనికి ఎత్తే సమయంలో మరియు దించే సమయంలో ఒకరికొకరు 3-4 అడుగుల దూరం తప్పని సరిగా పాటించాలి.
- సాధ్యమైనంత వరకు వ్యవసాయ పనులను అవసరాన్ని బట్టి విభజించి చేయడం
 ద్వారా ఒకే రోజు ఎక్కువ మంది కూలీలను పెట్టకుండా నివారించాలి.
- వ్యవసాయ పనులకు తెలిసిన వారిని మాత్రమే వినియోగించడంతో పాటు వారి ఆరోగ్య పరిస్థితిని విచారించి తగు జాగ్రత్తలు పాటించాలి.
- ఏలైనంత వరకు యండ్రాలను వినియోగించాలి, అవసరం మేరకు మాత్రమే వ్యవసాయ కూలీలను యండ్రాలతో పాటు వినియోగించాలి. అన్ని రకాల యండ్ర పరికరాలను క్షేతంలో వాడకానికి ముందు మరియు వాడే సమయంలో పూర్తిగా శుభవరచాలి. అన్ని రవాణా వాహనాలు, సంచులు మరియు ఇతర ప్యాకింగ్ సామాగ్రి శుభవరచాలి.
- పంటను కోత అనంతరం చిన్న చిన్న కుప్పలుగా 3-5 అడుగుల దూరంలో పోగుచేయడం ద్వారా కుప్పకు ఒకరి చొప్పున నిలబడి ఇతర కార్యక్రమాలు నిర్వహించేలా చర్యలు చేపట్టాలి.





- పంటను క్షేతస్థాయిలో నిల్వకు తగినన్ని గోనె సంచులను వినియోగించాలి లేదా దగ్గరలోని కోల్డ్ స్టోరేజీలు/ గోదాములు/ గిడ్డంగులు వినియోగించి సరియైన ధర వచ్చిన తరువాత అమ్మేట్ల చర్యలు చేపట్టాలి.
- వ్యవసాయ మరియు అనుబంధ రంగాలకు సంబంధించి ఇన్ ఫుట్స్ కొనడానికి మార్కెట్ కు వెళ్ళేటప్పుడు, కొనేటప్పుడు మరియు అమ్మేటప్పుడు రైతులు తగిన జాగ్రత్తలు పాటించాలి.

ఆంద్రప్రదేశ్ మార్గదర్శకాలు:

File No.AGC02-12027(31)/8/2020-SEED SEC-AGRHOD (AP)

- రాష్టంలో విత్తనం, ఎరువులు మరియు పురుగుమందుల రవాణా ఉత్పత్తి, ట్రాసెసింగ్ మరియు సరఫరా గొలుసు కొనసాగింపునకు మధ్ధతుగా ఆంద్ర ప్రదేశ్ ప్రభుత్వం మార్గదర్శకాలు జారీ చేయడం జరిగింది.
- 2. నజ్ఞ, పత్తి, పప్పు ధాన్యాలు, బియ్యం, వేరుశనగ, కూరగాయల విత్తనాలు మొదలైనవి, హైబ్రిడ్ మొక్కజొన్న, జొన్న, మేత పంటలకు సంబంధించి హార్వెస్టింగ్, పోస్ట్ హార్వెస్టింగ్, ముడి విత్తనాల రవాణా మరియు అన్నీ విత్తన పంటల ప్యాకింగ్ కార్యకలాపాలు రాష్ట్రవ్యాప్తంగా కొనసాగడానికి అనుమతి ఇవ్వబడింది.
- రైతుల పొలాల నుండి అనుమతి పొందిన విత్తన సంస్థల ప్రాసెసింగ్ ప్లాంట్లకు తగిన రవాణాసహాయక పడ్రాల ఆధారంగా విత్తనాల రవాణాను అనుమతి ఇవ్వడం జరుగుతుంది.
- 4. ఎరువులు, పురుగుమందుల డీలర్ దుకాణాలు తెరిచి ఉంచి పనిచేయడం కొనసాగించాలి. రైతులు పంటకు కావల్సిన ఇన్పుట్స్ కొనుగోలు చేసేటప్పుడు దుకాణాల దగ్గర 3 అడుగుల సామాజిక దూరం పాటించాలి.

ర్వాష్ట్ర స్థాయి వ్యవసాయ పంట సలహాలు:

- 1. వరి పంట గింజ నిండే దశ నుండి గట్టిపడే దశలో ఉంది. ఈ దశలో మెడ విరుపు తెగులు, కాండం తొలుచు పురుగు మరియు వెన్ను నల్లి ఆశించడాన్ని గమనించవచ్చు. వీటికి గాలిలో అధిక తేమ కూడిన పరిస్థితులు అనుకూలంగా ఉంటాయి. మెడ విరుపు వ్యాది నివారణకు (మైసైక్లోజోల్ 0.6 (గా లేదా ఇస్టోప్లోథయొలెన్ 1.5 మీ.లీ లేదా కాసుగామైసిన్ 2.5 మీ.లీ చొప్పున లీటరు నీటికి కలిపి పిచికారి చేయాలి.
- 2. వరి పంట కోత మరియు నూర్పిడి యండ్ర పరికరాల మరమ్మత్తు మరియు నిర్వహణలో నిమగ్నమైన రైతులు, రైతు కూలీలు జాగ్రత్తలు మరియు భద్రత పాటించాలి. వరి కోత సమయంలో అవసరమైన కంబైన్ హార్వెస్టర్ అందుబాటులో





- ఉండేలా చూడాలి. రైతులు సమీప ప్రాంతాలలో వరి కోత హార్వెస్టెర్ల గూర్పి యంత్ర పరికరాల కేంద్రం 'ఫార్మ్ మెషినరీ యాప్' ద్వారా తెలుసుకోవచ్చు
- 3. ఆంధ్రప్రదేశ్ లోని రైతులు వరి పంట తర్వాత వేసిన మినుము పైరు పంట పూత దశ నుండి కోత దశలో ఉంది. వేసవి సీజను పెసర పంట శాఖీయ దశలో ఉంది. పల్లాకు తెగులు (ఎల్లో మోజాయిక్ వైరస్) తెగుళ్ళను వ్యాప్తి చేసే తెల్ల దోమను నియంత్రణకు జాగ్రతలు పాటించాలి. వ్యవసాయ విశ్వవిద్యాలయం వారు సీఫారసు చేసిన సస్యవరక్షణ చర్యలను పాటించాలి.
- 4. మొక్కజొన్న పుష్పించే దశ మరియు కోత దశకు లో వుంది. ఈ దశలో కత్తెర పురుగు (ఫాల్ ఆర్మీ వార్మ్) ఆశించడం గమనిస్తే, వ్యవసాయ విశ్వవిద్యాలయం వారు సిఫారసు చేసిన సస్ప్సరక్షణ చర్యలను పాటించాలి. నూర్పిడి చేసే యంత్ర పరికరాల విషయంలో జాగ్రత్తలను పాటించాలి.
- నువ్వు పంట పిందెలు ఏర్పడే దశలో ఉంది. ఈ దశలో హెక్టారుకు 2.5 కిలోల 19-19-19
 లేదా 13-0-45 పోషకాన్స్ట్ చొప్పున 500 లీటర్ల నీటికి కలిపి పిచికారి చేయాలి.
- 6. మీరప పంట మూడు, నాళ్లవ కోత దశలో ఉంది. ఈ దశలో తామరపురుగులు మరియు నల్లి పురుగులను గుర్తించి తగు జాగ్రత్తలను పాటించాలి. రైతులు, రైతు కూలీలు (స్పే చేసే పరికరాల వాడకంలో అనుసరించాల్సిన భద్రతా జాగ్రత్తలను తీసుకోవాలి.
- 7. మామిడిలో స్థస్తుతం పిందె రాలే అవకాశం ఉంది. నివారణకు 10 గ్రాముల యూరియా మరియు 1 మి.లీ ఫ్లానోఫిక్స్ ను 4.5 లీటర్ల నీటికి కలిపి పిచికారి చేయాలి. నీటిలో రసాయనాలను కలియపెట్టేటప్పుడు మరియు పిచికారి చేసేటప్పుడు రైతులు మరియు కూలీలు తగు జాగ్రత్త వహించాలి.
- 8. చీనీ, బత్తాయి మరియు నిమ్మ లలో వేరుకుళ్ళు తెగులు గుర్తించడమైనది, నివారణకు వ్యవసాయ విశ్వవిద్యాలయం వారు సూచించిన నివారణ చర్యలను పాటించాలి. అలాగే మందులు పిచికారీ చేసేటప్పుడు మరియు ఎరువులు వేసేటప్పుడు తగిన భద్రత జాగ్రత్తలు తీసుకోవాలి.
- కొబ్బరి, ఆయిల్ పామ్ మరియు జామ రైతులు ప్రస్తుతం ఎదురుకొంటున్న ప్రధాన సమస్య తెల్ల దోమ. కృషి విజ్ఞాన కేంద్రాలు మరియు వ్యవసాయ విశ్వవిద్యాలయం వారు సూచించిన నివారణ చర్యలను పాటించాలి.





4. ACTIVITIES UNDERTAKEN BY ICAR-RESEARCH INSTITUTES

Activities undertaken by ICAR- Research Institutes' to mitigate the farmers' problems and to assist civil administration to fight against the COVID-19 pandemic

DARE/ICAR has responded to the challenges posed by COVID-19 Pandemic to farmers and farming sector across the country in tune with the policy directions and guidelines issued by the Government of India to all the States and UTs.

A. ADVISORY TO FARMERS & OTHER STAKEHOLDERS:

Taking note of the occurrence of the Corona-19 pandemic to coincide with critical farm operations in agriculture and allied sectors, ICAR through its countrywide network of Research Institutes, KVKs also supported by Agricultural Universities alerted the farmers and stakeholders across the country on the pre-cautions, safety measures and need for social distancing while carrying out the time bound field operations such as harvesting, post-harvest processing, storage and marketing of grains, fruits, vegetables, eggs, meat and fish.

ICAR issued National and state-specific advisory for farmers translated into 15 regional languages and widely communicated through digital platforms. An e-Book documenting the advisories at the national and state level has also been prepared. The advisories received prime coverage in print, electronic and social media across the country including DD Kisan and other channels.

More than 5.48 crore farmers were reached through issue of 1126 advisories across the states (Table 1).

Table 1: mkisan Portal messages disseminated from 25.03.2020 to 10.04.2020 by KVKs

States	No. of advisory	No. of messages
ANDHRA PRADESH	52	4704340
ARUNACHAL PRADESH	2	550
ASSAM	55	290571
BIHAR	22	426060
CHHAT'TISGARH	54	3899528
GUJARAT	49	972111
HARYANA	11	643128
HIMACHAL PRADESH	13	341118
JAMMU AND KASHMIR	6	5192
JHARKAND	17	761618
KARNATAKA	86	3504283
KERALA	9	24533
MADHYA PRADESH	179	6283933
MAHARASHTRA	80	4599638
MANIPUR	15	1997
MEGHALAYA	7	1264
NAGALAND	2	370





States	No. of advisory	No. of messages
ODISHA	65	7698779
PUNJAB	7	45452
RAJASTHAN	23	4037024
SIKKIM	9	8807
TAMIL NADU	237	1949886
TELANGANA	21	1684313
TRIPURA	1	2648
UTTAR PRADESH	76	11046428
UTTARAKHAND	4	5907
WEST BENGAL	27	1857591
Total	1126	54797069

Dissemination of advisory was also made through whatsapp groups, newspapers, radio and TV channels by KVKs. KVKs and KVK scientists are also disseminating advisories through Facebook. The advisories have been put up in ICAR website and KVK portal where lakhs are registered and downloading the advisories. Advisories have been disseminated to a total of 13.82 lakh farmers. Out of these, 5.75 lakh farmers have been covered through 4893 KVK WhatsApp groups and 8.06 lakh farmers reached through other digital platforms. News items on advisories issued by KVKs appeared in 936 newspapers, messages were disseminated through broadcast of 193 radio talks and 57 TV programs. In addition, KVKs have also sent the advisories to state department and private extension network for faster dissemination for rapid and wider coverage to their group members.

KVKs disseminated the message for use of Arogya Setu mobile application to fight COVID 19 pandemic to 25.04 lakh farmers which has been downloaded by 2.92 lakh farmers.

For operating the essential services at the Institutes and KVKs, disinfectants (eg. sodium hypochlorite) are being used to sanitize institute labs, offices and premises. Hand sanitizers, face masks, etc. have been distributed to all staff and contractual and at times outside the campus also. The summary of activities by one group of institutions is provided as Annexure II. Specific advisories are also being provided to farmers by ICAR institutes as highlighted below:

FIELD CROPS:

- All the queries of state department of Agriculture are being responded immediately. In one such instance pictures of diseased wheat plant were received. Fusarium disease in wheat was identified in this crop and control major was advised to the farmers as well as CAO, Almora through WhatsApp and phone call.
- ICAR- Indian Institute of Seed Science Mau, is providing advisory to farmers seed producing
 farmers under participatory seed production programme regarding wheat harvest. Farmers
 interested to take up Zaid crop after wheat are being advised about suitable crops and other
 aspects including seed availability through institute website, WhatsApp and personal messages
 also involving KVK network.
- ICAR- Indian Institute of Pulse Research, Kanpur is providing advisories, awareness and safety
 measures among pulse farmers who were made aware of current agricultural operations/
 activities to be undertaken and the disease spread through various pulses apps (Chana Mitra,
 PulsExpert system, Krishi app, Dalhan Gyan) as well as through personal Communication &
 WhatsApp etc.



- The ICAR- Indian Institute of Millets Research, Hyderabad has networked with Farmer producer organizations with outreach units of scientists linking with SHGs, FPOs in 7 different states namely, Karnataka, Andhra, Telangana, Tamil Nadu, MP, Maharashtra, Odisha and Rajasthan. Institute is helping farmers' groups in facilitating small Millets processing through link farmers. The FPOs and SHGs are also linked to food processors and entrepreneurs through a Network on the platform of NUTRIHUB the NUTRICEREAL Agribusiness Incubation Centre of the institute. IIMR has also purchased millets from FPOs for value addition programmes and linked others including few supermarkets also to them to dispose their produce. Seed hubs are energized apart from adequate breeder seed availability for seed enterprises, community seed system partners, NGOs and Tribal programme and NEH implementation points through the AICRP networks and Department of Agriculture.
- ICAR-NRRI, Cuttack is providing special fortnightly advisory service (Apr 1 15, 2020) was
 provided by the institute. Block wise agro-met advisory bulletins (twice a week) are being
 provided by KVK Cuttack under NRRI. Latest bulletin was issued on Apr 3, 2020. Advisories
 are also extended through the online Technology Application RiceXpert for rice crop
 management during the lockdown.
- Technological backstopping is provided though RiceXpert platform and through WhatsApp as well as through phone calls.
- ICAR-NCIPM, New Delhi is implementing ICT based pest surveillance programme in Maharashtra (in different cereal and horticultural crops) and Haryana (vegetables) and issuing advisories to farmers regarding plant protection measures.
- ICAR- IIMR, Ludhiana has provided advisory regarding, Maize crop being grown in different regions of the country as Rabi maize and spring maize
- ICAR- Indian Institute of Oilseeds Research, Hyderabad has provided audvisories on plant protection measures and mechanized harvesting to all possible oilseed farmers through mobile apps and messages.
- ICAR-CRIJAF, Barrackpore has issued agro-advisory and safety measures to be followed regularly in its website (http://www.crijaf.org.in/). for the benefit of farming community of jute and allied fibres. These advisories have also been emailed to State governments in local language. During lockdown period, ICAR-CRIJAF is providing technology backstopping to farming community of different villages in West Bengal and Odisha directly benefitting over 800 farmers of Jute and allied farming Scientist are engaged in 2-ways communication with farmers and extension workers for pest & disease diagnosis, pest and disease management information for jute and allied fibre technology through a mobile app.
- National Institute for Biotic Stress Management, Raipur is assisting the farmers through five Custom Hiring Centers (CHCs) at village level, to cater their needs of farm implements during harvesting.
- ICAR-Central Institute of Cotton Research, Nagpur is advising farmers to undertake farm activities such as uprooting of cotton stocks, cleaning of fields and preparing for the next crop season. ICAR-CICR advises the farmers to prepare their fields and get the seeds ready for the next crop. The Institute has been undertaking training programmes for farmers wrt seed production, cotton production and protection strategies.
- The Institute has taken up seed production programme of newly released Bt varieties and desi
 cotton varieties and Non- Bt G. hirsutum varieties. These varieties seeds (About 15-20 quintals)





- shall be distributed to small and marginal farmers to offset seed cost and shall contribute to the society.
- ICAR- IGFRI, Jhansi has extended advisories on fodder crops, harvesting, seed production and conservation by using mKISAN portal to the farmers.
- ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata has launched an agro-advisory services for farmers on crop specific agro-textile with special reference to mulch in Malda district of West Bengal.
- ICAR Indian Institute of Natural Resins & Gums, Ranchi has created a WhatsApp group "Laksha Updates" to post advisories and get feedback from farmers and NGOs. Lac inoculation has been completed on the advisory on next agronomical practice is being issued.

HORTICULTURAL CROPS:

- ICAR- NRC on Seed Spices Ajmer Advised farmers for proper post-harvest handling and
 protecting the harvested crop (cumin, coriander, ajwain and fenugreek) from occasional rain/
 wind and suggested for Farm level processing and value addition. Fennel and dill crop are
 nearing to maturity and proper care should be taken to prevent Ramuleria blight and Powdery
 mildew at this stage. Farmers may provide light irrigation to fennel and dill, if there is dryness
 in soil.
- ICAR-CCRI, Nagpur provided management strategies of Ambia crop (Spring blossom) of citrus fruits, with respect to irrigation and nutrient management, Control of fruit drop using PGRs & nutrient sprays and need based plant protection measures
- ICAR-CIAH, Bikaner, advised the farmers of date palm pollination, management strategies in pomegranate, virus management strategies in Kachri, snapmelon, watermelon, muskmelon, long- melon, ridgegourd and bottlegourd etc, use of fruit fly traps in fruit crop orchards
- ICAR-CISH, Lucknow prepared advisories for mango and guava for different regions. Advised
 the farmers of the Sohawal and Bihar regarding the rescheduling of the ICAR-FUSICONT
 application with the available material with them for banana. A total number of 12,000 bio
 immunized TC plants of banana were rescued and proliferated.
- ICAR-CITH, Srinagar has prepared advisory for the farmers engaged in temperate horticulture for the next 2 weeks.
- ICAR-CIARI, Port Blair issued state level advisory to the farmers on agriculture and allied sector - field crops, horticulture, animal, fisheries sciences to sustain the agriculture and allied sector activities in the Islands for protecting the livelihood and to ensure food and nutritional security in the lockdown.
- ICAR-CPCRI, Kasaragod provided the crop advisories on coconut, arecanut and cocoa for the months of April-May were prepared to benefit the farming community. The crop advisory has been made available to the extension personnel through ATMA and state department of Agriculture/Horticulture/CDB. KVK Alappuzha has been keeping a mobile help-line service (9447790268).
- ICAR-CTCRI, Thiruvananthapuram uploaded farm advisories in its institute website for combating the crisis faced by the tuber crop farmers during the lockdown declared due to corona virus disease.
- ICAR-DFR, Pune prepared a general and crop specific advisory for the benefit of the farmers



with tips for converting unsold flowers into value added products. The advisory is sent to the local press as Floriculture sector is badly hit.

- ICAR-DMAPR, Boriavi provided the status of harvesting of some of the MAP species in different states for the traders.
- ICAR-DMR, Solan, has prepared advisory for Mushroom Growers during lockdown period because of covID-19.
- ICAR-IIHR, Bengaluru provided the details of immune boosting fruits and vegetables for enabling the public to use it accordingly. Importance of Amla, oranges, Pink fleshed guava, Fresh cut tomato slices and a few capsicum slices with black pepper, Watermelon, pomegranate, Drumstick or Moringa leaves and Green leafy vegetables (GLV): GLVs such as Amaranthus, Methi, Spinach, Shepu, Basella besides use of mushrooms
- ICAR-IISR, Kozhikode, provided the advisory on crop production and protection at various phenological stages for black pepper, Cardamom, Ginger and Turmeric, Nutmeg and Vanilla for various states
- ICAR-IIVR, Varanasi, provided advisories on the cultivation of seasonal vegetables during
 the months of April- May. Added the advisory on crop production and protection on various
 vegetables viz., Viz., cucumber, watermelon, bitter gourd, bottle gourd, muskmelon, pumpkin
 as it's the time of flowering and fruiting. In view of the increasing trend of temperature it is
 suggested for irrigation @ 4-5 days' interval. Care should be taken for the honey bee population
 for achieving required pollination.
- ICAR-NRC for banana, Tiruchirappalli, has prepared contingency plan for Banana growers.
- NRC for grapes, Pune, is issuing advisories for farmers for undertaking appropriate action depending upon their vineyard status. The advisory is available on institute website https://nrcgrapes.icar.gov.in/. For wider circulation, the advisories are also sent to 22 WhatsApp group of different grape grower association with approximately 3200 members.
- NRC for Litchi, Muzaffarpur gave the advisories to litchi growers with respect to stage wise
 operations pertaining to crop production and protection aspects for various litchi growing
 states as at some locations fruit setting is seen while in other parts full flowering is noticed.
 Also shared the contact numbers to address the farmers queries.
- NRC on Pomegranate, Solapur has prepared Pomegranate Advisory for April-May in Hindi, English & Marathi the details are uploaded at the NRCP website and can be viewed at http://nrcpomegranate.icar.gov.in/files/Advisory/47.pdf
- NRC for Orchids, Gangtok indicated the status of cut flowers and pot plants of early season cymbidium orchids. Also took measures to help the orchid growers in the state with newspaper article on taking care of cymbidium orchids.

FISH FARMING:

Fisheries Research Institutes under ICAR have developed and made available Broachers/
Posters for providing advisory to different stakeholder groups for cautious action to be taken
while undertaking different operations. Half a dozen of such advisories targeting different
stakeholder groups (fish farmers of freshwater and coastal aquaculture, hatchery operators/
workers, feed plant workers, workers in processing factories, fishermen etc.) have been
developed for wide circulation among farmers'/ extension workers and other stakeholders
through digital means. These advisories have also been provided to NFDB for wide circulation





through digital means.

POSTHARVEST MANAGEMENT:

 ICAR Central Institute on Postharvest Engineering and Technology (CIPHET), Ludhiana have provided advisories on the ways to process the raw material by minimally processing, shrink wrap packaging solution to extend shelf life by 1-2 week and also advised famers to prepare zero energy evaporative storage to store perishables for 2-3 days.

LIVESTOCK AND POULTRY FARMING:

- Social media, including press, WhatsApp, Facebook besides websites of the institutes are being
 used by the Animal Science research institutes for creating awareness amongst farmers as
 well as residents & their families regarding prevention of COVID-19. Posters, banners and
 hoardings have also been installed at prominent places by institutes like ICAR-NDRI, Karnal,
 IVRI, Izatnagar, CARI, Izatnagar, NIVEDI, Bangluru and others regarding awareness of Covid
 19.
- Scientists of Animal Science Institutes in ICAR are active on social media providing advisories to farmers. As an example, a severe case of milk fever in cattle was got treated through video call by scientist of ICAR-CIRC, Meerut.
- Dairy, Livestock and Poultry research institutes are creating awareness regarding feeding, breeding and health care of animals as well as minimum processing etc. of milk, eggs and chicken for boosting immunity to fight corona amongst people through advertisement in daily newspapers and magazines. Awareness is also created regarding safety and precautions for the consumption of milk/meat/egg etc.

B. USE OF DIGITAL PLATFORM:

- All the institutes are sending advisory and attending to the queries raised by the farmers and
 are supporting them with proper advice through the WhatsApp Groups. And are also releasing
 the advisory on their respective websites and social media sites viz., Facebook, Twitter and
 YouTube. A few specific examples are as given below:
- CISH Lucknow conducted video conferencing with the project partners of ICARFUSICONT.
 v CPCRI Kasaragod through its WhatsApp group 'Climate change adaptation' and 'EKalpa' mobile application platform delivering advisory services for the crops viz., coconut, arecanut and cocoa.
- The CTCRI Thiruvananthapuram is facilitating marketing of tubers, vegetables and fruits through its online marketing app 'HOMS' (Horticulture Online Marketing System. Efforts are underway to transfer the app to HortiCorp and Vegetable and Fruit Promotion Council under Govt. of Kerala.
- IIHR, Bengaluru is using its BESST Entrepreneur Circle for Start-ups and Farmers Whats App and is providing solutions. In addition, it is also sharing through Horticulture solutions and E-Horticulture groups
- NRC Grapes Pune had produced videos and uploaded on YouTube:

https://youtu.be/AEISzet7InA https://youtu.be/nOfL1XKWIfU https://youtu.be/G943ttdQMgk.



- NRC on Pomegranate, Solapur is sharing the details through its WhatsApp groups namely; Pomegranate Knowledge Group, Rajasthan Pom Growers, Agri Solutions, Farmers Production Group, Agrowon Solapur Group, Dalimb knowledge Group and Pomegranate International Group
- NRC Orchids Gantok is using its 'Cymbidium Orchid Growers Group' WhatsApp group for the dissemination of information to Orchid growers.

C. PUBLICIZING GOVT. DECISIONS:

- Framers have been informed about various exemptions given by the Govt. in farm operations, seed and fertilizer availability, safety in using machines and their movement etc. through MGM contacts and Puss M Krishi App., the personal telephone calls of farmers are being attended and advisories being given. Besides, advisories issued by the Central as well as State Governments regarding precautions to be taken to prevent spread of COVID-19 are uploaded and updated on the ICAR as well as Institute websites all over the country. These include the recent addendum from Ministry of Home Affairs to earlier notification, invoking the Disaster Management Act as per which shops of agricultural machinery, its spares (including supply chain) and repairs and shops for truck repairs on highways, preferably at fuel pumps, can remain open to facilitate transportation of farm produce. Besides, the tea industry, including plantations, can function with a maximum of 50 per cent workers and the government advisory on precautions for harvesting and threshing of rabi crops and post-harvest, storage and marketing of farm produce also says farmers may delay wheat harvesting till April 20 without incurring any significant losses.
- Social media is being appropriately involved by all institutes used for creating awareness amongst residents & their families regarding prevention of COVID-19 and advantages of staying at home and maintaining maximum social distancing. Dissemination of advisory was also made through WhatsApp groups, newspapers, radio and TV channels by KVKs. KVKs and KVK scientists are also disseminating advisories through Facebook. The advisories have been put up in ICAR website and KVK portal where lakhs are registered and downloading the advisories. Each KVK has at least 2 WhatsApp groups for farmers and the advisories have so far been disseminated to about 4.95 lakh farmers. In addition, KVKs have also sent the advisories to state department and private extension network for faster dissemination for rapid and wider coverage to their group members.

D. ASSISTANCE IN COVID TESTING AND AWARENESS CREATION:

- Key ICAR research institutes working on animal sciences, viz.; ICAR-IVRI, Izatnagar, NISHAD, Bhopla, NIVEDI, Bengaluru, and NRC on equine, Hisar have been notified for COVID 19 sample testing and can do the job with minimal support. These institutes possess facilities for COVID-19 testing as per WHO/ICMR norms. Most of the animal science institutes have real time PCR machines, which can be provided as and when needed by the Govt.
- ICARR/NARS welcomes the decision of the Govt. to coopt services of the veterinary doctors
 working in the ICAR Institutes/ Veterinary Universities etc. to work with Medical Doctors
 to conduct COVID 19 tests & organize other relief operations. The Govt. of Telangana, in
 exercise of the powers conferred under Section 2 of the Epidemic Act 1897, read with Disaster
 Management Act 2005 is already availing the services of 20 Veterinary Doctors who are involved
 in combating the COVID-19. Govt. of UT of Jammu & Kashmir is also utilizing the services of
 the veterinary scientists to work together with the medical doctors to facilitate corona testing.





- Indian Virological Society (IVS) based at IVRI, Izatnagar is active on social media such as Facebook and Twitter. The society is developing an "E-Brochure" under IVS logo with facts on COVID-19/SARS-CoV-2 covering role of the household pets, namely dog and cats or other domestic livestock species and transmission, emerging vaccination approaches, therapeutics, strains/diversity, persistence of infection on various surfaces, etc. and constituting a COVID-19 Expert Committee for providing scientific facts of COVID-19 pandemic, creation of a web page on IVS website about "COVID-19/SARS-CoV-2" and developing research proposals and networking.
- At Indian Agricultural Research Institute, (IARI), New Delhi, a Corona Monitoring and Prevention Cell was constituted including the Medical Officer of the dispensary which is regularly monitoring the situation and giving advisories. A digital display of preventive measures for Corona, initiative of the Hon'ble AM for facilitating farmers for agricultural operations pertaining to Rabi crops harvesting and Kharif sowing, messages of DG, ICAR and Secretary, DARE to farmers about precautions to be taken in agricultural operations have been made at main entrance of the institute.
- As per the request from the State Government, facilities available at the ICAR-IISR Kozikode were provided to the Government Medical College, Kozhikode for Covid19 testing.
- Maharashtra Fisheries and Animal Science University, MAFSU, Nagpur has started COVID-19 testing in its Veterinary College premises.
- The ICAR-CIARI, Port Blair extended support to the ICMR-RMRC, Port Blair (The nodal agency for COVID 19 testing) by providing the laboratory facilities and equipment such as refrigerated centrifuge, autoclave, micropipettes, fast centrifuge, consumables plastic wares etc. This is as per the request received from the State Disaster Management Unit, A & N Administration. The institute extended support to the farmers in distress by transporting the vegetables from the farmer's field and sale to the residents of the institute in a win-win situation.

E. FACILITATING GOVT. EFFORTS:

- IIHR, Bengaluru provided 20 fruit and vegetable vending van to Karnataka Department of Horticulture which are given to FPOs in 10 districts. Van is also given to HOPCOMS, Mysore to sell the fruits and vegetables to the door step of consumers during lock down. These are currently used in Tumkur, Koppal, Bidar, Gadag and Vijayapura districts. Even other states like Haryana and Kerala also have taken the vans to supply fresh fruits and vegetables to consumers' door step to help the people during the lockdown period.
- ICAR National Institute for Plant Biotechnology (NIPB), New Delhi besides informing and
 advising farmers in the adopted villages by phone and WhatsApp about various advisories
 issued by the government from time to time has conducted comparative analysis of more than
 400 Coronavirus sequences in NCBI and traced its origin from bats to human in China based
 on sequence phylogeny (manuscript under preparation).
- Request received from different organizations and farmers for the supplying forage crops seeds
 and root slips are being processed for supply immediately after lockdown period is over. In the
 meanwhile, to ensure fodder supply during summer, seeds of Forage Sorghum and root slips
 of Bajra X Napier were supplied to over4 450 farmers under different projects to the farmers of
 Jhansi, Jaluan and Lalitpur.
- The IIHR Bengaluru gave the technology for processing the watermelon into RTS beverage to Mr. Chetan Dabke who represents Govt of Karnataka FPO in Bidar to rescue the 200 acres



of watermelon is ready for harvest. Advised floriculture farmers to dry the petals of different flowers to make natural colours.

- IIHR Bengaluru distributed 80000 seedlings of chilli, tomato and muskmelon under SCSP to Chamarajnagar and Mandya districts of Karnataka. Helped SC and ST farmers in marketing of tomato and capsicum in Mysore, Mandya and Ramanagar districts of Karnataka. Intend to extend support to Sammunati FPOs on processing facility. The Fruits and Vegetable Vending Vans of IIHR are helping the farmers and cooperatives to sell the produce to the local communities and apartments during the lockdown.
- ICAR- IISR Kozhikode distributed black pepper cuttings at Mananthavady, Wynad district, Kerala, two tonnes of turmeric seed materials among farmers at Kozhikode, Mananthavaday and Thalassery regions of Kerala.
- NRC Grapes advised approximately 600 grape growers over phone and WhatsApp, on different
 aspects of viticulture like cultural practices, water and nutrient management, disease and insect
 pest management and post-harvest management. Besides joining hands with NGOs like rotary
 club to help the poor of nearby localities by distributing food essentials.
- ICAR-CMFRI, Cochin provided 2 Real Time PCR machines to Govt of Kerala Health Mission for strengthening the COVID-19 diagnosis. (i) Govt Medical College, Trichur & (ii) RGCB, Trivandrum.
- ICAR-CIFT, Cochi has provided 1 Real time PCR machine to State Public Health Laboratory, Trivandrum; and 1 Refrigerator 45 l to National Institute of Virology, Alappuzha.
- In view of the shortage of hand sanitisers in the market, some ICAR Institutes have prepared hand sanitiser formulations as per WHO specifications for use of the respective institute staff as well as the local community.
- ICAR-CICR, Nagpur has provided consumables such as hand gloves, tips, Pipettes, sanitizers, tissue papers and lab chemicals to set up testing facility at newly installed testing facility for Corona at AIIMS, Nagpur.
- The Director, NRC on Mithun has been nominated as member of the committee for setting a BSL facility in the state by Nagaland Govt. In the meantime, health scientists of the institute are imparting training to health workers on GLP and Real-time PCR machine.
- The ICAR-CPCRI Kasaragod provided two RT-PCR machines to set up testing facility. The
 institute also prepared and supplied 120 litre hand sanitizer (glycerine based) to the testing
 lab, provided guest house facilities at Kasaragod for the stay of state level monitoring officials.
- NDRI, Karnal has provided 1 Real Time PCR machines to Govt of Haryana Health Mission for strengthening the COVID-19 diagnosis.
- A seaweed-based hand sanitizer has been developed by ICAR as a preventive hygienic measure
 to control the spread of the corona viral infection affecting the people massively all over the
 world. The formulation of the developed product includes isopropyl alcohol (above 60%)
 possessing antimicrobial activities, seaweed extract from red algae constituting chemical
 components with pronounced antiviral properties. The seaweed component is also used as an
 emulsifying agent. Aloe vera gel is used as a moisturising agent.

F. ONLINE EDUCATION:

The Education Division issued an advisory to all Vice-chancellors of Agricultural Universities





to request their faculty for taking classes through online mode. Most of the Universities are already taking classes through various online mechanisms available to them.

G. SERVING POOR/NEEDY PEOPLE OF SOCIETY:

- All the ICAR Research Institutes and the Agricultural Universities are assisting respective District Administration in making available and distributing the food for the needy persons on daily basis. Directors and Staff members of different institutes are serving the poor people by providing food to poor and needy peoples in the vicinity their institute, on their own or through NGOs. Ladies Club, IJSCs, staff members at different institutes are contributing house-made Food packets since the lockdown day-1, rations (including wheat flour, rice, pulses, vegetables, cooking oil, spices, salt, etc), fruits, sanitizers, and home-made cloth masks in close coordination with the district/local administration/police.
- CSAUAT, Kanpur donated 40 Quintal of wheat to Dist. Administration of Kanpur.
- Accommodation and daily food requirements after exercising isolation & other precautions of around 100 contractual laborers involved in essential services at the institute is being addressed by ICAR-NDRI, Karnal since the beginning of the lockdown period.
- The IVRI/CARI Officers' Ladies Club Members, IJSC, individual IVRI/CARI staff members have been contributing house-made food packets (approx 200 packets everyday) since the lockdown day-1. Director, NRC, Mithun provided ration packets (including wheat flour, rice, pulses, vegetables, cooking oil, spices, salt, etc). Fruits, sanitizers, and home-made cloth masks were also provided.
- ICAR- IARI, New Delhi is providing ration to approximately 200 construction workers abandoned by the contractors of CPWD who were working there. The scientists of the institute contributed (Rs. One lakh) for this purpose and a committee constitute for this purpose is facilitating this activity.
- ICAR- IGFRI, Jhansi through the residents of its campus in Jhansi has supplied food to about 500 migrant labourers which passed though institute gate after lockdown.
- ICAR –IIAB, Ranchi also provided 150 piglets and 500 ducklings to farmers just before lockdown. Apprehending possible difficulties, all animals and birds were vaccinated and feed (one month for piglets and two months for ducklings) were provided.
- Staff members of ICAR-NBAIM, Mau are engaged in cooking food hygienically and distributing it to poor community of nearby villages: Kushmaur, Kahinaur, Harpur and Pipridih benefiting over 250 people every day.
- ICAR- Indian Institute of Millet Research (IIMR), Hyderabad is supporting COVID warriors-Civic workers, police and Medical practitioners with Healthy EATRITE Millet products.
- State Govt. of MP is being provided by ICAR CIAE, Bhopal, the tractor operated aero-blast sprayers and manual knapsack sprayers for spraying of sanitizer in city.
- The ICAR-CPCRI Kasaragod provided two RT-PCR machines to set up testing facility, prepared and supplied 120 litre hand sanitizer (glycerine based) to the testing lab, provided guest house facilities at Kasaragod for the stay of state level monitoring officials. And also provided one vehicle to Corona Control Room - Alappuzha besides providing 300 coconuts for the community kitchen at Alappuzha and Groceries to the resident staff through the Cooperative Society. The CPCRI recreation club members prepared daily wearing masks for staffs & families.



- IIHR crated hygiene awareness in the nearby villages and supported Huruli chikkanahalli
 Gram Panchayath (Bengaluru Rural) in spraying the disinfectant solution in nine villages.
- The ICAR-CTCRI, Thiruvananthapuram has supplied 290 kg cassava tubers, 20kg of elephant foot yam tubers, 10 kg yam tubers to 'Community Kitchens' run by eight group of beneficiaries.

H. FACILITATING THE GOVT. EFFORTS TO MEET THE QUARANTINE REQUIREMENTS:

- Guest houses of various ICAR Institutes located all over the country can also be provided to meet the quarantine requirements.
- ICAR-NAARM, Hyderabad provided 200 beds for the quarantine to Government of Telangana, much before the lock down was announced by Central Government.
- ICAR- Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Izatnagar has provided its guest house (IGH) for quarantine facility.
- ICAR- Indian Institute of Oilseeds Research, Hyderabad has created Isolation facility needed for persons under quarantine in the Institute Guest House/Hostel and made available for the Telangana Government
- Quarantine facility of capacity around 80 beds in guesthouse created at Ludhiana campus of ICAR- CIPHET. Fazilka district medical team visiting ICAR-CIPHET were extended laboratory and guest house facilities for preparation of sanitizers and quarantine purpose.
- ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata has offered Farmers guest house to set up secure quarantine facilities to combat COVID-19
- Eleven rooms of ICAR-CIRCOT, Mumbai have been assigned to state Govt. Police department.
- ICAR CIRC, Nagpur has kept ready its farmers training hostel with 10 rooms (20 beds capacity)
 accommodation for Corona purpose. ICAR-CMFRI consented to provide CMFRI Canteen
 space & utensils to Kerala Government to temporarily create a 'Community Kitchen' till 14
 April 2020 or till the end of lockdown period.
- The Agricultural Universities got their hostels vacated from about 50,000 students in UG/PG/ Ph.D.

I. IMPACT ASSESSMENT OF COVID 19 ON AGRICULTURE SECTOR:

ICAR is assessing the impact of Covid-19 lockdown on agriculture and allied sectors for taking measures to minimise its effect on the country's food security. Towards this objective, ICAR is preparing documents on the possible impact on agriculture and allied sectors and measures to minimise the negatives so that the food system remains unaffected. While the government has exempted many agricultural operations from harvesting to movement of produce to mandis from lockdown rules, the ICAR study will help the government take further action, the official added. To help the farmers to battle this crisis, ICAR is continuously issuing crop-specific advisories to farmers, asking them to take general precautions and safety measures during harvesting, post-harvest operations, storage and marketing of rabi crops.

I. CONTRIBUTION TO THE PM CARES:

DARE/ICAR family has contributed about 6.06 crores in the PM CARES. Agril. Universities have also been asked to donate at least one-day salary to either PM CARES and/or respective state Government funds created for the purpose.



5. PRESS COVERAGE

Glimpses of News Coverage of Advisory issued by ICAR during COVID 19 lockdown



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

COVID-19 के खिलाफ लड़ाई में किसानों की समस्याएं कम करने और सरकारी पहल को सहयोग देने में भारतीय कृषि अनुसंघान परिषद के अनेकों प्रयास ICAR के तीन अनुसंघान संस्थानों में हो रही है कोविड—19 की जांच सभी कृषि वि.वि. को कक्षाएं ऑनलाइन लेने को कहा देशमर में कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से दी करोड़ों किसानों को आवश्यक सलाह कृषि मंत्री श्री तोमर ने की लॉकडाउन अवधि के दौरान ICAR के कार्यों की समीक्षा

Posted On: 14 APR 2020 3:36PM by PIB Delhi

कृषि सेक्टर पर कोविड—19 के प्रभावों को न्यूनतम करने तथा किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (प्वारं) द्वारा सरकारी पहल में अनेक तरह से सहयोग किया जा रहा हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने लॉकडाउन अवधि के दौरान ICAR के कार्यों की समीक्षा कर दिशा—निर्देश दिए। ICAR के तीन अनुसंधान संस्थानों में कोविड—19 जांच हो रही है, सभी कृषि वि.वि. को कक्षाएं ऑनलाइन लेने को कहा गया, कृषि विज्ञान केन्द्रों से करोड़ों किसानों को सलाह दी गई है।

कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर हारा की गई समीक्षा के दौरान महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने जानकारी दी कि ICAR ने अपने अनुसंधान संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों व कृषि विश्वविद्यालयों के देशव्यापी नेटवर्क के माध्यम से समयबद्ध रूप से किए जाने वाले कृषि कार्यों यथा कटाई, फसलोत्तर प्रसंस्करण, अनाज, फलों, सब्जियों, अण्डों, मीट व मत्स्य का भण्डारण एवं मार्केटिंग जैसे कार्य करते समय किसानों एवं अन्य हितधारकों को सामाजिक दूरी बनाए रखने की जरूरत अपनाने, सावधानी बरतने और सुरक्षा उपायों को अपनाने पर सचेत किया है। ICAR ने किसानों के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य—विशिष्ट परामर्श जारी किया, जिसे 15 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करके डिजीटल प्लेटफार्म के माध्यम से इसका व्यापक प्रचार—प्रसार किया और किसानों को लॉकडाउन अवधि के दौरान खेती से जुड़े कार्यों के लिए मिली सरकारी छूट के बारे में जानकारी दी गई।

श्री तोमर के निर्देश पर एम-किसान पोर्टल से कृषि विज्ञान केन्द्रों ने राज्यों में 1126 परामर्श जारी कर साढ़े पांच करोड़ किसानों तक पहुंच बनाई। परामर्श संदेश भाकृअनुप की वेबसाइट एवं केवीके पोर्टल पर भी उपलब्ध कराया है, जहां पंजीकृत लाखों हितधारकों द्वारा इन्हें डाउनलोड किया जा रहा है। गेहूं,





चावल, मक्का, दलहन, कदन्न, तिलहन, गन्ना तथा रेशा फसलों पर ICAR के अनुसंधान संस्थानों ने डिजीटल संचार माध्यमों को अपनाया है और आईसीटी प्लेटफार्म, सोशल मीडिया, फसल विशिष्ट ऐप एवं विशेषज्ञ प्रणालियों के माध्यम से परामर्श का प्रसार किया गया। बागवानी से जुड़े किसानों को आम, नींबूवर्गीय फल, केला, अनार, अंगूर, लीची, मसाले, फूल, सब्जियां, तरबूज और खरबूज जैसी फसलोंय नारियल, सुपारी, कोको जैसी रोपण फसलों एवं कंदाकार फसलों में समुचित फसल उत्पादन एवं बचाव प्रौद्योगिकियों पर परामर्श जारी किए जा रहे हैं। साथ ही उद्यमियों, निजी फर्मों तथा राज्य सरकारों को फूल, सब्जी एवं फल उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और मार्केटिंग के लिए प्रौद्योगिकियों का विस्तार किया गया है। प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली सब्जियों व फलों पर परामर्श देकर जागरूक किया जा रहा है। पेरिशेबल उत्पादों के जीवनकाल बढ़ाने हेतु फसलोत्तार न्यूनतम प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन के लिए सरल प्रौद्योगिकियों पर परामर्श जारी किए गए हैं।

ICAR के अंतर्गत मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थानों हारा मत्स्य पालन में शामिल विभिन्न हितधारकों तक परामर्शी प्रसार करने के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार (IEC) सामग्री को तैयार किया गया। डिजीटल माध्यमों से व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए सूचना, शिक्षा एवं संचार सामग्री को राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड को उपलब्ध कराया गया। परिषद के डेयरी, पशुधन और पोल्ट्री अनुसंधान संस्थानों हारा कोरोना वायरस रोग के विरूद्ध लोगों में प्रतिरक्षा को बढ़ाने के लिए पशुओं की फीडिंग, प्रजनन एवं स्वास्थ्य देखभाल के साथ साथ दूध, अण्डा एवं चिकन के न्यूनतम प्रसंस्करण के बारे में जागरूकता का सृजन किया जा रहा है।

ICAR के शिक्षा प्रभाग द्वारा सभी कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को परामर्श जारी कर ऑनलाइन मोड में कक्षाएं लेने के लिए कहा गया है। अधिकांश विश्वविद्यालयों द्वारा पहले से ही विभिन्न ऑनलाइन मैकेनिज्म के माध्यम से कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।

ICAR हारा अपने तीन अनुसंधान संस्थानोंटू भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, उत्तर प्रदेशय राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल, मध्यप्रदेशय तथा राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र, हिसार, हरियाणा को कोविड—19 की जांच करने के लिए अधिसूचित किया गया है।

कृषि मंत्री श्री तोमर के निर्देश पर क्वारन्टाइन सुविधाओं में उपयोगहेतु राज्यों में संस्थानों के अतिथि गृह उपलब्ध कराए गए है, कोविड—19 की जांच हेतु आरटी—पीसीआर मशीनें व कर्मचारी दिए गए है, प्रभावित गरीबों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। डेयर/भारतीय कृषि अनुसंधान परिवार द्वारा पीएम—केयर्स फण्ड में 6.06 करोड़ रू. योगदान किया गया है। परिषद द्वारा ऐसे प्राणिरूजा/संबंधित रोगों पर अनुसंधान को और अधिक मजबूती प्रदान की जाएगी जिसके लिए चिडियाघर के एवं अन्य वन्यप्राणियों में ऐसे रोगों का अध्ययन किया जाएगा। भविष्य में परिवर्तनशील जलवायु के अंतर्गत वायरस एवं अन्य रोगजनकों के कारण फसलीय पौधों में ऐसी समस्याओं का समाधान करने की दिशा में अनुसंधान प्रयास प्रारंभ किए जाएंगे।

अ.प.श. / प्र. क. / म.सिं / भाव्य

(Release ID: 1614317) Visitor Counter: 58







Ministry of Agriculture & Farmers Welfare

AGRICULTURE MINISTER SHRI NARENDRA SINGH TOMAR REVIEWS ICAR ACTIVITIES DURING LOCKDOWN

THREE ICAR INSTITUTES ENGAGED IN COVID-19 TESTING ON HUMANS

ICAR UNDERTAKING SEVERAL EFFORTS TO HELP FARMERS DURING LOCKDOWN, GIVES ADVISORIES TO CRORES OF FARMERS ACROSS THE COUNTRY

SHRI TOMAR DIRECTS ALL AGRICULTURAL UNIVERSITIES TO CONDUCT ONLINE CLASSES

Posted On: 14 APR 2020 5:46PM by PIB Delhi

The Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare, Shri Narendra Singh Tomar reviewed activities of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR) in helping farmers overcome the problems arising due to the outbreak of COVID-19 and the nationwide lockdown to check the spread of the pandemic. While three ICAR institutes are engaged in COVID-19 testing on humans, ICAR has undertaken several efforts to help farmers during lockdown and given advisories to crores of farmers across the country. Shri Tomar directed all Agricultural Universities to conduct online classes.

During the review meeting, ICAR Director General Dr. Trilochan Mohapatra informed that the ICAR has issued National and state-specific advisory for farmers, translated into 15 regional languages and widely communicated through digital platforms adequately informing the farmers about the exemptions granted to farming related activities during lockdown and important agricultural operations to be carried out following all precautions.

On the directions of the Agriculture Minister Shri Narendra Singh Tomar, more than 5.48 crore farmers have already been reached through the issue of 1,126 advisories across the states by Krishi Vigyan Kendras (KVKs) through mKisan portal. Dissemination of advisory was also made through WhatsApp groups (4893 KVK WhatsApp groups covering 5.75 lakh farmers) and other digital platforms (reaching 8.06 lakh farmers). 936 News items on advisories issued by KVKs appeared in newspapers; messages were disseminated through broadcast of 193 radio talks and 57 TV programmes.

Research institutes used ICT tools including Expert Systems and Mobile Apps, and provided advisories on appropriate crop management technologies in wheat, rice, maize, pulses,





millets, oilseeds, sugarcane, fibre crops, mango, citrus, banana, pomegranate, grapes, litchi, spices, flowers, vegetables, melons and plantation crops such as coconut, arecanut, cocoa and tuber crops.

Advisories to various stakeholders and technologies for processing, value addition and marketing of flower, vegetables and fruit produce have been extended to entrepreneurs, private firms and state governments.

Fisheries Research Institutes under ICAR prepared information, education and communication (IEC) materials in fisheries production for dissemination to various stakeholders engaged in fisheries. Dairy, Livestock and Poultry research institutes of ICAR are creating awareness regarding feeding, breeding and health care of animals as well as minimum processing of milk, eggs and chicken for boosting immunity to fight corona virus.

On the advice of Shri Tomar, the ICAR issued advisory to all Vice-chancellors of Agricultural Universities for taking classes through online mode and most of them are doing so using online tools. ICAR has notified three of its Research Institutes; NIHSAD, Bhopal, IVRI, Izatnagar, and NRC on Equines, Hisar for COVID-19 testing in humans. These institutes have also been designated for COVID testing of samples from Zoo animals by the Ministry of Environment and Forests. The NIHSAD, Bhopal has tested 23 suspected COVID-19 samples and all of them were found negative. Dr. Mohapatra said the ICAR will commission studies in climate change, virology and other diseases and undertake research on the transmission of virus from animals and birds in zoos and in the nature to humans and vice versa and whether crops can help fight such challenges.

ICAR institutes and KVKs have prominently disseminated the message for use of Arogya Setu mobile application to fight COVID 19 pandemic. As a result, 25.04 lakh farmers have been reached of which 2.92 lakh farmers have already downloaded the application for their use.

On the directions of Shri Tomar, the ICAR has provided its Guest Houses at various establishments across the country for setting up quarantine facilities besides providing RT-PCR equipment and operating staff for COVID-19 investigation. Dr. Mohapatra said the ICAR is also extending help to affected poor people by providing free food while the DARE/ICAR family has contributed about Rs 6.06 crores to the PM-CARES Fund.

APS/PK/MS/BA

(Release ID: 1614381) Visitor Counter: 56





कोविड-१९ की जांच के लिए कृषि मंत्रालय की प्रयोगशालाएं तैयार

राहत

at first | selfc for

 सुविता उपरास्त्र संति।
अधिवातीयों ने सामाण विअधिवातीयों ने सामाण विस्थानीय सुवि अनुस्थान परिचयः
(अदिविद्धाता) के सामाण पर्यपरिचयः सामाण परेकारण के अनुस्थित सर्वाच्या महिला की अनुस्थित सर्वाच्या की उस्त पुरास्त्र पार्टी विव्याद अधिवाताओं की कोर्टेश अधिवाताओं की अधिवाताओं की स्थानित अधिवाताओं की अध्यान विच्या है। अध्यानीयुक्ता के देशाचा में कई प्रधीताताला की स्थित है। उसके स्थानाता के सामा ४-१ कोरीन संस्थान के सामाण के बई संस्थाने में आधुनिक उपकरण और जांच करने बी सभी सुविधार्थ उपनाबद हैं। जरूरत पहुने पर बीतेश जांच के लिए उपकेश किया जाएगा।

मार्ग, अवरंगीर अंत दानों के 34 मुन्ती विकारी करात है जिनके तार दे- में तीन कृषि करिया का देशकों देशका में तिला है। उन्होंने आप कि मोतिन पालमा में मिल्ली की होना नवार्ट्यान में राजने के जिल्ला मूर्गन विकारी मार्गन आपना और का उपनेता किया जाएगा अधिकारी ने सामार्थी करात जाएगा अधिकारी ने सामार्थी करात जाएगा अधिकारी ने सामार्थी करात जाएगा अधिकारी



कृषि वैज्ञानिक कन दूर करेंगे

कृषि बारान्य ने उनके दिन में निवार कृषि विक्रम केंद्र (केंग्रीक) के केंद्रानीनों को किन्माने से रहेचे सात्र के में उनमें के निर्देश उनने किन्द्र हैं। केंद्र में 7 12 केंद्रीक हैं, इसने कार्यना कैंद्रीकर्ता से कहा गया है कि कमाने की कराई की कर्ता में निवार उद्धार की निवार आहें के सुन उपने किनाने की सूच्या कमाई अला। विकार में कि करेगेन काराना को लेकर आहेंगा की में के मेंग और किनानों में में भर भी निवार हैं। केंद्रीक के केंद्रानिक इसकी दूर कमाने में आप मुण्यान निवारों हैं।

प्रयोग को रेखने हुए जाने से ही रेखने को जा तो है जब्द कोटेन पेड़िन कोडों के उपका प जांच में फोटार्ज का सकत नहीं का कारों। अर्जनीका का सार्जिटेस विक्तेपन महाराज ने 'हिन्दूबरान' की बताता कि दिसा फेट द्वारात कर इंग्लेस कर्काट्यूट केंद्र के कर में किया जा सकता है, उसकी सुची बताबन संद्रांतर की चेता दी रही।

प्रभोति कार्ताक संस्कृत को पूर्ण प्रभोत्तरात्रा औ में आधुनिक स्रोध की सृष्टिकों उपलब्ध हैं। यहाँ कार्ती-पोलें कर सकतीय की सुष्टिक और स्वर्ति हैं।













'पशुजन्य रोगों पर साझा अनुसंधान की जरूरत'

कवायद 🕨 कोरोना की जांच के लिए आइसीएमआर को सौंपी प्रयोगशालाएं

आइसीएआर के महानिदेशक बोले, जलवायु परिवर्तन से पैदा होंगे नए वायरस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप से सामदायिक विस्फोट की आशंका के महेनजर भारतीय कृषि अनुसंघान परिषद (आइसीएआर) ने कोविड-19 की जांच के लिए अपनी सभी हाईटेक प्रयोगशालाएं भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) को सौंप दी है। इन प्रयोगशालाओं में वायरस व बैक्टीरिया से संबंधित हर तरह की जांच की अत्याधनिक सुविधाओं के साथ ही अनुभवी वैज्ञानिक व पैरा स्टाफ भी हैं। ऑइसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलीचन महापात्र ने पशजन्य रोगों पर साझा अनुसंधान की जरूरत बताई है।

कोरोना वायरस की जांच के लिए आइसीएआर ने जिन चार प्रयोगशालाओं



प्रतीकात्मक

को नामित किया है उनमें इंडियन बेटरनरी रिसर्च इंस्टीटयट (आइबीआरआइ) बरेली, नेशनल इंस्टीटयट ऑफ वेटरनरी एपिडेमिलॉजी एंड डिजीज इन्फार्मेटिक्स, बेंगलुरु, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज, भोपाल और राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र, हिसार शामिल है। पशुओं व पक्षियों में समय-समय पर फैलने वाले पल के वायरस की जांच लगातार इन्हीं प्रयोगशालाओं में होती है। यहां के वैज्ञानिकों को इस दिशा में अच्छा अनुभव प्राप्त है। डॉ. महापात्र ने बताया कि कोरोना वायरस जीव जंतओं से मानव के भीतर पहुंचा है। वह परन व स्वाइन फ्लू की जांच उनके यहां की प्रयोगशालाओं में सफलतापूर्वक होती रही है। लेकिन कोरोना अब महामारी के रूप में अत्वंत गंभीर हो गया है, जिसके लिए सभी तरह के वैज्ञानिकों को एकजुट होकर साझा परियोजनाओं पर काम करना होगा। इस दिशा में भी कार्य चाल हो गया है।

डॉ. महापात्र ने इस तरह की चुनौतियाँ से निपटने के लिए जुनोटिक (पशुजन्य रोग) क्षेत्र में विस्तृत अध्यवन की जरूरत बताई। उन्होंने कहा इस दिशा में काम तो हो रहा है, लेकिन इसे और विस्तार देकर गहन अनुसंधान की आवश्यकता है। कोरोना की इस महामारी से उबरने के बाद देश ही नहीं परी दनिया में इस तरह के वायरस व बैक्टीरिया को लेकर शोध एक सतत प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि जलवाय परिवर्तन के इस दौर में घातक रोगों के पनपने की रफ्तार और तेज हो सकती है, जो मानव जीवन के साथ जीव जंतुओं के लिए भी घातक हो सकती है। इसके लिए नए सिरे से सोचने और रणनीति बनाने की जरूरत होगी।

THE TORES OF INDIA

ICAR offers facilities at its 100 institutes to be used as quarantine centres, can accommodate 10K people in emergency

NOR DOUGH Over 100 restrates of the techni Council of Agricultural Resource (ICAR) scream the country will be count on na cardina ha hulistro people infector pelli commanue, il sensiol, flutar mottutre topetter car nearly 15,000 people in their houses and guest houses

the establishing supremitine common in response to the health miningly's letter to all common government institutions. The he ninohy has ask of these mathetism to liberatyling facilities which can be used as quarantine control in emergency wheels

s. The state government can accommodate 260 patients there. Freezing the added:

ropet Steamer Norgout Mumitor Luckmins Kinche, Cuttente, Romcke, Pottoe, Beregalinia, Komput Minoriae, Minoria sil and in several other cities house. It has both 'CE craftules across the country



Besides, an official said official from the indisor of lengthers, transgar-best maurison's distorts attended to the indisor of lengthers, transgar-best natural to around 1,000 crore had Research (IGAIR), and IR was that the indisor been referred or lengther mannering the lockdown Sedenal Research Gentre period of lockdown. A PTI impact on agriculture and injustor—have required from the control of the control





'ICAR labs can test for Covid-19'

Kumar Mukesh | TNN

Hisar: The Indian Council of Research Agricultural (ICAR) has stated that its laboratories at Hisar, Bhopal, Bengaluru and Bareilly are capable of conducting the tests for coronavirus, if the government wanted to expand the scope of testing for the deadly virus. ICAR director general (DG) Trilochan Mohapatra said he had sent a proposal the Union ministry of health and the Indian Council of Medical Research

"If the government wants, then all four of our labs are capable of doing 520 tests per day 'This capacity can also be developed in other labs as demand increases," he said.

The DG said among the labs where this test can be done immediately include the National Research Centre on Equine (NRCE), Hisar; National Institute of High Security Animal Disease (NISHAD), Bhopal; National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics (NIVEDI), Bengaluru and Indian Veterinary Research Institute (IVRI), Barrellix

Mohapatra said Bhopalbased Nishad had prepared a Covid-19 test kit. He said such tests were done in the ICAR labs and the kit was ready. "Coronavirus testing has only two different components, which, combined with the old kit, make the test kit for the coronavirus almost ready on demand," he said.

ICAR deputy director (animal husbandry) B N Tripathi told TOI, "There are many institutes of the ICAR that are capable conducting tests for Covid-19 samples."

कृषि पर लॉकडाउन के असर की पड़ताल

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कोविड–19 की रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन का कृषि एवं इससे जुड़े क्षेत्रों पर पड़े असर का आकलन कर रही है। साथ ही देश की खाद्य सुरक्षा पर उसके प्रभाव को कम करने के लिए कदम उटा रही है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन आने वाली आईसीएआर कृषि क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा, समन्वयं और दिशानिर्देश के मामले में शीर्ष संस्था है। आईसीएआर के एक अधिकारी ने कहा कि परिषद देशव्यापी बंद के संभावित प्रभाव और उसके दुष्प्रभाव को कम करने को लेकर दस्तावेज तैयार कर रही है। इसका उद्देश्य देश की खाद्य प्रणाली को दुरुस्त बनाए रखना है।





शिक्षकों की कमी से अधर में दर्जनभर कृषि विश्वविद्यालयों की मान्यता

जनस्य कृषे, नई दिश्वे

भोरत-छ के पता तत् लोक्टान व अध्य पृत्रीति व निवास क तिकार अवधारिका कृति विकासीकालक के इत्लातियों के राष्ट्रीय सम्मेतन में अरापके enskin an farge facts vot 1 mile from के क्षेत्र में आए मारचान को दूर करने के रिस बई सुक्रा आए। इस्में प्रध्यान्ती बो बारो बामी का हुए करने के हैंगर साथ बार्ज में सातान पोएचड़ों डाजों को सिक्षण सरावक के रूप में निवृत्त फरने का प्रस्ताव प्रमुख है। देश के लग्नल एक दर्जन से Upper and Terroformed of governal) के पर सालों होते से उनको पानका का बरोक्टर नहीं हो प रहा है। कुलाविये बा वर मन्त्रेतर पूर्ण पर पोरिष प्रदर्शनंत के मध्यम से हजह जिसमें 70 से ऑफा बुल्पांच्या ने क्रिया निका

इरियन बार्गीयत और एवंबरन्यात रिवार्ष (अक्ट्रवीय(अर) के मार्टानिहरूक डोक्टर विलोधन मताबात ने लोकडान के देशर द्वारों के पटन-पटन पर पद क्षे विकरित प्रथाओं को कम करने के लिए मुख्य गांध। उन्हरं कुत निर्मारकातम् चेरवरी जार्च को तिवास सहस्रक के रूप बें रखने का वार्त्यतिक सुवार

केंद्रीय नवर पर ग्रीने ताली प्रकेश परीका ती fields all streets adjections in and



Roban sartera i

OCC25

वं रोब्रोगर, अनुसंबन और प्रसर र्शांबिक्ति को उन्हें रखने के प्रवर्श मी सरक्षत्र भी भी। प्रत्यात्र ने उपलब्ध संसादन के विकेशपूर्व उपवेश के साथ वर्षि क्षेत्र को वर्षकर व श्रीवस्त्र को चुनेतियों के शिक्त जिल्ला बोलवर्ग बनाने पर जेर दिक।

हती देशन जनस गय कि मेहीय कर पर देने करी क्षेत्र स्ट्रिक पर इस अध्येदन द्वारिक्त करने को विशेष ३६ पार्च में ब्रह्मकर ३० अधीत. २०२० तक बर के रहे है। लोकर प्रयत्न प्रकेश को लिय लेक्स्रान के बार पीका को जाएं। पदार्थ में एकाभाग सामान मानत में प्रेस क्यारं अंक्लान फ्लेपे, रिकार्क रिता सभी विवादीवक्रमध्ये ने अपनी सैवरियाँ क्ष ब्लंग रेत किया।

कृति रिक्षा के एवं महाविदेशक प्रीक्टर असकी असकार ने सामान्य में पिराजीवकालां को मान्यता देने संबंधी दिशा-विदेशों को विस्तार से सद्धा इसके साथ हो उन्होंने पत् विक्रिया विज्ञान में count in more ofte advances across करने पर जीर दिया। सभी बालबीची र बजाओं को ऑस्ट्राइट मुक्त करने और अनुसंबंध के कार्य को जारे एक्ट्रा को बार भरो। टॉक्टर (सरवात ने ब्रहरर हिर प्रचल प्रदेश को नैकरियां के पूर्वी है, लिया सीमहात्र भी अवस से परिश केटों के जब सुनिर्माण करना संभव नहीं हो च रहा है। सम्बन्धन में प्रदानर पिरामीव्यालयं में बुनियारे संसादने के साथ प्रध्यपनी की कर्य का यूद्र जिस्सार से प्रशास तथा।

फैसला : प्रति किसान रबी फसल की खरीद 25 से बढाकर 40 विवंटल कृषि से जुड़े कामों में सरकार ने दी राहत

पञ्चिका ब्युरो

नई दिल्ली. लॉकडाउन के कारण किसनें की पोशानी को देखते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोगर, कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी एवं पुरषोत्तम रुपाला ने अधिकारियों संग बैठक कर राहत के कदम उठाए।

राज्यमंत्री चौधरी ने बताया कि सरकारी एजेंसियों की और से अनाज की खरीदारी बढ़ाते हुए रबी की फसल प्रति किसान 25 क्विंटल से बढ़ाकर 40 क्विंटल कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने खेती से जुड़े कार्वों, महीनरी, उर्वरक, खाद-बीज की दुकानों, कृषि उपज महियों व एजेंसियों को लॉकडाउन से बाहर कर दिया है। यहीं, कृषि मंत्री तोमर के निर्देशों के बाद मंत्रालय के सचिव ने कृषि वस्तु उत्पादक, निर्वातक संघों के साथ वंडियो कॉन्फ्रेंस की है तकि निर्यात प्रभाषित नहीं होने पाए।

किसानों को 16 हजार करोड टांसफर

सरकार ने पीएम-किसान योजना के तहत ह करोड़ किसानों के बैक सातों में 16,000 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए हैं। किसानों को 6,000 रुपए की तीन वित्रतों में नकद लाभ मिला है। दालों की सरीद के लिए 1,250 करोड़ मंजुर किए हैं।

:om/c/50961993

120

विकने में परेशानी होने पर इससे मुख्य वर्षित

उत्पाद बनाए। स्टाबेरी से किसान प्राइन, जैम,

फेरों और समीश भी बना सकते हैं। इस राज्य

में कितानों को मक्का के बीज और कुछ उर्वरक घर पर ही उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है

(पियुरा के फिलानों को टमाटर की बिकी में

में भंडारण करने या टमाटर जूरी बनाने का

राज्य में महती पालन करने बाले किनहनों को

पावल से मछली पात बनाने को कहा गया है।

अनुसंचान एवं विकास से संबंधित अधिकारियों

को पत्नु पाक्षियों के लिए आवश्यक व्यवस्था

करने का निर्देश दिया गया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के

धर में ही सरसो खत्न, यावत और पके हुए

सुझाव दिया गवा है।

कठिनाई होने पर इसे जीचे एनजीं कोल्ड सेवर

वैज्ञानिकों ने दिया मंत्र, लॉकडाउन के दौरान माइक्रोग्रीस की खेती मुफीद

जनसम्बद्धाः वर्षः वर्षः दिवसे

क्षेत्रत के लोकप्राप्त में यह तक frost right is they with Starfood it बहुआदीय पर तर देश है। यह में प्र सरकार के दो सरकार के संविधन सरका में ही पंचक तत्त्वें से चत्तुर महत्रोतीन की Her than to edie id diagrams of the thick क भोषित प्राप्त में इसकी क्षाप्त स्वर्त अवर्थन क राज्य है। पहारोतीय सर्वतिक और पार्टिक स्वास्थ्य की के लिए बेहर राजकेले है।

हरक बार्डाक और गरेकका thad is received that his सिर ने अक्स कि मध्यप्रीस उत्तव अववन है। इन्हें लगाने से बादने तब पात एक से वे सरतार का समय पारिए। इसे PERSONAL OF THE OF STREET हर्ने सार्व उत्तन रोजंचक और खराकर क्ष्म के देश शोधून के अतिरेक्ष प्रक देवह खेल भी है। इस उचन मजदर

- संस्थित तत्त्वदर्ग में सहक्रोबीना की
- प्रवर्त पर म तीमित अवहाँ के दिल का बार गर्वनी

और क्रम मेहनत का करन है। बोर्ट दिन के ओरावत पर इन्हें बई बार उराज जा many \$1 foreign as \$ fa faces if पूर पाल पद्मावीत या उलाइर विवा यक्ता है, बार्ज यूर्व की राजने Sand die faction, sinn ned ibr बारोर्जिक्टक संपादित के स्टालने के साथ य जन्म जन्म है। पश्चितीय को यहर कर भी क्षेत्र में प्रेस अब दें। परिवेश में चना, मूंग न मधूर को अंतुरीत करके साथ अंग है। इसमें महत्रातिम इससे बाह सा अलग है। अंगुरित बीज म रक्षाट्स में हम जह, तथ यह की मीन-पत्र को छाने में प्रवेश में त्यार हैं। तरिवत महत्रकोश व ३३ प्रीस्थ वर्ग संत्र, पर का प्रकार किया जाता है।

होगी भरपाई, किसानों को वाइन, जैम, जेली, स्कवैश, अचार, टमाटर प्यूरी बनाने की सलाह

and ad that

4 Apr 06 2020, 11:54:ST









भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने लॉकडाउन से कृषि उत्पादों को नष्ट होने से किस<u>ार</u> को होने बाले नुकतान से बचने के लिए वाइन, 🏡 प्यूरी और मूल्य वर्षित उत्पाद बनाने की सलाह दे । लॉकराउन के दोरान लगाए गए विभिन्न पानंदिर X



🚹 फ़ेसबुक पर जाएं





Saving agri sector from Covid-19

The steps taken by the government to contain the spread of the virus and mitigate the damage from the lockdown have come at the right time



FARM VIEW SHIPPORT SHIP

ns economy. The excet noticeable fallout of the The exist noticeable failure of the courts that continue to human the form notice to the laborar remove the risk halves removine caused by the laborar removes the risk halves removine caused by the shortest noticeable with the removing the removing and the removing and several section of noticeable workshore into the country's key north weather risks that outside the harvesting and several geasons on outside not country this year due to exaling of inter-state benders and the cause of the Govide 50 vicins. Even the duly workers of selvent products, including the national capital region, who executely all in the removing during the the removing during the three capitals in this season to benefit from the capital serventing drivers upday in agricultural wages, those not to do so this years. They have, theired, opened to have the season to the days the season to the season to the days the season to the season to the season to the season to the capital season. They have, their and to do so this pain. They have, their and to be set this year. They have, their and the season. The season to the season to be set the season to t

of the lockdown as many tracks get held up at letter state borders because they meried non-essential goods. But the struction is gradually improving after the government essed carga-natural series/visus on their missioners. The Covid-FF messace has, indeed.

come at a critical time when the rabit crops are either mady for resping or are beading toward maturity. In fact, gath-

guidelines for farmers, farm laboures and other stakeholders. The broad obsective, of these advisories are to save the farm workers from catching the oceanisties and generaling them from sending it farmed to be supported to the packetsis or hadron speciality in the state opecific advisories have been translated lies to languages and constant in the form of an a love. For the team sold coup-of wheat, the CAR has advised of the part of the state opecific and the state of an above the state of the

newang toward marketing in their, goth-cing of crope that manach, statis, "According to SEAR disorder-general makes and children has already some absenced. The two makes rath copy—wheat crop is theley to be decayed this wheat and gram lobiodynat—are in yearly life id days in the temperature. The final stages of their growth. Are in most parts of the wheat opportung becomprise in the incomment of zows—augon has remained before normal off. when and gams inhidepea?— are in when and gams inhidepea?— are in the final stages of their growth. Any in most years of the wheat-growing august has remained below mornal off and material at this stage is bound to grove county.

Brailing the importance of timely completion of vital fixer operations like harvesting, marketing and the uplany of the cong yearboan, the influencement of the county produce, the influencement of the final county produces the influencement of Agricultural Research OCARD has critical out with an elaborate set of progression and produced manager.

The percentionary entereits against Good-29 range from sample against Covid-P9 range from simple personal safety steps, such as social distancing, frequent hand washing and the use of face muchs and posterior clocking to retain a resultar sastingtion of farm implements and esachinery, including emobies harvestees, sustant and other outginement. Even the sustantial used for pocking and carring the gathered products, such as passety beginned by dispendicts on the posterior and buckets, are reconstruented to be disabled to accept the same workers should be engaged after acceptance.

congestion. Professibly only the known workers should be engaged after acceptaining their enedical history. The workers should maintain a safe distance of around any material articles and the control of a safe distance of a favour of a sare and acceptance of their solutions of a safe distance of their solutions are larger to the safe and unlocating the goods. These precaudisms need to observe throughout the chain of activities host harmening to the whole safe and retail marketing of firms produce. Otherwise, the Covid-th would have a support head.

Now, Krishi Vigyan Kendra door-delivers fresh fish in Kochi

V SAJEEV KUMAR

The lockdown has forced many Keralites to sacrifice their favourite fish dish from their meals. The unavailability of fresh fish following restrictions on fishing activities has inconvenienced many households, as an average Malayalee cannot imagine lunch without a fish dish.

The Krishi Vigyan Kendra, Ernakulam, under the Central Marine Fisheries Research Institute (CMFRI), has come to the aid of households within a 4-km-radius of Kochi city by arranging door delivery of fresh fish. The initiative has started receiving encouraging response, with the average daily supply crossing 500 kg.

"Currently, we are catering to around 350 homes daily, at an average daily sale value of ₹1.6 lakh," Shinoj Subramanian, Senior Scientist and Head, KVK (Ernakulam), told BusinessLine.

The varieties of fish on sale include pearl spot, sea bass, pompano, and crabs, among others. They are procured from Pokkali farms in suburban Cheranallur, Paravur, and Fzhikkara, where KVK assists farm-

ers in both rice and fish farming KVK has imparted

training to Kadappuram Fresh Fish Vidianana Sangham, a self-help group, for the supply of fish based on corona prevention protocol, by issu-

ing a certificate of authenticity, Subramanian said. The SHG collects fish from KVK's partner farmers at farm gate, cleans and supplies to consumers' homes.

Catch details

A list of available fish and their images, along with price details, are circulated among consumers through WhatsApp messages every morning. Cleaned fish is

delivered to the buyers daily before noon. Farmers are happy that

they are able to sell the harvested fish easily and get payment instantly at their farms,

he added

The initiative as-

sumes significance at a time when all the main fish landing centres and retail fish outlets in the district are closed, either completely or partially following the lockdown.

On the other hand, fish farmers are also facing issues in marketing their fish and are struggling to maintain fish stock due to high operational expenditure and feed cost. Cage fish farmers are not getting low-value fish feed to Asian seabass, pompano, trevally, and red snapper, among others.

In this context, the initiative launched by KVK is turning out to be a great support to both farmers and consumers, he added.

There are plans to start door delivery of poultry meat to cater to the demand of the ensuing Easter festive season, he added.

पंद्रलेखर आगाद कृषि एवं द्रौदोनिको विश्वविद्यालय के अध्ययन में सुलासा, बीन हाइस मैसी का उत्सर्गन भी कम हुआ

मौसम पर लॉकडाउन के असर से फसल पकने में भी देरी

cross lather fedel

etemps à une meil de इक्टेबें की बंदें का लेखन पर लेख असन पट्टा है। इस अंतराब में फरवर्त भी इन्हर्वित हो रही है। बुक्ति रिक्षेत्रती है जान अध्यक्त में चाच है कि अनुकृत ताच्छर र किनी से वेंद्र की फावन को प्रकृत दें द्रव 12 दिश सब अवस्थ सम्बन्ध eer die

्रेडरेक्ट अन्यद क्षीत्रच प्रोडरेक्ट क्षित्रक क्षेत्रक विकास में ३३ गर में के 12 अर्थन

त्रक के सामान और उसने ब्रुटि पर पहले बाले प्रचल का अलाव शास्त्रक से कृत से यह पाना कि अपितानर के कृतको ज्यान सामक में उन्हेंद्र जिल्हें।

क्षें कर हो यह सम्बन त्त्रीब शास में अनुबंधन की सकते बातने तिन्त्रे (ट्रोप्यन्तेन्तर) में कार से रोजा हो तक है। प्रकार प्रकार को काल के जाने काल विकास स्टीट करी तहा है। ऐसे में दिस का प्राथम कर हुआ है।



किसमें के हक मे ध्वतीया अध्यद कृषि वर द्रीक्षीत्वरी वित्रविकारण के व्योक्षी विश्वत के अध्यक्ष हो, करन हुनेन कहते हैं कि mone it want or personnel of efficient to three if on three to study over if would not be

हीर हाएक कि में करी अर्थ । हो। कारण देशों में बार्चन एक और केव को हिल्लेको अन्ये होती है। 22 बार्च से बात शरेत क्रिया है। क रेक्ट के लोक स्थाप है। द्वीतर

मार्थ में उद्योगपूर्वीह न होती तो अधीर eight ift gen eight straight seftlies रोल । लिकाइस के दरकारी परिवानी का अध्ययन अभी जाती है। र्मिक्स अन्ये करान भीता पुरिकार भाग । - औ, स्टेस्ट्स्ट्रा के कार्य करान करान

ताप्रका कम होने से गृह के

प्रस्ते की अवदि बढ़ी है।

भा के बहुत और उसीन बंद होते से बोरासर में नेतृ अर्थन साम हो. इसको स्टब्स बार्ग्स कर से को है। should fine it serve for tel-महरूव ऑक्सहर की बाज की पति है। इससे निर्माणन पर कार्य पहा है प्रमान कर दिलों में प्रकार पूर्व क्षे, जानका कम साहे से उसे इस after the last entires of tart but बार कर में कर दिया तथा तथा और





हिसार

• अश्व अनुसंधान केंद्र के निदेशक समेत ८ वैज्ञानिकों को सौंधी जिम्मेदारी, सीएमओ को मेजी जाएगी रिपोर्ट

एनआरसीई ने हिसार, भिवानी, सिरसा, फतेहाबाद और जींद के लिए कोविड- 19 के नमूनों का परीक्षण शुरू किया, पहले दिन 21 सैंपल जांचे, सभी की रिपोर्ट निगेटिव



The state of the country of the coun

🧲 ब्लॉक वाइज मिलेगी मोबाइल ओपीडी की सुविधा, सिविल सर्जन को इयुटी रोस्टर व रूट प्लान बनाने के निर्देश दिए



BusinessLine

ICAR assessing impact of Covid-19 lockdown on agriculture, allied sectors

PTINew Delhi | Updated on April 05, 2020 Published on April 05, 2020

Government agri-research body ICAR is assessing the impact of Covid-19 lockdown on agriculture and affled sectors and taking measures to minimise its effect on the country's food security, a senior ICAR official said.

The Indian Council of Agricultural Research (ICAR) is the apec body for coordinating, guiding, and managing research and education in agriculture in the entire country under the segls of Ministry of Agriculture sed Farmers

TICAR is preparing documents on the possible impact on agriculture and affied sectors and measures to minimise the negatives so that the food system remains unaffected," the official said.

While the government has exempted many agricultural operations from harvesting to movement of produce to mandis from lockdows rules, the ICAR rousy will help the government take further action, the official added.

The official said that ICAR had issued crop-specific advisories to farmers, asking them to take general precautions and safety measures during harvesting, post-harvest operations, storage and marketing of rabi crops.

The government has imposed a 21-day countrywide lockdown to stop the spread of the coronavirus pandersic. There are more than 2,000 confirmed cases of coronavirus in the country at present.

Meanwhile, the official said ICAR had offered all its guest houses located in different states for quarantine use.

ICAR also said that its four institutes -- Shopal-based National Institute of High Security Animal Diseases (NHKSAD), Bengalunu-based National Institute of Veterinary Spidemiology and Disease Informatics (NIVSDI), battager-based Indian Veterinary Research Institute and Hisar-based National Research Centre on Equines (MRCE) -- have required facility to do COV ID-19 tests.

ICAR further said its institutes are providing food and ensuring hygiene in nearby labourer colonies. It is also contributing one-day salary of its staff, amounting no.06 crone, to PM-CARES fund to combat COVID-19.







इस वर्ष गेंह का रिकॉर्ड उत्पादन होगा:

नयी दिल्ली 11 अप्रैल (वार्ता) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक त्रिलोचन महापात्र ने शनिवार को कहा कि इस वर्ष गेंह का रिकॉर्ड उत्पादन होगा। डॉ. महापात्र ने कहा कि इस वर्ष मानसून के अनुकुल होने तथा गेंह के लिए बेहतर मौसम होने के कारण दस करोड पचास लाख टन उत्पादन होने का अनुमान है जो अब तक का सर्वाधिक उत्पादन होगा। पिछले साल दस लाख टन से कुछ अधिक गेंहू की पैदावार हुई थी। इस बार गेंहू की बंपर फसल होने वाली है।

विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।.

दैनिक भारकर

टीप ब्यूज कोतेनसम्बद्धाः सम्ब देशः एट से कमा सकते हैं मुनापत

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने ऑकडाउन से कृषि उत्पादों को नष्ट होने से विस्तानों को होने वाले नुवासान से बचने के लिए वाइन, टमाटर प्यूरी और सूल्य वर्षित उत्पाद बनाने की बाताह दी है। ऑकवाजन के दौरान तपाए गए. विभिन्न पार्वादयों के महेनावर आईसीएआर ने कृषिक्षेत्र के लिए राज्यबार दिशा निर्देश जारी किए हैं जिनमें किसानों को जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पादों को बचाने के लिए अनेक सलाह दी गई हैं। इसमें किसाओं से वाइन, जेम, जेली, स्वतीश, अंचार,





फल न हो निष्फल

तापमान बदने के साव इस फंगस से होगा और नुकसान, गैरपरंपरागत 12 जिलों में रोकचाम की प्रक्रिया होज

उप्र व बिहार में केले की खेती पर पनामा विल्ट का प्रकोप

सुरेंद्र प्रसाद जिसा नई दिल्ली

पूर्वी उस्त प्रदेश और बिहार में केले की प्रमान में प्रसार फिल्ट लगब प्रमान रेश फेले की प्रमान को पूरी तरह नकमान प्रदेश रहा है। तापका बढ़ने पर प्रमात पा वह गर्पन महामारी पर रूप तो शबता है। पैतर्वाची पे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के प्रथम के प्रथम के विन्तित कर दिखा है। संकथान में उसरे करिय वैज्ञानिकों और टिश्यू कान्यर को लॉकझान से मान का दिया गया है।

गेट्स इंस्टोटक्ट ऑफ सक्ट्रारिकत हार्टिकल्पर के निरंत्रक छोक्टर सैनीड राजन का करना है "दुनिया के कई देखें में पाराय जिल्हा की रामाया का विश्वास कोई भवतार जन्म कर्ते है। इस ब्रोक्स को रेक्टर का एक हो ठीका है, जिसमें एक खुश को दूसरे संज से अलग रखा जाए? प्रश्नीका संज बी मिही व फरी से दूसरे खेत की क्यान होता है। दिश्व कल्चर वाले बीच ही लावय जाएं। इसीलिए समझा ने टिट्यू बल्या और

pulity dia faffici रेक्कान में अने कृति रेक्किनको और टिन्स करवा को लोकसान से मका किया

कई देशों में प्रस्था किर की राजधार का विज्ञान कोई कारपर ज्ञान नहीं



रेक्ट्रक्य में लो लोगों को लोक्ट्राइन से मुक्त

राज्यन बहुने पर बीमते महामरी में अंदर रीक पंतरी है जेवर से अर्थन क्य जाते हैं। इस्तिल र्ख प्रमान के लिए पीव दिश्य बल्चर से तैका की जा रही है। क्षेत्र के लिए यह सबसे उपयुक्त समय है, विकार (विकास के पारत इसमें कई तरह की पुरिवासे पैदा हुई। डालाँक सरवार ने अब इसे अवस्थान सामाओं में शुप्तर कर दिया है।

डीक्टर राजन ने बक्रय कि यह प्राप्तक बंगात पनावं प्रयूतिका फिल्ट विक्रमें बर्ज सामी से सर्वक्रव है, जिस्से पर बाबू पाने के लिए हर देश में अपन-अपन सर्वता अपन्य ज शा है। चरत में क्षेत्रें के बीच अञ्चलेतान और टिटर्ड करन्यर नई पीध को रीवर करे का तरीका अपन्यक्ष है। टिट्स करूपर से रहें पीध का 70 फीसट हिस्सा ही तैयर हो पांच है।

इंदियन बार्डीसन आफ एडीकरपाल fixed (sepárose) is nedebne

को प्रसात में प्रशृक्षित्य क्रिएट की महत्त्वरी जोकर भी कियार के बार में संस्था के स्थाद निसर अञ्चलीर अंदर के फास फ्यानीकॉट क्रफानी है, जिसाबा उपयेष इसके प्रकेशन में सक्स है। लेकिन बोर्टन के चारते लागू लॉकाहारन के द्रीयन पढ़ संच्या नहीं हो पा रहा था। क्रमान बद्धे के साथ ही पहले से विक्रीतर क्रकेंग्रेटोन एतेंट वर सहित्र करना होत है।' इस पंत्रस पर बाबू पाने के शित्र एक फ्रोलेक्ट मेलूर किया गया है। आइसीएआर के वैज्ञानिकों के मुस्तविक केले को पंजाल में यह रेग फिल्मान कंपन उत्तर प्रदेश और विद्वार में ही ज्वाज है। देश के अन्य राज्यों में इसका व्यक्षेत्र अर्थे आहे हैं। सालो जना प्रदेश के स्वत fired floor is trip fired if your water है। ही, राजन का कहना है कि अगर किसान कुछ समय तक दूसने परान्तें को खेते कर ले र संपन्न से उस खेत से यह पंत्रस ग्रहण हो न्तर् इसके रिनर विस्तानी की जावसकात पर न्यादा ध्यान दिखा तत रहा है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कृषि अनुसंधान tifret (anfeltrant) à restitue finher महापास ने संस्थान के तीन उत्पृष्ट अनुसंधान केन्द्रों में कोरोना वायरम (कोविक-19) के नमूनों की जांच के आदेश दिए है। जॉ. महाचाना ने श्रानिश्चर को बताया कि राष्ट्रीय उत्तर सुरक्षा पशु रोग संस्थान भोपाल, भारतीय पश् अनुसंधान संस्थान इक्कानगर और भारतीय अश्र अनुसंधान केन्द्र हिसार में कोरोना बायरस के नमुनों की जांच की जाएगी। (Corona virus test) इन संस्थानों में कोरोना वायरस नयूनों की जांच की सभी तेवारियां पूरी कर ली गई हैं और सभी उपकरण तेवार रखे गए हैं।

उन्होंने बताया कि सध्य प्रशास वापरस के ममूचें की जांच है 🚓 किया है। संस्थान के इस के साथ प्रदेश और हरियाण को फार







आईसीएआर के तीन संस्थानों में होगी कोविड-19 नमुनों की जांच

11-04-2020



नवी दिलरी, भारतीय कृषि अनुसंभान परिषद (आईसीएआर) के महाविदेशक विशोधन महायास ने संस्थान के तीन एत्वर अनुसंधान केन्द्रों में कोरोना वापल (क्षेतिह-19) के जबूरों की जांच के अप्टेश

डॉ. महापास ने शनिवार को बताया कि सङ्घेप उत्तव सुरक्षा यह तेन संस्थान भोग्यार, भारतीय य अपूर्णभाव मोनवार इराज्यातार और भारतीय अनुसंधान केन्द्र हिमार में कोरोना बाधास के नयूनों की

देसी मुर्गी पालन में सहभागिता ने दिखाई किसानों को राह

डॉ. महापात्र ने कहा कि इस वर्ष मानसून के अनु



नवी दिल्ली 12 अधेल (बार्ता) देश इस समय कोरोना वायरम कॉविड-19' महामारी से जुझ रहा है जिसके कारण सोनों के उद्योग-धंधे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं

लेकिन इस समय भी देशी नवल की बूगी पालन करने वाले किसानों का सहायता समूह वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में न केवल आप प्राप्त कर रहा है बल्कि बीमारी से बचाव के दिशानिर्देशों का पालन भी कर रहा है।

इस बीमारी के प्रकोध के बाद अधनाओं से मांस के लिए ब्रायलर और अंदा देने वाली किलम 'लेवर' का पालन करनेवाने किसान बुरी तरह से आर्थिक संकट का सामगा कर रहे हैं जबकि पर आंगन तथा आम के बानों में देती मुर्गी पालन करने वाले किसान अच्छी आसदनी अर्जित कर रहे हैं।

केंद्रीय उपोष्ण बारायानी संस्थान लखनऊ के निदेशक रोलेन्द्र राजन के अनुसार आम बागानों की आय बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश के मलीहाबाद में दो वर्ष पूर्व 'फार्मर्स फर्क्ट परियोजना के तहत आम आधारित मुर्गी पातन की शुरुआत की गयी थी। किसानों को भारतीय पक्षी (नुसंधान संस्थान, बरेली के सहयोग से आम के बाग में कारी- निश्रीक, कारकनाथ, अशील, कारी देवेन्द्र जैसी





गई दिल्सी ,15 अप्रैल (वार्त) भारतीय कृषि अनुसंचान परिचर (आईसीएआर) के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) ए के सिंह ने

=

पि विज्ञान केन्द्र (के बी के) को सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप किसानों को प्रसातों के बीज , उर्वरक और अन्य सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं । र्जी सिंह ने कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण देश में जारी लॉक डाउन के मद्देनजर सरकार के आदेशों के अनुसार के वी के को ग्रीष्मकालीन धान , मूंग , उड़द ,मकका , चारे तथा सम्मियों के पीचे और अन्य जलरी मदद उपलब्ध कराने के लिए हर संभव कदम उठाने को कसा है ।





मुर्गी पालन ने लाक डाउन में किसानों को दिखाई राह, बाग में हो रहा मुर्गी पालन

55 April 2005, 6 M jan

- केन्द्रीय उपोष्ण बानवानी संस्थान ने शुरू कराया था मुर्गी पालन का काम
- देशी मुर्गियां खुद कीट-पतंगों शे कर लेतीं अपने भोजन की व्यवस्था

लखनऊ, 10 अप्रैल 2020: जब क्रोडिड-19 रूपी महामारी में किलाओं की आजीविका बूरी तरह प्रभावित हुई है, वहीं इस समय आम आधारित देशी मुर्गी पालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेडा द्वारा दो वर्ष पूर्व शुरू किये गये प्रार्थर पनट परियोजना शुब पान-पान रही है। इसकर कारण है देशी व कड़कनाथ गुर्गी का पालन, जिसके भोजन के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं करनी पहती है।

इसी वक्त एक प्रोफ़ाइल

one to plique (someoné tel sebe)

Doctor of Acr 12 2020 3 31044





अब मनुष्य के साथ बाप के स्वास्थ्य पर भी रखी जा रही है नजर

नई दिल्ली 12 अप्रैल (वार्ता) देश में कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने को लेकर न केवल मानव स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है बल्कि इससे बन्य जीवों को भी बचाने को लेकर सतर्कता बरती जा रही है । बन्य जीवों में यदि कोविंड 19 का प्रकोप होता है तो इसकी जांच के लिए देश के पशु अनुसंधान से जुड़ी टीन उत्कृष्ट प्रयोगधालाओं को तैयार रखा गया है। राष्ट्रीय पश् रोग उच्च सुरक्षा संस्थान (निशाद) भोपात, भारतीय पत् अनुसंधान संस्थान इज्जातनगर और भारतीय अश्व अनुसंचान केन्द्र हिसार को चन्द्रओं के कोरोनावायरस की जांच के लिए तैयार रखा गया है।

लखनऊ का अभिमान हिन्दी खबर 🖽 <



लखनऊ। जब कोविड-19 रुपी महामारी में किसानों की आजीविका बुरी तरह से प्रभावित है, वहीं इस समय 'आम' आधारित देशी मुगी पालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेडा द्वारा दो वर्ष पूर्व शुरू किये गये फार्मर फार परियोजना खब फान-फान रही है। इसका कारण है देशी व कहकनाथ मूर्गी का पालन, जिसके भोजन के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं करनी पहती है। इस संस्था से लखनऊ के निदेशक डाक्टर शैलेन्द्र राजन ने बताया कि आम बागवानों की आप बढ़ाने के लिए मलिहाबाद में दो वर्ष पूर्व आम आधारित मुर्गी पालन की शुरूआत फार्मर प्रनर्ट परियोजना के अंतर्गत की गयी थी। किसानों को भारतीय पक्षी अनुसंधान संस्थान, बरेली से लाकर बाग में सफलतापूर्वक चलने वाली क्रिस्में जैसे कारी-निर्भीक, कडकमाथ, अशील, कारी देवेन्द्र इत्पादि दी गयी, किन्तु किसानों को आत्मनिर्धर बनाने के लिये

× कोशेना का डर: अब मनुष्-



NORTH BIHAR LIVE NEWS

पूरी तरह से तैयार हैं और विशेषज्ञों को इसके लिए सतर्क किया गया है। अमेरिका में एक बाय में कोरोना वायरस के लक्षण मिलने के बाद वन एवम् पर्यावरण विभाग ने राज्यो और अन्य संबद्ध एजेंसियों को सतर्क किया है। अमेरिका के बोरोक्स स्थित एक चिडियापर के एक बाध में पिछले दिनों कोरोना वायरस का लक्षण पाया गया 107.1

भारतीय कषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक त्रिलोचन महापात्र ने भोपाल, इज्जतनगर और हिसार प्रयोगशालाओं को कोरोना वायरस के नमूनों की जांच का आदेश दिया है। इन प्रयोगशालाओं को लोगों के कोरोना वायरस के नमुनों के जांच के लिए भी तैयार रखा गया है। इन केंद्रों में बर्ड फ्लू के नमूनों की भी जांच की जाती रही है। बन्य एवम पर्यावरण मंत्रालय ने राज्यों के बन्य जीव वाडर्न से राष्ट्रीय उद्यान, बन्य जीव अभवारण्य और टाइगर रिजर्व में लोगों की कोरोना का ठर: अब मनुष्य के साथ साथ जानवरों पर भी रखी जा रही गजर नेशनत ठेसक: देश में कोरोना बायरस के प्रकोप से नियाने को लेकर न केवल मानव स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है बल्कि इससे क्य जीवों को भी बचाने को लेकर सतकर्ता बरती जा रही है । बन्ध जीवों में चदि करेविड 19 कर प्रकोध होता है जो इसकी जांच के लिए देस के प्रमु अनुसंध से जुद्दी तीन अक्ट प्रयोगसालाओं को तैयार रक्षा गया है। राष्ट्रीय पशु रोग उच्च सुरक्षा संस्थान (निसाद) भोपाल, भारतीय पत्रु अनुसंधान संस्थान इक्कानगर और घारतीय अध ार केन्द्र हिसार को पशुओं के कोरोनाक्षयरस की जांच के लिए तैयार रखा गया है ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिकार के उप बारनिर्देशक पशु विज्ञान भूनेट नाथ विचारी ने बताया कि सभी तीन प्रयोगशाता जांच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और विशेषातों को इसके लिए सतके किया गया है। अमेरिका में एक बाप में कोरोना बायरस के रक्षण मितने के बाद कर एक्स पर्यावरण विभाग ने राज्यों और अन्य संबद्ध एजेंसियों को सतके किया है। अमेरिका के बोटोज्स स्थित एक चित्रशियर के एक बाय में विक्रते दिनों कोरोना बायरस का तक्षण पाया गया था ।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक वितोधन महायात ने भीचान, इन्जननगर और हिनार हामीग्रातानाओं को कोरोज साधान के ज्यूनों की जांच का अन्तर्स दिया है। इन प्रयोधसानाओं को लोगों के कोरोज साधान के नमूनों के जांच के लिए भी तैयार रखा गया है। इन केंद्रों में बई पर्यु के नयूनी की भी जांच की जाती रही है। बन्य एवम पर्यक्रम बंबालय में राज्यों के बन्य जीव बार्डर्ग से राष्ट्रीय उद्धान, बन्य जीव अभावतत्त्व और टाइन्स रिजर्व में सोनों की गतिविधियों पर नजर रखने को करा है। संदेशस्यद सन्य जीवों के नमूनों को

नई दिल्ली, 08 अधेल | भारतीय कृषि अनुसंचान परिषद (आई सी ए आर) ने लॉकडाउन से कृषि उत्पादों को नष्ट होने से किसानों को होने वाले नुकसान से बचने के लिए वाइन, टमाटर प्यूरी और मूल्य वर्षित उत्पाद बनाने की सलाह दी है (लॉकडाउन के दौरान लगाए गए विभिन्न पाबंदियों के मदेनजर आईसीएआर ने कृषिक्षेत्र के लिए राज्यवार दिशा निर्देश जारी किए हैं जिनमें किसानों को जल्दी खराब होने वाले कथि उत्पादों को बचाने के लिए अनेक सलाह दी गई हैं। इसमें किसानों से वाइन, जैम, जेली, स्कावैश, अंचार, टमाटर प्यूरी और मशकम के मृत्य वर्षित उत्पाद बनाने का सुद्भाव दिये गए हैं।मेघालय के किसानों के लिए जारी दिशा निर्देश में बज़ा गया है.

कि स्टाबेरी की खेती करने वाले किसान इसके बिकने में प्ररेशानी होने पर हमसे मल्य वर्षित

आईसीएआर की सलाह : लॉकडाउन की पाबंदियों से बर्बाद हो रहे कथि उत्पादों को बचाने के लिए किसान वाइन, टमाटर प्यूरी, आचार, जेली और जैम बनाएं

किसान वेल्यू एडेड उत्पाद बनाकर कृषि उपल से कमा सकते हैं मुनाफा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने.

ICAR : किसानों को होने वाले नुकसान से बचने जैम , जेली, मूल्य वर्धित उत्पाद बनाने की सलाह

(5: 08 Avr 3550

% How > ARTONA

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने लॉकडाउन से कृषि उत्पादों को नष्ट होने से किसानों को होने वाले नुकसान से बधने के लिए सलाह दी है। आईसीएआर ने कहा है कि वाइन, टमाटर प्यूरी और मृत्य वर्षित उत्पाद बनाए जाने चाहिए।











आईवीआरआई की बीएसएल लैब कोरोना वायरस की जांच को तैयार



बरेली प्रमुख संवाददाता

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) में कोविड-19 की जांच के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अनुमति मिल गई है। जांच के लेकर आईवीआरआई में मौजूद बावो सेफ्टी लेवल (बीएसएल-3) को तैयार कर लिया गया है। इसमें रोजाना 200 सेंपल की जांच की जा सकेगी। इसके लिए आईवीआरआई के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों की टीम भी तैयार कर ली गई है और सैंपल आते ही जांच शरू कर दी जाएगी।

संयुक्त निदेशक कैडरेड डॉ. बीके गुप्ता को कोरोना- 19 नमूना परीक्षण तथा किसी भी जानकारी के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

दरअसल सचिव (डेयर) और आईसीएआर के महानिदेशक ने तीन विज्ञान संस्थानों (एनआईएचएसएडी भोपाल. एनआरसीई हिसार एवं पश रोग निदान केन्द्र (कैडराड) आईबीआरआई को संबंधित राज्वों में कोरोना- 19 नमुनों के परीक्षण मंजूरी दे दी है। इसके अलावा वन और पर्यावरण मंत्रालय ने जानवरों से उत्पन्न कोरोना वायरस-संदिग्ध नमुनों के परीक्षण के लिए भी इन तीनों संस्थानों को भी मंजूरी दी है। प्रयोगशाला तैयारियों में है। कैडरेड की और से प्रशासन से जांच के लिए प्रयोग में आने वाली सामग्री मांगी है और जैसे संसाधन पूरे हो जाएंगे परीक्षण शुरू हो जाएगा। संयुक्त निदेशक कैडरेड डॉ. वीके गुप्ता ने बताया कि जरुरी सामग्री प्राप्त होने के बाद जांच शरू हो जाएगी और इसके लिए वैज्ञानिकों का एक परा दल तैयार किया गया है।



बीएसएल-३ लैब है काफी अत्याधुनिक

वर्ल्ड बेंक एवियन इन्पलुएंजा परियोजना की तैयारी, नियंत्रण और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग, कृषि मंत्रालय ने आईवीआरआई को 2011 में वायोसेफ्टी लेवल (बीएसएल-3)

> प्रयोगशाला की स्थापना की गई थी। सात करोड़ रुपये की इस प्रयोगशाला के साथ जांच के लिए करीब 13 करोड़ की मशीनें भी लगाई गई है। बीएसएल थ्री माइयूल महामारी की जांच के लिए काफी आधुनिक है। इसमें व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, सीतिड-फ्रंट रैपअराउंड गाउन, स्क्रंब सूट या कवर्स पहनकर ही जांच की जा जाती है। एग्जिट के पास एक्सेस हैंड-फ्री सिक और आईवाश उपलब्ध होते हैं। जांच के दौरान पूषित हया को फिल्टर कर बाहर करने की प्रणाली मौजूद है।

200 सेंपल की रोजाना जांच होगी, तत्काल मिलेगी रिपोर्ट

आईवीआरआई में जांच के जल्द मिलेगी रिपोर्ट

अब तक जिला अस्पताल रात आठ बजे तक नमूने इकट्टा करता था, इसके बाद रात को 11 बजे एंदुलेंस लेकर लखनऊ जाती थी। वहां सैंपल देने के बाद जांच होती थी और फिर उसकी रिपोर्ट आती है। इसमें अच्छा खासा समय और संसाधन खर्च होता था। अब आईवीआरआई में जांच में समय और संसाधन दोनों बचेंगे और समय पर रिपोर्ट आने से मरीजों का इलाज सही तरीके से हो सकेगा।

आईवीआरआई कोरोना की जांच के लिए पूरी तरह से तैयार है। सैंपल जांच के लिए आते ही जांच शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए नोडल अधिकारी डॉ. वीके गुप्ता को बनाया गया है। डॉ. आरके सिंह विश्वक, आईवीआरआई

आईवीआरआई में जांच शुरू होने से सहिलयत होगी। जल्द जांच रिपोर्ट मिल जाएगी। अगर लैंब शुरू होती है तो इससे कोरोना मरीजों की जांच और इलाज में काफी मदद मिलेगी।

– डॉ . वीके शुक्ल, सीएमओ, बरेली





Robust Varieties Survive Panic Culling

Desi chicken gives booster dose to faltering poultry

NehaShukla@timesgroup.com

Lucknow: Desi chicken breeds have stood the test of time and survived panic cuiling during the covid-19 pandemic. And with the government issuing an advisory with a hygienerider that consuming chicken and eggs is safe, the robust desi varieties like 'kadaknath' and 'asheel' are delivering the much-needed booster dose to a faltering poultry industry in Uttar Pradesh even during the lockdown.

"There was no culling of kadaknath or asheel breed unlike broiler chicken in the state," said Maneesh Mishra, principal scientist (crop improvement and biotechnology) at CISH, Lucknow.

Farmers' self-help group, Sahbhagita, is training breeders on poultry hygiene. The Lucknow-based ICAR lab at CISH, are educating poultry growers through whatsapp and social media platforms. "Customers are calling us and placing orders. The lockdown has partially hit delivery. otherwise there's never dearth in demand," said Mohd Shafeeq, mango grower in Lucknow's mango belt, Malihabad. He took to rearing desichicken under the CISH initiative. Desichicken, unlike broilers takes about four to six months after hatching to be ready for consumption.

"Our chicken is organic as these are fed grounded wheat, paddy residue, vegetables, fruits, vitamins and medicines. Also, desi breed naturally gains weight and are not artificially fattened in 32 days," said Shafeeq.

Growers rear breeds developed by Central Avian Research Institute (CARI), Bareilly,

PANIC NO

in a joint initiative with Central Institute of Subtropical Horticulture (CISH), Lucknow, which first introduced poultry farming in mango orchards of Malihabad three years ago. Director, CISH, Shailendra Rajan, said, "During lockdown, farmers associated with Sahbhagita were given technical tips through WhatsApp and telephone. Farmers were given masks and sanitizers and told to practise sanitization of hatchery machine and eggs. And this led to a spurt in sale of eggs during the

Malihabad orchards are

not just a breeding ground of Jhabua's 'kadaknath', but also its lesser-known indigenous cousins — 'asheel', 'shyama', 'nirbheek' and 'debendra'. These varieties don't feed on antibiotics, but on ginger, garlic and a diet laced with Vitamin C.

Growing demand has made growers develop a hybrid variety of the chicken — 'kadak-asheel'. And the variety sells at about Rs 1,000 and weighs 1.5kg. The variety is black and white in colour — a cross between kadaknath and asheel and has qualities of both.

Long legs, light weight and broad wings help these desi birds to fly high till 20-30 metre, allowing them to perch on branches of mango trees and feed on pests. Their ferocity helps them double up as shields against predators. "This muscular breed is most sought-after in the market while broilers are fatter and sluggish," said Mishra.

These organic birds are high on stamina and protein and low on fat. Most of these grow to their full size and weight in four months and orchard owners can sell them to make extra money. Around 100 families in Malihabad have adopted this breeding module.

-DAY 21

THE TIMES OF INDIA, LUCKNOW WEDNESDAY, APRIL 15, 2020

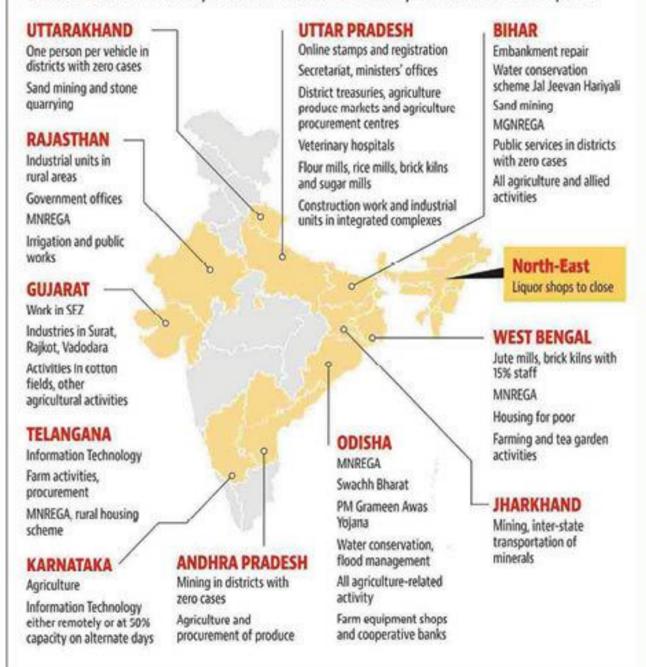




Hindustan Times, Delhi Thursday, 16th April 2020; Page: 4

States relax restrictions

Following an extension of the nationwide lockdown, several states have eased curbs to facilitate economic activity. A look at what activities they have allowed from April 20













gife expect till tille freist till sodde gife explore tillet.

gife tol flesse extrem visione, gife men, til floret vin om

DOSERMENT FOR ADMINISTRATE EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EX ADMINISTRATE, RESERVENT EXTREMENTE

EXTREMENTE EX ADMINISTRATE, RESERVENT EXTREMENTE

EXTREMENTE EX ADMINISTRATE, RESERVENT EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTREMENTE

EXTRE

MEDIAN COUNCES OF ASSISTANCE PARTY AND TOTAL SERVICES OF ASSISTANCE AND TOTAL SERVICES OF ASSISTANC

प्रिय किसान भाईयों एवं बहनों,

इस परीक्षा की घड़ी में जब पूरा विश्व कोविड—19 की महामारी से गुजर रहा है, मैं कामना करता हूँ कि सभी किसान भाई एवं बहनें इसका सफलतापूर्वक सामना करेंगे। इस भयानक महामारी के संक्रमण को रोकने और लोगों की सुरक्षा के लिए हमारी सरकार ने अनेक कदम उदाए हैं। ऐसे में माननीय प्रधानमंत्री जी की अपील का सम्मान करते हुए व्यक्तिगत सफाई एवं सामाजिक दूरी (Social Distancing) बनाए रखना आवश्यक है। इस महामारी का प्रकोप ऐसे समय में हुआ है जब रबी की खाद्य फसलों जैसे गेहूँ, मोटे अनाज, दलहन एवं तिलहन तथा अन्य फसलों की कटाई का कार्य प्रारंभ हो रहा है। हमें अनाज, फल—सब्जी, दूध, अंडे, मछली एवं अन्य उत्पादों को खेत से निकालते समय अनेक सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

इस महामारी से निपटने के लिए किसानों को जरूरी कदम उठाने का निर्देश देते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लॉकडाउन के समय कृषि—क्षेत्र प्रभावित नहीं होगा। इस संबंध में अधिक विवरण जानने के लिए भारत सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति संख्या 40-3/2020-DM-I(A) को भी देखा जा सकता है जिसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि कृषि उत्पादों की खरीद एवं बिक्री में लिप्त सभी एजेंसियाँ, मंडियाँ, राज्य सरकारों द्वारा अधिसूचित इकाइयाँ, किसान एवं कृषि श्रमिकों द्वारा किसानी कार्य, फार्म मशीनरी में लिप्त कस्टम हायरिंग सेंटर्स, उर्वरक, कीटनाशक व बीजों की दुकानें, निर्माण एवं पैकेजिंग इकाइयाँ खुली रह. में। इसके अलावा खेती में प्रयोग होने वाली कटाई एवं बुवाई से संबंधित मशीनें जैसे कंबाइंड हार्वस्टर व अन्य कृषि एवं बागवानी में उपयोग होने वाली मशीनों को राज्य के बाहर लाने एवं ले जाने की छूट दी गई है। उक्त सभी कार्य करते समय तथा अपने खेत में स्वयं के या किराए पर लिए गए कृषि—यंत्रों के प्रयोग में साफ—सफाई रखने के साथ—साथ हाथों को साबुन से धोना, अल्कोहल से रगड़ना एवं एक—दूसरे से आपसी दूरी बनाए रखना ऐसे सामान्य उपाय हैं जिनको व्यवहार में लाना अनिवार्य है।

फसल, पशुपालन एवं मछली पालन से संबंधित समस्याओं के समाधानों की सलाह के लिए किसान भाई एवं बहनें अपने निकटतम कृषि विज्ञान केंद्रों, भा.कृ.अनु.प.—संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों से दूरनाष के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

आपके बेहतर स्वास्थ्य की कामनाओं के साथ

स्ति • स्टापाद (त्रिलोचन महापात्र)

संपर्क करें :

किसान निकटतम कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), आईसीएआर अनुसंधान संस्थान और राज्य कृषि विश्वविद्यालय (एसएयू) के वैज्ञानिकों / विशेषज्ञों से संपर्क कर सकते हैं

Contact:

Farmers can contact scientists / specialists of nearest Krishi Vigyan Kendra (KVK), ICAR Research Institute and State Agricultural University (SAU)





